THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 119 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) श्रावण अमावस्या 2080 सोमवार, 17 जुलाई 2023 प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 : 8 रुपये

पहले बगावत अब मनाने की कोशिश

अजित पवार एनपीसी मंत्रियों के साथ शरद पवार से मिले, प्रफुल्ल पटेल बोले- हमने पैर पकड़कर उनका आशीर्वाद लिया; उन्होंने हमें सुना, बोले कुछ नहीं

शरद पवार गुट ने उन 9 विधायकों को अस्थायी तौर पर निलंबित करने की मांग की

मुंबई, 16 जुलाई (एजेंसियां)। प्रफुल्ल पटेल (शिंदे गुट) ने बताया- हमें जानकारी मिली थी कि शरद पवार साहब यहां मौजूद हैं, तो हम बिना उन्हें सूचित किए यहां आ गए और उनका आशीर्वाद लिया। प्रफुल्ल पटेल (शिंदे गुट) ने बताया- हमें जानकारी मिली थी कि शरद पवार साहब यहां मौजूद हैं, तो हम बिना उन्हें सूचित किए यहां आ गए और उनका आशीर्वाद लिया। अजित पवार और उनके गुट के विधायक रविवार को शरद पवार से मिलने पहुंचे। यह मुलाकात वाईबी चह्वाण सेंटर में हुई। मुलाकात के बाद अजित गुट वाली एनपीसी के नेता प्रफुल्ल पटेल ने कहा कि हमने पैर पकड़कर शरद पवार जी का आशीर्वाद लिया। पटेल ने कहा- हमने उनसे विनती की कि एनपीसी पार्टी साथ रहे और मजबूती से आगे बढ़े, इस बारे में विचार करें। उन्होंने हमें कोई भी प्रतिक्रिया नहीं दी। हां, उन्होंने शांत होकर हमारी बातें सुनीं। अब सवाल ये उठता है कि क्या शरद पवार का सही में हृदय परिवर्तन हो सकता है ? जो पवार कुछ दिन पहले तक फिर अपनी पार्टी खड़ी करने की बात कर रहे थे, क्या वे भतीजे से हाथ मिला सकते हैं?

शरद पवार क्या मान जाएंगे?

अटकलें तमाम तरह की लगाई जा रही हैं, लेकिन स्पष्ट कुछ भी नहीं है। वैसे इस मुलाकात को लेकर शरद पवार गुट की तरफ से भी प्रतिक्रिया आई है। जयंत पाटिल ने मीडिया से बात करते हुए कहा था कि सुप्रिया सुले का फोन आया था, उसी वजह से तुरंत वाईबी सेंटर पहुंचा गया। क्यों बुलाया गया, इसकी कोई जानकारी नहीं थी। जानकारी के लिए बता दें कि दो दिन पहले भी देर रात अजित पवार, अपने चाचा शरद पवार से मिलने पहुंच गए थे। उस समय एनसीपी प्रमुख की पत्नी बीमार थीं, उनका ऑपरेशन हुआ था, ऐसे में हालचाल लेने के लिए अजित वहां गए थे।

उस समय तो अजित ने उस मुलाकात को सिर्फ शिष्टाचार तक सीमित रखा, लेकिन रविवार की बैठक ने बता दिया है कि शरद पवार को मनाने की कोशिश शुरू कर दी गई है।

बता दें कि एनपीसी संस्थापक शरद पवार गुट ने उन 9 विधायकों को अस्थायी तौर पर निलंबित करने की मांग की है, जिन्होंने अजित पवार का समर्थन किया है और शिंदे-फडणवीस सरकार में मंत्री पद की शपथ ली है। इन विधायकों के खिलाफ एनपीसी विधायक और ग्रुप लीडर जयंत पाटिल ने विधानसभा स्पीकर हाउस में याचिका दायर की है। याचिका में मांग की गई है कि इन विधायकों को अस्थायी तौर पर निलंबित करने की कार्रवाई की जाए।

6 जीएसटी अधिकारियों को दुकान में बंद किया

कोझिकोड , 16 जुलाई (एजेंसियां)। केरल में जीएसटी विभाग के छह अधिकारियों को दुकानदारों ने दुकान के अंदर बंद कर दिया। वे टैक्स चोरी के मामले में छापेमारी करने गए थे। जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और अधिकारियों को दुकान से निकाला। दुकानदारों का कहना है कि उन्होंने या उनके साथियों ने किसी अधिकारी को दुकान में बंद नहीं किया। कुछ दुकानें जरूर बंद की गई थीं क्योंकि हमें नमाज पढ़ने मस्जिद जाना था। हमने अधिकारियों को इस बारे में पहले ही जानकारी दे दी थी।

मामला केरल के कोझिकोड जिले का है। शुक्रवार को जीएसटी विभाग की 50 सदस्यों की टीम एक मार्केट में छापेमारी के लिए पहुंची थी। एसएम स्ट्रीट, तिरुवन्नूर और स्पेस मॉल में स्थित करीब 25 दुकानों में छापेमारी करनी थी। मार्केट में जीएसटी के अधिकारियों को देखते ही दुकानदार विरोध करने लगे।

तेलंगाना में भाजपा बदलेगी रणनीति

आंध्र प्रदेश में टीडीपी से गठबंधन की तैयारी में भाजपा

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा ने दक्षिण के राज्यों को लेकर अपनी चुनावी रणनीति में बदलाव किया है। हाल के चुनावी सर्वेक्षणों से भाजपा को यह संकेत मिला है कि तेलंगाना में कांग्रेस वापसी कर रही है। वह के. चंद्रशेखर राव की भारत राष्ट्र समिति के करीब है।

हाल ही में अमित शाह ने केसीआर के बेटे केटी रामा राव से मुलाकात की। केटीआर ने राजनाथ सिंह से भी बातचीत की। दोनों पार्टियों के बीच संघर्ष विराम आम दुश्मन यानी कांग्रेस से लड़ने के लिए है।

आंध्र प्रदेश में टीडीपी से गठबंधन की तैयारी में भाजपा

इस बीच पड़ोसी राज्य आंध्र प्रदेश में टीडीपी प्रमुख चंद्रबाबू नायडू भाजपा के साथ अपना गठबंधन पक्का कर रहे हैं। नायडू से कनेक्शन मजबूत करने के लिए भाजपा के लिंक पर्सन डी. पुरंदेश्वरी हैं, जिन्हें पिछले हफ्ते आंध्र प्रदेश में पार्टी का प्रमुख नियुक्त किया गया था।

वह इस काम के लिए सबसे उपयुक्त हैं क्योंकि नायडू उनकी बहन के पति हैं। टीडीपी और बीजेपी को पवन कल्याण की जेएसपी के साथ समझौता होने की उम्मीद है, जो कापू समुदाय का प्रतिनिधित्व करती है, जबकि टीडीपी कम्मा समुदाय की पार्टी है। मोदी फैक्टर के अलावा इन राज्यों में भाजपा का योगदान बहुत कम है।

भाजपा के कई दांव उल्टा पड़ने लगे हैं

पुराने रिश्तों को तोड़ने के परिणामों पर विचार किए बिना नए चेहरों को हथियाने की भाजपा की हालिया नीति चुनावों में उल्टी पड़ सकती है। महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सेना में पुराने प्रतिद्वंद्वी अजीत पवार के डिप्टी सीएम के रूप में अचानक आगमन को लेकर बड़ी नाराजगी है ।

तेलंगाना में भाजपा आलाकमान के यू-टर्न लेने और केसीआर के साथ तालमेल बिठाने के साथ, भाजपा में हाल ही में शामिल हुए कई नेता निराश होकर वापस अपनी पूर्व पार्टियों में शामिल हो रहे हैं।

पश्चिम बंगाल में अर्जुन सिंह और मुकुल रॉय जैसे टीएमसी दलबदलू पहले ही बीजेपी छोड़ चुके हैं।

यहां तक कि अनुभवी सांसद दिनेश त्रिवेदी, जिन्होंने 2021 में टीएमसी से इस्तीफा दे दिया था और बीजेपी में शामिल होने के लिए पांच साल की टीएमसी राज्यसभा सीट का त्याग कर दिया था, उन्हें भी लगता है कि वह अधर में छोड़ दिए गए हैं।

त्रिवेदी को जिस राज्यसभा सीट का वादा किया गया था उसकी जगह कूचबिहार के स्वयंभू महाराज और अलगाववादी नेता अनंत राय को दी गई है।

भाजपा ने त्रिवेदी को सूचित करने का भी शिष्टाचार नहीं दिखाया। राय अपने गृह क्षेत्र में भाजपा के लिए जो भी वोट जीतेंगे, उसका नकारात्मक जवाब दक्षिण बंगाल उन्हें देगा, क्योंकि वह उत्तर बंगाल को अलग राज्य बनाने की मांग करते रहे हैं।

मणिपुर में महिला की हत्या, चेहरे पर गोलियां मारीं

भीड़ ने ट्रकों में आग लगाई; 10 दिन पहले स्कूल के बाहर महिला को गोली मारी थी

इंफाल, 16 जुलाई (एजेंसियां)। मणिपुर में 3 मई से कुकी और मैतेई समुदाय के बीच हिंसक झड़प हो रही है। शनिवार को इंफाल पूर्वी जिले में एक महिला की घर के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई। सावोमबुंग इलाके में आए और उन्होंने 50 साल की एक महिला का चेहरा गोलियों से भून दिया। घटना के बाद पुलिस हाई अलर्ट पर है और इलाके की घेराबंदी कर दी गई है। मणिपुर पुलिस के मुताबिक, महिला मरिंग नगा समुदाय से थी। 10 दिन पहले 6 जुलाई को मणिपुर के इंफाल वेस्ट जिले में ऐसी घटना सामने आई थी। जब स्कूल के बाहर एक महिला को गोली मार दी गई थी। शनिवार को मणिपुर के इंफाल पश्चिम जिले में तीन खाली ट्रकों में आग लगा दी गई। यह घटना सेकमाई थाना क्षेत्र के अवांग सेकमाई इलाके में हुई।

हिंसा में 150 से अधिक लोगों की मौत, हजारों घायल

मणिपुर में पिछले 75 दिनों से कुकी और मैतेई समुदाय के एक-दूसरे के खिलाफ हथियार लेकर खड़े हैं। पीटीआई के मुताबिक, हिंसा में अब तक 150 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं 1000 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। 65,000 से अधिक लोग अपना घर छोड़ चुके हैं। आगजनी की 5 हजार से ज्यादा घटनाएं हुई हैं। 6 हजार मामले दर्ज हुए हैं और 144 लोगों की गिरफ्तारी हुई है। राज्य में 36 हजार सुरक्षाकर्मी और 40 आईपीएस तैनात किए गए हैं।

हरियाणवी गाने पर सोनिया गांधी ने डांस किया

प्रियंका सोनीपत से आई महिलाओं के गले लगीं; राहुल गांधी ने वीडियो शेयर किया

चंडीगढ़ , 16 जुलाई (एजेंसियां)। 8 जुलाई को राहुल गांधी शिमला जाते वक्त सोनीपत के मदीना गांव में रुके थे। उन्होंने यहां की महिलाओं को दिल्ली बुलाया था। राहुल गांधी ने रविवार को एक वीडियो शेयर किया, जिसमें हरियाणा के सोनीपत से आई कुछ महिलाएं सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी के साथ हरियाणवी गाने पर डांस करती हुई दिख रही हैं। करीब 12 मिनट के इस वीडियो में सोनीपत की कुछ महिलाओं को दिल्ली लाने, घुमाने और अंत में उनकी सोनिया, प्रियंका और राहुल से मुलाकात शामिल है।

वीडियो में प्रियंका गांधी के आवास पर पहुंची इन महिलाओं से राहुल पूछते दिख रहे हैं- कैसी लगी दिल्ली, घूमा कि नहीं? इसके बाद उनके साथ सोनिया, प्रियंका और राहुल लंच करते नजर आ रहे हैं। वीडियो के शुरुआती हिस्से में राहुल और सोनीपत के दो किसानों के बीच बातचीत है। 8 जुलाई को शिमला जाने के दौरान राहुल सोनीपत के मदीना गांव में इन किसानों से मिले थे। राहुल ने खेत में ट्रैक्टर चलाया, धान रोपा और किसानों के साथ खाना भी खाया था। तब उन्होंने इन महिलाओं को दिल्ली आने का न्योता दिया था। हालांकि इसका पूरा वीडियो सामने नहीं आया है।

वीडियो में 8 जुलाई को सोनीपत के मदीना गांव में राहुल गांधी महिलाओं के साथ बातचीत करते हुए दिख रहे हैं। राहुल महिलाओं से उनकी समस्या और बच्चों की पढ़ाई-लिखाई के बारे में पूछते हैं। इसके बाद एक महिला पूछती है- अपने बारे में तो कुछ बताओ? इस पर राहुल कहते हैं- मैं दिल्ली का हूं।

फिर महिला बोलती है- हमें भी अपने घर बुलाओ? जवाब में राहुल कहते हैं- सरकार ने तो मेरा घर छीन लिया। खैर, आ जाओ दिल्ली दिखाता हूं। फिर राहुल गांधी ने प्रियंका से उनकी बात कराई।

राहुल ने प्रियंका को कहा कि इन महिलाओं को दिल्ली आना है। आपके घर ले आऊं। प्रियंका से बात होने के बाद पिछले शुक्रवार को राहुल गांधी ने स्पेशल गाड़ी भेजकर इन महिलाओं को दिल्ली बुलाया।

उन्हें इंडिया गेट घुमाया। इसके बाद सभी महिलाएं प्रियंका गांधी और सोनिया गांधी से भी मिलीं। वीडियो के एक हिस्से में राहुल और दो किसानों तसबीर कुमार और संजय की बातचीत भी है। राहुल ने बातचीत के दौरान किसानों से पूछा- देश में सब कुछ प्राइवेट हो रहा है। इसका फायदा किसको हो रहा है? किसानों ने जवाब में कहा- देश के कुछ बड़े अमीर लोगों को।

किडनैपिंग का लाइव वीडियो

सोशल मीडिया पर पोस्ट कर पुलिस को जानकारी दी, 12 घंटे में 4 गिरफ्तार

बेंगलुरू, 16 जुलाई (एजेंसियां)। बेंगलुरु में एक शख्स ने किडनैपिंग का लाइव वीडियो रिकॉर्ड कर अपराधियों को पकड़वा दिया। शख्स ने वीडियो को ट्विटर पर पोस्ट करते हुए पुलिस को टैग किया था। जानकारी मिलते ही पुलिस हरकत में आई और टीम ने गाड़ी नंबर के आधार पर किडनैपर्स की पहचान की। 12 घंटे के भीतर चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया।

यह मामला 15 जुलाई का है। विजय डेनिस नाम का एक शख्स एचएसआर लेआउट इलाके के हैंगओवर पब के पास अपनी कार में बैठा था। रात में करीब 12 बजे कुछ लोग पब से बाहर निकले और एक व्यक्ति को पीटने लगे। मारपीट के बाद आरोपियों ने पीड़ित को कार में बैठाया और फरार हो गए। इस पूरी घटना को विजय ने अपने कैमरे में रिकॉर्ड कर लिया था। आधे घंटे के बाद विजय ने कर्नाटक डीजीपी और अन्य अधिकारियों को ट्विटर पर टैग करते हुए वीडियो पोस्ट कर दिया।

फर्राटेदार इंग्लिश, गरीबी के बावजूद पबजी का शौक

क्या पाकिस्तान से आई सीमा हैदर आईएसआई एजेंट है?

इस्लामाबाद , 16 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान से भारत आई सीमा हैदर की चर्चा इस वक्त सरहद के दोनों तरफ हो रही है। सोशल मीडिया पर कुछ लोग उन्हें आईएसआई का एजेंट बता रहे हैं और शक की नजरों से देख रहे हैं तो वहीं कुछ उनकी लव स्टोरी के बारे में बात कर रहे हैं। सुनने में आया है कि पाकिस्तान के सोशल मीडिया पर एक दावा यह भी किया जा रहा है कि 'सीमा दरअसल भारत की एजेंट थी जो 10 साल से पाकिस्तान में रह रही थी और अब अपने मुल्क वापस लौट गई'। हालांकि इन दावों का सच्चाई से दूर-दूर तक कोई लेना-देना नहीं है। सीमा हैदर मामले पर पाकिस्तान की पत्रकार आरज़ू काज़मी ने यूट्यूबर शोएब चौधरी से बात की जो आम लोगों के बीच जाकर उनका रिएक्शन लेते हैं। शोएब ने सीमा हैदर पर संदेह तो जताया लेकिन उनकी प्रमुख चिंता कुछ और है। शोएब चौधरी ने सवाल उठाते हुए कहा, 'चार बच्चों की मां, जो कहती है कि हम बहुत गरीब हैं, हमारी स्थिति ठीक नहीं है वह पबजी खेलेगी और इतना ज्यादा खेलेगी कि

रिलेशनशिप में आ जाएगी और वह दो बार नेपाल जा चुकी हैं, दुबई जा चुकी हैं तो जिस तरह उन्होंने ये सब किया वह सोचने वाली बात है। ठीक है, गेम और ऐप्स से दोस्ती होना, प्यार होना मुमकिन है लेकिन जिस फ्लो के साथ वह हिंदी बोल रही हैं, अंग्रेजी के शब्दों का इस्तेमाल कर रही हैं, उर्दू बोल रही हैं और दूसरी तरफ वह कहती हैं कि मैं सिर्फ कक्षा पांच तक पढ़ी हूं, तो कहीं न कहीं सवाल तो उठते हैं।'

'पाकिस्तान में हिंदुओं को मिल रहीं धमकियां'

उन्होंने कहा, 'मैं इस पर ज्यादा बात नहीं करूंगा कि वह वहां क्यों गईं, प्यार है या कोई प्लान है या वह एजेंट हैं। अगर वह एजेंट होगी तो भारत की एजेंसियां जांच करेंगी और अपना काम करेंगी। लेकिन मेरी सबसे बड़ी चिंता उनके जाने के बाद सिंध में हिंदुओं को मिल रहीं धमकियों को लेकर है। 1947 के बाद हमने हजारों लाखों लोगों का धर्म परिवर्तन किया जिस पर हमें गर्व होता है लेकिन दूसरी तरफ जब कोई अपनी मर्जी से धर्म बदलता है तो हम उसे धमकी देने लगते हैं। हमें इस पर बात करनी चाहिए।'

हिंदू समुदाय की सुरक्षा बढ़ी

इससे पहले पाकिस्तान से खबर आई थी कि सीमा हैदर के जाने के बाद से सिंध का हिंदू समुदाय डरा हुआ है। कट्टरपंथियों की धमकियों के चलते लोगों ने अपने घरों से निकलना और मंदिर जाना छोड़ दिया है। अधिकारियों ने उत्तरी सिंध में मंदिरों में पुलिस तैनात की थी। स्थानीय डकैतों ने सीमा को वापस लेने की भी धमकी दी है। पाकिस्तान के गृह मंत्री राणा सनाउल्लाह खां ने मामले पर संज्ञान लेते हुए हिंदुओं की सुरक्षा बढ़ाने के निर्देश दिए हैं।

केंद्र के अध्यादेश पर केजरीवाल के साथ कांग्रेस

वेणुगोपाल बोले- संसद में आप का समर्थन करेंगे

विपक्षी एकता की मीटिंग से एक दिन पहले फैसला

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। 2024 लोकसभा चुनाव से पहले विपक्षी दल 17-18 जुलाई को बेंगलुरु में मीटिंग करेंगे। मीटिंग से एक दिन पहले रविवार को कांग्रेस ने दिल्ली में अफसरों के ट्रांसफर-पोस्टिंग को लेकर केंद्र के अध्यादेश के खिलाफ आम आदमी पार्टी का समर्थन करने की घोषणा कर दी। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा- केंद्र सरकार के अध्यादेश के खिलाफ हम संसद में आप का समर्थन करेंगे। कल बेंगलुरु में होने वाली विपक्षी एकता की मीटिंग में आप भी शामिल होगी। कांग्रेस के फैसले पर आप सांसद राघव चड्ढा बोले- यह एक अच्छी पहल है। 20 जुलाई को संसद का मानसून सत्र शुरू होने वाला है। केंद्र सरकार इस सत्र में 21 बिल लाने वाली है, जिसमें दिल्ली में अफसरों के ट्रांसफर-पोस्टिंग के अधिकार को लेकर 20 मई को लाया गया अध्यादेश भी शामिल है। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल इस अध्यादेश के खिलाफ विपक्ष का समर्थन जुटा रहे हैं। इससे पहले 23 जून को पटना में बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने विपक्षी दलों की बैठक बुलाई थी। इसमें आप समेत 1% दल शामिल हुए थे। तब बैठक में केजरीवाल ने कहा था कि कांग्रेस ने अगर अध्यादेश पर हमारा समर्थन नहीं किया तो हम विपक्ष की बैठक में नहीं आएंगे।

मेरठ में करंट से 5 कांवड़ियों की मौत

कांवड़ लेकर हरिद्वार से आ रहे थे, डीजे हाईटेंशन लाइन से टकराया; मरने वालों में दो सगे भाई

मेरठ, 16 जुलाई (एजेंसियां)। मेरठ में शनिवार रात कांवड़ियों का डीजे 11 केवी की हाईटेंशन लाइन से टकरा गया। इससे उसमें करंट उतर आया। मेरठ के डीएम दीपल मीना ने बताया कि करंट लगने की वजह से 10 कांवड़िए झुलस गए थे। अस्पताल में इनमें से 5 की मौत हो गई, वहीं 2 की हालत गंभीर बनी हुई है। हादसा थाना भावनपुर क्षेत्र के राली चौहान गांव में हुआ। ये सभी हरिद्वार से कांवड़ लेकर आए थे। मृतकों के नाम हिमांशु, प्रशांत, महेंद्र, लखमी और मनीष बताए जा रहे हैं। हिमांशु और प्रशांत दोनों सगे भाई हैं। तीसरे सगे भाई विशाल की हालत गंभीर है। सभी मृतक राली चौहान गांव के ही रहने वाले हैं।

बताया जा रहा है कि हादसा रात 8.30 बजे के आसपास हुआ। जब युवक अपने गांव राली चौहान लौट रहे थे। कांवड़ियों के साथ ऊंचा डीजे था, जो गांव के मंदिर के पास हाईटेंशन लाइन से टकरा गया, जिससे इसमें करंट उतर आया। मौके पर चीख-पुकार मच गई। कुछ लोगों ने घायलों को ट्रॉली से अलग किया।

सूचना पर डीएम और एसएसपी मौके पर पहुंचे। घायलों को गंगानगर के आईआईएमटी, मेरठ के आनंद अस्पताल और मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। घटना से गुस्साए गांववालों ने जाम लगा दिया। कई थानों की फोर्स मौके पर पहुंच गई है। सीओ देवेश प्रताप चौहान ने बताया कि युवकों ने जेई से कहा था कि वो कांवड़ लेकर आ रहे हैं। 11 केवी की लाइन से बिजली सप्लाई बंद कर दी जाए। जेई ने कहा कि बिजली कट गई है। इसके बाद युवक कांवड़ लेकर आए। लेकिन बिजली कटी नहीं थी और हादसा हो गया।

22 फीट ऊंची थी डीजे कांवड़

ट्रैक्टर-ट्रॉली पर डीजे लगाकर पूरी 22 फीट ऊंची कांवड़ तैयार की गई थी। 4 जुलाई को ये लोग जल लेने हरिद्वार गए थे। आज यानी शनिवार सुबह ही हरिद्वार से मेरठ लौटे थे।

वहां मंदिर में जलाभिषेक किया। चूंकि कांवड़ में हैवी साउंड और हैवी लाइटिंग थी, इसलिए दिन में मेरठ के इंचौली में ही एक फार्महाउस पर कांवड़ को खड़ा कर दिया। रात को कांवड़ लेकर कांवड़िए गांव जा रहे थे। यहां गांव के मंदिर में भी जलाभिषेक करना था। गांव के बाहरी छोर पर सड़क के एक किनारे ईंटों का चट्टा लगा था। इसको बचाने में ट्रैक्टर-ट्राली को दूसरी साइड से निकाला जा रहा था। तभी कांवड़ का म्यूजिक सिस्टम (डीजे) 11 केवी की लाइन से टकरा गया। हादसे की सूचना मिलते ही गांव वाले तुरंत मौके पर पहुंचे। ये लोग घायलों को बाइकों पर लेकर ही अस्पताल में पहुंचे।

किठौर विधायक की कार का शीशा तोड़ा

हादसे के बाद ग्रामीणों ने मेरठ-किला मार्ग पर जाम लगाकर तोड़फोड़ कर दी। किठौर विधायक शाहिद मंजूर की कार का शीशा भी तोड़ दिया। घटना के काफी देर बाद पुलिस पहुंची। इस कारण ग्रामीण गुस्सा गए और पुलिस से भी कहासुनी की।

पाकिस्तान में मंदिर पर रॉकेट लॉन्चर से हमला

डाकुओं की कायरना हरकत, सीमा हैदर के मामले से कोई कनेक्शन?

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हमले लगातार होते रहते हैं। तमाम दावों के बीच वहां पर कई मंदिरों पर हमला हुआ है, पथराव देखने को मिला है। उसी कड़ी में अब सिंध कशमोर इलाके में एक मंदिर पर रॉकेट लॉन्चर से हमला कर दिया गया है। कुछ डाकुओं ने इस कायरना हमले को अंजाम दिया है। सभी आरोपी मौके से भाग गए हैं और पुलिस उनकी तलाश में जुटी है।

पाकिस्तानी अखबार डॉन के मुताबिक डाकुओं के एक गुट ने रविवार को सिंध कशमोर इलाके में एक मंदिर पर रॉकेट लॉन्चर से हमला किया। आरोपियों की तरफ से लगातार गोलीबारी की गई जिस वजह से वहां पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया और पुलिस को तुरंत मौके पर पहुंचना पड़ा। एक जारी बयान में पुलिस ने कहा है कि पूजा स्थल पर डाकू रॉकेट लॉन्चर लेकर पहुंच गए थे। अभी सभी आरोपी फरार हैं और सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

अब इस हमले की टाइमिंग मायने रखती है क्योंकि कुछ दिन पहले ही धमकी दी गई थी कि अगर हिंदुस्ताव द्वारा सीमा हैदर को वापस नहीं भेजा गया तो 26/11 जैसा हमला फिर किया जाएगा। इसके अलावा पाकिस्तान के एक डकैत उमर शार ने कहा था कि अगर सीमा का मुद्दा हल नहीं हुआ तो मंदिरों पर हमला किया जाएगा। यानी कि उस धमकी के कुछ दिन बाद ही पाकिस्तान में ये हमला हो गया है। अभी तक पुलिस ने तो सीमा हैदर के मामले से इसे नहीं जोड़ रही है, लेकिन चर्चा तेज है कि पाकिस्तान में सीमा हैदर को लेकर जबरदस्त गुस्सा है।

'महाराष्ट्र को कलंकित कर रही बीजेपी, नागपुर में बैठे भीष्म पितामह'

सामना में किया गया कटाक्ष

उद्धव ठाकरे के गुट वाली शिवसेना के मुखपत्र सामना में कहा गया कि बीजेपी नेता सदाभाऊ खोत ने शरद पवार को शैतान कहा, तो फडणवीस ने खोत की भाषा पर आपत्ति नहीं जताई।

मुंबई, 16 जुलाई (एजेंसियां)। पिछले दिनों महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के एक बयान ने महाराष्ट्र की राजनीति में बवाल मचा दिया। उन्होंने डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस को नागपुर का कलंक कह दिया, जिसके बाद जुबानी जंग शुरू हो गई। बीजेपी ने इस बयान की जमकर आलोचना की तो वहीं, उद्धव अपने बयान पर डटे रहे और कहा कि क्या भाजपा के नेता दूसरों पर भ्रष्टाचार का आरोप नहीं लगाते और उन पर कलंक का कटाक्ष नहीं करते। इस बीच उद्धव के गुट वाली शिवसेना के मुखपत्र सामना में भी इस मुद्दे को उठाया गया है। इसमें महाराष्ट्र की संस्कृति और परंपरा को कलंकित करने के लिए बीजेपी को जिम्मेदार ठहराते हुए देवेंद्र फडणवीस पर भी निशाना साधा गया है।

और क्या क्या कहा गया है सामना के संपादकीय में?

सामना में कहा गया कि महाराष्ट्र की राजनीति, भाषा, परंपरा को पूरी तरह से कलंकित करने का काम बीजेपी पिछले ढाई सालों से कर रही है और उसके भीष्म पितामह नागपुर में बैठे हैं। आगे बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले, बीजेपी नेता सदाभाऊ खोत का जिक्र करते हुए कहा गया कि इन्हें देवेंद्र फडणवीस ने राजनीति में पाला-पोसा और बड़ा किया और ये लोग शरद पवार से लेकर उद्धव ठाकरे तक के लिए किन शब्दों का इस्तेमाल कर रहे हैं। सामना में यह भी कहा गया कि कलंक प्रकरण से दो दिन पहले सदाभाऊ खोत ने एनसीपी प्रमुख शरद पवार को शैतान कहकर संबोधित किया, लेकिन खोत की भाषा परंपरा और संस्कृति के अनुरूप नहीं है, ऐसी आवाज फडणवीस या किसी और बीजेपी नेताओं ने नहीं उठाई। सामना में महाराष्ट्र की सियासत में हुए बड़े बदलाव का भी जिक्र किया गया और कहा कि शिंदे गुट-अजित पवार गुट के बीतशीतयुद्ध चल रहा है और शिंदे गुट के साथ देवेंद्र फडणवीस के संबंध भी अच्छे नहीं हैं, उसी में अजित पवार और 40 लोग आ गए इसलिए शिंदे गुट की हवा ही निकल गई। इसमें अजित पवार के एक पुराने बयान का हवाला देते हुए कहा गया कि वे कहते थे कि एकनाथ शिंदे के हाथ के नीचे काम नहीं करेंगे और अब उनके जूनियर सहकर्मी बन गए। सामना में यह भी भविष्यवाणी की गई है कि जल्द ही महाराष्ट्र की व्यवस्था बदलेगी और नई सिंहासन फिल्म देखने को मिलेगी, जिसका दावा अजित पवार गुट के लोग खुले तौर पर कर रहे हैं।

उद्धव के किस बयान पर भड़की बीजेपी

10 जुलाई को उद्धव ठाकरे ने फडणवीस को लेकर नागपुर में एक बयान दिया था, जिस पर बीजेपी भड़की हुई है। उन्होंने कहा था, भाजपा नेता (फडणवीस) नागपुर पर एक कलंक हैं, क्योंकि उन्होंने कहा था कि वह एनसीपी के साथ गठबंधन नहीं करेंगे, लेकिन फिर भी उन्होंने ऐसा किया। उनके इस बयान पर भाजपा ने कड़ी आपत्ति जताई और देवेंद्र फडणवीस ने पलटवार करते हुए उद्धव को दिमाग का इलाज कराने की सलाह दी थी। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि उनकी इस हालत को देखते हुए उनके किसी भी बयान पर प्रतिक्रिया देना ठीक नहीं है।

पुष्पम प्रिया चौधरी के पिता पूर्व एमएलसी विनोद कुमार चौधरी का निधन

नीतीश कुमार ने जताया शोक'

पटना, 16 जुलाई (एजेंसियां)। पूर्व विधान पार्षद प्रो. विनोद कुमार चौधरी का लखीसराय में निधन हो गया। 2020 में खुद को सीएम कैंडिडेट घोषित कर चर्चा में आई पुष्पम प्रिया चौधरी के पिता थे। प्रो। विनोद कुमार चौधरी नीतीश कुमार के करीबी माने जाते थे। वहीं, इस पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पूर्व विधान पार्षद विनोद कुमार चौधरी के निधन पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने अपने शोक संदेश में कहा कि वे एक कुशल राजनेता एवं समाजसेवी थे। उनके निधन से राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्र में अपूरणीय क्षति हुई है।

परिजनों से मुख्यमंत्री ने फोन पर की बात

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने उनकी धर्म पत्नी और उनके भाई एवं जेडीयू विधायक विनय कुमार चौधरी से दूरभाष पर वार्ता कर उन्हें सांत्वना दी। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा की चिर शान्ति तथा उनके परिजनों को दुख की इस घड़ी धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है।

असम में एआईयूडीएफ विधायक अमीनुल इस्लाम ने बीजेपी पर साधा निशाना, कहा- जाति और धर्म के आधार पर बांटना बीजेपी की रणनीति

गुवाहाटी, 16 जुलाई (एजेंसियां)। ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) के विधायक अमीनुल इस्लाम ने रविवार को कहा कि जाति और धर्म के आधार पर बांटना बीजेपी की रणनीति है। एआईयूडीएफ विधायक अमीनुल इस्लाम ने कहा, फायदा पाने के लिए समुदायों को जाति और धर्म के आधार पर बांटना बीजेपी की रणनीति है। बीजेपी देख रही है कि नॉर्थ ईस्ट उनके पक्ष में नहीं जा रहा है, इसलिए दोनों के बीच खाई पैदा की जा रही है। असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने ऐसे बयान दिए कि सब्जियों की कीमतों में बढ़ोतरी के लिए मिया मुसलमान जिम्मेदार हैं।

गुना जिले में कर्ज विवाद में

किराना व्यापारी की बेरहमी से हत्या कर के टुकड़े-टुकड़े कर दिया गया

भोपाल, 16 जुलाई (एजेंसियां)। गुना जिले में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई जब 60,000 रुपये के ऋण विवाद में विवेक शर्मा नामक 45 वर्षीय किराना व्यापारी की उसके चचेरे भाई ने बेरहमी से हत्या कर दी और उसके टुकड़े-टुकड़े कर दिए। यह खौफनाक अपराध शुक्रवार रात को सामने आया जब विवेक का क्षत-विक्षत शव बरामद किया गया। सीएसपी श्वेता गुप्ता ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि वह बुधवार से लापता था। पुलिस जांच में पता चला है कि संदिग्ध आरोपी की पहचान मोहित और विवेक के चचेरे भाई के रूप में हुई है, जिसने विवेक को किसी तरह की दवा या बेहोशी की दवा पिलाकर बेहोश कर दिया। इसके बाद मोहित ने पीड़ित के शव को काट दिया और टुकड़ों को दफनाने से पहले पॉलीथीन बैग में छिपा दिया। गंगा कॉलोनी में बीजी रोड पर एक दुकान संचालित करने वाले जाने-माने किराना व्यापारी विवेक ने बुधवार सुबह अपनी दुकान से निकलने के बाद घर नहीं पहुंचा था। उसकी सलामती के लिए चिंतित उसके परिवार ने खोजबीन शुरू की लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। आखिरकार, उन्होंने कोतवाली पुलिस स्टेशन में विवेक के लापता होने की सूचना दी। पुलिस टीमों ने तलाशी अभियान शुरू किया और गुरुवार को सिंगवासा तालाब के पास विवेक का लावारिस स्कूटर बरामद किया।

दिल्ली से तेल अवीव जाने वाले विमान को हाईजैक करने की मिली धमकी

पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच की शुरू

दिल्ली पुलिस ने एअर इंडिया विमान को हाईजैक करने की धमकी देने के मामले में एफआईआर दर्ज की है। बताया जा रहा है कि 13 जुलाई को पुणे में एयर इंडिया के कॉल सेंटर पर फोन कर धमकी दी गई थी। इस संबंध में रविवार को मामला दर्ज किया फोन करने वाले ने दिल्ली से तेल अवीव जाने वाले विमान को हाईजैक करने की धमकी दी थी।

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस ने एअर इंडिया विमान को हाईजैक करने की धमकी देने के मामले में एफआईआर दर्ज की है। बताया जा रहा है कि 13 जुलाई को पुणे में एयर इंडिया के कॉल सेंटर पर फोन कर धमकी दी गई थी।

दिल्ली पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

इस संबंध में रविवार को मामला दर्ज किया, फोन करने वाले ने दिल्ली से तेल अवीव जाने वाले विमान को हाईजैक करने की धमकी दी थी। पुलिस के अनुसार, कॉल करने वाले व्यक्ति ने कहा कि उसने एक अन्य व्यक्ति को यह कहते हुए सुना कि दिल्ली से तेल अवीव जाने वाले विमान को हाईजैक कर लिया जाएगा।

13 जुलाई का है मामला

दिल्ली पुलिस द्वारा दर्ज की गई एफआईआर के मुताबिक, 13 जुलाई को सुबह 6.05 बजे पुणे में एयर इंडिया के कॉल सेंटर पर एक कॉल आई। फोन करने वाले ने कहा कि उसने एक व्यक्ति को दिल्ली-तेल अवीव विमान को हाईजैक करने के बारे में बात करते हुए सुना है। फोन करने वाले शख्स ने अपना परिचय असम के रहने वाले अनुराग के रूप दिया। एयर इंडिया की दिल्ली-तेल अवीव विमान को हाईजैक की धमकी देने वाली कॉल के बाद, गुवाहाटी हवाई अड्डे पर बीटीएसी (बम खतरा आकलन समिति) की एक बैठक बुलाई गई और सुबह 9.16 बजे से 11.15 बजे तक एक विशेष सुरक्षा समिति की भी बैठक हुई।

जांच में कुछ नहीं आया सामने

इसके अलावा, धमकी भरे कॉल की जांच में अब तक कुछ भी संदिग्ध सामने नहीं आया है। दिल्ली पुलिस ने कहा कि जांच अभी भी जारी है। पुलिस ने बताया कि आईजीआई एयरपोर्ट पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

मुंबई बीच पर नहाने गए 5 लड़के डूबे, 2 को सुरक्षित बचाया 3 अब भी लापता

मुंबई, 16 जुलाई (एजेंसियां)। मॉनसून के सीजन में मुंबई के बीच से निरंतर लोगों के समुद्र डूबने की घटनाएं सामने आ रही हैं। हाल ही में एक बांद्रा बीच पर एक पति-पत्नी बह गए थे, जिसमें महिला की जान चली गई थी, जबकि उसके पति को रेस्क्यू कर लिया गया था। वहीं, अब मुंबई के मार्वे बीच पर 5 लड़कों के डूबने की घटना सामने आई है। इनमें से 2 को बचा लिया गया है। जबकि, 3 लड़कों की खोजबीन अब भी जारी है। रिपोर्ट के अनुसार, डूबने वाले लड़कों के नाम कृष्णा जीतेंद्र हरिजन (16) और अंकुश भरत शिवारे (13) हैं। जबकि, लापता लड़कों में शुभम राजकुमार जायसवाल (12), निखिल साजिद कायमकुर (13), अजय जीतेंद्र हरिजन (12) शामिल हैं,

दुकान में घुसकर युवती पर गंडासे से किया हमला; आरोपी महिला अरेस्ट

मुंबई, 16 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई से सटे विरार में से एक बेहद सनसनीखेज घटना सामने आई है। पुराने विवाद के चलते एक महिला ने युवती पर हमला कर दिया। महिला के हमले में युवती घायल हो गई है। घायल युवती का इलाज विरार के संजीवनी अस्पताल में इलाज चल रहा है। पीड़िता का नाम प्रचिति पाटील है। हमले की पूरी घटना दुकान के सीसीटीवी में कैद हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही विरार पुलिस मौके पर पहुंची और मुआयना किया। इसके बाद देर रात तक केस दर्ज किया गया है और आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार विरार स्टेशन के पास भास्कर कॉप्लेक्स में प्रचिती पाटील नामक महिला की जेरॉक्स और जनरल स्टोर्स है। बीती रात रात 8 बजे के करीब एक युवती दुकान में आई और अचानक से गड़ासा थैले से निकाला और प्रचिती पाटील पर हमला कर दिया। प्राप्त जानकारी अनुसार प्रचिती पाटिल को सभलने का मौका भी नही मिला। इस बीच, आरोपी युवती ने एक के बाद एक कई वार प्रचिती पर किया। शोरगुल सुनकर अगल-बगल के लोगों ने हमलावर महिला को किसी तरह पकड़ा और गंडासा भी उसके हाथ से छीन लिया। इस बीच प्रचिती गंभीर रूप से इस हमले में जख्मी हो गई हैं। वहां मौजूद लोगों की मदद से आरोपी युवती को हिरासत में लेकर पुलिस के हवाले कर दिया गया। पुलिस के अनुसार हमले की वजह पुरानी रंजिश बताई जा रही है। जख्मी महिला को संजीवनी अस्पताल में एडमिट कराया गया है। वहीं, आरोपी युवती को गिरफ्तार किया गया है।

'यह एक नौकरशाही कार्रवाई है',मणिपुर में इंटरनेट बैन पर शशि थरूर ने भाजपा सरकार को घेरा

मणिपुर इंटरनेट बैन को लेकर शशि थरूर ने दी प्रतिक्रिया

17 जुलाई को शीर्ष अदालत मणिपुर में इंटरनेट बैन को लेकर करेगी सुनवाई थरूर ने इंटरनेट बैन को कहा जनता को परेशान करने वाली नौकरशाही कार्रवाई

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने रविवार को मणिपुर हिंसा के कारण इंटरनेट पर लगाए गए प्रतिबंध को लेकर केंद्र और मणिपुर सरकार को घेरा है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि यह अजीब है कि भारत दुनिया का एकमात्र लोकतंत्र है, जो नियमित रूप से लंबे समय तक इंटरनेट शटडाउन कर देता है, जिससे आम नागरिकों को असुविधा होती है। पिछले दो महीने से जातीय हिंसा का गढ़ रहे मणिपुर पर सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई से एक दिन पहले कांग्रेस नेता ने यह ट्वीट किया।

मई की शुरुआत से जारी है हिंसा

मणिपुर उच्च न्यायालय ने 7 जुलाई को राज्य में इंटरनेट पर प्रतिबंध हटाने का निर्देश दिया, जिसके खिलाफ राज्य सरकार शीर्ष अदालत में चली गई। राज्य में कुकू और मैतेई समुदायों के बीच झड़पों के कारण 3 मई से हिंसा देखी जा रही है। अब तक इस हिंसा में सैकड़ों लोगों की मौत हो गई है और कई लोग घायल हुए हैं। राज्य और केंद्र सरकार इस हिंसा को पूरी तरह से खत्म करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है।

विपक्ष बना रही दबाव

कांग्रेस पीएम मोदी पर मणिपुर मुद्दे पर बोलने का दबाव बना रही है। शनिवार को कांग्रेस ने कहा कि वह 20 जुलाई से शुरू होने वाले मानसून सत्र में संसद के दोनों सदनों में मणिपुर की स्थिति पर चर्चा करेगी। कई बार विपक्ष ने इस मुद्दे को लेकर भाजपा की नेतृत्व वाली केंद्र सरकार को घेरा है। सुप्रीम कोर्ट सोमवार को मणिपुर उच्च न्यायालय के उस आदेश के खिलाफ सरकार की अपील पर सुनवाई करेगा, जिसमें पिछले तीन महीनों से राज्य में डिजिटल जीवन को बाधित करने वाले इंटरनेट पर कठोर प्रतिबंध में ढील दी गई है। सूचना प्रौद्योगिकी पर संसदीय स्थायी समिति ने 2022 में तीखी टिप्पणी की थी कि सरकार द्वारा ऐसा कोई औचित्य प्रदान नहीं किया गया है, जो किसी भी तरह से प्रदर्शित करता हो कि इंटरनेट शटडाउन वास्तव में बाधा डालता है, कहीं भी हिंसा या आतंकवाद को रोकना तो दूर की बात है।

शशि थरूर सूचना प्रौद्योगिकी पर संसदीय स्टैंडिंग के अध्यक्ष थे,

थरूर ने ट्वीट कर विपक्ष को घेरा

उन्होंने कहा कि 2022 में समिति ने पाया कि इस बात का कोई सबूत नहीं है कि इंटरनेट शटडाउन वास्तव में हिंसा को रोकता है। थरूर ने अपने ट्वीट में लिखा, सुप्रीम कोर्ट मणिपुर उच्च न्यायालय के उस आदेश के खिलाफ सरकार की अपील पर सुनवाई करेगा, जिसमें पिछले तीन महीनों से राज्य में डिजिटल जीवन को बाधित करने वाले इंटरनेट पर कठोर प्रतिबंध में ढील दी गई है। सूचना प्रौद्योगिकी पर संसदीय स्थायी समिति ने 2022 में तीखी टिप्पणी की थी कि सरकार द्वारा ऐसा कोई औचित्य प्रदान नहीं किया गया है, जो किसी भी तरह से प्रदर्शित करता हो कि इंटरनेट शटडाउन वास्तव में बाधा डालता है, कहीं भी हिंसा या आतंकवाद को रोकना तो दूर की बात है। थरूर ने लिखा, यह एक प्रतिक्रियाशील नौकरशाही कार्रवाई है, जो आम नागरिकों को एक उपयोगी सुरक्षा उपाय की तुलना में कहीं अधिक असुविधा का कारण बनती है। यह विचित्र है कि भारत दुनिया का एकमात्र लोकतंत्र है, जो नियमित रूप से लंबे समय तक इंटरनेट शटडाउन का सहारा लेता है, जिसका हिंसा पर कोई सराहनीय प्रभाव नहीं पड़ता है, लेकिन इससे आम नागरिकों को काफी असुविधा होती है। उन्होंने आगे लिखा, मुझे उम्मीद है कि सुप्रीम कोर्ट उन बाबुओं के बजाय नागरिकों के अधिकारों के लिए खड़ा होगा जो बैंकिंग, क्रेडिट कार्ड लेनदेन, नामांकन, परीक्षाओं और सभी प्रकार की जानकारी प्राप्त करने के लिए इंटरनेट का उपयोग करने वाले नागरिकों पर अपने निर्णय थोपते हैं। न्यायालय को अब इस प्रथा को समाप्त करना चाहिए।

बस स्टॉप पर इंतजार कर रही 6 महिलाओं को रौंदते हुए तेज रफ्तार में निकली कार, तीन की मौके पर ही मौत

पुदुचेरी, 16 जुलाई (एजेंसियां)। पुदुचेरी के कोट्टाकपुरम के पास किलपुथुपट्टू में एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। यहां रविवार तड़के एक तेज रफ्तार कार ने तीन महिलाओं को कुचल दिया। तीनों महिलाएं मछली विक्रेता थी। मृतकों की पहचान लक्ष्मी (48), गोविंदम्मल (47) और गेंगाम्मल (45) के रूप में हुई है। तीनों मृतक महिलाएं पुडुकुप्पम के निवासी थी। पुलिस के मुताबिक, छह महिला विक्रेता बस में चढ़ने के लिए बस स्टॉप पर इंतजार कर रही थीं, तभी चेन्नई से पुडुचेरी जा रही एक तेज रफ्तार कार महिलाओं को रौंदते हुए निकल गई। छह महिलाओं में से तीन की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, तीन अन्य हेमला, प्रेमा और नयागम को पांडिचेरी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (पीआईएमएस) में भर्ती कराया गया।

'भाई' और 'बेन' गुजरातियों के लिए बने मुसीबत? पासपोर्ट ऑफिस में लगा आवेदनों का अंबार

गुजरात के क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी बताते हैं कि उनके पास रोजाना 4000 से ज्यादा आवेदन आते हैं, जिनमें से करीब एक चौथाई यानी 1000 से ज्यादा नाम बदलने, जन्म स्थान या जन्म तिथि में बदलाव से जुड़े होते हैं। इनमें से करीब 800 ऐसे मामले होते हैं, जिनमें भाई या बेन को हटाने अथवा जोड़ने के लिए आते हैं।

अहमदाबाद, 16 जुलाई (एजेंसियां)। गुजरात अपने नाश्तों के लिए बहुत चर्चित है। खाखरा, फाफड़ा से लेकर ढोकला तक... वहां के नाश्ते में इतनी विविधता है कि आप दंग रह जाएंगे और जहां गुजरात को घूमने में एक हफ्ता लगता है वहीं यहां के हर नाश्ते का ठीक से स्वाद लेने में आपको महीनों लग सकते हैं। लेकिन जहां नाश्ते में इतनी विविधता है, वहां लोगों के नाम में एक बात एक जैसी होती है। पुरुषों के नाम के साथ 'भाई' और महिलाओं के नाम के साथ 'बेन। देश के पहले गृहमंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल से लेकर गुजरात की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल तक, रिलायंस से संस्थापक धीरूभाई अंबानी से लेकर जाने माने वैज्ञानिक विक्रम साराभाई, या फिर किसी सामान्य गुजरात के निवासी तक... आपको नाम के साथ भाई या बेन जुड़ा हुआ मिलता है। गुजरात में लोगों के सम्मान के लिए उनके नाम के साथ भाई और बेन जोड़ने की पुरानी परंपरा रही है। लेकिन अब यही परंपरा पासपोर्ट कार्यालय के लिए मुसीबत बन गया है। इन दिनों गुजरात के पासपोर्ट दफ्तर में लोग अपने नाम के साथ जुड़े भाई या बेन शब्द को हटवाने या इसे जुड़वाने को लेकर चक्कर लगा रहे हैं। वजह यह है कि उनके जन्म प्रमाण पत्र से लेकर स्कूल,कॉलेज, आधार से लेकर अन्य दस्तावेजों में कहीं भाई या बेन जुड़ा है, तो कहीं पर यह मौजूद नहीं है। इस वजह से जब उनके दस्तावेज वीजा चरण पर पहुंचते हैं तो वीजा मिलने में खासी दिक्कतें आती हैं।

पासपोर्ट दफ्तर में एक चौथाई आवेदन नाम बदलवाने से जुड़े हुए

गुजरात में भाई या बेन लगाना इतना सामान्य है कि हर दूसरे व्यक्ति के नाम के साथ यह जुड़ा हुआ मिल जाता है। लेकिन कई बार होता यह है कि कुछ दस्तावेजों में लोग अपनी तरफ से इसे नहीं लिखवाते हैं। इस तरह दस्तावेजों में भिन्नता आ जाती है, जिसकी वजह से विदेश जाने की प्रक्रिया में बहुत दिक्कत आती है। गुजरात के क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी बताते हैं कि उनके पास रोजाना 4000 से ज्यादा आवेदन आते हैं, जिनमें से करीब एक चौथाई यानी 1000 से ज्यादा नाम बदलने, जन्म स्थान या जन्म तिथि में बदलाव से जुड़े होते हैं।

इनमें से करीब 800, भाई, बेन को हटाने या जोड़ने से जुड़े होते हैं। क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय के अधिकारी भी कहते हैं कि यहां आम बोलचाल में इस तरह संबोधित करना एक स्वभाव है। हालांकि, लोगों के इसे नाम के साथ जोड़ देने से तब बाधाएं पैदा होती हैं, जब पासपोर्ट और वीज़ा के लिए आवश्यक दस्तावेज़ों में समानता नहीं होती है।

पहाड़ी इलाके में बिजली के खंभे-जीआई पाइप से बनाई गईं बंदूकें

तलाशी अभियान के दौरान हुआ खुलासा

इंफाल, 16 जुलाई (एजेंसियां)। मणिपुर में पुलिस शस्त्रागारों से लूटे गए हथियारों को बरामद करने के लिए चलाए गए तलाशी अभियान के दौरान एक बड़ा खुलासा हुआ है। मणिपुर के पहाड़ी इलाके में तलाशी के दौरान सुरक्षा बलों द्वारा जब्त किए गए हथियारों का एक बड़ा हिस्सा उखाड़े गए बिजली के खंभों या गैल्वनाइज्ड लोहे जीआई) पाइपों से बनी बंदूकें थीं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इन बंदूकों के अलावा, पहाड़ी इलाकों से संघर्षरत समूह के शस्त्रागार में एके और इंसास राइफल जैसे अन्य हथियार मौजूद हैं। दक्षिणी मणिपुर के काकचिंग जिले में स्थित अधिकारियों ने कहा कि पहाड़ी समुदाय के लोग पारंपरिक रूप से शिकारी हैं और घातक हथियार बनाने और उसे ठीक की क्षमता रखते हैं। हाल ही में, यहां के दूरदराज के गांवों के साथ-साथ पड़ोसी चुराचांदपुर जिले में भी कुछ बिजली के खंभे गायब और पानी के पाइप उखड़े हुए पाए गए थे।

अधिकारियों ने कहा, यह इस बात के पर्याप्त संकेत हैं कि इनका इस्तेमाल हथियार बनाने में किया गया और झड़प के दौरान दूसरे समुदाय पर गोली चलाने के लिए इस्तेमाल किया गया। उन्होंने कहा, यह समुदाय परंपरागत रूप से तलवार, भाले, धनुष और तीर का उपयोग करता था। बाद में उन्होंने देसी बंदूकों और गोलियों का उपयोग करना शुरू कर दिया, जिन्हें 'थिहनांग' भी कहा जाता है। उखाड़े गए बिजली के खंभों का उपयोग देसी तोप बनाने के लिए किया गया, जिसे 'पम्पी' या 'बम्पी' भी कहा जाता है, जो स्क्रैप आयरन और अन्य धातु की वस्तुओं से भरी होती है और गोलियों या छर्रों के रूप में काम करती हैं। अधिकारियों ने कहा कि इनका निर्माण ग्रामीण लोहारों द्वारा किया जाता है, जिन्हें 'थिह-खेंग पा' कहा जाता है।

सूरत में अर्जुनसिंह बनकर रह रहा था ओजैर आलम, गिरफ्तार

सूरत, 16 जुलाई (एजेंसियां)। सूरत के एक बाजार में कपड़े बेचने वाले 27 वर्षीय मुस्लिम व्यक्ति को कथित तौर पर हिंदू पहचान के तहत नकली आधार कार्ड का उपयोग करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) के सदस्य नरेंद्र चौधरी ने इसकी पहचान करते हुए व्यक्ति के खिलाफ धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज कराई थी। आरोपी अवध बाजार में अपना व्यवसाय चलाता है। इस इलाके में मुख्य रूप से हिंदू परिवार रहते हैं। जानकारी के अनुसार, आरोपी पिछले नौ सालों से अवध मार्केट में रूही फैशन के नाम से महिलाओं के कपड़ों की दुकान चलाता है। आरोपी ने आधिकारिक दस्तावेजों के लिए अपना नाम ओजैर आलम इस्तेमाल किया। आरोप है कि उसने अर्जुनसिंह भंवरसिंह के नाम से फर्जी आधार कार्ड बनाया हुआ है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता
मेरा हैदराबाद
सोमवार, 17 जुलाई, 2023

सुविचार: किसी भी स्वाभिमानी व्यक्ति के लिए सोने की बेड़ियां, लोहे की बेड़ियों से कम कठोर नहीं होंगी। चुभन धातु में नहीं वरन् बेड़ियों में होती है।

चंद्रबाबू के सच्चे उत्तराधिकारी हैं टीपीसीसी प्रमुख : हरीश राव

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। वित्त मंत्री टी. हरीश राव ने आरोप लगाया कि तेलंगाना कांग्रेस पार्टी अब एक पागल व्यक्ति के हाथों में है और टीपीसीसी अध्यक्ष रेवंत रेड्डी टीडीपी अध्यक्ष नारा चंद्रबाबू नायुडू के सच्चे उत्तराधिकारी हैं, जिन्हें किसान नीतियों का विरोधी कहा जाता है। हरीश राव ने कहा कि चंद्रबाबू नायुडू ने पहले कहा था कि कृषि एक बेकार पेशा है और अब, उनके उत्तराधिकारी रेवंत रेड्डी ने कहा कि कृषि के लिए तीन घंटे की बिजली आपूर्ति पर्याप्त है। रविवार को यहां तेलंगाना भवन में हरीश राव की उपस्थिति में जहीराबाद निर्वाचन क्षेत्र के सैकड़ों कांग्रेस नेता और सेवानिवृत्त शिक्षक बीआरएस पार्टी में शामिल हुए। इस अवसर पर बोलते हुए, हरीश राव ने कहा कि बीआरएस पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव में लोगों से एकमात्र एजेंडे पर वोट मांगने की चुनौती स्वीकार करने के लिए तैयार है, चाहे पिछली कांग्रेस पार्टी का दस साल का शासन अच्छा है या वर्तमान में बीआरएस सरकार के नौ साल का कार्यकाल अच्छा है।

बीआरएस सरकार ने किसानों को धोखा दिया : रेवंत

टीपीसीसी प्रमुख ने किसानों को लिखा खुला पत्र

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी अध्यक्ष ए. रेवंत रेड्डी ने मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के शासन के तहत तेलंगाना के किसानों को उनकी पीड़ा के बारे में एक खुला पत्र लिखा है। उन्होंने कहा कि बीआरएस किसान के साथ राजनीति करना चाहता है। उसने 2018 में सत्ता में आने पर 1 लाख रुपये की कृषि ऋण माफी का वादा किया था और किसान को धोखा दिया गया है, क्योंकि सरकार ने वादा पूरा नहीं किया।

20 हजार करोड़ रुपये का कर्ज माफ करने वाली सरकार ने किसानों को धोखा दिया है। रेवंत रेड्डी ने किसानों से अनाज खरीद के बकाया भुगतान के बारे में भी सवाल पूछा। काफी मशक्कत के बाद केंद्रों पर अनाज तो लाया गया, लेकिन एक सप्ताह तक उसकी तौल नहीं हुई। कई किसान अनाज के ढेरों पर गिर पड़े और हृदय गति रुकने से मर गए। उन्होंने कहा कि 15 जून तक 6,800 करोड़ रुपये बकाया हैं। अनाज उठाव के 48 घंटे के अंदर किसानों के खाते में पैसा जमा करने का आदेश कागजों तक ही सीमित रह गया।

टीपीसीसी प्रमुख ने पोडु भूमि के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि पिछले नौ वर्षों में सरकार ने गरीबों से लाखों एकड़ जमीन तो हड़प ली, लेकिन गरीब आदिवासी और दलित परिवारों को जमीन नहीं दे पायी। जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आ रहे हैं, केसीआर सरकार ने पोडु भूमि पट्टों पर तेजी शुरू कर दी है। जबकि यह पाया गया कि राज्य भर में 11.50 लाख आदिवासी पट्टे के लिए पात्र हैं, केवल चार लाख को पट्टे दिए गए। रेवंत रेड्डी ने किसानों से रैतु वेदिकाओं को अपनी राजनीति के मंच के रूप में इस्तेमाल करने के लिए बीआरएस नेताओं से सवाल करने और उनका सामना करने को कहा। उन्होंने किसानों से कहा कि वे ऋण माफी के बारे में बीआरएस नेताओं से बात करें और खरीदे गए अनाज का पैसा कब जमा किया जाएगा। उन्होंने किसानों से पोडु भूमि पट्टों के बारे में सत्ताधारी पार्टी के नेताओं से सवाल करने और यह सवाल करने को भी कहा कि आवंटित भूमि सरकार द्वारा वापस क्यों ली गई। टीपीसीसी प्रमुख ने किसानों से रैतु वेदिकास में मुफ्त उर्वरक आपूर्ति के वादे के बारे में बीआरएस नेताओं से सवाल पूछने को कहा। उन्होंने तेलंगाना के कृषक समुदाय से जागने और सत्तारूढ़ पार्टी के नेताओं का मुकाबला करने का आह्वान किया।

केंद्र आवश्यक वस्तुओं की कीमतों को नियंत्रित करने में विफल : बीवी राघवुलु

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सीपीएम पोलित ब्यूरो सदस्य बीवी राघवुलु ने आज आरोप लगाया कि केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार हर गुजरते दिन के साथ तेजी से खराब हो रही है और कहा कि भगवा पार्टी बढ़ती कीमतों को नियंत्रित करने में बुरी तरह विफल रही है। हैदराबाद के एमबी भवन में शनिवार को शुरू हुई सीपीआई (एम) की तेलंगाना राज्य समिति की बैठक रविवार को समाप्त हुई। इस अवसर पर बोलते हुए, बीवी राघवुलु ने कहा कि केंद्र सरकार की गणना के अनुसार, मुद्रास्फीति 4.8 प्रतिशत तक पहुंच गई है और कहा कि सब्जियों, अनाज, दालों, दूध और फलों की कीमतों में भारी वृद्धि हुई है जबकि टमाटर की कीमतें 150 रुपये प्रति किलो बढ़ गई हैं। उन्होंने कहा कि टमाटर की कीमत केंद्र सरकार की विफलताओं का प्रत्यक्ष उदाहरण है। उन्होंने मांग की कि सभी राज्यों को मूल्य स्थिरीकरण के लिए धन आवंटित किया जाना चाहिए और आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति सब्सिडी पर की जानी चाहिए। उन्होंने व्यापारियों की मदद के लिए मूल्य नियंत्रण के उपाय नहीं करने के लिए मोदी सरकार की आलोचना की।

यूसीसी का मकसद चुनाव में फायदा पहुंचाना है

उन्होंने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार ने पीएम नरेंद्र मोदी के प्रशासन की विफलताओं को छिपाने और अगले आम चुनाव में फायदा उठाने के इरादे से भारत के विधि आयोग के समक्ष सामान्य नागरिक संहिता (यूसीसी) का मुद्दा उठाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि इसका नेतृत्व कोई और नहीं बल्कि खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा, आरएसएस और संघ परिवार इस कदम को सही ठहराने के लिए लोगों के बीच दुष्प्रचार कर रहे हैं और कहा कि उन पर जनता की अदालत में अंकुश लगाना होगा। उन्होंने कहा कि केंद्र ने अब तक यूसीसी पर कोई रिपोर्ट तैयार कर चर्चा के लिए नहीं रखी है, लेकिन महज अटकलों के आधार पर जनता के बीच जाकर चर्चा करा रही है।

उन्होंने कहा कि बीजेपी का एकमात्र लक्ष्य बहुसंख्यक समुदाय के वोट हासिल करना है। उन्होंने मणिपुर में लोगों के बीच वैमनस्य पैदा करने और अशांति पैदा करने में संघ परिवार की भूमिका की आलोचना की। संघ परिवार की ताकतें लंबे समय से मैती और कुकी समुदायों के बीच धर्म के आधार पर नफरत के बीज बो रही हैं। राज्य में सत्ता में आई भाजपा सरकार ने आरक्षण मुद्दे को ठीक से हल नहीं किया और इसे विवादास्पद बना दिया और टकराव का माहौल पैदा हो गया।

उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र और राज्य सरकारें मणिपुर में हिंसा रोकने में बुरी तरह विफल रही हैं. उन्होंने जान-माल के भारी नुकसान के बावजूद चुप रहने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि इन घटनाक्रमों का प्रतिकूल प्रभाव भविष्य में उत्तर-पूर्वी राज्यों पर पड़ने की संभावना है।

आरपीएफ के हत्थे चढे चार बाल तस्कर 9 बच्चों को बचाया गया

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) सिकंदराबाद डिवीजन ने एनजीओ बचपन बचाओ आंदोलन, जीआरपी, सीडब्ल्यूसी और डीसीपीयू के सहयोग से चलाए गए बचाव अभियान में 9 बाल तस्करी पीड़ितों को सफलतापूर्वक बचाया है और 4 तस्करों को हिरासत में लिया है।

आरपीएफ के साइबर सेल द्वारा निरंतर डेटा विश्लेषण से उत्पन्न खुफिया जानकारी के आधार पर, 14 जुलाई को, आरपीएफ कर्मियों ने ट्रेन नंबर 12792 (दानापुर-सिकंदराबाद) सिकंदराबाद एसएफ एक्सप्रेस को उसके अधिकार क्षेत्र के शुरुआती बिंदु यानी सिरपुर कागजनगर से बचाया और सिरपुर कागजनगर से काजीपेट स्टेशन तक छापेमारी की।

ऑपरेशन सफल रहा और 4 तस्करों के साथ 9 पीड़ित बच्चों को बचाया गया, जो बिहार और झारखंड से आ रहे थे। बाद में, जीआरपी, काजीपेट ने आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए मामला दर्ज किया।

सिकंदराबाद डिवीजन की वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त देबास्मिता सी बनर्जी ने कहा कि आरपीएफ सिकंदराबाद ने रेलवे स्टेशनों पर अतिरिक्त आरपीएफ कर्मियों की तैनाती, पीड़ितों को बचाने और तस्करों को गिरफ्तार करने के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाने और जागरूकता अभियान सहित कई उपाय लागू किए हैं।

आरपीएफ ने तस्करी के संदिग्ध मामलों की रिपोर्ट करने के लिए जनता के लिए एक समर्पित हेल्पलाइन (139) भी स्थापित की है। आरपीएफ सिकंदराबाद ने 2022 में ऑपरेशन एएएचटी के तहत 23 बच्चों को बचाया और 6 तस्करों को गिरफ्तार किया और 2023 में 215 बच्चों को बचाया और 105 तस्करों को गिरफ्तार किया, जो बच्चों के बचाव में 835 प्रतिशत की वृद्धि और तस्करों की गिरफ्तारी में 1650 प्रतिशत की वृद्धि है।

जय श्री राम । श्री गणेशाय नमः । (स्थापना: दि. 13.01.2010) जय श्री राम
आज सोमवार दिनांक 17-07-2023
सोमवती अमावस्या
के अवसर पर पधारे
या देवी श्री आईजी गोशाला
शुभस्थल : एन एच 44,मेडचल रोड, कल्लाकल।
गौशाला प्रांगण में मध्यान 2:00 बजे से भजनो का कार्यक्रम रहेगा।
विशेष : पधारे भगतों के लिए मध्यान 2 बजे से भोजन प्रसादी की व्यवस्था गौशाला में रहेगी।
सम्पर्क : नारायणलाल :8712311785 , सिरवि वी ताराराम पंवार :9246368842
शुभकामनाओं सहित
CHOUDHARY BROTHERS
HNO : 1-307, NH 44, OPP BUS DEPOT, MEDCHAL
गौभक्त सायोग व दान के लिए gpay/ phonepay कर सकते है : 9246368842

आज सोमवती अमावस्या है
चलिये सत्यम् शिवम् सुन्दरम् गौनिवास गगनपहाड
कटने से बचाई गई 5800 से अधिक गौवंश एवं हज़ारों कबूतरों को अपने कर-कमलों से चारा-दाना अर्पण कीजिये ।
सत्यम् शिवम् सुंदरम् गौ निवास
SATYAM SHIVAM SUNDARAM GAUNIVAS
Estd. 2001 Regd. 664/2010
Bankers : BANK OF BARODA, Nallakunta Branch, Hyd.
A/c. : 75450200001071 IFSC CODE : BARB0VJNAKU
To Avail 80G Kindly Donate - AKSHYA PASHU PAKSHI TRUST
CANARA BANK - Basheerbagh Branch, Hyd. A/c : 0878132000033, IFSC CODE : CNRB0000878

आज सोमवार 17-7-2023
सोमवती हरियाली अमावस्या
के अवसर पर गौशाला अवश्य पधारें
नारायणी गो सेवा सदन
रोड नं. 17, शालीवाहन नगर, मूसारामबाग, हैदराबाद
सम्पर्क सूत्र : 9581348889, 9246522435, 9490929321
आज श्रावण अमावस्या हैं इस अवसर पर गो सेवा हेतु गौशाला पधारें।
गो ग्रास का अनुदान कर पुण्य के भागीदार बनें। अनुदान भेजने हेतु गौशाला एकाउंट विवरण Bank account detail: NARAYANI GOW SEVA SADAN, A/C No. 50200065063209, for RTGS/ NEFT IFSC CODE HDFC 0001996, TYPE OF ACCOUNT: CURRENT ACCOUNT, HYDERGUDA BRANCH, HYD. Gpay and Phonepe No. 9581348889
JAI GOMATA Address: Narayani gow seva sadan, street No 17, shalivahana nagar, dilsukh nagar Hyd.
निवेदक : नारायणी गो सेवा सदन
शालीवाहन नगर, मूसारामबाग, मलकपेट, हैदराबाद
सत्यनारायण गोपाल बल्दवा
GB GOPAL BALDAWA GROUP

आज सोमवार दि.17 जुलाई 2023 अमावस्या के अवसर पर पधारे
श्री आईजी गौशाला
(रजिस्ट्रेशन नं. 720/2008) 118, मल्काराम, जवाहरनगर (चेनापुर-बालाजी नगर) खापरा मंडल
☎ 7396306337
आज श्रावण सोमवती अमावस्या महाप्रसादी राम भरोसे द्वारा रखी गई है ...
गोशाला के बैंक एकाउंट मे अपनी दान राशी जमा कराकर, पुण्य के भागीदार बने
Sri Aaiji Gowshala, SBI, Cheeryal Branch, A/c. No. 62492036580 IFSC Code : SBIN0020435
निवेदक : श्री आईजी गौशाला के पदाधिकारी व सदस्यगण
अध्यक्ष : जे.सी. प्रकाश चोलाराम हाम्बड़ ☎ 9573599190 सचिव : मंगलाराम पंवार ☎ 9246108583

विश्व मंगल गौशाला
सोमारम ग्राम, मेडचल, हैदराबाद (तेलंगाना)
सस्नेह निमंत्रण
आज सोमवार 17 जुलाई 2023 प्रातः 11 बजे से
सोमवती हरियाली अमावस्या
शुभ स्थल : विश्व मंगल गौशाला सोमारम ग्राम, मेडचल, हैदराबाद
गौ-माता पूजन * भजन * भोजन प्रसादी
दूरभाष : 9866405646, 9346917593
Bank Details : GOU GRAM VIKAS SEVA SAMITHI
A/c No. 50200063938688 | IFSC : HDFC0009429
HDFC Bank, Kanajiguda Branch

।। जय गौ माता।। जय जय रघुवीर समर्थ ।। श्री श्री श्री सद्गुरु ।।
श्री समर्थ कामधेनु गौशाला
श्री सद्गुरु समर्थ नारायण आश्रम, शिवबाग, जियागुड़ा, हैदराबाद. फोन : 9296358630, 7013711317
आज सोमवार, 17-7-2023 को सोमवती अमावस्या है।
"गौ माता की सेवा से आयु, स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि एवं ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है। पापों का नाश होता है।" गौ-ग्रास सेवा से सुख-शांति, मंगलमय जीवन, सर्व दोष निवारण का लाभ उठाएँ। गौशाला में गौ दान की सुविधा उपलब्ध है।
Online गौ सेवा के लिये
(For Income Tax Exemptions u/s 80g)
SHREE KALPAVRUKSHA KAMDHENU WELFARE TRUST
SBI Bank King koti Branch A/c No. 10015542319 IFSC: SBIN0007054
SHRI SADGURU SAMRATH NARAYAN ASHRAM
SBI PPB, Red Hills A/c No. 20100020864 IFSC: SBIN0002790
PAYTM - 9296358630/GOOGLE PAY/PHONE PAY/7013711317
सत्यनारायण गोपाल बल्दवा
ब्रिगेट रोड नं 7, बंजारा हिल्स, हैदराबाद, मोबाईल 9000366660
GB GOPAL BALDAWA GROUP

श्री गोपाल गौशाला
संत विनोबानगर, रामदास पल्ली के पास, सागर रोड, इब्राहिमपटनम
आज सोमवार, 17-7-2023 को सोमवती अमावस्या है।
अमावस्या के उपलक्ष्य में सभी गौ प्रेमियों से विनम्र अनुरोध है कि गौसेवा कर पुण्य के भागी बने और हमें सहयोग राशी इन बैंक खाते में जमा करा सकते है।
प्रसाद की व्यवस्था रहेगी।
SRI GOPAL GOSHALA TRUST
STATE BANK OF INDIA, VANASTHLIPURAM BRANCH, S/A NO. 62127047988 IFSC CODE : SBIN0020564
SRI GOPAL GOSHALA TRUST
MAHESH BANK, VANASTHLIPURAM BRANCH, S/A NO. 025001100001224 IFSC CODE : APMC0000025
निवेदक : श्री गोपाल गौशाला ट्रस्ट (रजि.)

भारत सरकार
रेल मंत्रालय
प्रेस अधिसूचना

ट्रेन नं.12703 हावडा-- सिकंदराबाद फलकनुमा एक्सप्रेस में, दि. 07-07-2023 के 11.30 बजे, गुंटूर डिवीजन के गुंटूर-पगिडीपल्ली के बोम्मायपल्ली एवं पगिडीपल्ली स्टेशनों के बीच घटित अग्नि दुर्घटना के बारे में उच्च स्तरीय जांच जारी है।

इस दुर्घटना के दिन, ऐसे यात्रीगण जो उपरोक्त रेल में सफर कर रहे थे, उनसे अपील की जाती है कि, वे दि.17-07-2023 से 21-07-2023 (सु. 9.30 से शाम 6.00 बजे तक) पीसीएसओ कार्यालय, 2 रा तल, रेल निलयम, सिकंदराबाद में जारी जांच स्थल पर उपस्थित होकर, यदि, अपने पास जो कोई भी उपलब्ध तत्संबंधित जानकारी होने पर इसे प्रस्तुत करें या इमेल (csoscr@ymail.com)/व्हाट्सएप्प (9701370736 / 9701370745) व्दारा प्रेषित करें। इस मामले में भरोसेमंद जानकारी देनेवालों को उचित पुरस्कार दिया जायेगा।

सीपीआरओ, दक्षिण मध्य रेलवे व्दारा जारी

A1090 PUB/0779

आज सोमवार, 17-7-2023, को सोमवती अमावस्या है।
गोमाता को हरी घांस की सेवा कर पुण्य के भागी बने।
शिव मंदिर गौशाला
निवेदक : शिव मंदिर गौशाला कार्य समिति
OM SHIV MANDIR GOSHALA
SHIV MANDIR GOSHALA
Digital Donation are accepted on Google Pay/Phone Pay 9959271866
बाबा विश्वनाथ की नगरी, काशी के विद्वानों द्वारा परम पवित्र श्रावण अधिक मास के उपलक्ष्य में
श्री महारुद्र यज्ञ एवं श्रीमद् भागवत कथा
दि. 31 जुलाई 2023 से 6 अगस्त 2023 तक
गौशाला के पवित्र प्रांगण में 400 वर्ष प्राचीन शिवालय के समक्ष होने जा रहा है।
पूजन प्रात : 7.31 से 10.01 बजे तक
यज्ञ प्रात : 10.31 से दोपहर 1.01 बजे तक
कथा समय : दोपहर 3.01 बजे से 7.01 बजे तक
आयोजक : शिव मंदिर गौशाला कार्य समिति 7842048773, 9849052972, 9959271866, 7989734546

अमित शाह से मिलने के बाद राजभर की पार्टी सुभासपा भी एनडीए में शामिल

लखनऊ, 16 जुलाई (एजेंसियां)।

लोकसभा चुनाव 2024 से पहले भारतीय जनता पार्टी ने विपक्ष को एक और बड़ा झटका दिया है। ओम प्रकाश राजभर की सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी एक बार फिर से एनडीए में शामिल हो गई है। ओम प्रकाश राजभर ने शनिवार को दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मुलाकात की। रविवार की सुबह केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ट्वीट करके एलान किया है। अमित शाह ने ट्वीट करते हुए लिखा कि ओम प्रकाश राजभर से दिल्ली में भेंट हुई। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन में आने का फैसला लिया है। मैं उनका एनडीए परिवार में स्वागत करता हूं।

अमित शाह बोले परिवार में स्वागत

लोकसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर उलटफेर और झटकों का दौर शुरू हो गया है।

नेता अपने हिसाब से गठबंधन कर रहे हैं।

इसी कड़ी में ओपी राजभर की पार्टी सुभासपा आज एनडीए में शामिल हो गई।

अरुण राजभर, अमित शाह और ओपी राजभर (बाएं से दाएं)

राजभर के आने से उत्तर प्रदेश में एनडीए को मजबूती मिलेगी और पीएम मोदी के नेतृत्व में एनडीए द्वारा गरीबों व वंचितों के कल्याण हेतु किए जा रहे प्रयासों को और बल मिलेगा।

प्रधानमंत्री की जो सोच है उसे आगे बढ़ाने में बहुत मदद मिलेगी: राजभर

उधर, लखनऊ में सुभासपा प्रमुख ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि हमारी पार्टी और भाजपा ने आगामी 2024 चुनाव मिलकर लड़ने का फैसला लिया है। 14 तारीख को दिल्ली में गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात हुई और विभिन्न बिंदुओं पर बात हुई। दोनों दल के मिलने से पूरे प्रदेश में एक बड़ी ताकत पैदा होगी। देश के प्रधानमंत्री की जो सोच है उसे आगे बढ़ाने में बहुत मदद मिलेगी।

पिछले काफी समय से सियासी गलियारों में चर्चा थी कि ओपी राजभर फिर से भाजपा के साथ जाएंगे। ऐसे में भाजपा के साथ गठबंधन होने की अटकलों को विराम देते हुए सुभासपा अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने शनिवार को दिल्ली में केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी। इस मौके पर राजभर के बड़े पुत्र डॉ. अरविंद राजभर के अलावा केन्द्रीय मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान भी मौजूद रहे। करीब पौन घंटे के मुलाकात के बाद अब सुभासपा का भाजपा के साथ गठबंधन होना पक्का हो गया। सूत्रों का कहना है कि राजभर ने अमित शाह के सामने लोकसभा चुनाव में कुल तीन सीटों की मांग रखी है। इनमें दो सीटें यूपी में और एक सीट बिहार में मांगी है। हालांकि बिहार में सीट देने को लेकर अभी कोई फैसला नहीं हुआ है, लेकिन यूपी में दो सीट देने पर लगभग सहमति बन गई है।

इनमें गाजीपुर और घोसी सीट शामिल हैं। राजभर शाह के सामने यह भी शर्त रखी है कि दोनों सीटें वह अपने सिंबल ही चुनाव लड़ेंगे। सूत्रों का तो यह भी कहना है कि राजभर ने गाजीपुर सीट से अपने छोटे पुत्र अरुण राजभर को चुनाव लड़ाने का भी प्रस्ताव भी अमित शाह को दिया है।

सूत्रों का कहना है कि राजभर ने अमित शाह के सामने यह भी शर्त रखी है कि यदि बिहार में सीट देने की स्थिति नहीं बनती है तो फिर यूपी में चंदौली या आजमगढ़ की लालगंज सीट में से कोई एक सीट सुभासपा को दिया जाए। यानि उन्होंने बिहार में सीट न मिलने की स्थिति में यूपी में कुल तीन सीटें मांगी है । हालांकि इस पर कोई अंतिम निर्णय नहीं हो पाया है।

इसके अलावा राजभर ने शाह के साथ पार्टी के उन मुद्दों पर भी चर्चा की है, जिनमें सामाजिक न्याय समिति की रिपोर्ट लागू करने, राजभर जाति को अनुसूचिचत जन जाति में शामिल करने समेत कई मुद्दे शामिल हैं। कहा जा रहा है कि राजभर के कई प्रस्तावों पर अमित शाह ने हामी भरी है। इससे राजभर संतुष्ट भी हैं।

यूपी बीजेपी चीफ ने भी किया स्वागत

इसके अलावा यूपी बीजेपी चीफ भूपेंद्र चौधरी ने भी ओपी राजभर के एनडीए में शामिल होने पर टिप्पणी की. चौधरी ने लिखा- राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) परिवार में सुभासपा प्रमुख ओपी राजभर का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन है. उन्होंने कहा- मुझे पूर्ण विश्वास है कि आपके आगमन से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के उत्कृष्ट नेतृत्व में सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण के संकल्प के प्रयास को और बल मिलेगा.

योगी को ट्विटर पर मिली जान से मारने की धमकी

लखनऊ, 16 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को सोशल मीडिया पर जान से मारने की धमकी मिली है। मामले में साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन की मॉनिटरिंग टीम ने शनिवार शाम को केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एफआईआर में कांस्टेबल राजेश तिवारी ने कहा कि उन्होंने एक ट्वीट देखा, जिसमें मुख्यमंत्री के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया गया और उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई। "अधिवक्ता कल्पना श्रीवास्तव के हैंडल से एक ट्विटर पोस्ट में कहा गया कि एक यूजर खालिद कुरेशी ने सीएम के खिलाफ अभद्र टिप्पणी की और उन्हें जान से मारने की धमकी दी। तिवारी ने कहा, महिला वकील ने यह भी कहा कि यूजन ने अपने कुछ अपमानजनक पोस्ट हटा दिए हैं। साइबर सेल के प्रभारी मोहम्मद मुस्लिम खान ने बताया कि मामले में केस दर्ज कर जांच जारी है।

बिहार में वज्रपात से 17 लोगों की मौत

नीतीश कुमार ने जताया शोक

पटना, 16 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार में हो रही बारिश के बीच वज्रपात की घटनाएं भी बढ़ी हैं। वज्रपात की चपेट में आने से लोगों की मौतें भी हो रही हैं। पिछले 24 घंटे के दौरान वज्रपात से राज्य के 11 जिलों में 17 लोगों की मौत हो गई। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है तथा मृतकों के आश्रितों को चार-चार लाख रुपए अविलंब अनुग्रह अनुदान देने की घोषणा की है। आपदा प्रबंधन विभाग के मुताबिक, पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य में 17 लोगों की मौत वज्रपात की चपेट में आने से हो गई, जिसमें सबसे अधिक रोहतास जिले में पांच लोगों की मौत हुई है।

इसके अलावा औरंगाबाद और बक्सर में दो-दो तथा अरवल, किशनगंज, कैमूर, वैशाली, सीवान, पटना, अररिया एवं सारण में एक-एक व्यक्ति की मौत हुई है। इस पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपदा की इस घड़ी में वे प्रभावित परिवारों के साथ हैं। मुख्यमंत्री ने अविलंब मृतक के परिजनों को चार-चार लाख रुपए अनुग्रह अनुदान देने के निर्देश दिये हैं। मुख्यमंत्री ने अपील की है कि सभी लोग खराब मौसम में पूरी सतर्कता बरतें। खराब मौसम होने पर वज्रपात से बचाव के लिये आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा समय-समय पर जारी किये गये सुझावों का अनुपालन करें। खराब मौसम में घरों में रहें और सुरक्षित रहें।

गंडक नदी के रास्ते नाव से हो रही थी शराब तस्करी पुलिस ने मारा छापा

गोपालगंज, 16 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार के गोपालगंज जिले के विशंभरपुर थाना क्षेत्र के काला मटिहनिया गांव के पास गोपालगंज पुलिस ने गंडक नदी में छापेमारी कर नदी के रास्ते नाव द्वारा की जा रही शराब की तस्करी पर कार्रवाई की। इस दौरान पुलिस ने नाव पर लदे भारी मात्रा में विदेशी शराब की खेप बरामद की है। हालांकि छापेमारी के दौरान शराब तस्कर फरार होने में सफल रहे। गंडक नदी से शराब बरामदः पुलिस ने शराब बरामद कर उत्पाद अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए तस्करों की पहचान कर उसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।

'साजिश के तहत बीजेपी कार्यकर्ता की हत्या की गई', सीएम नीतीश पर भड़के केंद्रीय मंत्री आरके सिंह

भोजपुर, 16 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री आरके सिंह ने पटना लाठीचार्ज को लेकर बिहार सरकार पर कई गंभीर सवाल खड़े किए हैं। साथ ही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव पर जमकर हमला बोला। आरा में प्रेसवार्ता के दौरान उन्होंने कहा कि मैं सीएम और उनकी सरकार से पूछना चाहता हूं कि जब हमारे कार्यकर्ता शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन कर रहे थे, तब मार्च को क्यों डाक बंगला चौराहे पर रोका गया। आरके सिंह ने कहा कि बीजेपी ने विधानसभा मार्च के लिए प्रशासन से अनुमति ली थी, इसके बावजूद क्यों बलपूर्वक कार्रवाई की गई। उन्होंने सवाल किया कि जब डाक बंगला चौराहे पर धारा 144 लागू नहीं थी, तो फिर क्यों लाठीचार्ज किया गया। ऐसा लगता है कि साजिश के तहत कार्रवाई की गई। जिस वजह से सांसदों और विधायकों को पीटा गया। हमारे एक कार्यकर्ता की हत्या कर दी गई। यह कार्रवाई नीतीश कुमार की बौखलाहट को दर्शाती है। नीतीश कुमार और उनकी सरकार का ये आखिरी चरण है।

महिला से फोन पर अश्लील बातें करने के आरोप में अज्ञात पर केस दर्ज

मुरादाबाद, 16 जुलाई (एजेंसियां)। मुरादाबाद के थाना पाकबड़ा क्षेत्र निवासी महिला ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को दी तहरीर में अज्ञात मोबाइल नंबर द्वारा की गई काल पर अश्लीलता करने का आरोप लगाया। पीड़िता बोली जब उसने इसका विरोध किया तो आरोपित ने दूसरे नंबर से काल करके जान से मारने की धमकी दी। एसएसपी ने थाना सिविल लाइंस पुलिस को मामले में मुकदमा दर्ज करने के आदेश दिए। महिला की तहरीर के आधार पर थाना सिविल लाइंस पुलिस ने शनिवार को केस दर्ज कर लिया। पाकबड़ा थाना क्षेत्र के गांव निवासी महिला ने बीते दिनों एसएसपी को तहरीर देकर बताया कि वह सिविल लाइंस थाने के अगवानपुर चौकी क्षेत्र के शेरुआ चौराहे पर रहती है। महिला के अनुसार उसके पति की मौत हो चुकी है। उसकी कुछ जमीन डिलारी क्षेत्र के गांव सरकड़ा में है। 30 जून को एक अंजान नंबर से काल आई थी। महिला के अनुसार काल करने वाले ने जमीन बिकवाने की बात कहकर उसे छजलैट आने के लिए कहने लगा। मना करने पर आरोपी ने मोबाइल पर ही अश्लील बातें कीं। जिसके बाद महिला ने मोबाइल बंद कर दिया। इसके बाद आरोपित ने दूसरे नंबर से काल की और परेशान करने लगा। पीड़िता का आरोप है कि काल करने वाले ने जान से मारने की धमकी भी दी। आशंका जताई जा रही हैं कि आरोपित उसकी जमीन हड़पने के लिए हत्या की साजिश रच रहा है। मामले में एसएसपी ने सिविल लाइंस पुलिस को कार्रवाई के आदेश दिए थे।

इसरो चंद्रयान भेज रहा और अधिकारी हाथ से लिख रहे आदेश

हाईकोर्ट की एक अपठनीय आदेश पर टिप्पणी

प्रयागराज, 16 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्व अधिकारी द्वारा हाथ से अपठनीय आदेश लिखे जाने पर कड़ी टिप्पणी करते हुए इलाहबाद हाईकोर्ट ने कहा कि एक ओर इसरो चंद्रयान भेज रहा है और दूसरी ओर अधिकारी हाथ से ऐसे आदेश लिख रहे हैं, जिसे पढ़ पाना भी संभव नहीं है। शनिवार को मामले की सुनवाई कर रहे न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी ने कहा कि अदालत इस बात से आश्चर्यचकित है कि 21वीं सदी में जब भारत 'चंद्रमा पर सॉफ्ट लैंडिंग' की प्रक्रिया में है। वहीं, चकबंदी जौनपुर के उप निदेशक ने अपनी हस्तलिखित में एक छोटा सा विवादित आदेश पारित किया है, जो बिल्कुल पढ़ने योग्य नहीं है। जबकि, अन्य विकल्प उपलब्ध हैं जैसे कि कंप्यूटर या वॉयस टाइपिंग का उपयोग करना। हालांकि, अधिकारी ने इसका उपयोग नहीं किया है।कोर्ट में मौजूद कुछ वकीलों से आदेश पढ़ने के लिए भी कहा गया। लेकिन, कोई भी इसे पढ़ नहीं सका। अदालत ने कहा कि प्रतिद्वंद्वी पक्षों की ओर से पेश होने वाले वकील, यहां तक कि अदालत में मौजूद बार के सदस्य भी पूरे आदेश को सही ढंग से पढ़ने में सक्षम नहीं हैं। कोर्ट ने चकबंदी, जौनपुर के उप निदेशक को ऐसा आदेश पारित करने का निर्देश दिया, जो स्पष्ट हस्तलिखित या कंप्यूटर टाइपिंग द्वारा सुपाठ्य हो।

उपरोक्त प्रक्रिया तीन सप्ताह की अवधि के भीतर की जाएगी और उसके बाद याचिकाकर्ता को उसकी एक प्रमाणित प्रति निशुल्क प्रदान की जाएगी, जिसे तीन सप्ताह के बाद न्यायालय के समक्ष रखा जाएगा। अदालत ने इस आदेश की प्रति चकबंदी आयुक्त, लखनऊ के साथ-साथ उप निदेशक चकबंदी, जौनपुर को भी भेजने का निर्देश दिया।

महिला को ऑटो चालक से हुआ प्यार, पति ने रोका तो प्रेमी के साथ मिल रची ऐसी साजिश

मिर्जापुर, 16 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर में पुलिस ने एक हत्याकांड का सनसनीखेज खुलासा किया है। दरअसल यहां एक शख्स की हत्या के आरोप में पुलिस ने उसकी पत्नी और उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस का दावा है कि महिला ने अपने प्रेमी के साथ मिल अपने ही पति को मौत के घाट उतार दिया। इस केस में पुलिस ने ऐसे-ऐसे खुलासे किए हैं, जिसे जान हर कोई सकते में है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी पत्नी ऑटो से घर जा रही थी। इसी दौरान ऑटो चालक और महिला आपस में बात करने लगे। दोनों में प्रेम हो गया और दोनों ने एक-दूसरे के नंबर भी ले लिए। फिर दोनों आपस में मिलने लगे। इसकी जानकारी महिला के पति को हो गई। वह अपनी पत्नी को रोकने लगा। तभी महिला और उसके प्रेमी ने खौफनाक साजिश को अंजाम दे डाला। गोली मार के की गई थी हत्या दरअसल अदलहाट थाना क्षेत्र के डेहरी ग़ांव में 14 जुलाई 2023 को बेल्डिंग का काम कर घर वापस आते समय हरिश्चंद्र विश्वकर्मा की गोली मार कर हत्या कर दी गई थी।

बेउर जेल में बाहुबली पूर्व विधायक अनंत सिंह के समर्थक और दूसरे गुट के बीच हुई मारपीट

बाहुबली पूर्व विधायक अनंत सिंह काफी समय से बेउर जेल में बंद हैं। वहीं, रविवार को किसी बात को लेकर अनंत सिंह के समर्थक और दूसरे गुट के बीच भिड़ंत हो गई।

पटना, 16 जुलाई (एजेंसियां)। बेउर जेल में बाहुबली पूर्व विधायक अनंत सिंह के समर्थकों और दूसरे गुट के बीच रविवार को जमकर मारपीट हुई है। मारपीट को रोकने के लिए कुछ कक्षपाल पहुंचे। बीच बचाव करने में चार कक्षपाल भी घायल हो गए। झगड़ा बढ़ता देख जेल के अंदर पगली घंटी बजाई गई, उसके बाद आनन फानन में जेलर, उप जेलर और अन्य जेल कर्मी पहुंचे। जेल के अंदर अफरा-तफरी का माहौल बन गया था। कई वरीय अधिकारी बेउर जेल पहुंचे और मौके पर स्थिति को संभालने में जुट गए। फिलहाल हालात को नियंत्रण में कर लिया गया है। वहीं, किस बात पर अनंत सिंह के समर्थक और दूसरे गुट के बीच झड़प हुई, यह अब तक साफ नहीं हो पाया है। जांच जारी है। पटना के बेउर जेल में रविवार की सुबह बाहुबली और आरजेडी के पूर्व विधायक अनंत सिंह की मौजूदगी में समर्थकों के बीच जमकर मारपीट हुई। किसी बात को लेकर अनंत सिंह के समर्थक और दूसरे गुट के बीच भिड़ंत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही घटनास्थल पर कक्षपाल बीच बचाव कराने पहुंचे, लेकिन मारपीट के दौरान चार कक्षपाल भी घायल हो गए। इसके बाद हालात को संभालने के लिए जेल की पगली घंटी तक बजानी पड़ी। पूरे जेल में अफरा-तफरी का माहौल हो गया।

पगली घंटी बजते ही जेल के सभी कैदी और कर्मचारी सतर्क हो गए। बताया जा रहा है कि इस घटना की सूचना मिलने के बाद उच्च पदाधिकारी, जेलर, सहायक जेलर सहित भारी संख्या में जेल के कक्षपाल, उच्च कक्षपाल जेल के अंदर पहुंचे। इसके बाद सभी कैदियों को उनके बैरक में जाने की सूचना दी गई। यह घटना किस बात को लेकर हुई है? इसकी अभी जानकारी नहीं हुई है। इस मामले को लेकर पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी विक्रम सिहाग ने बताया कि फिलहाल उन्हें इस मामले में कोई जानकारी नहीं है। वह इस पर जेल के अधिकारियों और बेउर थाने बातचीत कर रहे हैं।

बरेली में गैंगवार! थाने से महज 200 मीटर दूर बदमाशों ने हिस्ट्रीशीटर को गोलियों से भूना

बरेली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बरेली में थाने से महज 200 मीटर की दूरी पर एक हिस्ट्रीशीटर को बदमाशों ने गोलियों से भून दिया। हिस्ट्रीशीटर की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है बदमाशों ने कई राउंड फायरिंग की। बदमाश मोटर साइकिल से आए थे और हत्या करके फरार हो गए। पुलिस ने एक बदमाश को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है और हिस्ट्रीशीटर के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। खोखला थाना प्रेम नगर क्षेत्र की इस वारदात के बाद हिस्ट्रीशीटर के परिवार में कोहराम मचा है और पूरे इलाके में दहशत फैल गई है। एसपी सिटी ने मामले में जांच-पड़ताल तेज कर दी है और कहा है कि बाकी बदमाशों को जल्द गिरफ्तार कर लिया जायेगा।

कब और कैसे हुई वारदात ?

मारे गये हिस्ट्रीशीटर का नाम अजय वाल्मीकि है जो कि नरकुलागंज जाटव पुरा का रहने वाला था। वह अपने दोस्त के साथ मोटर साइकिल से थाना प्रेम नगर के पास से किसी काम से जा रहा था। जैसे ही थाना बारादरी सीमा और थाना प्रेमनगर थाने से महज 200 मीटर दूरी पर पहुंचा कि मोटर साइकिल से आए तीन बदमाशों ने उस पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। गोलीबारी में उसका साथी दोस्त भी वहीं गिर गया। लकी ने किसी तरह वहां से भागकर जान बचाई और पुलिस को सूचना दे दी।

हिस्ट्रीशीटर पर कई केस थे दर्ज

सूचना के बाद पुलिस फौरन मौके पर पहुंची। तब तक हिस्ट्रीशीटर की मौत हो चुकी थी। पुलिस ने आसपास के क्षेत्रों में छानबीन शुरू की और एक बदमाश को हिरासत में ले लिया। बताया जा रहा है अजय वाल्मीकि पर कई दर्जन मुकदमे दर्ज थे। वह कुछ ही दिन पहले जेल से छूट कर आया था। अजय के परिवार में उसकी मां, पत्नी और एक बच्चा है।

परिजनों ने पुलिस पर लगाया आरोप

हिस्ट्रीशीटर अजय वाल्मीकि के परिजनों ने बताया है कि गंगापुर का रहने वाला तनु और अजय के बीच सट्टे को लेकर विवाद चल रहा था। तनु और उसका गैंग अजय की जान का दुश्मन बन गया था। अजय को अपनी जान का खतरा पहले से ही सता रहा था। परिजनों ने बताया कि कुछ दिन पहले उसके घर में सादे कपड़े में दो लोग पहुंचे थे। और खुद को प्रेम नगर थाने के पुलिसकर्मी बता रहे थे। अजय वाल्मीकि के परिवार के सदस्यों ने पुलिस पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है। परिवार वालों का कहना है कि इस तरह की वारदात की आशंका पहले ही जताई गई थी। लेकिन पुलिस ने गंभीरता से ध्यान नहीं दिया। अजय की बहन के मुताबिक वह पिछले कई दिनों से दवाब में था।

सीसीटीवी खंगालने में जुटी है पुलिस

पुलिस आसपास में लगे सीसीटीवी की फुटेज में सुराग की तलाश में जुटी है।हिस्ट्रीशीटर की जिस जगह गोली मारकर हत्या की गई वहां बदमाश अपनी एक मोटर साइकिल भी छोड़ गए। पुलिस को घटना स्थल से 315 बोर का एक खाली कारतूस मिला है। पूरे मामले में बरेली के एसपी सिटी राहुल भाटी ने कहा है कि जल्द ही बाकी बदमाशों को भी गिरफ्तार कर लिया जायेगा।

झाड़फूंक से इलाज की आड़ में कराया जा रहा था हिंदुओं का धर्म परिवर्तन दो आरोपी गिरफ्तार

कौशांबी, 16 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कौशांबी जिले में धर्मान्तरण कराने वाले दो लोगों को गिरफ्तार किया है. पुलिस इसके पहले भी तीन आरोपियों को गिरफ्तार करके जेल भेज चुकी है. इन सभी के खिलाफ अकबराबाद स्थित गुहौली गांव के चौकीदार ने तहरीर देकर एफआईआर दर्ज करवाई थी. अकबराबाद निवासी महेंद्र तिवारी ने सराय अकिल कोतवाली में 27 जून को मुकदमा दर्ज कराया था.

प्रयागराज में अतीक अहमद का नाम फिर सुर्खियों में

अतीक के दुश्मन आबिद प्रधान के भतीजे की गोली मारकर हत्या

प्रयागराज, 16 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में एक बार फिर पुलिस हिरासत में मारे गये गैंगेस्टर अतीक अहमद का नाम सुर्खियों में है। प्रयागराज पुलिस की ओर से शनिवार को जारी की गई सूचना के अनुसार मारे गए बाहुबली नेता अतीक अहमद के विरोधी गुट के आबिद प्रधान के 20 साल के भतीजे की हत्या कर दी गई है। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच में हत्या की वजह कथित तौर पर घरेलू विवाद प्रतीत हो रहा है। हत्या के संबंध में पुरामुफ्ती के थाना प्रभारी उपेन्द्र प्रताप सिंह ने समाचार एजेंसी पीटीआई से बताया कि आबिद प्रधान के भतीजे साहिल की घरेलू विवाद के बाद गोली मारकर हत्या कर दी गई। यह हत्या पूरामुफ्ती क्षेत्र के मरियाडीह कछार में हुई। मामले की पड़ताल जारी है और हत्यारों के गिरफ्तारी का प्रयास किया जा रहा है। थाना प्रभारी उपेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि मृत साहिल के परिजन इस हत्या का आरोप अबू शाद उर्फ टीना पर लगा रहे हैं।

आरोपी अबू शाद उर्फ टीना आबिद प्रधान की पहली पत्नी का भाई बताया जा रहा है। अतीक अहमद से आबिद प्रधान की दुश्मनी बहुत पुरानी थी। दोनों के बीच उस वक्त टशल शुरू हुई थी, जब प्रधान के दामाद ज़ैद का कथित तौर पर अहमद और उसके गुर्गों ने अपहरण कर लिया था। इस संबंध में आबिद प्रधान ने अतीक और उसके गुर्गों के खिलाफ केस दर्ज कराया था। वहीं साहिल की हत्या के संबंध में धूमनगंज के सहायक पुलिस आयुक्त वरुण कुमार ने कहा कि मृतक साहिल का परिवार और आरोपी अबू शाद उर्फ टीना, दोनों ही मरियाडीह के निवासी हैं और आपस में रिश्तेदार हैं। साहिल की हत्या की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले में केस दर्ज करते हुए आरोपी अबू शाद उर्फ टीना की गिरफ्तारी के प्रयास शुरू कर दिये। इसके साथ ही प्रयागराज पुलिस के स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप और कई अन्य पुलिस छाने की टीमें शाद को पकड़ने के लिए लगातार छापेमारी कर रही हैं। सहायक पुलिस आयुक्त कुमार ने कहा कि पुरामुफ्ती थाने की पुलिस ने साहिल के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए स्वरूपरानी अस्पताल भेज दिया गया है

15 दिन में 2 लाख श्रद्धालुओं ने किए बाबा बर्फानी के दर्शन

रविवार को 6600 यात्रियों का जत्था जम्मू से घाटी के लिए रवाना

6,600 से अधिक अमरनाथ यात्रियों का एक और जत्था वार्षिक तीर्थयात्रा पर जाने के लिए बारिश और कड़ी सुरक्षा के बीच रविवार तड़के जम्मू शहर से कश्मीर के लिए रवाना हुआ। 1 जुलाई को 62 दिवसीय यात्रा की शुरुआत के बाद से अब तक 2.10 लाख से अधिक श्रद्धालु दक्षिण कश्मीर हिमालय में 3,880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित अमरनाथ के पवित्र गुफा मंदिर के दर्शन कर चुके हैं। 6,684 तीर्थयात्रियों वाला 14वां जत्था सुबह 3.30 बजे से 3.55 बजे के बीच 241 वाहनों के काफिले में भगवती नगर आधार शिविर जम्मू से घाटी के लिए रवाना हुआ। तीर्थयात्रियों का काफिला दो आधार शिविरों, अनंतनाग के पहलगाम और गांदरबल जिले के बालटाल के लिए रवाना हुआ। इस बीच घंटों तक हुई मध्यम बारिश ने जम्मू की कई सड़कों पर पानी भर गया। 30 जून से अब तक कुल 86,865 तीर्थयात्री जम्मू आधार शिविर से घाटी के लिए रवाना हो चुके हैं।

जम्मू, 16 जुलाई (एजेंसियां)। कश्मीर एक जुलाई से शुरू हुई वार्षिक श्री अमरनाथ यात्रा जारी है। पहले पंद्रह दिनों में दो लाख ने श्रद्धालुओं ने बाबा बर्फानी के दर्शन कर लिए हैं। शनिवार को 21401 श्रद्धालुओं ने बाबा बर्फानी के दर्शन किये। अब तक कुल 2,08,415 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए हैं। शनिवार को दर्शन करने वालों में 15510 पुरुष, 5034 महिलाएं, 617 बच्चे, 238 साधू और 02 साध्वी शामिल हैं। पवित्र गुफा के करीब 53 वर्षीय उर्मिला बेन (आईडी-146214) पुत्री लक्ष्मी नारायण पहाड़ी से गिरे पत्थर की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गई। उनकी मौके पर ही मौत हो गई। यात्रा की शुरुआत से अभी तक मरने वालों की संख्या 11 पहुंच गई है।

देश विदेश से आ रहे हैं अमरनाथ यात्री

जम्मू कश्मीर में अमरनाथ यात्रा का अलग ही बोल बाला है, लोग पूरा पूरा साल इंतजार करते हैं इस यात्रा का। इस बार तो विदेशी मेहमान भी आ रहे है कि वो बाबा बर्फानी के दर्शन एक बार कर ले।वहीं पुरानी मंडी राम मंदिर में भारत के पडोसी देश नेपाल से साधु और साध्वी आएं हैं ताकि वो यहां आकर बाबा बर्फानी की एक झलक पा सकें। नेपाल के उनूली से 70 साधु संत आएं है जिनमें से 20 साध्वी हैं। यह सभी बालटाल से जाने की इच्छुक हैं। सभी 5 जुलाई को नेपाल से चले थे और उनका कहना है कि वो बहुत उत्साहित है कि बाबा ने उन्हें यहां पर आना का मौका दिया । रामप्रसाद विलास गुप्ता कहते हैं कि मुझे तो विश्वास ही नहीं हो रहा है कि मैं जम्मू कश्मीर की धरती पर हूं,यहां पर मुझे बाबा बर्फानी के दर्शन तो होंगे साथ साथ यहां मैं वैष्णो देवी के दर्शन भी कर के जाऊंगा। वहीं शंकर प्रसाद गुप्ता कहते हैं कि जम्मू मैं पहली बार आया हूं लेकिन यहां पर मुझे ऐसा प्यार मिला है जैसा मुझे कहीं और कभी नहीं मिला है। यहां लोगों में बहुत अपना पन है और हमारा बहुत प्यार से स्वागत किया गया है ऐसा लग ही नहीं रहा है कि हम बाहर से आए हैं। आनंद सिंह कहते हैं कि हमारे जो पैसे खर्च होने थे ऐसा लगता हो गए यहां पर हमारा बहुत ध्यान रखा गया है जगह जगह लंगर लगाए गए हैं। हमारे रहने के लिए एक पैसा भी नहीं लगाया जा रहा है। इससे हमारे पैसे तो बच रहा है साथ साथ हमें काफी लाभ भी हो रहा है।हम यह कभी नहीं भूल पाएंगे।

केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने की मुख्यमंत्री शिवराज से मुलाकात

भोपाल, 16 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने रविवार को भोपाल प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री निवास पहुंचकर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से सौजन्य भेंट की। मुख्यमंत्री ने अपने निवास पर केंद्रीय मंत्री यादव का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। उन्होंने केंद्रीय मंत्री यादव का अंगवस्त्रम ओढ़ाकर अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री ने ट्विटर पर लिखा, आज निवास पर केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव से सौजन्य भेंट हुई। इस अवसर पर राज्य के कल्याण और विकास कार्यों से जुड़े विभिन्न विषयों पर उनके साथ सार्थक चर्चा हुई। गौरतलब है कि केंद्रीय मंत्री यादव इन दिनों भोपाल के तीन दिवसीय प्रवास पर हैं। भाजपा हाईकमान ने उन्हें मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए प्रभारी नियुक्त किया है। वे भोपाल में रहकर चुनावी तैयारियों के बारे में बूथ से लेकर प्रदेश स्तर के पदाधिकारियों के साथ बैठ कर रणनीति तैयार कर रहे हैं।

जब भारतीय सेना के जवान को जान बचाने के लिए छोटे बच्चों ने दिया पुरस्कार, नम हो जाएंगी आंखें

शिमला, 16 जुलाई (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बारिश ने काफी नुकसान पहुंचाया। यहां कई स्थानों पर बादल फटें तो कई स्थानों पर भूस्खलन देखने को मिला। नदियों में पानी इतना भर गया कि नदियां त्रासदी का कारण बन गईं। लेकिन इस दौरान उम्मीद की रोशनी थामी भारतीय सेना के जवानों और एनडीआरएफ तथा एसडीआरएफ के जवानों ने। इसी कड़ी में एक वीडियो सामने आया है जिसमें कुछ बच्चे उत्तराखंड में एक भारतीय सेना के जवान के प्रति सम्मान और समर्पण दिखा रहे हैं। दरअसल इस जवान को बच्चों ने यूं ही सम्मान नहीं दिया। जवान ने काम ही कुछ ऐसा किया जिस कारण बच्चों ने भारतीय सेना के इस जवान को सम्मानित किया।

सेना के जवान को बच्चों ने दिया सम्मान

वीडियो है उत्तराखंड के हरिद्वार जिले के दाबकीखेड़ा की। यहां सेना के एक जवान के प्रति स्थानीय बच्चों ने सम्मान व्यक्त किया। यहां सेना द्वारा 7 आपातकालीन मेडिकल इमरजेंसी के मामलों का निपटान किया गया साथ ही 10 गावों के 600 से अधिक लोगों को रेस्क्यू किया है। साथ ही भारतीय सेना, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, राज्य प्रशासन द्वारा भोजन की आपूर्ति व प्राथमिक उपचार की व्यवस्था की गई। बता दें कि उत्तराखंड और हिमाचल में आई बाढ़ में कई लोगों की मौत हो चुकी हैं। यहां भूस्खलन और बाढ़ ने खूब तबाही मचाई है। इससे पहले हिमाचल में एनडीआरएफ की टीम ने कई लोगों को एक रस्सी के सहारे रेस्क्यू किया था।

एनडीआरएफ ने बचाई कई जान

एनडीआरएफ ने संयुक्त बचाव अभियान के तहत 28 ट्रेकरों और चरवाहों को हिमाचल प्रदेश के किन्नौर जिले से रेस्क्यू किया था। यहां बाढ़ के जलस्तर के बढ़ जाने के कारण 11 लोग काफनू गांव से 15 किमी दूर फंस गए थे। 12 जुलाई को एनडीआरएफ इंस्पेक्टर प्रेम कुमार नेगी के नेतृत्व में घटनास्थल पर पहुंची और चुनौतिपूर्ण हालातों में अपने अदम्य साहस का परिचय देते हुए 28 लोगों को सफलतापूर्वक बचाया।

बंगाल स्कूल नौकरी घोटाला: चुनाव अभियान खर्चों में घोटाले की आय के उपयोग पर नज़र रख रही ईडी

कोलकाता, 16 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में करोड़ों रुपये के स्कूल भर्ती मामले की जांच कर रहा प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) अब इस संभावना की जांच कर रहा है कि कथित घोटाले से प्राप्त आय का एक हिस्सा एक विशेष राजनीतिक दल द्वारा पूर्वोत्तर के दो राज्यों में चुनाव खर्च में इस्तेमाल किया जा रहा है। जांच के दायरे में उस विशेष राजनीतिक दल द्वारा अपने नेताओं द्वारा इन दो पूर्वोत्तर राज्यों की राजधानियों की लगातार यात्राओं के पीछे किए गए खर्च और इस संबंध में वहां आवास और अन्य संबंधित विषयों पर किए गए खर्च हैं। सूत्र ने कहा कि केंद्रीय एजेंसी के अधिकारियों को कुछ खास सुराग मिले हैं कि इस मद में किए गए खर्च का एक बड़ा हिस्सा नकदी में किया गया था। इसके कारण जांच अधिकारी इस नकदी के स्रोत को लेकर चिंतित हैं और उन्हें संदेह है कि स्कूल भर्ती आय का कुछ हिस्सा इन दो पूर्वोत्तर राज्यों में अभियान के उद्देश्य से खर्च किया गया था। सूत्रों ने कहा कि ईडी के अधिकारियों को स्कूल भर्ती मामले में दो गिरफ्तार आरोपी बिचौलियों के कब्जे से जब्त किए गए हैं।

सीआरपीएफ जवानों को लेकर जा रही गाड़ी फिसलकर सिंध नाले में गिरी, हादसे में 8 जवान घायल

जम्मू, 16 जुलाई (एजेंसियां)। कश्मीर में रविवार सुबह एक बड़ा हादसा हो गया। सीआरपीएफ (सीआरपीएफ) की गाड़ी सिंध नाला में जा गिरी। इस हादसे में कम से कम 8 जवान घायल हो गए। ये हादसा नीलग्रार हेलीपैड के पास हुआ। घायल सभी जवानों को इलाज के लिए बेस कैंप अस्पताल बालटाल लाया गया है। जानकारी के मुताबिक, हादसा तब हुआ सीआरपीएफ जवानों को लेकर जा रही पंजीकरण संख्या-एचआर36एबी/3110 वाली गाड़ी सड़क से फिसलकर सिंध नाले में जा गिरी। अधिकारियों ने बताया कि सीआरपीएफ कर्मी बालटाल के रास्ते अमरनाथ गुफा मंदिर की ओर जा रहे थे, तभी यह हादसा हुआ।

अमरनाथ यात्रा के मद्देनजर सीआरपीएफ जवानों की तैनाती

बता दें कि अमरनाथ यात्रा को और सुरक्षित बनाने के लिए बड़ी संख्या में सीआरपीएफ के जवानों को तैनात किया गया है, क्योंकि अर्धसैनिक बल नवीनतम उपकरणों से लैस हैं और कश्मीर में सुरक्षा घेरे को बढ़ाने में मददगार साबित होंगे। सीआरपीएफ के उप महानिरीक्षक आलोक अवस्थी ने बताया कि हम 24 घंटे, साल के 365 दिन सेवा में तैनात रहते हैं, चाहे यात्रा हो या न हो। यात्रा के मद्देनजर बलों की संख्या में बढ़ोतरी की गई है और अधिक सावधानी बरती जा रही है। सीआरपीएफ के उप महानिरीक्षक ने बताया कि सीआरपीएफ दक्षिण कश्मीर में मौके पर निगरानी करने के लिए आधुनिक उपकरणों व हथियारों का इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने बताया कि हम दुनिया में उपलब्ध सबसे आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल कर रहे हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या अमरनाथ की पवित्र गुफा के लिए चल रही तीर्थयात्रा पर कोई खतरा है, अधिकारी ने कहा कि सीआरपीएफ पूरे साल शांति सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित करती है।

प्राथमिकता लोगों की सुरक्षा है, जवान आराम नहीं करते

उन्होंने कहा, कोई विशिष्ट खतरा नहीं है, लेकिन यात्रा हो या न हो, हमारी प्राथमिकता लोगों की सुरक्षा है और हमारे जवान आराम नहीं करते। वे चौबीसों घंटे काम करते हैं। वे 365 दिन तैनात रहते हैं। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि हम आपकी सेवा में हैं। उन्होंने तीर्थयात्रा के लिए स्थानीय आबादी के समर्थन की सराहना भी की। बता दें कि हिमालयी क्षेत्र में स्थित 3,888 मीटर ऊंचे गुफा मंदिर की 62 दिवसीय वार्षिक तीर्थयात्रा एक जुलाई को शुरू हुई, जो 31 अगस्त तक चलेगी।

खेत में काम कर रहे किसान की भालू ने ले ली जान, आंखें-पेट खाने से दहशत में ग्रामीण

भोपाल, 16 जुलाई (एजेंसियां)। राजधानी भोपाल के रातीबड़ थाना क्षेत्र में स्थित ककड़िया भानपुर गांव में रविवार सुबह खेत में काम कर एक बुजुर्ग पर भालू ने हमला कर दिया। जिसमें बुजुर्ग किसान की मौत हो गई। इस मामले में ग्रामीणों ने भालू को लाठी-डंडे से खदेड़ा। जिसके बाद भालू मौके से भागा। राजधानी में अब तक अधिकतर मामलों में वन्यजीव पालतू पशुओं पर हमला करते थे। इस बार किसी इंसान पर हमला करके भालू ने जान ली है इससे रातीबड़ क्षेत्र के ग्रामीण दहशत में है। सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। रातीबड़ के ग्रामीणों ने बताया कि रविवार सुबह छगनलाल खेत में काम करने गए थे तभी भालू ने उन पर हमला कर दिया वह बुजुर्ग की आंखें और पेट तक खा गया मौके पर ही उनकी मौत हो गई। भालू शव को खींच कर जंगल में ले जा रहा था। तभी गांव वालों ने लाठी-डंडे से उसे खदेड़ दिया। गौरतलब है कि राजधानी भोपाल के आसपास ग्रामीण क्षेत्रों में बड़ी संख्या में टाइगर है आए दिन टाइगर नगर निगम से लगे क्षेत्रों में शिकार की तलाश में आ जाते हैं और कई बार मवेशियों पर भी हमला कर चुके हैं।

'गारंटी दे रहा हूं, 5 महीने में गिर जाएगी ममता सरकार', केंद्रीय मंत्री शांतनु ठाकुर का दावा

कोलकाता, 16 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनाव के तुरंत बाद बीजेपी ने ममता बनर्जी की सरकार को फिर से उखाड़ फेंकने की धमकी दी है। पंचायत चुनाव से पहले विपक्षी नेता शुभेंदु अधिकारी से लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह तक बंगाल की सरकार गिरने की भविष्यवाणी कर चुके हैं। इस बार केंद्रीय राज्य मंत्री शांतनु ठाकुर ने ममता सरकार गिरने को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि गारंटी दे रहा हूं। अगले पांच महीनों में उनकी सरकार गिर जाएगी। शाम को बीजेपी ने उत्तर 24 परगना के गायघाटा फुलशरा पंचपोटाय इलाके की पंचायत में विजयी उम्मीदवारों के लिए स्वागत समारोह का आयोजन किया। केंद्रीय जहाजरानी राज्य मंत्री शांतनु ठाकुर, बनगांव संगठनात्मक जिला भाजपा अध्यक्ष रामपद दास समेत भाजपा नेता वहां मौजूद थे। शांतनु ठाकुर ने कहा, "सत्ता पक्ष ने एक महीने के अंदर ही चुनाव करवाया दिया। पुलिस निष्क्रिय रही। आयोग निष्क्रिय है। और इस बात का तो जिक्र ही नहीं किया जा रहा है कि उनके लोगों ने किस तरह से अत्याचार किया है।" शांतनु ठाकुर ने कहा, "सबने देखा कि क्यों हारे, कहीं बूथ से मतपेटी लेकर भाग रहे हैं तो कहीं बूथ से मार रहे हैं। इतनी बड़ी अनियमितता हुई है।" बनगांव से बीजेपी सांसद ने हमला बोलते हुए कहा, 'उन्होंने (तृणमूल) सोच लिया है कि वे शाश्वत हैं। वे कभी भी स्थायी नहीं होते। अगले पांच महीने में उनकी सरकार चली जायेगी।" गौरतलब है कि मतुआ इलाके में बीजेपी के वोट बैंक में गिरावट आई है। उत्तर 24 परगना, नादिया समेत बाकी जिलों में बीजेपी के समर्थन में गिरावट देखी गई है। राजनीतिक विशेषज्ञों के मुताबिक, मतुआ महासंघ के पार्टी नेता और बीजेपी सांसद शांतनु ठाकुर खतरे को देखकर जवाबी हमले का रास्ता अपना रहे हैं। दूसरी ओर, बंगाल बीजेपी के अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने शांतनु ठाकुर के दावे पर टिप्पणी करते हुए कहा कि सरकार कभी भी गिर सकती है। पांच-छह महीने में भी सरकार गिर सकती है।

सरकार विधायकों के समर्थन से चलती है। उन्होंने कहा कि विधायकों के एक बड़े वर्ग को अचानक यह महसूस हो सकता है कि वे अब इस सरकार का समर्थन नहीं करेंगे। फिर जन आंदोलन के कारण कुछ विधायक कह सकते हैं कि हम अब विधायक नहीं रहेंगे। सरकार के गिरने के कई पहलु हैं। बता दें कि पंचायत चुनाव के बाद बीजेपी ने ममता बनर्जी सरकार पर हमला तेज कर दिया है।

आप भी बिना पढ़े फॉरवर्ड करते हैं सोशल मीडिया मैसेज? तो हो जाएं सावधान, हाई कोर्ट ने कही ये बात

चेन्नई, 16 जुलाई (एजेंसियां)। सोशल मीडिया के इस दौर में फर्जी खबरें इस तरह घर कर गई हैं कि हम इसके प्रभाव की परवाह किए बगैर ही फॉरवर्ड कर देते हैं। एक ऐसे ही मामले में मद्रास हाई कोर्ट ने नाराजगी जताई। कोर्ट ने कहा कि सोशल मीडिया मैसेज फॉरवर्ड करने वाले लोग ही इसके कंटेंट के जिम्मेदार होंगे। आसान भाषा में कहें तो आपके द्वारा शेयर किए गए मैसेज से होने वाला प्रभाव के लिए आप ही जिम्मेदार होंगे। मद्रास हाई कोर्ट के जज जस्टिस आनंद वेंकटेश ने कहा कि सोशल मीडिया के सभी यूजर को मैसेज भेजने और शेयर करते समय बहुत ही सावधान रहने की जरूरत है।

हम वर्चुअल इन्फोर्मेशन डायरिया से जूझ रहे हैं जहां हर कोई संदेशों की बमबारी करता है। सोशल मीडिया पर संदेशों के रूप में जो बातें की जाती है उसका बहुत कम समय में बहुत बड़ा प्रभाव हो सकता है। हाईकोर्ट ने कहा कि हर एक यूजर को संदेश भेजने और शेयर करते समय अपनी सामाजिक जिम्मेदारी का ध्यान रखना चाहिए। समाज में पॉपुलर लोगों की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। सोशल मीडिया पर शेयर किए जाने वाले संदेश स्थायी साक्ष्य बन जाते हैं, लोग उससे प्रभावित होते हैं, और ऐसे में इससे पड़ने वाले प्रभाव से बचना लगभग नामुमकिन हो जाता है। कोर्ट ने कहा कि संदेश शेयर करने वाले लोगों को संदेश की सच्चाई का पता लगाना चाहिए। होता क्या है कि जब एक यूजर के पास कुछ मैसेज आता है, तो वह चाहता है कि इसके बारे में दूसरों को भी पता होना चाहिए। इस क्रम में वह संदेश की बिना जांच-पड़ताल किए आगे फॉरवर्ड कर देते हैं।

उड़ीसा एचसी: पिता की संपत्ति में बराबर की हकदार है बेटी

ओडिशा एचसी ने बताया- क्या कहता है हिंदू उत्तराधिकार संशोधन अधिनियम 2005?

भुवनेश्वर, 16 जुलाई (एजेंसियां)। ओडिशा हाईकोर्ट ने पिता की पैतृक संपत्ति पर बेटियों के अधिकार को लेकर बड़ा फैसला दिया है। कोर्ट ने कहा कि बेटियां माता-पिता की संपत्ति की बेटों के बराबर हकदार हैं और उनका पिता की पैतृक संपत्ति पर अधिकार है। कोर्ट ने तीन बहनों और भाईयों के बीच प्रर्पोर्टी के बंटवारे को लेकर यह फैसला सुनाया है। कोर्ट ने कहा कि अगर पिता की मृत्यु हिंदू उत्तराधिकार संशोधन अधिनियम से पहले हो गई हो तो भी लड़कियां माता-पिता की संपत्ती की बेटों के बराबर की हकदार हैं। इस मामले की सुनवाई जस्टिस विद्युत रंजन सारंगी और जस्टिस मुरारी श्री रमन की बेंच कर रही थी। विनीता शर्मा बनाम राकेश शर्मा मामले में सुप्रीम कोर्ट के एक ऐतिहासिक फैसले का जिक्र करते हुए कोर्ट ने कहा कि मिताक्षरा कानून के तहत ज्वाइंट फैमिली में बेटी को बेटे के समान हमवारिस माना गया है। पैतृक संपत्ति में बेटी का उतना ही अधिकार है, जितना बेटे का है।

कोर्ट की टिप्पणी

मिताक्षरा कानून बेटों को संयुक्त संपत्ति में जन्म से अधिकार देता है। इस कानून में 2005 में संशोधन कर लड़कियों को भी शामिल किया गया है। याचिकाकर्ता के पिता की 19 मार्च, 2005 को मृत्यु हो गई थी और हिंदू उत्तराधिकार संशोधन अधिनियम 2005, 9 सितंबर, 2005 को लागू हुआ था। याचिकाकर्ता का कहना है कि पिता की मृत्यु के बाद उनके तीन भाईयों ने ओडिशा भूमि सुधार अधिनियम के तहत प्रॉपर्टी को अपने नाम करवा लिया। इसे याचिकाकर्ता और उनकी तीन बहनों ने उपजिलाधिकारी के समक्ष चुनौती दी और वह पिता की पैतृक संपत्ति में बराबर की हिस्सेदार हो गईं। लेकिन इस फैसले को भाइयों ने क्लेम कमीशन में चुनौती दे दी। इस पर क्लेम कमीशन ने याचिकाकर्ता के खिलाफ आदेश दिया और फिर मामला हाईकोर्ट पहुंच गया।

क्या कहता है कानून?

यहां कोर्ट ने याचिकाकर्ता के पक्ष में फैसला सुनाते हुए कहा कि मिताक्षरा लॉ जन्म से ही बेटे को संयुक्त परिवार की संपत्ति में अपने पिता के बराबर अधिकार देता है। किसी हिंदू के पुरुष वंश में चौथी पीढ़ी तक सभी पुरुष वंशज उसके बेटे हैं, ऐसा इसमें कहा गया है। आगे कहा गया कि बेटी को संयुक्त परिवार की संपत्ति में जन्म से अधिकार नहीं मिलता है, लेकिन आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और महाराष्ट्र राज्यों का हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम 1956 और कर्नाटक में धारा 6-ए जोड़कर कानून में संशोधन किया गया और इन चार राज्यों की तर्ज पर पूरे भारत में हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम 2005 लागू हुआ। हाईकोर्ट ने क्लेम कमीशन को इस मामले में नए सिरे से फैसला लेने का निर्देश दिया।

'कांग्रेस अपने नेताओं को भेजकर फैला रही अशांति' अनुराग ठाकुर ने राहुल गांधी पर किया पलटवार

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। मणिपुर में हिंसक घटनाओं के मद्देनजर राजनीतिक बयानबाजी थमने का नाम नहीं ले रही है। अब केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने राहुल गांधी की टिप्पणी पर पलटवार करते हुए कांग्रेस पर निशाना साधा है। अनुराग ठाकुर ने कहा, पिछले 10 दिनों में मणिपुर के हालात में सुधार हुआ है, लेकिन कांग्रेस अपने नेताओं को वहां भेजकर अशांति पैदा करने की कोशिश कर रही है। उनका ये बयान राहुल गांधी के पीएम मोदी पर किए हमले के बाद आया है। दरअसल, राहुल गांधी ने पिछले महीने के आखिर में हिंसा प्रभावित मणिपुर का दौरा किया था। इस दौरान वे राहत शिविरों में भी गए और पीड़ितों का दर्द बांटा था। इंफाल एयरपोर्ट से कुछ दूर आगे जाने पर बिष्णुपुर के पास पुलिस ने राहुल गांधी का काफिला रोक दिया था, जिसके बाद हाई वोल्टेज ड्रामा भी हुआ था। राहुल गांधी ने ट्वीट कर लिखा था, ₹मणिपुर जल गया। यूरोपीय यूनियन की संसद में भारत के आंतरिक मुद्दे पर चर्चा हो गई, लेकिन प्रधानमंत्री चुप हैं।₹ उन्होंने आगे लिखा कि इस बीच राफेल ने उन्हें बैस्टिल डे का टिकट दिला दिया। राहुल गांधी ने मणिपुर हिंसा को लेकर पीएम पर चुप रहने का आरोप लगाया।

हैवान पिता! नाबालिग बच्चों का यौन शोषण कर पिलाता था मच्छर भगाने वाला लिक्विड, अब मिली उम्रकैद

गाजियाबाद, 16 जुलाई (एजेंसियां)। गाजियाबाद की एक कोर्ट ने अपनी नाबालिग बेटी और बेटे से यौन शोषण के आरोपी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। दोनों बच्चों ने अपनी चाची और दादा को यौन उत्पीड़न के बारे में बताया जिसके बाद मोदीनगर पुलिस स्टेशन में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। मुकदमा लिखने के तीन साल बाद कोर्ट ने सजा सुनाई। अभियोजन पक्ष ने बताया कि 16 अगस्त, 2020 को बच्चों के दादा की शिकायत पर मोदी नगर पुलिस ने पिता के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ यौन अपराध से बच्चों को संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो) के अलावा भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 323 (जानबूझकर चोट पहुंचाना), 328 (जहर देकर नुकसान पहुंचाना), 354 (छेड़छाड़), 376 एबी (बलात्कार), 377 (कुकर्म) और 506 (धमकी देना) के तहत केस दर्ज किया था। पुलिस ने जांच के बाद मामले में 5 अक्टूबर, 2020 को आरोप पत्र दाखिल किया था। अभियोजन पक्ष ने सुनवाई के दौरान 10 गवाह पेश किए थे, जिसमें दोनों बच्चे और उनके दादा भी शामिल थे।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 17 जुलाई- 2023

दोस्ती हो तो ऐसी

पीएम मोदी दो दिवसीय यात्रा कर फ्रांस से लौट कर अपने काम में फिर से व्यस्त हो गए हैं। फ्रांस में उनका जिस तरह का भव्य स्वागत हुआ, वह अपने आप में एक मिसाल बन गई है। पीएम मोदी को फ्रांस के सर्वोच्च सम्मान से नवाजा गया। पीएम मोदी की इस यात्रा से दोनों देशों के बीच जो दोस्ती मजबूत हुई है उससे कई देश रस्क भी कर सकते हैं। पीएम मोदी बैस्टील डे परेड प्रोग्राम में गेस्ट ऑफ ऑनर के तौर पर शामिल हुए। बता दें कि यह यात्रा इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि दोनों देशों के रणनीतिक संबंधों का यह 25वां साल है। द्विपक्षीय रिश्तों के संदर्भ में जो बात यादगार के तौर पर देखी जाती है वह यह कि फ्रांस ने भारत को उस समय समर्थन दिया था, जब उसे इसकी सबसे ज्यादा आवश्यकता थी। 1998 में पोखरण परमाणु परीक्षण के बाद भारत पर प्रतिबंध लगाए जाने का फ्रांस ने डट कर विरोध किया था। इसके बाद से ही दोनों देशों के रक्षा संबंध निरंतर आगे ही बढ़ते गए। फ्रांस ने भारतीय सेना को आधुनिक लड़ाकू जेट और पनडुब्बियों जैसे महत्वपूर्ण साजो-सामान की आपूर्ति की। 2018 से 2022 के बीच फ्रांस भारत का दूसरा सबसे बड़ा डिफेंस सप्लायर बन गया। आज हालात यह है कि देश के कुल रक्षा आयात का 29 फीसदी फ्रांस ही कर रहा है। पीएम मोदी की मौजूदा यात्रा इस मायने में अहम मानी जा रही है कि इसमें 26 राफेल मरीन फाइटर जेट्स और तीन अतिरिक्त स्कॉर्पीन पनडुब्बियों की खरीद का समझौता किया गया है। अब भारत को सैन्य हथियारों के मामले में उस अनिश्चितता से उबरने में आसानी होगी, जो यूक्रेन युद्ध के चलते रूसी डिफेंस सप्लाई में आई बाधाओं के चलते पैदा हुई थी। इसके अलावा भारत और फ्रांस के रिश्तों का एक और प्रगाढ़ पहलू यह है कि भू-राजनीति के हाल के दिनों में बदलते समीकरण भी इन दोनों देशों को करीब ला दिया है। कई वजहों से ट्रांस अटलांटिक अलायंस सिस्टम में फ्रांस कुछ अलग-थलग पड़ा दिख रहा है। उदाहरण के लिए, 2021 में बने ऑकस (ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन और अमेरिका) का जिक्र किया जा सकता है, जिससे फ्रांस को बाहर रखा गया था। फ्रांस इसका जवाब देने के लिए ही भारत जैसे देशों से अपनी करीबी बढ़ाने की कर रहा है। इस स्थिति में फ्रांस के साथ ही भारत का भी फायदा है। भारत भी हिंद-प्रशांत क्षेत्र में उसके साथ तालमेल बढ़ाना चाहता है। जाहिर है जब दोनों को ही फायदा हो रहा है तो वह तालमेल क्यों नहीं बढ़ाए? बता दें कि इस क्षेत्र में चीन का वर्चस्व कायम है इसलिए दोनों देश इस क्षेत्र में उसको मिल कर जवाब दे सकते हैं। बहरहाल, दोनों देशों के रिश्तों का सबसे अहम पक्ष व्यापारिक गतिविधियों का ही है। देखा जाए तो इसी क्षेत्र में सबसे ज्यादा संभावनाएं भी हैं, जिससे भारत भी तरक्की के राह पर दौडने लगा है। इस क्षेत्र में दोनों देशों ने सफलता के झंडे तो गाडे हैं लेकिन इसके बावजूद 2022-23 में दोनों देशों के बीच का व्यापार महज 12.56 अरब डॉलर तक का ही रहा। व्यवापारिक जानकारी रखने वालों का कहना है कि यह काफी कम है और थोड़े प्रयासों से भी इसमें अच्छा-खासा इजाफा हो सकता है। इसलिए दोनों पक्षों को अब भारत और यूरोपियन यूनियन के बीच जल्द से जल्द मुक्त व्यापार समझौता करने की दिशा में प्रयास तेज करने पर ध्यान देना चाहिए। ताकि जहां चीन के विस्तारवादी वर्चस्व को तोडा जा सके वहीं दोनों ही देश आपसी समझ से प्रगति के पथ पर निरंतर आगे बढ़ते रहें।

अबला तेरी यही कहानी

रघु ठाकुर

कहने को हम 21वीं सदी में हैं और आजादी के भी 75 वर्ष पूरे कर चुके हैं। परन्तु महिलाओं के प्रति मानसिक सोच में बहुत बदलाव नज़र नहीं आता। इसमें कोई दो राय नहीं है कि अवसर मिलने पर महिलाओं ने अपनी योग्यता को सिद्ध किया है और भारतीय महिलायें विभिन्न क्षेत्रों में न केवल श्रेष्ठ साबित हो रही है बल्कि कई मामलों में तो पुरूषों से आगे छलांग लगा रही है। प्रशासनिक सेवाओं का क्षेत्र हो खेल या व्यापार का क्षेत्र हो कार्यपालिक अधिकारियों के पद हो, सिविल सर्विसेस, नीट या अन्य परीक्षायें हो आज बेटियों के नाम ही मीडिया में सबसे ऊपर पढ़ने को मिलते हैं। यह तो हुई बात महिलाओं की योग्यता की। परन्तु महिलाओं के प्रति नजरिया पुरूष मन में बहुत बदलता नज़र नहीं आ रहा। पढ़े-लिखे सभ्रांत वर्ग के पुरूषों और विशेषकर अधिकारियों और कर्मचारियों के हलके-फुलके क्षणों के सवालों को अगर सुना जाए तो अक्सर उन्हें कहते सुना जाता है कि होम मिनिस्ट्री को पता न लग जाए। होम मिनिस्ट्री की सेवा में है और होम मिनिस्ट्री को कौन समझाये। और यह सब कथन एक प्रकार से व्यंग रूप के होते है। मेरे एक अधिकारी मित्र ने जो क्लास वन अधिकारी हैं ने बताया कि उनके एक परिचित रेल के बड़े अधिकारी कुछ दिनों पूर्व सेवानिवृत्त हुए हैं। उन्होंने उनसे हालचाल पूँछा कि कैसे समय कटता है तो उन्होंने उत्तर दिया कि मैं तो घर का टी.ए.डी.के. बन गया हूॅ। दरअसल रेलवे में जो बंगला प्यून की प्रथा रही है वह अब तकनीकी रूप से बंद हो गई। और अधिकारियों ने कुछ नया तकनीकी नाम देकर जिसे टी.ए.डी.के. कहा जाता है उसका विकल्प खोज लिया है। याने यह बंगले के चपरासी का ही परिवर्तित नाम है। और उन अधिकारी का यह कहना था कि वह अपनी पत्नी के बंगला प्यून जैसे बन गये। बहुत संभव है कि उनकी सुशिक्षित पत्नी उनसे कुछ घरेलू काम काज में सहयोग की अपेक्षा रखने लगी हो। क्योंकि अब उनके पास कोई काम नहीं है, बल्कि पर्याप्त खाली समय है। और उन्हें उस चाहे गये घरेलू काम के सहयोग को करना लाचारी होगी। कम से कम यह तो निश्चित ही है कि वह अपने स्वेच्छा भाव से यह काम नहीं कर रहे है। उनके मन में नारी के प्रति एक छोटे होने का भाव है। और ऐसे संवाद और चर्चायें अमूमन सुनने को मिलती है कहा जा सकता है कि यह हास्य विनोद है परन्तु हास्य विनोद भी कहीं न कहीं अंतर मन में छिपे भाव से जन्म लेता है। संयुक्त राष्ट्र संघ के मसंविदा पत्रों पर हस्ताक्षर करने के बाद भारत सरकार ने भी महिलाओं के हित के लिये अनेक कदम उठाये हैं। बढ़ाओ बेटी पढ़ाओ लक्ष्मी योजना बच्चियों को शिक्षा में विशेष सुविधायें प्रदान करना शादी विवाह में मदद करना आदि ऐसे अनेक कदम उठाये है जिनसे नारी शक्तिकरण हुआ है। पर अभी भी समाज में नारी समता के लिये संघर्ष कर रही है और अपना स्थान बनाने का प्रयास कर रही है। परन्तु क्या पुरूष मन अभी बदला है? क्या उसने इस बदलावों को मन से स्वीकार किया है? यह कहना अभी भी कठिन लगता है क्योंकि आये दिन समाचार पत्रों में जो समाचार आ रहे हैं वह इसी आशय को सिद्ध करते हैं। लैंगिक समानता के मामले में विश्व आर्थिक मंच की रपट को अगर माना जाए तो भारत 146 देशों में से 127 वें स्थान पर है। याने हम लैंगिक समानता के मामले में अभी भी बहुत पीछे है। हालांकि रपट यह भी कहती है कि भारत इसके पहले 135वें स्थान पर था। अब आठ सीढ़ी ऊपर चढ़कर 127वें नम्बर पर आया है। कुछ लोग यह भी कह सकते हैं हम पाकिस्तान से बेहतर हैं। पाकिस्तान तो 142वें पायदान पर है और हम 127वें स्थान पर। परन्तु ऐसे निष्कर्ष निकालना आत्मसंतोषी ही होगा। इस रपट के अनुसार बंगलादेश 59वीं पायदान पर है जबकि बंगलादेश भी एक इस्लामिक देश है और आमतौर पर लोगों की धारणा रहती है कि महिलाओं को इस्लाम में बराबरी नहीं है। श्रीलंका 115वें स्थान पर, नेपाल 116वें स्थान पर, चीन 107वें स्थान पर एवं भूटान 103वें स्थान पर है। याने एशिया देशों में भारत शायद पाकिस्तान को छोड़कर बकाया सभी से बहुत पीछे है।

इस रपट के मुताबिक जन्म के लिंग अनुपात में 1.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। परन्तु इस वृद्धि से यह निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता है कि इतने सरकारी सुविधाओं प्रचार के बावजूद एवं फिल्म मीडिया के द्वारा हो रही हलचल के बाद भी पुरूष और स्त्री, लड़का व लड़की के बीच का फर्क दिमाग से मिटा है। हाल ही में 21 जून को हेमन्त डोलिया और उनकी पत्नी पूजा डोलिया ने बेटियों के जन्म के लिये परिवार की प्रताड़ना से परेशान होकर जहर पी लिया। यह घटना कोई गांव की भी नहीं बल्कि म.प्र. के बम्बई कहे जाने वाले इंदौर शहर की है। पूजा डोलिया टिमरनी की रहने वाली थी इसकी दो बेटियां थी उसने अपने मामा को फोन पर कहा कि हेमन्त के यानी पति के माँ-बाप व बड़े भाई परेशान करते हैं व बेटी को मारते है व बेटियों के होने पर टार्चर भी करते है। 28 जून 2023 के अखबारों में, ग्वालियर की एक घटना दर्ज है, जिसमें नीतू नामक महिला को उसके पति ने बुरी तरह मारा क्योंकि उसने दो बेटियों को जन्म दिया था। अब उसमें नीतू का क्या कुसूर था यह समाज की सच्चाई है। कहा जा सकता है कि ये घटनायें अपवाद हैं। परन्तु यह भी विचारणीय है कि चूंकि यह घटनायें इंदौर व ग्वावलियर में हुई थी इसलिये मीडिया में प्रमुखता से स्थान पा सकीं। अन्यथा ग्रामीण दूरस्थ अंचलों में कितनी ऐसी घटनायें घट रही हैं, जहां बेटियों को जन्म देने के अपराध में नारी का जीवन, अपमान, त्रासदी, और पीड़ाओं से भर जाता है। अगर पहली संतान बेटा हुई तो घर वाले और यहां तक कि समाज के लोग भी उसे ऐसे शान से बताते हैं जैसे लड़के की पत्नी ने कोई ओलम्पिक पदक जीत लिया हो। अगर ईमानदारी से चिकित्सक लोग जानकारी देकर बतायें कि कितने पति-पत्नी या महिलायें उनके पास भ्रूण परीक्षणों के लिये आती है तथा उस आधार पर बच्चे को जन्म नहीं देती तो आंकड़ा बहुत भारी होगा। भ्रूण हत्या कानून की सख्ती के चलते यह जांच पड़ताल गर्भधारण के शुरूआती 2-3 माह में होने लगी है ताकि भ्रूण बनने के पहले ही उससे मुक्ति पा ली जाए। जो क्रतिम गर्भधारण हो रहे हैं उनमें भी अधिकांशतः को बेटों की ही चाहत होती है। एक महत्वपूर्ण खबर 22 जून के अखबारों में आई थी पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य की बेटी सुचेतना भट्टाचार्य लिंग परिवर्तन कराकर सुचेतन बनना चाहती है। उनका कहना था कि उनका मन अपने आपको पुरूष समझता है। इसलिये वे शारीरिक रूप से पुरूष बनना चाहती है। उन्होंने यह भी कहा कि लोग उन्हें सुचेतन कहे। आखिर इस इच्छा के पीछे कारण क्या है? वे अपने आपको पुरूष मन में क्यों देखती है और क्या यह नारी के मन की छिपी हीन ग्रन्थि का ही एक विपरीत रूप नहीं है? आज 21 वीं सदी में भी बेटियों को जातियों के बंधनों से जकड़कर रखा जाता है। मैं कितने ही ऐसे परिवारों को निजी रूप से जानता हूॅ कि जहां दहेज के अभाव में- गोरे रंग के अभाव में- आर्थिक रूप से कमजोर घर के कारण या अन्य कारणों से बेटियों की शादी नहीं हो पाती। वे आजीवन रूप से अविवाहित ही रह जाती है। अगर वह अपने मन से प्रेम व शादी करती है तो ऑनर किलिंग के मामले सामने आते है। पहले तो जाति श्रेष्ठता के नाम पर ऑनर किलिंग हो रही थी अब तो जातियों के भीतर भी छोटे-बड़े के आधार पर ऑनर किलिंग हो रही है। अंतरजातीय या धर्म के नाम पर शादी करने पर बेटियों को मौत के घाट उतार दिया जाता है तथा तथाकथित सामाजिक प्रतिष्ठा बचाई जाती है। विशेषकर ग्रामीण व मध्यम श्रेणी परिवारों में ऐसी घटनायें अभी भी काफी घट रही है। भारत में सामान्य महिला श्रमिकों की आय में थोड़ी सी वृद्धि हुई है। परन्तु इसमें सरकार की भूमिका नहीं है बल्कि समाज के नये बन रहे है ढांचे में, मध्यवर्गीय परिवारों में, अब घरेलू काम वाली महिलाओं की आवश्यकता वढ़ी है और यह आवश्यकता कुछ हद तक मध्यवर्गीय परिवारों की लाचारी जैसी बन रही है।

'विपक्षी एकता' की चर्चा ग़ायब क्यों?

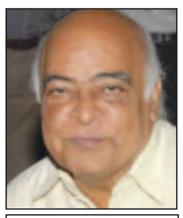

अशोक भाटिया

क्या आम आदमी पार्टी के अरविंद केजरीवाल की शर्त ने इस एकता को बनने से पहले ही बिगाड़ दिया है? या विपक्षी दलों की अपनी समस्याओं ने इस एकता की संभावना को झटका दिया है? साल 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा और नरेंद्र मोदी को चुनौती देने के लिए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कई महीनों से कोशिश में लगे हुए हैं। पिछले महीने 23 जून को पटना में 15 विपक्षी दलों की मीटिंग इस लिहाज से एक बड़ी सफलता मानी जा रही थी।पटना की मीटिंग के बाद यह तय हुआ था कि 10 से 12 जुलाई के बीच शिमला में विपक्षी दलों की दूसरी मीटिंग होगी जिसमें राज्यों में लोकसभा सीटों के बंटवारे पर चर्चा की जाएगी।इस मीटिंग की ज़िम्मेवारी कांग्रेस पार्टी पर सौंपी गई थी। पहले से तय शिमला की यह मीटिंग रद्द हो चुकी है और अब यह मीटिंग 17 और 18 जुलाई को बेंगलुरु में होगी। इस बीच आरजेडी नेता लालू प्रसाद यादव ने भी दावा किया है कि बेंगलुरु में 17 दल एक साथ आ रहे हैं।लालू यादव ने कहा, ₹वो (भाजपा को) जो कहना है, कहते रहें, वो नहीं चाहते हैं कि इस पर चर्चा हो क्योंकि वो जा रहे हैं।दरअसल विपक्षी एकता को लेकर चर्चा के बंद होने से ही विपक्षी एकता पर सवाल खड़े हुए हैं हालांकि, इस सवाल की शुरुआत पटना की मीटिंग के बाद ही हो गई थी। उस वक़्त आम आदमी पार्टी ने बयान जारी कर अपनी नाराज़गी ज़ाहिर की थी। देश की सत्ता हासिल करने के लिए होने वाले सियासी जंग में अब महज 10 महीने का ही वक्त बचा है। ऐसे में सत्ताधारी दल भाजपा के साथ ही कांग्रेस समेत तमाम विपक्षी दल भी अपनी-अपनी रणनीति बनाने और उसे वास्तविक आकार देने में जुटे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कद और भाजपा की देशव्यापी ताकत को देखते हुए विपक्षी दलों के बीच एकजुटता का प्रयास भी जारी है। इन सबके बीच अलग-अलग राज्यों में बीच-बीच में सियासी हलचल भी देखने को मिल रहा है। अभी महाराष्ट्र की राजनीति में बड़ा भूचाल आया हुआ है। पिछले कई महीनों से विपक्षी दलों को एकजुट करने में जुटे एनसीपी अध्यक्ष शरद पवार को अपने भतीजे अजित पवार की बगावत के बाद खुद अपनी पार्टी को बचाने की जद्दोजहद से जूझना पड़ रहा है। उधर नौकरी के बदले जमीन केस में सीबीआई की ओर से तेजस्वी यादव को आरोपी बनाए जाने के बाद विपक्षी एकजुटता की मुहिम को धार देने में जुटे बिहार के मुख्यमंत्री और जेडीयू नेता नीतीश कुमार और आरजेडी के बीच सबकुछ ठीक नहीं होने की अटकलें भी लगाई जाने लगी है। नीतीश कुमार और राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश के बीच 3 जुलाई को हुई बैठक के बाद इन अटकलों को और हवा मिली है। वहीं कांग्रेस की ओर से भी 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा के खिलाफ विपक्षी दलों की लामबंदी को लेकर कोई ज्यादा सक्रियता नहीं दिख रही है। इस मसले पर आगे बढ़कर अलग-अलग विपक्षी दलों को भरोसे में लेने को लेकर कांग्रेस में गंभीरता का साफ अभाव झलक रहा है। आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा के खिलाफ एक मजबूत विपक्षी गठबंधन बने या न बने ,ये तो भविष्य में तय होगा लेकिन एक बात जरूर है कि चुनावी मुद्दों को लेकर कांग्रेस के साथ ही विपक्षी दलों के हाथ तंग नज़र आ रहे हैं। कोई भी चुनाव मुद्दों और उन मुद्दों के जरिए बने माहौल के आधार पर जीता जाता है। उसमें भी जब बात लोकसभा चुनाव की हो तो इस नजरिए से देशव्यापी चुनावी मुद्दों का महत्व बेहद बढ़ जाता है। ये वो बिन्दु है, जहां कांग्रेस समेत तमाम विपक्षी दल फिलहाल भाजपा से काफी पीछे नज़र आ रहे हैं। विपक्ष नरेंद्र मोदी सरकार के खिलाफ वैसा चुनावी मुद्दा नहीं बना पा रहा है, जिसको हथियार बनाकर भाजपा को मात दे सके और यही पहलू 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा की सबसे बड़ी ताकत साबित होने वाला है। ऐसा नहीं है कि विपक्षी दलों के लिए मुद्दों की कमी है लेकिन उन मुद्दों को लेकर लगातार संघर्ष करने की क्षमता और उसे जनता के बीच पहुंचाने की रणनीति का अभाव जरूर विपक्षी दलों में दिखता है। भाजपा मुद्दों को गढ़ने और जनता के बीच उनको पहुंचाने में विपक्ष से कोसों आगे नज़र आती है। ये शायद ही कोई भूला होगा कि 2014 लोकसभा चुनाव से पहले कैसे भाजपा ने महंगाई और भ्रष्टाचार को मुद्दा बनाया। इनको आधार बनाकर भाजपा ने कांग्रेस की अगुवाई वाली यूपीए सरकार 2014 के लोकसभा चुनाव में मात दी थी। भ्रष्टाचार और बढ़ती महंगाई के जरिए उस वक्त भाजपा ने जो माहौल तैयार किया था, उस माहौल का बहुत बड़ा हाथ था जिसकी वजह से नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री का चेहरा घोषित कर 2014 में भाजपा पहली बार अपनी बदौलत लोकसभा में बहुमत हासिल करने में कामयाब रही थी। उसके बाद भाजपा की राजनीतिक किताब में लगातार नए-नए अध्याय जुड़ते गए। 2019 के लोकसभा चुनाव में भी विपक्ष नरेंद्र मोदी सरकार के खिलाफ चुनावी मुद्दा और उसके जरिए माहौल बनाने में नाकामयाब रहा था जिसके कारण उस चुनाव में भाजपा को 2014 से भी बड़ी जीत हासिल हुई थी।अब जब 2024 का लोकसभा चुनाव सामने है, तो उस नजरिए से भी न तो कांग्रेस और न ही कोई और विपक्षी दल महंगाई या फिर भ्रष्टाचार को ही लंबे वक्त के लिए जनता के बीच मुद्दा बनाने में कामयाब हो पा रहे हैं। मुद्दा बनाने के लिए जिस तरह का संघर्ष चाहिए, उसमें भी संजीदगी की कमी को महसूस किया जा सकता है। ऐसा भी नहीं है कि अब महंगाई और भ्रष्टाचार कोई मुद्दा ही नहीं रहा है। हम देख ही रहे हैं कि कैसे रोजमर्रा की जरूरतों से जुड़े सामानों की कीमतों में आग लगी हुई है। पेट्रोल-डीजल के दामों को पिछले कुछ सालों में नई ही ऊंचाई मिली है। घर की रसोई के लिए आम आदमी को 8-9 साल पहले जितना खर्च करना पड़ता था, अब उसके लिए ही दोगुना से लेकर तिगुना खर्च करना पड़ रहा है जबकि गरीब और मिडिल क्लास के लोगों के बीच प्रति व्यक्ति आय में उस रफ्तार से वृद्धि नहीं हुई है। भ्रष्टाचार भी अलग-अलग तरीकों और स्वरूप में मौजूद है। कहने का मतलब है कि अभी भी महंगाई और भ्रष्टाचार है बहुत बड़ा मुद्दा लेकिन राजनीतिक और मीडिया विमर्श में उसको ज्यादा समय और महत्व नहीं मिल पा रहा है। इसका एक बहुत बड़ा कारण है कि विपक्ष जनता तक इन मुद्दों को पहुंचाने में सफल नहीं हो पा रहा है और ऐसा करने के लिए लगातार संघर्ष करता नज़र भी नहीं आ रहा है। मुद्दों की कमी नहीं है। महंगाई, भ्रष्टाचार के अलावा बेरोजगारी का मुद्दा भी मौजूद है। आलम ये है कि जून के महीने में बेरोजगारी दर 8.45% तक पहुंच गया है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी (CMIE) के मुताबिक मई में ये आंकड़ा 7.68% था।

एमपी में सरकार के विरोध में नेहा राठौर का गीत

नरेंद्र तिवारी

साहित्य समाज का दर्पण होता है। कविता, गीत, गजल यह साहित्य की विधा है। इन विधाओं का काम राग दरबारी कभी नहीं रहा है। यह विधाएं सत्ता के कुकर्मो के खिलाफ जनता के गुस्से से पैदा होती है। जनता की आवाज बनकर सत्ता और सरकार के खिलाफ लिखने, पढ़ने और बोलने वाली कलम लंबे समय तक जनता की स्मृतियों में बनी रहती है इसके विपरीत सरकारों की प्रशंसा में भाटगिरी करने वाले गीतकारों, साहित्यकारो, चित्रकारों, फिल्मकारों, पत्रकारों को जनता तभी तक याद रखती है। जब तक वह सरकार बनी रहती है, जिसकी प्रशंसा में लिखा या गाया गया है। सत्ता या नेता की झूठी तारीफ साहित्य की इन विधाओं को भी कलंकित करती है। दरअसल साहित्य का मूल स्वभाव ही विरोध है। इस दौर में जब दृश्य और प्रिंट मीडिया पर सरकार की झूठी तारीफों के आरोप लग रहे है। गोदी मीडिया जैसे लांछन से पत्रकारिता को लांछित किया जा रहा है। अपने निजी स्वार्थों से प्रभावित वर्तमान दौर की पत्रकारिता अपने मूल स्वभाव के विपरीत सरकारों की प्रशंसा के गीत गाने में व्यस्त दिखाई दें रही हो। ऐसे समय भोजपुरी लोकगायिका नेहासिंह राठौड़ ने काव्य की गीत विधा का उपयोग कर सरकारी अव्यवस्था को अपने गीत के माध्यम से उजागर किया है। नेहा इससे पूर्व योगी सरकार पर भी यूपी में 'काबा' गीत के माध्यम से हमले कर चुकी है। इस बार एमपी में शिवराज सिंह की सरकार पर हमला किया है। एमपी में 'काबा' गीत के बाद भाजपा की महिला इकाई ने प्रदेश भर में ज्ञापन देकर विरोध दर्ज कराया। यही विरोध नेहा के गीत के प्रचार का माध्यम बन गया। एमपी में 'काबा' गीत लांच करने के पूर्व एक कार्टून को शेयर करने पर नेहा के खिलाफ एमपी में तीन एफआईआर भी दर्ज की गई। नेहा ने कहा अब एफआईआर से डर नहीं लगता। लगातार सरकारों के खिलाफ गाने वाली इस भोजपुरी गायिका पर विपक्ष के एजेंट होने का आरोप लगता रहता है। अपने एक साक्षात्कार में उन्होंने बताया कुछ लोग मुझे कांग्रेस का एजेंट बताते हैं, कुछ सपा और कुछ आमआदमी पार्टी का एजेंट बताते हैं, बिहार में भी ऐसी अफवाह है। सच सभी जानते है, मैं सिर्फ विपक्ष में हूँ। हर राज्य में जो भी पार्टी विपक्ष में है, मैं उनके साथ हूँ। विपक्षी पार्टी जब सत्ता में आ जाएंगी तो यही मुझे अपने विपक्ष में खड़ा पाएगी। केंद्र में जो भी पार्टी विपक्ष में है, मैं उनके साथ हूँ। सरकारें बदल जाएंगी पर मैं विपक्ष में ही रहूंगी। एक लोक-कलाकार को जनता के पक्ष में रहकर सरकार से सवाल करना चाहिए। यही उसका धर्म है, मैं अपने धर्म के साथ हूँ, मैं लोकतंत्र के साथ हूँ। नेहासिंह राठौड़ का यह बयान सही मायने में साहित्य के वास्तविक मानकों का प्रतिनिधित्व है। नेहासिंह भी सरकार की प्रशंसा में लगे अनगिनत पत्रकारों, साहित्यकारों, फिल्मकारों, गीतकारों की पंक्ति में खड़ी हो सकती है। अपने खिलाफ हो रही पुलिस रिपोर्ट से घबराकर सरकारों के पक्ष में गीत गा सकती है। किन्तु इस लोकगायिका ने साहित्य के वास्तविक चरित्र को जीवित रखते हुए लोकगायिका होने के अपने दायित्व को निभाया है। गीतकार, साहित्यकार अपने युग की आवाज होतें है। जनता की पीड़ाओं दुखो को बेबाकी से व्यक्त करते है। जनसामान्य की तखलीफ़ों के प्रवक्ता होते है। लोकतंत्र और साहित्य एक दूजे के पर्याय है। विरोध की आवाज जनता के मध्य चिरस्थाई स्मृति के रूप में बनी रहती है। ऐसा ही एक कवि जिसने आपातकाल के दौरान लिखा था 'मत कहो आकाश में कोहरा घना है, यह किसी की व्यक्तिगत आलोचना है।' जब आपातकाल के दौरान बोलने की आजादी पर भी सरकारी प्रतिबंध लग गए थे। उस दौरान दुष्यंत कुमार सत्ता के खिलाफ आवाज बनकर उभरे उन्होंने लिखा था 'रहनुमाओं की अदाओं पर फिदा है दुनिया, इस भटकी हुई दुनिया को संभालो यारो।' अब भी जहां सरकार के विरोध की बात आती है। हिंदी के कालजयी कवि दुष्यन्त कुमार की पक्तियां बरबस जहन में आ जाती है। नेहासिंह के गीतों में दुष्यंत की छवि दिखाई दे रही है। नेहासिंह के गीतों में बाबा नागार्जुन का प्रतिबिंब भी दिखाई दे रहा है। जो आपातकाल के दौरान सरकारी अन्याय के विरुद्ध अपनी कविता में कहते है। 'उस हिटलरी गुमान पर सभी रहें है थूक, जिसमे कानी हो गयी शासन की बंदूक।' सरकारें जनता द्वारा ही चुनी जाती है। जब वह जनता पर ही अन्याय करने लगें। तब लोकतंत्र में कविता और गीतों ने विपक्ष की भूमिका निभाई है। अपने नए पैरोडी गीत में नेहा ने मध्यप्रदेश की शिवराज सरकार पर निशाना साधा है। सीधी में आदिवासी युवक के कपाल पर पेशाब की घटना को गीत में रेखांकित किया है। आदिवासी उत्पीड़न, पटवारी भर्ती परीक्षा में गड़बड़ी, व्यापम घोटाला, महाकाल लोक में भ्रष्टाचार, बेरोजगारी समेत कई मुद्दों पर सरकार को घेरा है।

ज्ञानवापी : सबूतों का खजाना है

सुरेश गांधी

दरअसल, वाराणसी के ज्ञानवापी केस में सुप्रीम कोर्ट में अहम सुनवाई हो रही है। हिंदू पक्ष ने मुस्लिम पक्ष की याचिका पर अपना जवाब दाखिल करते हुए सर्वे में मिले शिवलिंग को फव्वारा बताना 125 करोड़ हिन्दुओं के अपमान का आरोप लगाया है। इसमें हिंदू पक्ष की तरफ से वादी महिलाओं ने अपनी दलील में औरंगजेब को क्रूर शासक बताते हुए आदि विश्ववेश्वर मंदिर को तोड़कर मस्जिद बनाने की बात कहीं है। जबकि मुस्लिम पक्ष का कहना है कि हिंदू पक्ष का दावा बिल्कुल बेबुनियाद है। ज्ञानवापी मामला सुनवाई योग्य नहीं है. मस्जिद हजारों साल पुराना है। जिसे शिवलिंग कहा जा रहा है, वो फव्वारा है. ज्ञानवापी के दीवार पर त्रिशूल, डमरू, ओम जैसी कलाकृतियां का अंकित कहना गलत है। औरंगजेब निर्दयी नहीं था और उसने किसी मंदिर पर आक्रमण नहीं किया था. हालांकि मुस्लिम पक्ष की इस दलील के जवाब में सुप्रीम कोर्ट ने मुस्लिम पक्ष को अपना जवाब दाखिल करने को कहा है. बता दें, इलाहाबाद हाईकोर्ट ने ज्ञानवापी में मिले कथित शिवलिंग का साइंटिफिक सर्वे कराने का आदेश दिया था. इस फैसले के खिलाफ मुस्लिम पक्ष ने सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दी थी. पिछली सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले पर अंतरिम रोक लगा दी थी. ऐसे में कोर्ट का फैसला क्या होगा, यह आने वाला वक्त बतायेगा। लेकिन औरंगजेब निर्दया नहीं था, वो मुस्लिमों का आदर्श रहा, यह 125 करोड़ हिन्दुओं का अपमान नहीं तो और क्या है? वह औरंगजेब जिसके क्रूरता के किस्से मथुरा, वृंदावन, काशी, अयोध्या से लेकर दिल्ली तक में टूटे सैकड़ों मंदिरों के अवशेष चीख-चीख कर गवाही दे रहे हैं। वह औरंगजेब जिसने सिखों के नौवें गुरु गुरु तेग बहादुर सिंह का सर तन से जुदा करने की धमकी के बाबत न सिर्फ उन्हें बंदी बना लिया था, बल्कि जिस स्थान पर सिर धड़ से अलग किया था, वहां आज गुरुद्वारा साहिब बनाया गया है। उसके क्रूरता की किस्से का आलम यह रहा कि उसने अपने ही पिता शाहजहां को जेल में डाल दिया था। सत्ता के लिए अपने ही भाई दारा शिकोह का धोखे से सिर धड़ से अलग कर दिया था। जहां तक ज्ञानवापी का सवाल है अगर मुगलों ने काशी विश्वनाथ मंदिर पर आक्रमण के दौरान तोड़ा नहीं था तो 1585 में राजा टोडरमल ने किस काशी विश्वनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण करवाया। दस्तावेजों के मुताबिक 1669 में औरंगजेब के आदेश पर मंदिर तोड़कर ज्ञानवापी मस्जिद का निर्माण किया गया। उसके बाद 1780 में इंदौर की महारानी अहिल्याबाई होल्कर ने मौजूदा मंदिर का निर्माण कराया। आलम गिरी पुस्तक में भी दर्ज है कि 1669 में काशी विश्वनाथ मंदिर तोड़कर औरंगजेब ने मस्जिद बनाई। वाराणसी न्यायालय में 18 अप्रैल 1869 का एक दस्तावेज पेश किया गया है, जिसमें कहा गया है कि औरंगजेब ने काशी विश्वनाथ मंदिर को तोड़कर मस्जिद बनवाया है। इन सबके बावजूद 2018 में हिंदू पक्ष ने हाईकोर्ट में जब एएसआई सर्वे की मांग की तो जवाब में मुस्लिम पक्ष द्वारा औरंगजेब को को महान शासक बताया गया है। लेकिन बड़ा सवाल तो यही है जब इस्लाम 14 सौ साल पुराना है तो ज्ञानवापी मस्जिद हजारों साल पुरानी कैसे हो सकती है? इस्लाम की सबसे पुरानी और पहली मस्जिदों में से एक कुवत-उल-इस्लाम मस्जिद 12 वीं सदी के अंत में निर्माण होना बताया गया है। जबकि वर्ष 1669 से भी पहले काशी विश्वनाथ मंदिर होने के सबूत है। बता दें, औरंगजेब का शासनकाल वर्ष 1658 से 1777 तक यानी 49 साल शासन रहा। 1697 में औरंगजेब के आदेश पर मथुरा वृदावन का मंदिर तोड़ा गया। औरंगजेब के ही कहने पर 1659 में गुजरात का सोमनाथ मंदिर को भी तोड़ा गया।

‘झगड़ा मुक्त’ घर

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

एक बिल्डर अजीबोगरीब घर बनाकर बेच रहा था। उसने बड़े-बड़े अक्षरों में लिख रखा था कि ‘झगड़ा फ्री घर’ चाहिए, तो मेरे पास आइए। कई लोगों ने देखा और बिल्डर के लिखे को मज़ाक समझकर वहाँ से चलते बनते। एक दिन एक दम्पति ने उस बिल्डर के पास आकर बताया कि हमारे बीच बहुत लड़ाई हो रही है। क्या आप हमें गारंटी दे सकते हैं कि झगड़ा फ्री जैसा कोई घर भी होता है या फिर यह कोरी अवधारणा है। इस पर बिल्डर ने कहा कि यदि मैं आपको झगड़ा फ्री घर न दे सकूँ तो पैसे वापस दे दूँगा। फिर भी दंपति ने जोर दिया कि झगड़ा हो गया तो क्या करोगे? इस पर बिल्डर ने कहा - पति-पत्नी में झगड़े होना आम बात है। न हों तो वह दाम्पत्य ही कैसा। जब तक पति-पत्नी अपने-अपने काम में लगे रहते हैं तब तक झगड़े नहीं होते। जब भी वे एक दूसरे समीप आते हैं तो पुरुष का कारक मंगल और पत्नी का शुक्र संतुलित होना चाहिए। अन्यथा झगड़े हो सकते हैं। पति को अपनी पत्नी की मंगल कामना करने और पत्नी का अपने पति शुक्रगुजार रहने से दोनों में सहमति बनी रहती है। दम्पति में कलह हो तो देखें कि यदि पत्नी की तरफ से शुरूआत हो तो शुक्र की गड़बड़ी होगी और यदि पति की तरफ से कलह प्रारंभ हो तो मंगल की गड़बड़ी होगी क्योंकि शयन कक्ष में मंगल एवं शुक्र की शक्ति बराबर ही रहनी चाहिए तभी दाम्पत्य जीवन का सुखद एवं सही उपयोग हो सकता है। इसलिए मैं मकानों से इन दो कारकों की गड़बड़ी को दूर करने के लिए दीवारों पर बड़े-बड़े अक्षरों में दहेज में दी गई धनराशि, गहने, वस्तुएँ आदि का ब्यौरा देता हूँ। आकर्षक गुलाबी रंग में कानूनी नियम लिखवा देता हूँ। चित्रों एवं अच्छी पेंटिंग के स्थान पर कोर्ट-कचहरी के चित्र लटका देता हूँ। दरवाजों पर उठने-बैठने, सोने, रहने के नियम बड़े-बड़े अक्षरों में लिखे होने से दंपति सावधान रहते हैं। घर में अधिक डेसिबल से अधिक आवाज़ होने पर अलार्म की आवाज़ बज उठती है। खटपट की आवाज़ होने पर घर का स्वचालित अलार्म जो कि फोन से जुड़ा होता है, वह डायल 100 को फोन लगा देता है। इससे पुलिस तुरंत आ जाती है। नवदंपति अथवा पच्चीस साल पहले के शादीशुदा दम्पति अपनी समस्याओं को इस मंत्र के जाप से दूर कर सकते हैं। इस मंत्र का 11 दिनों तक हर रोज़ आधी रात में पश्चिम दिशा में बैठकर कम से कम एक माला जाप करें। 11वें दिन तक आते-आते आप खुद महसूस करेंगे की पार्टनर में गजब का परिवर्तन आया है। ये फर्क दूसरे दिन से भी आरंभ हो सकता है लेकिन 11 दिन अवश्य पूरे करने हैं।

न ईट और न ही सीमेंट....12वीं सदी का यह तीन मंजिला मंदिर 108 पिलरों पर है खड़ा

डूंगरपुर। सावन का महीना चल रहा है। ऐसे में भगवान शिव के मंदिरों में शिव भक्तों के दर्शन का महत्त्व बड़ जाता है। आज हम आपको ऐसे मंदिर के बारे बतानेवाले है जो कि एक हजार साल पुराना है।इस मंदिरखास बात ये है कि 108 खंभों पर बिना सीमेंट और ईट के बना हुआ है। इस मंदिर गुजरात के सोमनाथ मंदिर के तर्ज पर बनाया गया है। इस मंदिर का नाम देवसोमनाथ है।

डूंगरपुर के देव गांव में सोम नदी के किनारे बसा

देव सोमनाथ मंदिर है। इस मंदिर की कलाकृति इतनी बेजोड़ है कि मंदिर पर भूकंप भी बेअसर होता है। मंदिर का नाम गांव के देव और यहां से निकलने वाली सोम नदी से देव सोमनाथ पड़ा।

मंदिर में हजार साल से भी अधिक पुराने शिवलिंग की पूजा होती है। कहते हैकि 12वीं सदी में राजा अमृतपाल देव ने इसका निर्माण कराया था। तीन मंजिला मंदिर को खड़ा रखने के लिए तब 108 खंभे बनाए गए थे। वहीं, कुछ लोगों का ये भी कहना है कि ये मंदिर एक रात में चूहों द्वारा बनाया गया मंदिर है।

गुजरात के सोमनाथ मंदिर के जैसा माना जाता है मंदिर

डूंगरपुर से 20 किलोमीटर दूर स्थित शिव मंदिर में दो स्वयं-भू शिवलिंग के साथ अन्य देवी-देवताओं की प्रतिमाएं स्थापित हैं। यह स्थान स्थापत्य कला की मिसाल है। देव गांव होकर गुजरती सोम नदी के किनारे बसे होने के कारण इस मंदिर का नाम देव सोमनाथ पड़ा था। वर्तमान में मंदिर की देखरेख की जिम्मेदारी पुरातत्व विभाग की है। इसको गुजरात में बने हुए सोमनाथ मंदिर के जैसा भी माना जाता है।

108 खंभों पर टिका हैं मंदिर

कुल 108 खंभों पर टिके हुए तीन मंजिला इस मंदिर की कलाकृति बेजोड़ है। हर खंभे पर खूबसूरत नक्काशी की हुई है। बताया जाता है कि चूने और गारे से बने इन खंभों में पत्थरों को जोड़ने के लिए किसी तरह का केमिकल नहीं मिलाया गया है। चिनाई वाले पत्थरों को काटकर इन्हें एक-दूसरे में जोड़ा गया है। जो भूकंप के झटकों में भी साथ नहीं छोड़ते। इसकी यही खूबी इतिहासकारों के लिए चर्चा का विषय बनी हुई है।

बंदर बने देवर्षि नारद ने क्रोध में श्री विष्णु को दिया था यह श्राप

देवर्षि नारद बड़े तपस्वी और ज्ञानी ऋषि थे। पुराणों के अनुसार, नारद जी का जन्म ब्रह्माजी के कंठ से हुआ था। नारद ब्रह्मा जी के मानस पुत्रों में से एक हैं। नारद जी को पहले पत्रकार के रूप में भी जाना जाता है। एक बार देवर्षि नारद को बंदर बनना पड़ा था, जिसकी रोचक कथा काफी प्रसिद्ध है। पंडित इंद्रमणि घनस्याल बताते हैं देवर्षि नारद के बंदर बनने की कथा भगवान शिव ने माता पार्वती को सुनाई थी। जानते हैं आखिर क्यों देवर्षि नारद को बंदर का रूप धारण करना पड़ा था।

लक्ष्मी जी के लिए रचाया स्वयंवर

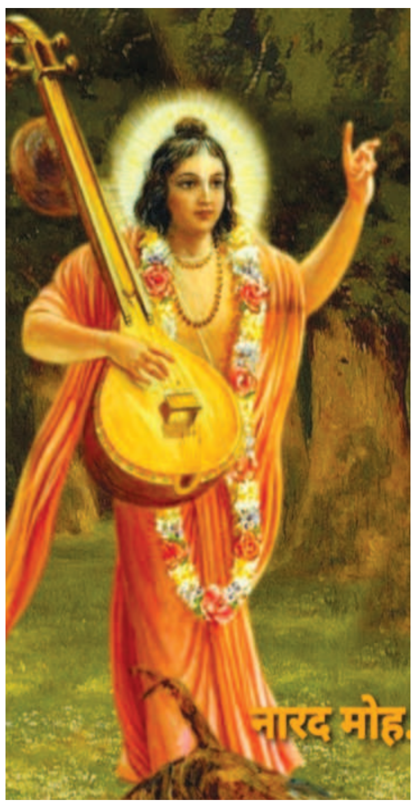

पौराणिक कथाओं के अनुसार, एक बार लक्ष्मी जी के लिए स्वयंवर का आयोजन हुआ था, जिसमें सभी देवता पहुंचे थे। माता लक्ष्मी मन ही मन में भगवान श्रीहरि को पति के रूप में स्वीकार कर चुकी थीं। स्वयंवर में ब्रह्माजी के मानस पुत्र नारद भी पहुंचे थे। नारद जी ने लक्ष्मी जी से विवाह करने की इच्छा जताई। नारद जी को इस बात का आभास था कि राजकुमारी लक्ष्मी जी हरि रूप में ही उनका वरण करेंगी, इसलिए नारदजी भगवान नारायण के पास पहुंच गए और उनके समान सुंदर रूप मांगने लगे।

जलाशय में दिखा बंदर जैसा मुंह

भगवान विष्णु ने नारद जी को हरि रूप दे दिया। इसके बाद नारद जी स्वयंवर में फिर से पहुंचे। उनको विश्वास था कि लक्ष्मी जी उनके गले में ही हार डालेंगी परंतु ऐसा नहीं हुआ। लक्ष्मी जी ने श्रीहरि के गले में ही हार डाला। इससे उदास होकर नारद जी वापस लौटने लगे, तब उन्होंने जलाशय में देखा कि उनका चेहरा बंदर जैसा नजर आ रहा है। जैसा कि हरि का एक अर्थ होता है वानर। इसलिए जब नारद जी ने विष्णु से हरि रूप देने को कहा, तब उन्होंने नारद जी को वानर का रूप दे दिया था।

श्रीविष्णु को दिया श्राप

इसके बाद नारद जी को आभास हुआ कि भगवान विष्णु ने उनके साथ छल किया है, इसके बाद नारद जी सीधा बैकुंठ पहुंचे और भगवान विष्णु को श्राप दिया कि पृथ्वी पर आप मनुष्य रूप में जाएंगे और आपको स्त्री का वियोग सहना पड़ेगा, इसलिए कहते हैं कि राम के रूप में विष्णु भगवान को सीता का वियोग सहना पड़ा।

पार्वती माता मंदिर का मनमोहक इतिहास और अनुष्ठान

पार्वती माता, दिव्य मां और भगवान शिव की पत्नी, हिंदू पौराणिक कथाओं और पूजा में एक महत्वपूर्ण स्थान रखती हैं। उनके भक्त उन्हें उर्वरता, प्रेम और भक्ति की देवी के रूप में मानते हैं। पार्वती माता मंदिर, उन्हें समर्पित एक शानदार मंदिर, सदियों से आध्यात्मिक और धार्मिक महत्व का केंद्र बिंदु रहा है। यह लेख मंदिर के मनोरम इतिहास पर प्रकाश डालता है, पार्वती माता की पूजा में शामिल अनुष्ठानों पर प्रकाश डालता है, और भक्तों द्वारा पालन किए जाने वाले आवश्यक नियमों और रीति-रिवाजों पर प्रकाश डालता है।

पार्वती माता मंदिर का इतिहास:

पार्वती माता मंदिर, जिसे पार्वती हिल मंदिर के नाम से भी जाना जाता है, भारत के राजस्थान में राजसी अरावली पर्वत श्रृंखला की प्राकृतिक सुंदरता के बीच स्थित है। इसका इतिहास 8वीं शताब्दी में खोजा जा सकता है, जो इसे इस क्षेत्र के सबसे पुराने और सबसे प्रतिष्ठित मंदिरों में से एक बनाता है। किंवदंतियों के अनुसार, इस मंदिर का निर्माण मेवाड़ राजवंश के शासकों द्वारा किया गया था, जो पार्वती माता के कट्टर भक्त थे। मंदिर परिसर शानदार वास्तुकला और उत्कृष्ट नक्काशी का प्रदर्शन करता है जो क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाता है। मुख्य मंदिर में पार्वती माता की एक सुंदर रूप से सजी हुई मूर्ति है, जो उन्हें उनके दिव्य रूप में दर्शाती है। मंदिर परिसर में भगवान शिव, भगवान गणेश और भगवान कार्तिकेय सहित अन्य देवताओं को समर्पित छोटे मंदिर भी शामिल हैं, जो पार्वती माता के दिव्य परिवार को दर्शाते हैं।

पार्वती माता की पूजा:

पार्वती माता की पूजा में अनुष्ठानों और प्रथाओं की एक श्रृंखला शामिल होती है जिसका उद्देश्य भक्ति व्यक्त करना, आशीर्वाद प्राप्त करना और एक गहरे आध्यात्मिक संबंध को बढ़ावा देना है। यहां पार्वती माता की पूजा कैसे करें, इसके बारे में चरण-दर-चरण मार्गदर्शिका दी गई है:

तैयारी: शुद्धिकरण स्नान करके और साफ कपड़े पहनकर शुरुआत करें। पूजा के लिए एक शांत और समर्पित स्थान बनाएं, अधिमानतः अपने घर के किसी शांत कोने में या मंदिर में। पूजा के लिए आवश्यक वस्तुओं की व्यवस्था करें, जिसमें फूल, अगरबत्ती, एक दीया (तेल का दीपक), फल, मिठाई और पवित्र जल शामिल हैं।

मंगलाचरण: विघ्नहर्ता कहे जाने वाले भगवान गणेश का आशीर्वाद लेकर पूजा शुरू करें। सुचारू और सफल पूजा सुनिश्चित करने में उनकी सहायता मांगते हुए, उनसे प्रार्थना करें।

प्रस्ताव: दिव्य ऊर्जा की उपस्थिति का प्रतीक, दीया और अगरबत्ती जलाएं। हार्दिक प्रार्थना और मंत्रोच्चार के साथ पार्वती माता को प्रसाद के रूप

में ताजे फूल, फल और मिठाइयाँ चढ़ाएँ। देवी को पवित्र जल (गंगा जल) चढ़ाएं, जो आत्मा की पवित्रता और शुद्धि का प्रतीक है।

मंत्र जाप: पार्वती माता को समर्पित पवित्र मंत्रों का जाप करें, जैसे ओम ऐं ह्रीं क्लीं चामुंडायै विच्चे मंत्र या ओम पार्वती देव्यै नमः मंत्र। ये मंत्र देवी की दिव्य ऊर्जा को जागृत करते हैं और आध्यात्मिक संबंध स्थापित करने में मदद करते हैं।

ध्यान और चिंतन: पार्वती माता के दिव्य गुणों पर ध्यान केंद्रित करते हुए और उनका मार्गदर्शन और आशीर्वाद प्राप्त करते हुए, ध्यान में कुछ क्षण बिताएं। देवी की शिक्षाओं पर चिंतन करें और उनके गुणों को दैनिक जीवन में अपनाने के तरीकों पर विचार करें।

आरती और प्रसाद: आरती करके पूजा का समापन करें, भक्ति गीत गाते हुए देवता के सामने एक जलता हुआ दीपक लहराने की रस्म। परिवार के सदस्यों और भक्तों के बीच प्रसाद वितरित करें, जो दिव्य आशीर्वाद साझा करने का प्रतीक है।

भक्तों के लिए नियम और रीति-रिवाज:

पार्वती माता मंदिर जाते समय या घर पर पूजा करते समय कुछ नियमों और रीति-रिवाजों का पालन करना आवश्यक है। ये दिशानिर्देश अनुष्ठान की पवित्रता बनाए रखने और सम्मानजनक माहौल को बढ़ावा देने में मदद करते हैं। यहां कुछ महत्वपूर्ण नियम दिए गए हैं **जिनका पालन किया जाना चाहिए:**

पवित्रता एवं स्वच्छता: पूजा से पहले स्नान करके और साफ कपड़े पहनकर व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखें। पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार, मासिक धर्म के दौरान मंदिर में प्रवेश करने या पूजा करने से बचें।

सम्मानजनक पोशाक: मंदिर जाते समय शालीन और सम्मानपूर्वक कपड़े पहनें। आंतरिक गर्भगृह या किसी निर्दिष्ट पवित्र क्षेत्र में प्रवेश करने से पहले जूते हटा दें।

मौन और श्रद्धा: मंदिर परिसर में शांत और सम्मानजनक व्यवहार बनाए रखें। ज़ोर से बोलने या अनावश्यक बकबक में शामिल होने से बचें।

फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी: मंदिर के अंदर तस्वीरें या वीडियो कैप्चर करने से पहले मंदिर अधिकारियों से अनुमति लें। स्थान की पवित्रता बनाए रखने के लिए फोटोग्राफी पर किसी भी प्रतिबंध का सम्मान करें।

पार्वती माता मंदिर हिंदू संस्कृति में दिव्य मां के प्रति गहरी भक्ति और श्रद्धा का प्रमाण है। अपने मनमोहक इतिहास और मनमोहक अनुष्ठानों के माध्यम से, मंदिर अपने आगंतुकों को एक गहरा आध्यात्मिक अनुभव प्रदान करता है। पूजा की निर्धारित विधियों का पालन करके और नियमों और रीति-रिवाजों का पालन करके, भक्त पार्वती माता के साथ गहरा संबंध बना सकते हैं और उनसे प्रेम, उर्वरता और भक्ति का आशीर्वाद मांग सकते हैं। जैसे ही आप देवी की पूजा करने के लिए अपनी यात्रा शुरू करते हैं, उनकी दिव्य कृपा आपको आंतरिक शांति, तृप्ति और आध्यात्मिक ज्ञान की ओर मार्गदर्शन करती है।

रुद्राक्ष धारण करने से होते है सभी रोग दूर

हिंदू धर्म में रुद्राक्ष का बहुत महत्व है क्योंकि माना जाता है कि इसमें विभिन्न समस्याओं को ठीक करने की शक्ति होती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, रुद्राक्ष की उत्पत्ति भगवान शिव के आंसुओं से हुई, जिससे यह एक चमत्कारी और अलौकिक शक्ति बन गया। माना जाता है कि जो लोग रुद्राक्ष पहनते हैं, उन पर भगवान शिव की कृपा होती है और वे परेशानियों से सुरक्षित रहते हैं। इसके आध्यात्मिक मूल्य के अलावा, रुद्राक्ष को कुछ बीमारियों को ठीक करने की क्षमता के साथ विज्ञान में भी इसकी प्रभावशीलता के लिए मान्यता दी गई है। रुद्राक्ष पहनने के लिए निर्धारित दिशानिर्देशों का पालन करने से सभी प्रकार की परेशानियों से राहत मिल सकती है।

रुद्राक्ष धारण करने के फायदे

एक शुद्ध और प्रामाणिक रुद्राक्ष आपके जीवन में उत्पन्न होने वाली किसी भी प्रकार की नकारात्मकता से आपकी रक्षा करने की क्षमता रखता है। इसके अतिरिक्त, इसमें अच्छे स्वास्थ्य, धन और सफलता को अपनी ओर आकर्षित करने की क्षमता है।

यह आपकी याददाश्त को बेहतर बनाता है। इसके अलावा, यह वात, कफ और पित्त को बहुत अच्छे से संतुलित करता है।

क्योंकि इसमें विद्युत चुम्बकीय गुण होते हैं, यह आपके रक्तचाप को इष्टतम स्तर पर बनाए रखता है।

इसकी मदद से त्वचा संबंधी रोग, घाव और खुजली का इलाज किया जाता है।

अभिमंत्रित माला और सरसों के तेल का मिश्रण जोड़ों से संबंधित रोगों के इलाज के लिए फायदेमंद है।

सर्दी और खांसी के इलाज के लिए रुद्राक्ष के दानों का पाउडर, तुलसी और शहद का मिश्रण बहुत फायदेमंद साबित होता है।

रुद्राक्ष धारण करते समय रखें ध्यान

रुद्राक्ष को गंदे हाथों से न छुएं।

रुद्राक्ष व्यक्तिगत धन से खरीदना चाहिए।

रुद्राक्ष उधार लेकर नहीं खरीदना चाहिए।

अनमोल वचन

जैसे एक सूखा पेड़ आग लगने पे पुरे जंगल को जला देता है,
उसी प्रकार एक दुष्ट पुत्र पुरे परिवार को खत्म कर देता है !

चाय और चरित्र जब भी गिरता है,
तो वह ऐसा दाग लगाता है,
की धोने से भी नही जाता है !

ऊपरवाले ने हम सबको हीरा ही बनाया है,
लेकिन शर्त यह है की जो घिसेगा वही चमकेगा ।

अच्छा दिखने के लिये मत जिओ,
बल्कि अच्छा बनने के लिए जिओ !
सफल व्यक्ति वह है जो खुद पर फेंकी गई, ईटों से मजबूत नीव बना ले !!

दुल्हन बनीं शहनाज की अदाएं देख फैंस हुए कायल, बोले- सिद्धार्थ की याद आ गई

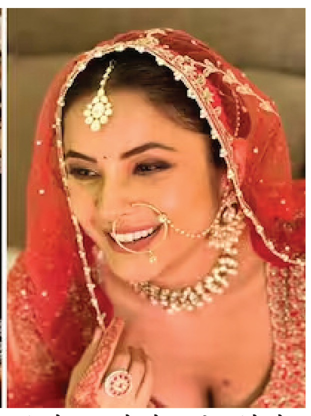

शहनाज ने हाल ही कुछ अलग अवतार में नजर आई हैं. शहनाज ने अपनी एक तस्वीर कुछ दिनों पहले सोशल मीडिया पर शेयर की थी, वह दुल्हन बनी दिखी थीं. अब उनका क्यूट वीडियो सामने आया है. शहनाज गिल यूं तो सलवार सूट से लेकर वेस्टर्न अटायर में बेहद खूबसूरत लगती हैं. वहीं हाल ही में उन्हें शुद्ध देसी इंडियन अवतार में दुल्हन बने देखा गया. जिसमें शहनाज कमाल लग रही हैं. शहनाज का एक वीडियो सामने आया है जिसमें उनकी नटखट अदाएं भी फैंस को देखने को मिल हैं वहीं उनका देसी अंदाज में भी नजर आ रहा है. ऐसे में शहनाज के फैंस के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं है. शहनाज गिल का सोशल मीडिया पर जो वीडियो सामने आया है उसमें वे गाजरी रंग के लहंगे में दिख रही हैं. सिर पर दुपट्टा ओढ़े, साज श्रृंगार किए शहनाज नजर आती हैं. इस दौरान उनका नटखटपन भी दिखाई देता है.

वीडियो के शुरुआत में शहनाज चुपचाप बैठी दिखती हैं, बैकग्राउंड में गाना चलता है- है तमन्ना हमें तुम्हें दुल्हन बनाएं.. फिर वे हल्का सा मुस्काती हैं और शरमाती दिखती हैं. फिर शहनाज हाथों की मेहंदी भी दिखाती हैं. इसके बाद नथ ठीक करती हैं और फिर शहनाज का चुलबुला अंदाज सामने आता है. कभी मुंह टेढ़ा करते तो कभी आंखें रोल करते हुए शहनाज देखी जाती हैं.

फैंस को उनका ये अंदाज बहुत पसंद आ रहा है यहां देखें शहनाज का ये सुपरक्यूट वीडियो । शहनाज को दुल्हन रूप में देख कर उनके फैंस उनके लिए दुवाएं करते दिखे कि वे भी एक दिन दुनिया की सबसे खूबसूरत दुल्हन बनेंगी. एक यूजर ने लिखा- मेनिफेस्ट करता हूं कि आप एक दिन बेहद खूबसूरत दुल्हन बनेंगी. तो एक ने लिखा- शहनाज तुम इतनी सादगी में सुंदर लग रही हो, जब असल में दुल्हन बनोगी तो क्या लगोगी. तो किसी ने लिखा- सिड की याद आ गई आपको दुल्हन बने देख कर.

'उम्मीद से भी अच्छा' काम किया : रकुल प्रीत

साउथ फिल्म इंडस्ट्री से अपने करियर की शुरुआत करने वाली रकुल प्रीत सिंह पिछले 3-4 वर्षों से हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में सुपरहिट फिल्मों का हिस्सा रही हैं। इन दिनों वह ओ.टी. टी. पर काफी व्यस्त हैं। हाल-फिलहाल में उनकी फिल्म 'आई लव यू' रिलीज हुई।

* आधा वर्ष बीत चुका है। कैसा रहा आधे वर्ष का आपका यह सफर ?

-मेरे करियर में 2022 और 2023 का अब तक का सफर बेहद अच्छा और एक्साइटिंग रहा है। उम्मीद से ज्यादा अच्छा काम और प्रोजेक्ट्स मैने किए और आगे भी कर रही हूं।

* क्या नया कर रही हैं आप ?

-मेरी फिल्म 'आई लव यू' हाल में एक श्री. टी. टी. प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई इस फिल्म को अच्छा रिस्पॉन्स मिला है और होरी गुलाटी तथा मेरे काम की तारीफ हो रही है। फिल्म 'कार्तिकेयन इस दीवाली पर रिलीज होगी, जिसका मुझे इंतजार है और फिल्म 'इंडियन 2 दिसंबर तक रिलीज होगी। मेरी खुशकिस्मती है कि अब तक मैंने जो भी किरदार निभाएं हैं, सब एक-दूसरे से बहुत हट कर हैं। कोई भी किरदार पिछले जैसा महसूस नहीं हुआ।

* आपके लिए कितना आसान या कितना मुश्किल रहा, किसी एक किरदार से निकलकर दूसरे किरदार में समा जाना ?

- प्रैक्टिस से सब संभव हो जाता है। जितनी बड़ी संख्या मेरी फिल्मों को रहेगी उतनी ही संख्या मेरे द्वारा निभाए गए अलग-अलग किरदारों की होगी। जब नए किरदार की तैयारी या होमवर्क शुरू होगा, पुराना किरदार पुराने पत्रों पर होगा। हर कलाकार का अनुभव भिन्न हो सकता है। कभी सोचती हूं श्रीदेवी, रेखा, हेमा इन दिग्गज अभिनेत्रियों ने अपने करियर में सैकड़ों किरदार निभाए। कई तो मुश्किल किरदार थे। एक किरदार से निकलकर दूसरे में जाना कितना मुश्किल होता होगा उस दौर में अक्सर स्टार्स एक दिन में दो शिफ्टों में काम करते थे। सुबह एक किरदार निभाया, दोपहर में दूसरा, कभी तीसरी शिफ्ट को तो तीसरा उन्हें मेरा सलाम है।

* इस दौर में आप किन्हें अपनी समकालीन अभिनेत्रियां मानती हैं?

मैं किसी एक का नाम नहीं ले सकती। जो भी इस दौर में काम कर रही है वे सभी जूनियर सीनियर मेरी समकालीन है। यह दौर वाकई अभिनेत्रियों के लिए सुनहरा है। अब नायिकाओं की शादी और उनका मां बनना करियर में कोई बाधा नहीं चलता। हर किसी को स्क्रिप्ट एडवांस में मिलती है, शूटिंग शुरू होने से पहले आपके कास्ट्यूमा तैयार होते हैं, डांस की रिहर्सल्स काफी पहले होती है, शूटिंग से पहले वर्कशॉप होती है। कॉन्ट्रैक्ट पहले से किया जाता है पारिश्रमिक तय होता है, अब यह कोई समस्या ही नहीं कि बाकी कलाकार क्या करते हैं, किसका क्या रोल है। दूसरे जब अच्छा काम करते हैं तो मैं परेशान नहीं, उनसे प्रेरित होती हूँ।

* अन्य भारतीय भाषाओं के मुकाबले साऊथ की भाषा सीखना और समझना आपके लिए कितना आसान रहा?

- मैं साउथ फिल्म इंडस्ट्री की शुक्रगुजार हूँ, जो उन्होंने एक उत्तर भारतीय लड़की को लीड रोल ऑफर करने के साथ बहुत प्यार और सम्मान दिया। उनके अपनेपन से मुझे बहुत खुशी मिली और फिर जहां प्यार और आदर मिले, वहां भाषा सीखना कौन सी प्रॉब्लम है? कहाँ गलती हुई भी तो उन्होंने मेरी गलतियों को संभाला और सुधारा। तेलुगु भाषा पर अब मेरी अच्छी पकड़ हो चुकी हैं। मैं खुद को आधी पंजाबी और आधी तेलुगु मानती हूं। सायकरकल्चर भी मुझे बहुत प्रिय है।

*

अ ज य देवगन, अ क्ष य कु मा र जै से सी नि य र हीरो की व या विशेषता महसूस की?

-मैंने अजय देवगन, अक्षय कुमार, अमिताभ बच्चन आदि से कुछ-न-कुछ जरूर सीखा, लेकिन मेरे सीखने की प्रक्रिया अपने आप चलती रही है। यह मेरे भीतर ह मे शा जा री रही।

रकुल प्रीत सिंह

शाहरुख खान ने 'पठान' को लेकर दिया फेक कलेक्शन? काजोल ने किया खुलासा?

बॉलीवुड एक्टर शाहरुख खान की फिल्म 'पठान' इस साल की सबसे बड़ी हिट रही है। इसने 1000 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन किया है। फिल्म को दर्शकों से भरपूर प्यार मिला है। 'पठान' ने विदेशों तक में अपना परचम लहराया। ऐसे में अब एक्ट्रेस काजोल ने इस फिल्म के कलेक्शन पर सवाल खड़ा किया है। उन्होंने कहा कि 'शाहरुख खान की पठान ने सच में कितना कमाया?' इस पर बॉलीवुड एक्टर केआरके ने निशाना साधा है।

दरअसल, काजोल इन दिनों अपनी वेब सीरीज 'द ट्रायल' को लेकर चर्चा में हैं। ऐसे में इस फिल्म के प्रमोशनल इंटरव्यू में उन्होंने दिलचस्प बातें की। उन्होंने बातचीत में 'पठान' के कलेक्शन पर कामेंट किया साथ ही इस पर सवालिया निशान छोड़ दिया है। वीडियो में देखने के लिए मिल रहा है कि एक्ट्रेस कहती हैं कि 'शाहरुख खान पर क्या बोलूं? सबकुछ तो है उसका सोशल मीडिया पर।' इतना कहने के बाद वो याद करते हुए कहती हैं कि 'पठान ने रियल में कितना कमाया है?' इस वीडियो को एक्टर कमाल आर खान ने ट्विटर पर शेयर किया है।

केआरके ने साधा निशाना

केआरके ने काजोल का वीडियो ट्विटर पर शेयर किया है और इसे साधा करने के साथ ही उन्होंने बॉलीवुड पर निशाना साधा है। वो पोस्ट में लिखते हैं कि 'काजोल पठान की कमाई का मजाक उड़ा रही हैं। अजय ने जरूर उनसे घर पर इसके बारे में डिस्कस किया होगा कि शाहरुख खान ने फेक कलेक्शन दिया है। ये बॉलीवुड की सच्चाई है।' खैर, अब इसके कलेक्शन में क्या सच है और क्या झूठ इसके बारे में तो मेकर्स और एक्टर ही खुद जानते होंगे। हालांकि, केआरके की इस पोस्ट और काजोल के बयान पर किसी का भी रिएक्शन सामने नहीं आया है।

'प्यार' के लिए दर्शकों का शुक्रिया : एल्नाज नौरोजी

एल्नाज नौरोजी

हाल ही में हॉलीवुड फिल्म 'कंधार' में नजर आई एल्लाज नौरोजी अब तक फिल्म 'हैलो चार्ली', 'जुग जुग जियो' तथा 'राष्ट्र कवच ओम' के अलावा 'सेक्रेड गेम्स', 'चुटपजा' तथा 'अभय' जैसी वैब सीरीज में काम कर चुकी है। ईरानी मूल की एल्नाज का एक दूसरे देश में आकर फिल्म इंडस्ट्री में पहचान बनाना बड़ी उपलब्धि से कम नहीं है। जब वह मुंबई आई तो वह न तो यहां किसी को जानती थी और न ही उसे कोई जानकारी थी कि आगे क्या करना है। उसका एक ही मकसद था कि उसे बॉलीवुड में काम करना है।

हाल ही में फिल्म इंडस्ट्री में 5 साल पूरे करने पर उसने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया और अपनी खुशी जाहिर करते हुए लिखा, मुझे अब 5 साल हो गए हैं... और यह सब 'जोया' और 'जमीला' (वैब सीरीज 'सेक्रेड गेम्स' में उसके किरदारों के नाम) के साथ शुरू हुआ... इतने वर्षों में आप सभी ने मुझे जो प्यार दिया है, उसके लिए धन्यवाद और जब कोई भी प्रोजैक्ट मिलना मुश्किल लग रहा था तब हार न मानने के लिए और जब तक 'सेक्रेड गेम्स' नहीं मिला तब तक सभी गलत प्रोजैक्ट्स को न कहने के लिए खुद को विशेष धन्यवाद देना चाहूंगी। एक आऊटसाइडर के रूप में वाकई बहुत संघर्ष करना पड़ता है।

इससे पहले एक इंटरव्यू में इंडस्ट्री में अपनी शुरूआत के बारे में उसने कहा था, इस सफर में बहुत से लोगों से मिली, मेरी मुलाकात बहुत सारे गलत लोगों से भी हुई जिन्होंने मुझसे ढेर सारे वायदे भी किए। मुझे लगता है कि यह एक ऐसी यात्रा रही जिसे मैं समझा नहीं सकती। इसका कोई निश्चित फार्मूला नहीं है।

उसने आगे कहा, हर किसी का दूसरों से अलग अपना सफर होता है इसलिए मैं वास्तव में आपको नहीं बता सकती कि मैंने किससे सम्पर्क किया और मुझे वैब सीरीज 'सेक्रेड गेम्स' कैसे मिली। मैंने रोल के लिए ऑडिशन दिया जो उन्हें पसंद आया, यह अलग बात है लेकिन हर किसी की तरह आपको भी अपना अलग रास्ता खोजना होगा।

यादें होती हैं सबसे बड़ा उपहार

एल्नाज से जब पूछा गया कि क्या उसने कभी किसी को उसके जन्मदिन पर ऐसा उपहार दिया है जो आज भी उसे याद हो, तो उसने कहा, मैं लोगों को आमतौर पर यादें ही देती हूं क्योंकि मुझे लगता है कि किसी को उपहार में दी जा सकने वाली वे सबसे खास चीजें हैं। आज के हमारे युग में कई लोगों के पास इतना पैसा होता है कि वे अपने लिए अधिकतर चीजें खरीद सकते हैं, लेकिन ऐसा क्या है जो आपको हमेशा याद रहेगा? जो बात आपको हमेशा याद रहेगी वह यह कि कैसे किसी ने आपके जन्मदिन को खास बनाया और आपको कैसा महसूस कराया। मैं अपने दोस्तों को कुछ ऐसा उपहार देती हूं जो उन्हें वास्तव में पसंद है और जिसकी उन्हें आवश्यकता हो लेकिन इससे भी अधिक उनके साथ बिताए समय की यादें सबसे खास होती हैं।

किन चीजों से मिलती है खुशी जब मैं किसी ऐसे इंसान के बारे में सोचती और याद करती हूं जिसे मैं प्यार करती हूं तो मैं मुस्कुराने पर मजबूर हो जाती हूं। मुझे सेवा कार्य और सराहना वाले शब्दों से प्यार है। अगर मैं किसी को अपने लिए कुछ ऐसा करते हुए देखती हूं जिसे मैं हमेशा से करना चाहती थी, भले ही वह छोटा काम ही क्यों न हो, तो मैं वास्तव में उसकी सराहना करती हूं।

रहमान जी को अपना 'गुरु' मानती हूं : नीति मोहन

गायिका नीति मोहन ने संगीतकार ए. आर. रहमान के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उन्हें अपना गुरु बताया और व्यक्तिगत तथा व्यावसायिक जीवन पर उनके प्रभाव की प्रशंसा की। वह उनकी बहुमुखी प्रतिभा, आध्यात्मिकता, काम करने के तरीकों और पारिवारिक मूल्यों की प्रशंसा करती है। नीति इस बात की सराहना करती है कि रहमान रचनात्मकता को प्रोत्साहित करते हैं। अपनी व्यस्तता के कारण उनके साथ ज्यादा समय नहीं बिता पाने के बावजूद, वह उनसे सीखना जारी रखती है और उनसे मिली प्रेरणा के लिए आभारी महसूस करती है।

वह कहती हैं, अगर किसी ऐसे व्यक्ति का नाम लेना हो जिसने मेरे व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन पर बहुत प्रभाव डाला है, तो वह ए. आर. रहमान सर हैं। मुझे अब भी यकीन नहीं हो रहा कि मैंने उनके साथ काम किया है। यह अभी भी मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा लगता है। वह मेरे गुरु हैं। 'मेरी जान' (गंगूबाई काठियावाड़ी; 2022) जैसे गीतों के लिए लोकप्रिय यह गायिका उन गुणों के बारे में बात करती है जो उसने अपने गुरु से सीखे हैं, उन्होंने कई भाषाओं और शैलियों में गाया है। मैंने उनसे यह सीखा और किया भी है। उनकी आध्यात्मिकता में भी बहुत रुचि है और मैं उससे प्रेरित हूं। इंडस्ट्री में ऐसे लोगों को ढूंढना कठिन है जो शराब नहीं पीते या धूम्रपान नहीं करते, मुझे उनकी ये बातें प्रेरणादायक लगती हैं। वह एक पारिवारिक इंसान हैं और मैंने यह गुण उनसे सीखा है। काम के प्रति उनका समर्पण अद्भुत है। जब भी वह संगीत समारोहों में प्रस्तुति देते हैं, तो कभी ब्रेक नहीं लेते या यह नहीं कहते। कि वह थके हुए हैं। मैं भी इसका पालन करने का प्रयास करती हूं। मुझे उन्हें गुरु । के रूप में पाकर गर्व महसूस होता है।' उसने कहा, रहमान सर के लिए मेरे मन में इतना सम्मान है कि जब मैं उनके सामने होती हूं तो मैं फ्रीज हो जाती हूं। मेरे लिए उनके साथ गाना या प्रदर्शन करना वाकई मुश्किल है लेकिन, साथ ही, वह ऐसे व्यक्ति हैं जो हमेशा मुझे प्रोत्साहित करते हैं।

'महंगी चीजों' की शौकीन : सोफी

सोफी चौधरी

ब्रिटिश - भारतीय मूल की अभिनेत्री, गायिका, टी.वी. होस्ट सोफी चौधरी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव है जहां वह अपने फैन्स के लिए नित नए वीडियो भरी पड़ी है। अपने फैशन को लेकर भी चर्चा में रहने वाली सोफी कहती है, ₹मुझे बहुत महंगी चीजें पसंद हैं इसलिए जब तक मैं निश्चित नहीं हूं, तब तक कुछ खरीदने का कोई मतलब नहीं है।

उसे किन चीजों से गहरा लगाव है पर उसने कहा, मेरे पास आज भी 'गुच्ची' का वह बैग और जूते हैं जो मैंने अपनी पहली तनख्वाह से खरीदे थे जब मैं कॉलेज में थी । मेरे पास ' प्रादा' बूट्स की एक जोड़ी भी है जिसे मैंने केवल एक बार पहना है लेकिन मैं उसे छोड़ नहीं पाती। जब जूतों और बैगों की बात आती है तो मैं उन्हें जमा करने वालों में से हूं, लेकिन कपड़ों के साथ ऐसा नहीं है जिन्हें मैं नियमित रूप से दान में देती रहती हूं।

वह स्टाइलिस्ट की मदद लेती है या खुद तैयार होना पसंद करती है, पर उसने कहा, “99 प्रतिशत समय मैं खुद को स्टाइल करती हूं। कुछ ऐसे स्टाइलिस्ट हैं जो अभी बहुत अच्छा काम कर रहे हैं, लेकिन मुझे अपनी खुद की पसंद और मेरे लिए क्या काम करता है, इस पर पूरा यकीन है।

ड्रैसिंग के समय लोगों द्वारा की जाने वाली गलती के बारे में वह कहती है, वे कुछ ऐसा पहनते हैं जो चलन में होता है। चाहे वे इसमें सहज न हों लेकिन फिर भी इसे पहनते हैं जो भयानक लगता है। आपको सबसे पहले अपने शरीर और अपनी व्यक्तिगत शैली को समझना होगा।

गौरतलब है कि 2002 में ब्रिटेन से मुंबई में शिफ्ट होने वाली सोफी ने वी. जे. के रूप में अपना करियर शुरू किया और अपना म्यूजिक वीडियो एल्बम 'सोफी एंड डा. लव' लांच किया। उसका दूसरा म्यूजिक वीडियो एल्बम 'बेबी लव' भी काफी पसंद किया गया जिसमें 'घर आया मेरा परदेसी', 'एक परदेसी मेरा दिल ले गया जैसे गीतों के रीमिक्स शामिल थे। उसने बॉलीवुड में फिल्म 'शादी नम्बर 1' से डेब्यू किया। वह कई रियलिटी शो का भी हिस्सा रही है।

टॉप्स पहनने के स्मार्ट तरीके

हर किसी की कपड़ों को लेकर अलग-अलग च्वाइस होती है। कुछ को फैशन का क्रेज होता है तो कुछ सिंपल और सोबर लुक में ही रहना पसंद करती हैं। अगर ट्रेंडिंग कपड़ों की बात की जाए तो टॉप पहले नंबर पर आती है। खुद को कूल और फ्रेश रखने के लिए समर टॉप्स को अपने स्टाइल का हिस्सा बना रही हैं तो यहां से ले सकते हैं आइडिया।

काफ्तान टॉप्स

हर मौसाम में काफ्तान टॉप्स आपके लिए एक बेहतरीन विकल्प साबित हो सकता है। इससे इंडियन से लेकर इंडो-वेस्टर्न व वेस्टर्न लुक क्रिएट किया जा सकता है। इसके अलावा, इन्हें पार्टीज में भी कैरी किया जा सकता है। जींस के साथ अपने रेगुलर टॉप को काफ्तान टॉप के साथ स्विच करने पर आपका लुक एकदम से बदल जाएगा।

ऑफ शोल्डर टॉप

अगर आप फैशन ट्रेंड्स पर नजर रखते हैं तो जानते ही होंगे कि ऑफ शोल्डर समर टॉप काफी चलन में हैं। एक्ट्रेस हिना खान का यह टॉप एकदम समर वाइब्स देगा। शॉर्ट स्कर्ट या फिर जीन्स के साथ इसे कैरी कर कोई भह व ला सी

क्रॉप टॉप

हर सीजन को क्रॉप-टॉप का सीजन कहना गलत नहीं होगा। क्रॉप टॉप एक ऐसा लेडीज वियर है, जिसे कई अलग-अलग तरीकों से आसानी से कैरी किया जा सकता है। यह स्कर्ट, जीन्स या पेंट किसी के साथ भी जच जाती है, आप चाहें तो इस तरह का नेट का क्रॉप टॉप अपनी वॉर्डरोब में शामिल कर सकती हैं।

फ्लोरल टॉप

स्टाइल में अगर फ्लोरल टच को ऐड किया जाए तो लुक अधिक एलीगेंट लगता है। लाइटवेट और सॉफ्ट होने के कारण फ्लोरल टॉप एकदम परफेक्ट ऑप्शन है। अलग-अलग बॉटम वियर के साथ इसके पहनकर आप अपनी लुक को और भी बेहतरीन बना सकती हैं।

ओवरसाइज्ड टॉप

अगर आपको कैजुअल वियर में कुछ ट्रैंडी चाहिए तो ओवरसाइज्ड टॉप पर भरोसा कर सकती हैं इनमें आपको कई तरह के कलर और डिजाइन मिल जाएंगे। यह कंफर्टेबल लुक तो देता ही है साथ में गर्मी से भी बचाता है। इसे यूनिक तरीके से स्टाइल करके अपने लुक को एन्हांस कर सकती हैं।

हाई लो टॉप

हाई लो टॉप के साथ आप गर्मियों को और भी अच्छे से एंजॉय कर सकती हैं। कैजुअल आउटिंग्स के लिए इसे कैरी कर सकती है। इसके साथ आप स्टाइलिश पैंट पहन सकती हैं।

यह नाइट पार्टी के लिए स्टाइलिंग का एक बेहतरीन आईडिया है।

'वाणी में मिठास' से पाएं सफलता

मनुष्य के व्यक्तित्व की पहचान उसके बातचीत करने के ढंग से होती है। भले ही कोई व्यक्ति कितना ही सुंदर हो, परंतु वाणी में कर्कशता या रूखापन हो तो वह कभी किसी को अपनी ओर आकर्षित नहीं कर सकता।इसके विपरीत सामान्य सा दिखने वाला व्यक्ति यदि सौम्य हैं और उसकी वाणी में मिठास है तो वह सहज ही सबको अपनी ओर आकर्षित कर लेगा। उचित - अनुचित का ज्ञान रखकर बोलने से आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली बन सकता है इसलिए आवश्यक है तोल-मोल कर बोलना ।* अपनी आवाज पर ध्यान दें, बहुत ऊंचे स्वर में चिल्ला-चिल्लाकर न बोलें।

* बोलते समय विषय का पर्याप्त ज्ञान हो इसका ध्यान रखें ।* बोलते समय अवसर व स्थान का विशेष ध्यान रखें। अस्पताल में धीरे बोलें।

* दो लोगों के बीच कभी न बोलें। न ही बिन मांगे अपनी सलाह दें।* दूसरों की बात ध्यान से सुनें, तभी बोलें। साथ ही उनकी रुचि का ध्यान रखकर बोलें।* बोलते समय बेवजह न हाथ नचाएं, न आंखें मटकाएं, न दूसरों को छुएं।* कुछ खाते हुए कभी न बोलें। बोलते समय थूक के छींटें दूसरों पर न उड़ाएं।* किसी दूर खड़े व्यक्ति से दूर से ही चिल्लाकर बात करने की कोशिश न करें, पास जाकर बोलें। * बच्चों के स्कूल में उनकी अध्यापिकाओं आदि से शिष्टाचार से बोलें।* अपने उच्चाधिकारी होने का मान करते हुए अपने मातहतों को बिना सोचे-समझे कभी न बोलें। तुच्छ न समझें।

'सकारात्मक सोच' जरूरी है आगे बढ़ने के लिए

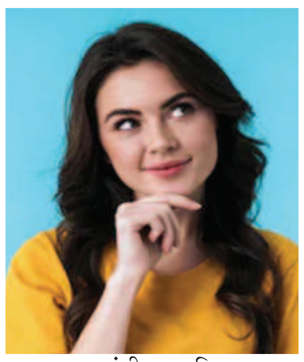

महात्मा गांधी का प्रसिद्ध कथन है कि नकारात्मकता से दूर रहते हुए पूरे मन से इंसान वैसा ही बनता जाता है, जैसी वह प्रयास करेंगे तो सफलता मिलनी तय है। सोच रखता है। यह कथन छोटे या बड़े हर व्यक्ति पर लागू होता है। आप जिंदगी में सफल तभी हो सकते हैं, जब आप सफलता हासिल करने के प्रति अपनी सोच को सकारात्मक रखेंगे। अगर अपनी खामियां ढूंढ-ढूंढकर खुद को कमतर ही आंकते रहेंगे तो कभी सफलता की ओर कदम नहीं बढ़ा सकोगे। दीजिए काबिलियत का सौ प्रतिशत अगर आप थोड़ी-सी परेशानियों से घिरने पर खुद की क्षमताओं पर ही संदेह करने लगेंगे तो सफल होना मुश्किल है। हो सकता है कि एक बार प्रयास करने पर सफलता न मिले लेकिन अगर आप

प्रभावित होता है मानसिक स्वास्थ्य नकारात्मक सोच वाले व्यक्ति अपने आसपास एक ऐसा नकारात्मक माहौल बना लेते हैं जो उनके साथ- साथ उनके आसपास के लोगों के मानसिक स्वास्थ्य पर भी बुरा असर डालता है इसलिए इससे जितना हो सके बचें।

लक्ष्य बनाकर चलें जिंदगी का लक्ष्य बनाकर चलें तो दिमाग को भटकने से बचाया जा सकता है। किसी भी अप्रिय स्थिति का सारा दोष खुद पर ही न मढ़ लें। इसके लिए परिस्थितियां भी दोषी हो सकती हैं। आपकी काबिलियत इसमें है कि आप इन परिस्थितियों को खुद पर हावी न होने दें।

'होटल इंडस्ट्री' बनेगा सबसे अधिक रोजगार देने वाला क्षेत्र

वर्ष 2020 में शुरू हुई कोरोना वायरस महामारी से प्रभावित होने के पश्चात हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री ने एक बार फिर रफ्तार पकड़ी है। इसमें तेजी आई है और माना जा रहा है कि आने वाले समय में इस क्षेत्र में बड़े पैमाने पर करियर के मौके पैदा होंगे।

आने वाले दिनों में इस इंडस्ट्री को सबसे अधिक रोजगार देने वाले क्षेत्र के रूप में देखा जा रहा है। अनुमान है कि वर्ष 2027 तक भारत में तीन करोड़ से भी ज्यादा अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक पहुंचेंगे, जिसके चलते होटल और रैस्टोरैंट के क्षेत्र में करियर की संभावनाएं बढ़ेंगी।

कोरोना के बाद छात्रों को कांटैक्ट लैस हॉस्पिटैलिटी सर्विस देने का अभ्यास कराया जा रहा है। इसमें इम्युनिटी बढ़ाने वाले व्यंजनों की जानकारी, कॉंटैक्ट लैस चैक-इन से लेकर चैक-आऊट की जानकारी, हाऊसकीपिंग, फ्रंट ऑफिस व कमरों का सैनिटाइजेशन भी सिखाया जा रहा है। जायकेदार खाना बनाने की कला के जरिए आप एक छोटे लोकल पब से लेकर फाइव स्टार या फिर इंटरनैशनल होटल में अपनी जगह बना सकते हैं। बस बनाना है ऐसा खाना कि सामने वाला सिर्फ खाना ही नहीं, बल्कि अपनी उंगलियां भी चाटता रह जाए।

अगर आपका इंट्रेस्ट कुकिंग, बेकिंग और लजीज खाना बनाने में है, अगर आप डिफरैंट डिशेज के साथ एक्सपेरिमेंट करना पसंद करते हैं तो एक नया करियर ऑप्शन आपके इंतजार में है।

होटल मैनेजमेंट में इन दिनों करियर बनाने के कई ऑपशन मौजूद हैं।

कोर्स एवं अवसर

बी.एस.सी. इन हॉस्पिटैलिटी एंड होटल एडमिनिस्ट्रेशन, डिप्लोमा इन कुकरी, क्राफ्टसमैनशिप कोर्स इन फूड एंड बेवरेज सर्विस मैनेजमेंट, सर्टीफिकेट कोर्स इन कुकरी सर्टीफिकेट कोर्स इन कुकरी फॉर होम मेकिंग, डिप्लोमा इन बेकरी एंड कंफैक्शनरी जैसे ढेरों कोर्स कर करियर बनाया जा सकता है।

सबसे अहम है कि आप फूड एंव बेवरेज डिवीजन सर्विस के अलावा बतौर शैफ बनकर अपने करियर को रौशन कर सकते हैं। मुख्य तौर पर होटल, रेस्तरां, क्रूज, टूरिज्म एसोसिएशन एयरलाइन कैटरिंग और केबिन सर्विस, क्लब मैनेजमेंट, लॉज, गैस्ट हाऊस भी होटल मैनेजमैंट पासआऊट प्रोफैशनल्स ही चलाते हैं।

बेकर्स के लिए भी जॉब ऑपशंस की कमी नहीं है। बेकरी, हॉट ब्रेड शॉप, डिपार्टमेंटल स्टोर्स, होटल और कैफे में भी बेकर्स की काफी डिमांड है।

पूरी दुनिया में टूरिज्म और एविएशन ने होटल बिजनैस के लिए अवसरों को बहुत बड़ा बना दिया है। आने वाले समय में होटल इंडस्ट्री में जॉब की कमी नहीं होगी। इसके अलावा आप धीरे-धीरे खुद का होटल, बेकरी शॉप, रेस्तरां या फिर कैटरिंग बिजनैस भी शुरू कर सकते हैं।

योग्यता

इस फील्ड में सर्टीफिकेट कोर्स, डिप्लोमा व डिग्री कर सकते हैं। इन पाठ्यक्रमों में एडमिशन के लिए किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड या विश्वविद्यालय से 12वीं या स्नातक होना जरूरी है। 12वीं में अंग्रेजी एक अनिवार्य विषय के रूप में पढ़ी होनी चाहिए।

इस इंडस्ट्री में कामयाब होने के लिए कुछ व्यक्तिगत गुणों का होना भी जरूरी है, जैसे मृदुभाषी होना। द्विभाशी (अंग्रेजी, हिन्दी) ज्ञान हो तो और भी बेहतर। बेहतर पर्सनैलिटी, सुनने-समझने की अच्छी आदत, समस्याओं को सुलझाने की योग्यता, लीडरशिप और मैनेजीरियल स्किल भी बेहद जरूरी हैं।

प्रमुख संस्थान

नैशनल काऊंसिल फॉर होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टैक्नोलॉजी, नोएडा www.nchm.nic.in इग्नू, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली www.ignou.ac.in लक्ष्य भारती इंटरनैशनल होटल मैनेजमेंट संस्थान, नई दिल्ली www.lbiim.com कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र, हरियाणा।।

महाराष्ट्र नगर पालिका में 1782 पदों पर निकली भर्ती

महाराष्ट्र नगर पालिका प्रशासन निदेशालय ने 1782 पद पर भर्ती का विज्ञापन जारी किया है। इन पदों पर आवेदन करने की आखिरी तारीख 20 अगस्त है। उम्मीदवारों को सिलेक्शन के लिए कंप्यूटर आधारित टेस्ट और इंटरव्यू पास करना होगा। सिलेक्ट होने के बाद कैंडिडेट्स को सैलरी के तौर पर 15,000 रुपये से लेकर 45,000 रुपये प्रति माह तक मिलेंगे।

वैकेंसी डिटेल्सः

सिविल इंजीनियर - 291 पद

इलेक्ट्रिकल इंजीनियर - 48 पद

कंप्यूटर इंजीनियर - 45 पद

जल आपूर्ति, जल निकासी स्वच्छता अभियंता - 65 पद

लेखा परीक्षक या लेखाकार - 247 पद

कर निर्धारण एवं प्रशासनिक अधिकारी - 579 पद

अग्निशमन अधिकारी - 372 पद

एज लिमिट

आवेदक की उम्र 21 से 45 वर्ष के बीच होनी चाहिए।

एजुकेशनल क्वालिफिकेशनः सिविल इंजीनियर : सिविल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा या समकक्ष।

इलेक्ट्रिकल इंजीनियर : इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा या समकक्ष।

कंप्यूटर इंजीनियर : इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा या समकक्ष।

जल आपूर्ति, जल निकासी स्वच्छता अभियंता : मैकेनिकल या एनवायरनमेंट इंजीनियरिंग में डिप्लोमा या समकक्ष।

लेखा परीक्षक या लेखाकार : बी.कॉम या समकक्ष।

कर निर्धारण एवं प्रशासनिक अधिकारी : किसी भी विषय में ग्रेजुएशन की डिग्री या समकक्ष।

अग्निशमन अधिकारी : किसी भी विषय में डिग्री या समकक्ष।

ऐसे करें आवेदनः निदेशालय की ऑफिशियल वेबसाइट mahadma.maharashtra.gov.in पर जाएं।

अप्लाई लिंक पर क्लिक करें।

अपनी ईमेल आईडी और पासवर्ड के साथ लॉग इन करें।

रजिस्ट्रेशन प्रोसेस पूरा करें। सभी डिटेल्स डालें और डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें। अपना ऑनलाइन आवेदन पत्र जमा करें।

एमसीसी नीट यूजी काउंसलिंग का शेड्यूल जल्द करेगा जारी, इन 12 डॉक्यूमेंट्स की होगी जरूरत

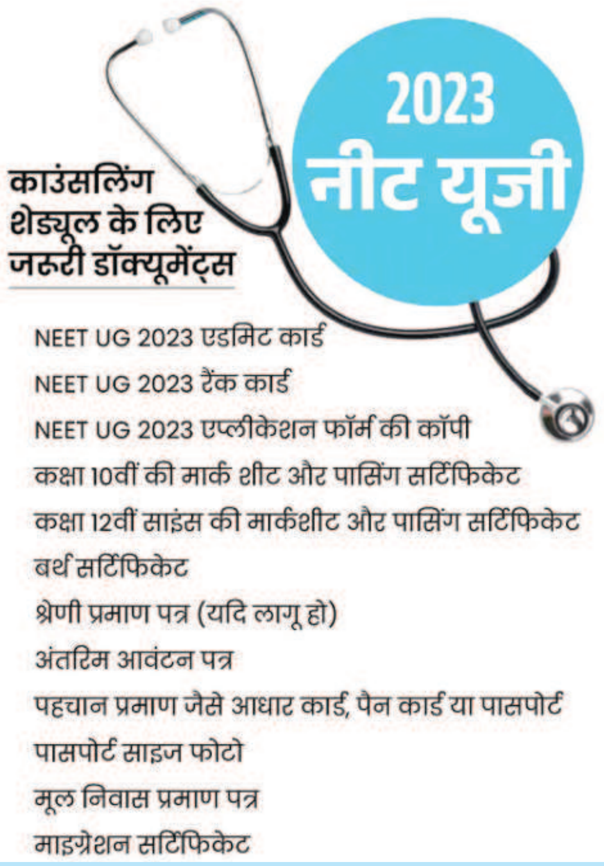

मेडिकल काउंसलिंग कमेटी की ओर से इस सप्ताह नीट यूजी 2023 काउंसलिंग का शेड्यूल जारी कर दिया जाएगा। इस एग्जाम का रिजल्ट नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा पहले ही घोषित किया जा चुका है। नीट में योग्य रहे उम्मीदवार काउंसलिंग के माध्यम से एमबीबीएस और बीडीएस एडमिशन के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू होने का इंतजार कर रहे हैं। एमसीसी की ऑफिशियल वेबसाइट mcc.nic.in पर उम्मीदवारों को रजिस्ट्रेशन के संबंध में जानकारी मिलती रहेगी।

काउंसलिंग इसी महीने में शुरू

रिपोर्ट्स के मुताबिक, एमबीबीएस और बीडीएस एडमिशन के लिए नीट काउंसलिंग जुलाई में शुरू होने की उम्मीद है। हालांकि, काउंसलिंग प्रोसेस की तारीखों और डिटेल्स के बारे में अभी तक राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) और केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा कोई ऑफिशियल सूचना जारी नहीं की गई है। उम्मीदवार नीट काउंसलिंग की जानकारी के लिए एमसीसी की ऑफिशियल वेबसाइट पर विजिट करते रहें। पिछले साल NEET काउंसलिंग चार स्टेप - राउंड 1, राउंड 2, मॉप अप राउंड और स्ट्रे वैकेंसी राउंड में आयोजित की गई थी।

कौन होगा काउंसलिंग में शामिल

नीट यूजी 2023 में अपनी कैटेगरी के लिए कट ऑफ मार्क्स के बराबर या उससे ज्यादा मार्क्स पाने वाले उम्मीदवार इस काउंसलिंग में शामिल हो सकते हैं।

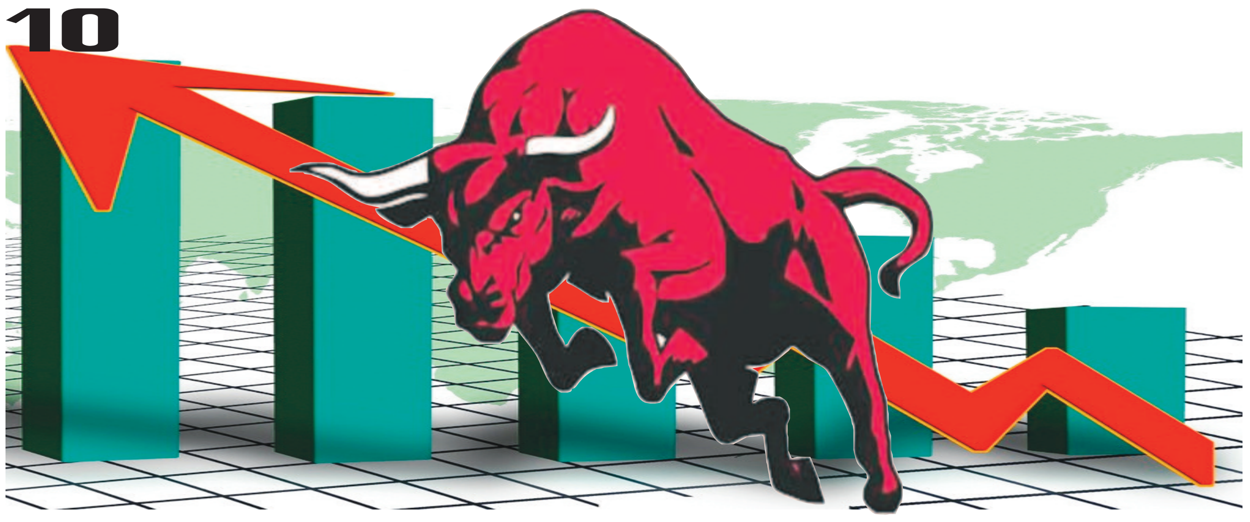

टमाटर की किल्लत के बाद जागी सरकार

खरीदा तीन लाख टन प्याज,सुरक्षित रखने के लिए बीएआरसी के साथ परीक्षण

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। टमाटर की बढ़ती कीमतों के मद्देनजर प्याज की कीमतों पर नियंत्रण पाने के लिए केंद्र सरकार ने तैयारी पहले ही शुरू कर दी है। सरकार ने चालू वित्त वर्ष में बफर स्टॉक (सुरक्षित भंडार) के रूप में 20 फीसदी ज्यादा मात्रा के साथ तीन लाख टन प्याज खरीदा है। साथ ही इसे अधिक समय तक सुरक्षित रखने के लिए भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बीएआरसी) के साथ प्याज के विकिरण का परीक्षण भी किया जा रहा है। उपभोक्ता मामलों के सचिव रोहित कुमार सिंह ने रविवार को यह जानकारी दी। वित्त वर्ष 2022-23 में सरकार ने बफर स्टॉक के तौर पर 2.51 लाख टन प्याज रखा था। बता दें कि यदि कम आपूर्ति वाले मौसम के दौरान प्याज की दरें काफी बढ़ जाती हैं, तो किसी भी आपात स्थिति को पूरा करने के लिए

मूल्य स्थिरीकरण कोष (पीएसएफ) के तहत बफर स्टॉक रखा जाता है। रोहित सिंह ने बताया कि त्योहारों के मौसम में किसी भी स्थिति से निपटने के लिए सरकार ने इस साल बफर स्टॉक में भारी बढ़ोतरी करते हुए तीन लाख टन प्याज खरीदा है। प्याज की कोई कमी नहीं है। बफर स्टॉक के लिए जो प्याज खरीदा गया है, वह हाल ही में समाप्त हुए रबी सीजन का है। फिलहाल, खरीफ प्याज की बुआई चल रही है और अक्टूबर में इसकी आवक शुरू हो जाती है। सचिव सिंह ने कहा, आमतौर पर खुदरा बाजारों में प्याज की कीमतें 20 दिनों या उसके आसपास ज्यादा रहती हैं जब तक कि ताजा खरीफ फसल बाजार में नहीं आ जाती। लेकिन इस बार, कोई समस्या नहीं होगी। इस बीच, उपभोक्ता मामलों का मंत्रालय परमाणु ऊर्जा विभाग और भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र के साथ प्याज के भंडारण के लिए एक नई तकनीक का भी प्रयास कर रहा है। सिंह ने कहा कि प्रायोगिक आधार पर हम महाराष्ट्र के लासलगांव में कोबाल्ट-60 से गामा विकिरण के जरिये 150 टन प्याज संरक्षण का प्रयोग कर रहे हैं। इससे प्याज को अधिक समय तक सुरक्षित रखा जा सकेगा। वित्त वर्ष 2022-23 में सरकार ने पीएसएफ के तहत रबी-2022 फसल से रिकॉर्ड 2.51 लाख मीट्रिक टन प्याज की खरीद की थी और इसे सितंबर 2022 और जनवरी 2023 के दौरान प्रमुख खपत केंद्रों में जारी किया था। अप्रैल-जून के दौरान उत्पादित रबी प्याज भारत के प्याज उत्पादन का 65 प्रतिशत हिस्सा है और अक्टूबर-नवंबर में खरीफ फसल के उत्पादन होने तक उपभोक्ताओं की मांग को पूरा करती है। खरीदे गए बफर स्टॉक आमतौर पर लक्षित खुले बाजार की बिक्री के माध्यम से और कम आपूर्ति के मौसम के दौरान खुदरा दुकानों के माध्यम से आपूर्ति के लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों और सरकारी एजेंसियों को जारी किए जाते हैं। सरकारी आंकड़ों से पता चलता है कि 15 जुलाई को प्याज की औसत अखिल भारतीय खुदरा कीमत 26.79 रुपये प्रति किलोग्राम थी, जबकि अधिकतम 65 रुपये प्रति किलोग्राम और न्यूनतम 10 रुपये प्रति किलोग्राम थी।

मुकेश अंबानी की रिलायंस को हुआ सबसे ज्यादा फायदा

एसबीआई को 8,299 करोड़ का नुकसान

नई दिल्ली , 16 जुलाई (एजेंसियां)। सेंसेक्स की टॉप-10 में से 6 कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में बीते सप्ताह कुल 2,03,010.73 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। शेयर बाजारों के सकारात्मक रुख के बीच सबसे अधिक लाभ में रिलायंस इंडस्ट्रीज और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज रहीं। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 780.45 अंक या 1.19 फीसदी के लाभ में रहा था। शुक्रवार को सेंसेक्स 66,060.90 अंक के अपने नए सर्वकालिक उच्चस्तर पर बंद हुआ।

रिलायंस को 69,990.57 करोड़ का फायदा

सेंसेक्स की टॉप-10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 69,990.57 करोड़ रुपये के उछाल के साथ 18,53,033.73 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। टीसीएस की बाजार हैसियत 68,168.12 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी के साथ 12,85,058.84 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। इन्फोसिस का बाजार मूल्यांकन 39,094.81 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी के साथ 5,91,547.67 करोड़ रुपये रहा। वहीं भारती एयरटेल के मूल्यांकन में 10,272.84 करोड़ रुपये का उछाल आया और यह 4,95,116.94 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

आईसीआईसीआई बैंक को 10,135.42 करोड़ का फायदा

आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 10,135.42 करोड़ रुपये की वृद्धि के साथ 6,72,837.72 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। आईटीसी की बाजार हैसियत 5,348.97 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी के साथ 5,87,951.43 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। वहीं दूसरी ओर, एचडीएफसी बैंक की बाजार हैसियत 8,695.25 करोड़ रुपये के नुकसान के साथ 9,19,962.74 करोड़ रुपये पर आ गई।भारतीय स्टेट बैंक का बाजार मूल्यांकन 8,299.89 करोड़ रुपये घटकर 5,21,598.94 करोड़ रुपये रह गया। बजाज फाइनेंस का बाजार पूंजीकरण 8,130.77 करोड़ रुपये घटकर 4,53,288.03 करोड़ रुपये रह गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर की बाजार हैसियत 4,581.7 करोड़ रुपये घटकर 6,28,950.34 करोड़ रुपये पर आ गई।

राजस्व सचिव की सलाह, जल्द से जल्द दाखिल करें आईटीआर

31 जुलाई की समय सीमा बढ़ाने के लिए सरकार नहीं तैयार

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा ने आयकर दाताओं से जल्द से जल्द अपना रिटर्न दाखिल करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि वित्त मंत्रालय 31 जुलाई की समय सीमा को बढ़ाने पर विचार नहीं कर रहा है। पीटीआई को दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा, हमें आशा है कि फाइलिंग पिछले साल से ज्यादा होगी...हमें उम्मीद है कि यह पिछले साल से ज्यादा होनी चाहिए।" पिछले साल 31 जुलाई तक लगभग 5.83 करोड़ आयकर रिटर्न दाखिल किए गए थे, जो आकलन वर्ष 2022-23 के लिए रिटर्न दाखिल करने का आखिरी दिन था। मल्होत्रा ने कहा कि हम आयकर रिटर्न दाखिल करने वालों को धन्यवाद देना चाहते हैं क्योंकि आईटीआर दाखिल करने की गति पिछले साल की तुलना में बहुत तेज है और हम उन्हें सलाह देंगे कि वे आखिरी क्षण तक इंतजार न करें और समय सीमा में किसी भी विस्तार की उम्मीद न करें। इसलिए, मैं उन्हें जल्द से जल्द अपना टैक्स रिटर्न दाखिल करने की सलाह दूंगा क्योंकि 31 जुलाई की समय सीमा तेजी से नजदीक आ रही है। कर संग्रहण लक्ष्य के संबंध में मल्होत्रा ने कहा, यह लक्ष्य कमोबेश वृद्धि दर के अनुरूप है, जो 10.5 प्रतिशत है। उन्होंने कहा, जहां तक माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की वृद्धि दर का सवाल है, तो यह अब तक 12 प्रतिशत है। हालांकि, दर में कटौती के कारण उत्पाद शुल्क के मोर्चे पर विकास दर 12 प्रतिशत से कम है। उन्होंने कहा, फिलहाल यह काफी नकारात्मक है। उम्मीद है कि आगे चलकर कर दरों में कमी का असर खत्म होने के बाद हम उत्पाद शुल्क के संग्रह में कुछ वृद्धि देखेंगे। कुल मिलाकर हमें लगता है कि अभी शुरुआती दिन हैं... हम लक्ष्य हासिल करने में सक्षम होंगे। बजट 2023-24 के अनुसार, सरकार को चालू वित्त वर्ष में 33.61 लाख करोड़ रुपये की सकल कर प्राप्ति की उम्मीद है। इसमें से सरकार का लक्ष्य 18.23 लाख करोड़ रुपये जुटाने का है।बजट दस्तावेजों के अनुसार, यह कॉर्पोरेट और व्यक्तिगत आयकर से एकत्र की गई राशि से 10.5 प्रतिशत अधिक है। वित्त वर्ष 2023 के संशोधित अनुमान में सीमा शुल्क से संग्रह 2.10 लाख करोड़ रुपये से 11 प्रतिशत बढ़कर 2.33 लाख करोड़ रुपये होने की उम्मीद है।

अगले वित्त वर्ष में जीएसटी संग्रह 12 प्रतिशत बढ़कर 9.56 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है। प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों करों को मिलाकर, सकल कर संग्रह 2023-24 में 10.45 प्रतिशत बढ़कर 33.61 लाख करोड़ रुपये होने की उम्मीद है, जबकि पिछले वित्तीय वर्ष में यह 30.43 लाख करोड़ रुपये था।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य - दक्षिणायने ,ऋतु-वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2549,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
सूर्योदय- 05-54
सूर्य अस्त- 18-50
भोग्य कलि वर्ष-426876
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
तिथि- अमावस - 00 -01 तक उपरान्त प्रतिपदा
मास - प्र.श्रावण कृष्ण पक्ष , सोमवार July 17
नक्षत्र - पुनर्वसु - 05- 11 - दिन-रात तक
योग - व्याघात - 08 - 57 - तक उप हर्षण
करण- चतुष्पाद -11 -02 - तक उप- नाग
विशेष:- देव पितृकार्ये हरियाली अमावस्या
व्रत -त्योहार - सोमवती अमावस्या

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय		
सूर्य-	कर्क	में	मेष--	23-55	बजे
चंद्र-	मिथुन	में	वृष--	01-40	बजे
मंगल	सिंह	में	मिथुन..	03-41	बजे
बुध-	कर्क	में	कर्क....	05-53	बजे
गुरु-	मेष	में	सिंह....	08-05	बजे
शुक्र-	सिंह	में	कन्या..	10-12	बजे
शनि-	कुंभ	में	तुला....	12-17	बजे
राहु-	मेष	में	वृश्चिक.	14-27	बजे
केतु-	तुला	में	धनु......	16-40	बजे
			मकर..	18-47	बजे
			कुंभ....	20-38	बजे
			मीन ..	22-16	बजे

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए ।

राहुकाल 07:29 से 09:07 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05:54 - 07:29	शुभ	चंचल.	18:50 - 20:15	शुभ
काल	07:29 - 09:07	अशुभ	रोग.	20:15 - 21:38	अशुभ
शुभ	09:07 - 10:45	शुभ	काल.	21:38 - 22:59	अशुभ
रोग	10:45 - 12:22	अशुभ	लाभ.	22:59 - 00:22	शुभ
उत्पात	12:22 - 13:59	अशुभ	उत्पात	00:22 - 01:45	अशुभ
चंचल	13:59 - 15:37	शुभ	शुभ	01:45 - 03:07	शुभ
लाभ	15:37 - 17:15	शुभ	अमृत	03:07 - 04:30	शुभ
अमृत	17:15 - 18:50	शुभ	चंचल	04:30 - 05:54	शुभ

चीन की नाक में दम: जो काम भारत

अमेरिका और यूके नहीं कर पाए, वह इन पिद्दी देशों ने कर दिखाया

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। चीन दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी इकॉनमी है। यह दुनिया में सबसे ज्यादा एक्सपोर्ट करता है। इसी वजह से चीन को दुनिया की फैक्ट्री भी कहा जाता है। पिछले साल चीन ने दुनियाभर को 3.594 ट्रिलियन डॉलर का एक्सपोर्ट किया। यह दुनिया के कुल एक्सपोर्ट का करीब 16 फीसदी है। चीन ने पिछले साल कुल एक्सपोर्ट में से 47.4 परसेंट एशियाई देशों को, 20.7 परसेंट यूरोप को और 19.9 परसेंट नॉर्थ अमेरिका को किया। इसी तरह चीन के एक्सपोर्ट में लेटिन अमेरिका का हिस्सा 4.8 परसेंट, अफ्रीका का 4.6 परसेंट और ओशनिया का हिस्सा 2.6 परसेंट है। अगर इंडिविजुअल देश की बात की जाए तो चीन के कुल एक्सपोर्ट का 16.2 परसेंट हिस्सा अमेरिका को गया। पिछले साल चीन ने अमेरिका को 582.8 अरब डॉलर का सामान भेजा। अमेरिका और भारत समेत कई बड़े देश चीन के साथ भारी ट्रेड डेफिसिट की समस्या से जूझ रहे हैं। मगर कुछ देश ऐसे भी हैं जिनके साथ चीन ट्रेड डेफिसिट से जूझ रहा है। इनमें ताइवान, स्विट्जरलैंड और ओमान जैसे छोटे देश भी शामिल हैं। चीन के टॉप ट्रेडिंग पार्टनर्स में अमेरिका के बाद हॉन्ग कॉन्ग, जापान, साउथ कोरिया, वियतनाम, भारत, नीदरलैंड्स, जर्मनी, मलेशिया और

ताइवान शामिल है। लेकिन दुनिया के ज्यादातर देश चीन के साथ ट्रेड डेफिसिट की समस्या से जूझ रहे हैं। इनमें भारत भी शामिल है। पिछले साल भारत का चीन के साथ ट्रेड डेफिसिट करीब 101 अरब डॉलर रहा। हमने चीन से 118 अरब डॉलर का सामान खरीदा और चीन को केवल 17 अरब डॉलर का सामान एक्सपोर्ट किया। इसी तरह अमेरिका ने भी चीन से 581 अरब डॉलर का सामान खरीदा और बदले में केवल 177 अरब डॉलर का सामान चीन भेजा। यानी उसका चीन के साथ ट्रेड डेफिसिट 403 अरब डॉलर है। चीन के कुल ट्रेड में भारत की हिस्सेदारी 3.3 फीसदी है। 2022 में चीन से भारत के इम्पोर्ट में 21.5 फीसदी इजाफा हुआ। भारत और अमेरिका के साथ-साथ हॉन्ग कॉन्ग (289.7 अरब डॉलर), हॉलैंड (105.2 अरब डॉलर), मेक्सिको (60.1 अरब डॉलर), यूके (59.7 अरब डॉलर), वियतनाम (59 अरब डॉलर), सिंगापुर (47.2 अरब डॉलर), फिलीपींस (41.6 अरब डॉलर) और पोलैंड (33.1 अरब डॉलर) चीन के साथ ट्रेड डेफिसिट वाले टॉप 10 देशों में शामिल हैं। साल 2022 में चीन का ट्रेड सरप्लस 877.6 अरब डॉलर रहा जो साल 2021 के मुकाबले 27.9 फीसदी अधिक है।लेकिन कई देश चीन के साथ ट्रेड सरप्लस की स्थिति में हैं। यानी ये देश चीन से कम इम्पोर्ट करते हैं और उसे ज्यादा एक्सपोर्ट करते हैं। इस लिस्ट में सबसे ऊपर है ताइवान। चीन के साथ पिछले साल उसका ट्रेड सरप्लस 156.5 अरब डॉलर रहा। इस दौरान उसने चीन से 81 अरब डॉलर का सामान खरीदा और उसे 238 अरब डॉलर का सामान भेजा। इस लिस्ट में ऑस्ट्रेलिया (63.3 अरब डॉलर), ब्राजील (47.6 अरब डॉलर), स्विट्जरलैंड (42.2 अरब डॉलर), सऊदी अरब (40.1 अरब डॉलर), रूस (38 अरब डॉलर), साउथ कोरिया (37 अरब डॉलर), ओमान (32 अरब डॉलर), इराक (25.4 अरब डॉलर) और चिली (22 अरब डॉलर) शामिल हैं। ये वे देश हैं जो चीन के साथ ट्रेड सरप्लस की स्थिति में हैं।

क्या बारिश में धुल जाएगी बाजार की रिकॉर्ड रैली? जानें इस सप्ताह कैसी रहेगी चाल

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। घरेलू शेयर बाजार में इन दिनों रिकॉर्ड रैली देखी जा रही है। बाजार लगातार नए-नए रिकॉर्ड बनाते जा रहा है। पिछला सप्ताह भी काफी शानदार और उपलब्धियों से भरा रहा। दोनों प्रमुख सूचकांक यानी बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी शुक्रवार को अपने इतिहास के नए उच्चतम स्तर तक पहुंचने में कामयाब रहे। वहीं दूसरी ओर देश की स्थिति को देखें तो लगातार हो रही बारिश से कई हिस्सों में काफी नुकसान हो रहा है और साथ ही सब्जियों की रिकॉर्ड महंगाई से आम लोगों की हालत खराब हो रही है। ऐसे में सोमवार से शुरू हो रहा नया सप्ताह बाजार के लिए दिलचस्प साबित हो सकता है।

बीएसई सेंसेक्स का ये नया रिकॉर्ड

शुक्रवार को बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी अपने सर्वकालिक उच्चस्तर पर बंद हुए थे। बीते सप्ताह के दौरान बीएसई सेंसेक्स में 780.45 अंक या 1.19 फीसदी की तेजी आई।

शुक्रवार को सेंसेक्स 66,060.90 अंक पर बंद हुआ। यह पहली बार है, जब सेंसेक्स 66 हजार अंक के पार बंद हुआ हो। दिन में कारोबार के दौरान यह 66,159.79 अंक के रिकॉर्ड स्तर तक पहुंचा। यह सेंसेक्स के इतिहास का नया सबसे उच्च स्तर है।

यहां तक पहुंचा निफ्टी सूचकांक

निफ्टी बीते सप्ताह के दौरान 19,564.50 अंक पर बंद हुआ। यह निफ्टी का भी सबसे हाई क्लोजिंग लेवल है।

शुक्रवार के कारोबार के दौरान यह 19,595.35 अंक तक चढ़ा, जो निफ्टी के लिए नया ऑल टाइम हाई लेवल है। इस तरह बीते सप्ताह के दौरान सेंसेक्स और निफ्टी दोनों ने नए-नए रिकॉर्ड बनाए।नए सप्ताह की बात करें तो इस दौरान शेयर बाजारों की दिशा पर काफी हद तक वैश्विक शेयर बाजारों के रुख, विदेशी निवेशकों के ट्रेंड और कंपनियों के तिमाही नतीजे का असर होगा। नए सप्ताह के दौरान सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, एचडीएफसी बैंक, इंडसइंड बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, इन्फोसिस, अशोक लेलैंड, डीएलएफ, जेएसडब्ल्यू स्टील, हिंदुस्तान जिंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज जैसी कंपनियों के तिमाही नतीजे आने वाले हैं। इसके अलावा निवेशकों की निगाहें रुपये के उतार-चढ़ाव और कच्चे तेल की कीमतों पर भी रहेंगी।घरेलू स्तर पर देखें तो लगातार हो रही भारी बारिश और टमाटर समेत अन्य सब्जियों के भाव में लगी आग से भी धारणा पर असर पड़ सकता है।

चंद्रयान-3 पृथ्वी की अगली कक्षा में पहुंचा

इसरो ने कहा- स्पेसक्राफ्ट सही कंडीशन में है; अभी 4 बार और बदली जाएगी ऑर्बिट

बेंगलुरु, 16 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के वैज्ञानिकों ने शनिवार को चंद्रयान -3 की पहली ऑर्बिट रेजिंग की प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पूरा किया। यानी चंद्रयान अब पृथ्वी की अगली और पहले से बड़ी कक्षा में पहुंच गया है। ये प्रोसेस इसरो के बेंगलुरु स्थित टेलीमेट्री ट्रैकिंग एंड कमांड नेटवर्क से कंट्रोल की गई। 31 जुलाई तक ऑर्बिट रेजिंग की प्रक्रिया 4 बार और की जाएगी। इसरो ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में बताया, 'चंद्रयान-3 सही कंडीशन में है। यान एक ऐसी ऑर्बिट (कक्षा) में है, जो पृथ्वी से सबसे नजदीक होने पर 173 किलोमीटर और सबसे दूर होने पर 41,762 किलोमीटर की दूरी पर है।

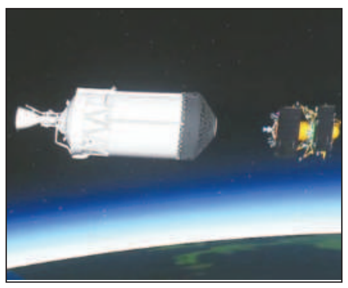

लॉन्चिंग के 16 मिनट बाद पृथ्वी की कक्षा में पहुंचा यान

इसरो ने 14 जुलाई को 2 बजकर 35 मिनट पर चंद्रयान-3 की सफलतापूर्वक लॉन्चिंग की। आंध्र प्रदेश में श्रीहरिकोटा के सतीश धवन स्पेस सेंटर से एलवीएम3-एम4 रॉकेट के जरिए चंद्रयान को स्पेस में भेजा गया। लॉन्चिंग के 16 मिनट बाद चंद्रयान को पृथ्वी की कक्षा में सफलतापूर्वक पहुंचा दिया गया। ये कक्षा पृथ्वी से सबसे नजदीक होने पर 170 किलोमीटर और सबसे दूर होने पर 36,500 किलोमीटर की दूरी पर थी।

23 अगस्त को चांद पर उतरेंगे लैंडर और रोवर

इसरो चीफ एस सोमनाथ ने बताया कि अगर सब कुछ प्लान के अनुसार रहा तो यान 23 अगस्त को शाम 5.47 बजे चांद पर उतरेगा। चंद्रयान-3 में लैंडर, रोवर और प्रोपल्शन मॉड्यूल हैं। लैंडर और रोवर चांद के साउथ पोल पर उतरेंगे और 14 दिन तक वहां प्रयोग करेंगे। प्रोपल्शन मॉड्यूल चंद्रमा की कक्षा में रहकर धरती से आने वाले रेडिएशन्स का अध्ययन करेगा।मिशन के जरिए इसरो पता लगाएगा कि चांद की सतह पर कैसे भूकंप आते हैं। यह चंद्रमा की मिट्टी का अध्ययन भी करेगा।

भारत ऐसा करने वाला चौथा देश बन जाएगा

अगर सॉफ्ट लैंडिंग में सफलता मिली यानी मिशन सक्सेसफुल रहा तो अमेरिका, रूस और चीन के बाद भारत ऐसा करने वाला चौथा देश बन जाएगा। अमेरिका और रूस दोनों के चंद्रमा पर सफलतापूर्वक उतरने से पहले कई स्पेस क्राफ्ट क्रैश हुए थे। चीन 2013 में चांग'ई-3 मिशन के साथ अपने पहले प्रयास में सफल होने वाला एकमात्र देश है।

आदिपुरुष फिल्म के बजट से सस्ता चंद्रयान-3

बिना लॉन्चिंग कॉस्ट के चंद्रयान-3 का बजट लगभग 615 करोड़ रुपए है, जबकि हाल ही में आई फिल्म आदिपुरुष का बजट 700 करोड़ रुपए था। यानी चंद्रयान-3 इस मूवी की कॉस्ट से करीब 85 करोड़ रुपए सस्ता है। इससे 4 साल पहले भेजे गए चंद्रयान 2 की लागत भी 603 करोड़ रुपए थी। वहीं इसकी लॉन्चिंग पर 375 करोड़ रुपए खर्च हुए थे।

कोटक महिंद्रा बैंक के प्रमुख उदय कोटक ने एक साल में लिया सिर्फ 1 रुपये वेतन, जानिए कितनी है संपत्ति

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। कोटक महिंद्रा बैंक के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ उदय कोटक ने वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए सिर्फ़ 1 रुपये का प्रतीकात्मक वेतन लिया है। यह जानकारी बैंक की सालाना रिपोर्ट में सामने आई है। दरअसल, कोटक के टॉप मैनेजमेंट ने कोविड-19 के मद्देनजर वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए वेतन में 15 फीसदी की कटौती की थी। वहीं कोटक ग्रुप के सीईओ उदय कोटक ने व्यक्तिगत रूप से अपना वेतन छोड़ने का विकल्प चुना था। बता दें कि 31 मार्च, 2023 तक कोटक के पास रिश्तेदारों और बिजनेस के साथ, बैंक की इक्विटी शेयर पूंजी का 25.95 फीसदी और कोटक महिंद्रा बैंक लिमिटेड की भुगतान शेयर पूंजी का 17.26 फीसदी हिस्सा है।

मैनेजमेंट के बाकी लोगों ने इतना लिया वेतन

कोटक महिंद्रा बैंक की सालाना रिपोर्ट के मुताबिक, बैंक के जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर दीपक गुप्ता को 5.43 करोड़ रुपये का वार्षिक वेतन मिला। गुप्ता के कुल पैकेज में 2.74

करोड़ रुपये का मूल वेतन और 1.18 करोड़ रुपये का वार्षिक प्रोत्साहन शामिल है। वहीं अन्य फुल टाइम डायरेक्टरों में केवीएस मनियन को 5.3 करोड़ रुपये, गौरांग शाह 5.03 करोड़ रुपये और शांति एकंबरम को 2.02 करोड़ रुपये का कुल पैकेज मिला। बता दें कि गौरांग शाह अब रिटायर हो चुके हैं इसलिए उनके वेतन में उन्हें दिए गए रिटायरमेंट बेनेफिट्स भी शामिल हैं।

कोटक ने शेयरहोल्डर्स को लिखा था पत्र

उदय कोटक ने अपनी कंपनी म शेयरहोल्डर्स को लिखे एक पत्र में कहा था कि पूर्णकालिक भूमिका से हटने के बाद भी वह गैर-कार्यकारी बोर्ड सदस्य और रणनीतिक शेयरधारक के रूप में बने रहेंगे। उन्होंने लिखा, "आगे बढ़ते हुए, मैं एक गैर-कार्यकारी बोर्ड गवर्नेंस मेम्बर और एक रणनीतिक शेयरहोल्डर के रूप में अपनी भूमिका को एक विश्व स्तरीय संस्थान के पोषण के दीर्घकालिक परिप्रेक्ष्य के साथ देखता हूं।

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

आपकी प्रवृतियाँ आज काफी सक्रिय रहेंगी और आपको उनकी सुनकर ही आज आगे बढ़ाना चाहिए। यहां तक की अगर आपके आसपास हर किसी की राय अलग है तो भी आप उनकी ना सुनकर अपने ही मन की सुनें । आपके लिए शायद अभी यह कर पाना काफी मुश्किल होगा लेकिन आपको इसका लाभ मिलेगा ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

आपकी भीतरी शक्ति आपको एक साथ कई स्तरों पर सोचने की क्षमता देगी । आप किसी भी मुद्दे की तह तक जा पायेंगे । अपने दोस्तों –साथियों का भी सही मूल्याकन कर पायेगे । जहाँ तर्कशक्ति से बात ना बने,अपने मन की आवाज सुनें । अपनी छिपी क्षमता को बाहर लाने का यह उत्तम समय है । विवादों से बचें,वे बाद में समस्या पैदा कर सकते हैं।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)

आपकी निजी और व्यवसायिक जिन्दगी के बीच एक असंतुलन है । इसे दूर करने का एक ही तरीका है कि आप अपने प्रतिदिन के काम की योजना बनाएं,जो हर दिन की जरुरत के हिसाब से अलग हो । चिंता ना करें,आपके परिजन हाल-फिलहाल आपके उनके प्रति कम ध्यान के बावजूद आपके समर्पण को पहचान पाएंगे ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)

आज दुविधा और उलझन की स्थिति बनी रहेगी ।लेकिन यह बस उपरी आवरण है ,जैसे ही स्थिति साफ़ होगी ,आप वास्तविकता को देख पाएंगे । शुरुआत में सब कुछ उलझा हुआ सा लगेगा ,लेकिन समय के साथ साथ सब ठीक होगा,अपना समय लें और चलते रहें । आपको सफलता मिलेगी । परिवर्तन तो जरुर होंगे लेकिन आपके भविष्य के लिए शुभ साबित होंगें ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

अवसाद और कठिनाइयाँ आज आपके कार्यस्थल पर आने के संकेत दे रही है , हालाँकि अगर आपने अपने पिछले अनुभवों से कुछ सीख ली है तो आप काफी आसानी से इनका सामना करने में सक्षम हो जाएंगे । अपने अतीत से ज्ञान लेना समय की आवश्यकता है । इस चीज़ का सही समय पर इस्तेमाल आपके करियर को काफी गति दे सकता है ।

कन्या (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,)

आपको थोडा सा अधिक लचीला रुख अपनाना चाहिए ,लेकिन आज आप ना तो कोई अच्छी सलाह और ना ही अपने मन की आवाज सुनना चाहते हैं । आपका यह अड़ियल रवैया आपके लिये घर और कार्यस्थल दोनों ही जगह पर आपके लिए नुक्सान का कारण बनेगा । इसका एक ही समाधान है कि आप अपना दिमाग खुला रखें और दूसरों की भी बातें सुनें ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

आप सच्चे और ईमानदार लोगों से मिलना पसंद करते हैं । लेकिन आज आपकी मुलाक़ात उनसे होगी जो मुखौटे लगाये रखते हैं । उन्हें पहचानने की कोशिश करें । आपसे जल्दी फैसले लेना समय की मांग रहेगी । किसी भी फैसले को अंतिम रूप देने से पहले अच्छी तरह सोच लें और फैसले लेने तक कोई भी अन्य काम न करें ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

आपको अपनी स्थिति ,विशेषकर वित्तीय स्थिति पर अच्छी तरह विचार करने की आवशयकता है बहुत खर्च करने में आनंद आ सकता है लेकिन इससे आपके परिवार की वित्तीय स्थिति पर भी बुरा असर पड़ सकता है ,आपको यह जानना होगा जहां तक वित्तीय स्थिति का सवाल है,आपको ठंडे दिमाग से काम लेते हुए और परिजनों की बात भी सुननी चाहिए ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

अगर किसी के साथ इन दिनों आपके सम्बन्ध सही नही हैं तो आज उनसे इस बारे में बात कर सकते हैं । उनकी भी बात ध्यानपूर्वक सुनें । सामने वाले को ना तो इतनी छूट दें की आपको रोंदकर आगे बढ़ जाए,ना ही बहुत रुखा व्यवहार करना ठीक होगा । ऑफिस में आज किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति से मुलाकात सम्भव है,सतर्क और सक्रिय रहें ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)

ऐसे अवसरों को पकड़ने की कोशिश करें जो आपको सोचने और उसे अपने तरीके से दुबारा पेश करने का मौका दें । आप इसे उत्साह के साथ कर भी पायेंगे और आपको आनंद भी आएगा। घर में कुछ बदलाव होने ही हैं ,शायद आप अधिक एकाग्रता और अधिक बेहतर अवसरों के लिए किसी नई जगह जाना चाहते हैं ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)

चीजें आपके अनुसार कार्य नहीं कर रही है जैसे की अपने योजना बनाई थी , लेकिन आपको इस कारण से आक्रामक नहीं होना चाहिए क्योंकि इससे आपके सारे प्रयास बर्बाद हो सकते हैं। कार्य में प्रगति के लिए आपको धैर्य की आवश्यकता होगी लेकिन ये इतनी आसानी से आपको नहीं मिलेगा । आप से कम प्रतिभाशाली व्यक्ति आपके समक्ष आ सकता है ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

आज आप जो भी कुछ शुरू करेंगे ,उसमे चाहे कितनी ही बाधाएं आयें,आपको सफलता मिलनी तय है। दिन के अंत तक आप दूसरों से फिर से बेहतर सम्बन्ध बना पायेंगे । अपनी प्रकृति में एक जरुरी बदलाव लायें-हर सम्बन्ध में केवल अधिकार जताने की कोशिश में ना रहें । सबको बराबरी का दर्जा दें और आपको भी बदले में सबसे प्यार मिलेगा।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

भारतीय अफसरों को जासूस बना रहा पाकिस्तान

हनीट्रैप में आसानी से फंस रहे बड़े अधिकारी, हर साल 15 से 20 केस

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एक्सक्लूसिव डेस्क)। प्रदीप कुरुलकर, उम्र 59 साल। रक्षा मंत्रालय के डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन यानी डीआरडीओ के साइंटिस्ट। कुरुलकर लैब डायरेक्टर थे। ये पद भारत सरकार में एडिशनल सेक्रेटरी के पद के बराबर होता है। कुरुलकर 3 मई से महाराष्ट्र एटीएस की हिरासत में हैं। आरोप-आईएसआई की महिला जासूस से सीक्रेट इन्फॉर्मेशन शेयर करना। भारत की खुफिया एजेंसियां जब तक कुरुलकर तक पहुंचीं, वो काफी सेंसिटिव जानकारी उस महिला जासूस को दे चुके थे।

भारत की सुरक्षा एजेंसियां दो वजहों से परेशान हैं, पहली ये कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी इंटर सर्विसेज इंटेलिजेंस यानी आईएसआई की भारत विरोधी एक्टिविटी बढ़ गई है। देश की सुरक्षा से जुड़ी बहुत सी सीक्रेट जानकारी उस तक पहुंच रही है। इसके लिए आईएसआई जासूसी इतिहास का सबसे पुराना हथियार हनीट्रैप का इस्तेमाल कर रही है।

परेशान होने की दूसरी वजह ये है कि बड़े पदों पर बैठे अधिकारी भी इसमें फंस रहे हैं। तीन साल में डीआरडीओ से जुड़े 9 अधिकारी इस लिस्ट में शामिल हो चुके हैं, जैसे कुरुलकर को पाकिस्तान में बैठी महिला ने अपने जाल में फंसाया था। खुद को भारतीय बताने वाली इस महिला ने कहा था कि वो डिफेंस इश्यूज पर रिसर्च करती है। ये सब होता कैसे है, इसके लिए हमने इंडियन फॉरेन सर्विस के एक अफसर से बात की। उन्हें भी कुछ साल पहले हनीट्रैप में फंसाने की कोशिश हुई थी। नाम न बताते हुए उन्होंने पूरी कहानी बताई, पढ़िए उनका अनुभव...

'उस वक्त मैं यूरोप के एक देश की राजधानी में तैनात था। काम के सिलसिले में अलग-अलग जगह आना-जाना होता था। वहां दूसरे देशों के राजनयिक भी आते थे। हम लोग एक-दूसरे को अपना नंबर दे देते थे, क्योंकि इसकी मनाही नहीं है।'

'मेरा टेन्योर खत्म हुआ, तो मैं दिल्ली आ गया। वहां के लोकल वॉटसऐप ग्रुप छोड़ दिए, लोकल नंबर भी बंद कर दिया। दिल्ली आने के करीब एक महीने बाद मुझे एक ग्रुप में ऐड किया गया। इसके ज्यादातर मेंबर उसी देश का सिम इस्तेमाल कर रहे थे । ग्रुप में ऐसे लोग भी थे, जिनसे मैं काम के सिलसिले में कभी न कभी मिला था, इसलिए मैंने वो ग्रुप नहीं छोड़ा। उस ग्रुप में मौज-मस्ती करने, घूमने की बात होती थी। मेंबर फोटो और वीडियो डालने लगे।'

'ग्रुप में 250 मेंबर थे, पर एक्टिव 10 लोग ही रहते थे। एक दिन मुझे एक नंबर से मैसेज आया। डीपी में एक महिला की फोटो थी। महिला ने मुझे बताया कि वो भी उस ग्रुप की मेंबर है और मुझे बहुत पसंद करती है। वो डीपी से मेरी फोटो सेव करती है। उसने खुद अपनी सारी कहानी बताई। कुछ फोटो भेजी, जिसमें वो अलग-अलग जगह घूम रही है।'

'मुझे शक तो था, पर मैं देखना चाहता था कि ये सब क्यों किया जा रहा है। इसलिए मैं उससे बात करता रहा। 20 दिन बाद उसे लगा कि मैं उसके करीब आ चुका हूं, तो उसने मेरे काम से जुड़ी डिटेल्स मांगनी शुरू कीं। इसमें डिपार्टमेंट के लोगों के मोबाइल नंबर भी थे। उसने कहा कि वो एक रिसर्च कर रही है, इसलिए इंडियन एक्सपर्ट्स से बात करना चाहती है। मैंने रिस्क लेना ठीक नहीं समझा और उसे ब्लॉक कर दिया। उस ग्रुप को भी छोड़ दिया।'

हनीट्रैप, भारत की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा...

11 जुलाई को विदेश मंत्रालय में काम करने वाले नवीन पाल को इंटेलिजेंस ब्यूरो ने पकड़ा है। आरोप है कि वो पाकिस्तान में बैठी अपनी दोस्तों को मंत्रालय की जानकारी भेज रहा था। जांच से जुड़े एक अधिकारी ने भास्कर को बताया कि उन्हें इस मामले की लीड जयपुर से मिली थी।

भारत की सिक्योरिटी से जुड़ी एक एजेंसी के सीनियर अफसर ने इस मामले पर भास्कर से बात की। हनीट्रैप को भारत की सुरक्षा के लिए सबसे बड़े खतरों में से एक बताते हुए वे कहते हैं, 'ये ऐसी चीज है, जिसे लेकर हम काफी सोच में है। बार-बार अलर्ट किए जाने के बावजूद हमारे कई अधिकारी, नीचे से लेकर ऊपर तक, इसमें बड़ी आसानी से फंसते जा रहे हैं। ऐसे कई मामले तो अभी बाहर ही नहीं आए हैं।

आईएसआई के साथ काम करने वाले लोग दिल्ली के नॉर्थ ब्लॉक, साउथ ब्लॉक और रक्षा भवन के आसपास घूमते रहते हैं। ये पढ़े-लिखे होते हैं और उन्हें किसी भी अनजान आदमी से बात कर उसका भरोसा जीतना सिखाया जाता है। ये लोग विदेश मंत्रालय, गृह मंत्रालय, वित्त मंत्रालय और रक्षा मंत्रालय से जुड़े अफसरों को टारगेट पर लेते हैं। उनसे दोस्ती करते हैं। कुछ समय बाद अफसरों का भरोसा जीतकर, उनकी

जरूरत की चीजें मुहैया करवाते हैं। इस तरह अफसर उनके जाल में फंसते जाते हैं ।

वॉट्सऐप ग्रुप से जोड़ना, मैसेज भेजकर हनीट्रैप में फंसाना

अधिकारी का नंबर एक वॉट्सऐप ग्रुप से जोड़ा जाता है। कहा जाता है कि अधिकारी का नंबर 'गलती' से ऐड हो गया है। ग्रुप के मेंबर भारत की सिम यूज करते हैं, लेकिन रहते पाकिस्तान में हैं। कुछ ग्रुप मेंबर्स की प्रोफाइल पिक्चर में लड़कियों की फोटो होती है। अधिकारी उन नंबरों पर मैसेज करता है और फंस जाता है। अगर वो ग्रुप छोड़ दे तो, ग्रुप की महिला मेंबर बहाने से उसे मैसेज करती है और बातचीत शुरू हो जाती है।

रिसर्च स्कॉलर या पत्रकार बनकर अधिकारी से मिलना

आखिरी तरीका है टारगेट पर लिए अधिकारी को महिला पत्रकार या रिसर्च स्कॉलर का फोन आना। वो महिला अधिकारी से अपने किसी काम के लिए मदद मांगती है। धीरे-धीरे उनकी बात शुरू हो जाती है। ये सबसे आखिरी तरीका इसलिए है, क्योंकि इसके लिए जासूस को असली लगने वाला बैकग्राउंड तैयार करना पड़ता है, जैसे नकली वेबसाइट, लिंक्डइन प्रोफाइल, पब्लिश आर्टिकल और आइडेंटिटी कार्ड। ये तरीका ज्यादातर हाई प्रोफाइल टारगेट के लिए इस्तेमाल किया जाता है। प्रदीप कुरुलकर के मामले में यही तरीका अपनाया गया था। पाकिस्तान ने भारतीय अफसरों को हनीट्रैप में फंसाने के लिए अलग डिपार्टमेंट बनाया है।

एक अधिकारी बताते हैं, 'भारत की खुफिया एजेंसियां हर साल हनीट्रैप के 15 से 20 मामले पकड़ रही हैं। कई मामले कभी पकड़ में नहीं आते। भारतीय अफसरों को हनीट्रैप में फंसाने के लिए पाकिस्तान ने रावलपिंडी के सेना मुख्यालय जनरल हेडक्वाटर्स यानी जीएसक्यू में अलग से डिपार्टमेंट बनाया हुआ है। इसका नाम 414 इंट है । 2021 की शुरुआत तक मेजर रैंक के अफसर ओमर जेब खान इसे लीड कर रहे थे। अब वो इसे संभाल रहे हैं या नहीं, या उनकी जगह कौन ये डिपार्टमेंट चला रहा है, इसकी जानकारी नहीं है। महिला ने किससे, कब और क्या बात की, कॉन्फिडेंशियल होने की वजह से ये हम नहीं बता रहे हैं। हमें महिला का आईकार्ड भी मिला है, जिससे पता चलता है कि वो पाकिस्तान के एक कॉलेज की स्टूडेंट है। पाकिस्तानी पासपोर्ट पर कई बार चीन जा चुकी है।

भारतीय सेना से रिटायर्ड कर्नल हनी बख्शी ने भास्कर को बताया, 'हनी ट्रैपिंग के कई पहलू हैं। इन पर सरकार को ध्यान देना पड़ेगा। लाजिमी है कि इतने मामलों के बाद एजेंसियां और सख्त हो जाएंगी। अफसरों पर और पाबंदियां लगा दी जाएंगी। आपको समझना होगा कि सामरिक विषयों से जुड़े संस्थानों में काम करने वाले अफसरों पर पहले से काफी सख्ती होती है।'

'रक्षा मंत्रालय में काम करने वाला अधिकारी आम आदमी की तरह सोशल मीडिया का यूज और नए लोगों से दोस्ती नहीं कर सकता। अब हनी ट्रैपिंग की घटनाओं के बाद नए नियम लाए जाएंगे। सरकार को यह सोचना होगा कि इसका उलटा प्रभाव न पड़े, पहले से प्रेशर में काम कर रहे अधिकारी पर और दबाव न आए।'

कर्नल हनी बख्शी के मुताबिक, 'सोशल मीडिया और मोबाइल के यूज की वजह से आईएसआई काफी जल्दी अधिकारियों को टारगेट कर पा रही हैं। ये अधिकारी परिवार से दूर रहते हैं। अपने काम, कामयाबी, नाकामी के बारे में परिवार से बात नहीं सकते। इसलिए जहां किसी ने उनके कामों में दिलचस्पी दिखाई और अच्छे से बात की, वो खुल जाते हैं।'

कर्नल बख्शी आगाह करते हुए कहते हैं, 'पाकिस्तान में अधिकारियों के सोशल मीडिया यूज करने पर सख्त मनाही है। उनकी बीवियां भी सोशल मीडिया पर नहीं आ सकती। हमारे यहां ऐसा कोई नियम नहीं है। ट्विटर पर वेटरंस लिखी सैकड़ों प्रोफाइल मिल जाएंगी। आप एक प्रोफाइल ले लीजिए, उससे काफी जानकारियां मिल जाएंगी।'

'समय के साथ इस रिश्ते में खुद को और ताकतवर बनाने के लिए, करीबी बढ़ाने के लिए, अपनी शान बघारने के लिए व्यक्ति धीरे-धीरे इस ट्रैप में फंसता जाता है।

नोएडा की एमिटी यूनिवर्सिटी में मनोविज्ञान की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. समीक्षा जैन कहती हैं, 'हनी ट्रैपर हमारी इच्छाओं और कमजोरियों समेत मानव स्वभाव के अलग-अलग पहलुओं का फायदा उठाते हैं।' 'हनीट्रैप में मानवीय पूर्वाग्रहों को इस तरह इस्तेमाल किया जाता है कि शिकारी के लिए शिकार का भरोसा जीत पाना और उससे जुड़ी संवेदनशील जानकारी तक पहुंच बनाना आसान हो जाता है। उसे कंट्रोल करने के लिए चापलूसी और सहानुभूति जताने जैसे तरीके इस्तेमाल किए जाते हैं। इमोशनल कार्ड खेलकर और कमजोरियों का फायदा उठाकर हनी ट्रैपर अपने टारगेट पर काबू कर लेते हैं।'

पहला केस अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए में काम करने वाली शेरॉन स्कारनेज का है। घाना के खुफिया एजेंट माइकल ने शेरॉन को बहकाकर सीक्रेट इन्फॉर्मेशन देने के लिए तैयार कर लिया। शेरॉन ने घाना में सीआईए ऑपरेशन के बारे में जानकारी दी, जिसे उन्होंने सोवियत गुट के देशों को भेज दिया। ये सब मई 1983 से अक्टूबर 1984 तक चला। माइकल ने शेरोन से सीआईए के एजेंट्स के नाम और उनके काम करने की जगह जैसी जानकारियां लेकर रशियन एजेंसी केजीबी को दे दीं। पकड़े जाने पर नवंबर 1985 में शेरॉन को 5 साल की सजा हुई। माइकल को सीआईए ने अमेरिका से गिरफ्तार कर लिया। बाद में उसे वापस घाना भेज दिया गया, जहां उसका हीरो की तरह स्वागत किया गया।

सर जेफ्री हैरिसन, सोवियत संघ में ब्रिटिश राजदूत थे। 1968 में उन्हें लंदन वापस बुला लिया गया। जेफ्री के बारे में पता चला था कि उन्होंने दूतावास में एक रूसी नौकरानी के साथ संबंध बना लिए हैं। उनकी फोटो रशियन एजेंसी केजीबी के पास मिली थीं।

सबसे दिलचस्प किस्सा चीनी जासूस शिपाई पु का है। उसने चीन में तैनात फ्रांसीसी राजनयिक बर्नार बॉरिस्कॉट को हनीट्रैप में फंसा लिया था। शिपाई ने खुद को महिला बताकर बर्नार से दोस्ती की। दोनों के बीच 10 साल तक 1964 से 1974 तक रिश्ता रहा। इस दौरान चीन को सीक्रेट इन्फॉर्मेशन मिलती रही। शिपाई ने एक उइगर मुस्लिम परिवार से बच्चे को खरीदा और उसे बर्नार से पैदा बच्चा बता दिया।

2005 के दौरान पाकिस्तान के इस्लामाबाद से 56 साल के ब्रिटिश रक्षा अधिकारी एंड्रू दरकन को वापस बुलाना पड़ा था। ब्रिटिश एजेंसी को पता चला था कि उनकी एक पाकिस्तानी स्टूडेंट के साथ सेक्शुअल रिलेशनशिप थी। ये स्टूडेंट असल में एक खुफिया एजेंट थी। हालांकि ब्रिटिश सरकार कभी ये बात नहीं मानी कि उसके सीक्रेट लीक हुए हैं, पर दावा किया जाता है कि पश्चिमी देशों के कई जासूसी मिशन के बारे में पाकिस्तान और चीन को पता चल गया था।

अमेरिका में 80 हजार भारतवंशियों ने गन लाइसेंस लिया नस्लीय हमले बढ़े

2 साल पहले सिर्फ 40 हजार के पास थीं बंदूकें

न्यूयॉर्क, 16 जुलाई (एक्सक्लूसिव डेस्क)। अमेरिका में भारतीयों के खिलाफ नस्लीय हिंसा के मामले बढ़ने के बाद दो साल में 80 हजार भारतीयों ने नए गन लाइसेंस लिए हैं। अमेरिका में रहने वाले लगभग 40 लाख भारतीयों में पहले बंदूकें रखने का ट्रेंड नहीं था। दो साल पहले मात्र 40 हजार भारतीयों के पास ही बंदूकें थीं।

अमेरिका के नेशनल फायर आर्म्स सर्वे की रिपोर्ट के अनुसार, अब गन लाइसेंस वाले भारतीयों की संख्या बढ़कर एक लाख 20 हजार हो गई है। सर्वे के अनुसार 80 हजार भारतीयों ने गन लाइसेंस के लिए अप्लाई करने का मन बनाया है। अमेरिका में भारतीय समुदाय सबसे शांतिप्रिय समझा जाता है। यहां हर 100 अमेरिकियों पर 120 बंदूकें हैं। अमेरिका के प्लानो शहर में पिछले साल 24 अगस्त को भारतीय महिलाओं पर नस्लीय टिप्पणियां की गई थीं और उन पर हमला किया गया था।

2020 में भारतवंशी अमेरिकियों पर हमले 500% बढ़े

अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई की एक रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका में 2020 में भारतवंशी अमेरिकियों पर हमले 500% बढ़े हैं। इनमें से ज्यादातर हिंदू धर्म मानने वाले हैं। उधर, उत्तरी अमेरिका में हिंदुओं के

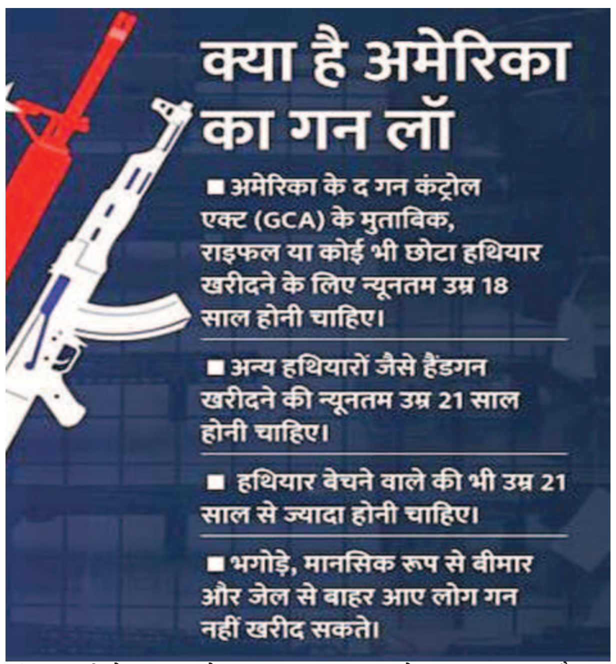

संगठन सीओएचएनए के निकुंज त्रिवेदी का कहना है कि जिस भी देश में हिंदू जाकर बसते हैं, वे वहां के विकास में योगदान देते हैं। पिछले पांच साल के दौरान हिंदुओं पर हमलों की घटनाओं में तेजी आई है। फिंकेलस्टाइन के मुताबिक, अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया जैसे बड़े देशों में हिंदुओं पर हिंसा बढ़ी है। हिंदूफोबिया को एक साजिश के तहत बढ़ाया जा रहा है।

भारतीय स्टोर्स को लूट रहे चोर, सोचते हैं उनके पास हथियार नहीं होंगे। एशियन अमेरिकन स्टोर ओनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष विपुल पटेल का कहना है कि भारतीयों पर पिछले दो साल में नस्लीय हमलों के मामले 279 से बढ़कर 470 हो गए। पटेल बताते हैं कि अमेरिका में स्टोर चलाने वाले भारतीयों को आसान शिकार मानकर अक्सर हमले होते हैं, क्योंकि लुटेरे ये मानकर वारदात करते हैं कि वहां किसी के पास हथियार नहीं होंगे।

छह महीने में 12 भारतीय मूल के लोगों पर हमले हो चुके हैं। कैलिफोर्निया और जॉर्जिया में स्टोर में पार्ट टाइम जॉब करने वाले दो भारतीयों की गोली मार कर हत्या कर दी गई। ओहायो में पिछले महीने भारतीय स्टूडेंट की हत्या हुई थी। इन घटनाओं से भारतीयों में दहशत बढ़ गई है।

अमेरिकी गन कल्चर का इतिहास 230 साल पुराना

अमेरिका में गन कल्चर का इतिहास करीब 230 साल पुराना है। 1791 में संविधान के दूसरे संशोधन के तहत अमेरिका नागरिकों को हथियार रखने और खरीदने का अधिकार दिया गया। तब वहां अंग्रेजों का शासन था और कोई स्थायी सिक्योरिटी फोर्स नहीं थी। ऐसे में लोगों को अपनी और परिवार की सुरक्षा के लिए हथियार रखने का अधिकार दिया गया, लेकिन अमेरिका का ये कानून आज भी जारी है। अमेरिका 230 साल बाद भी अपने गन कल्चर को नहीं खत्म कर पाया है। इसकी दो प्रमुख वजहें हैं। पहली- कई अमेरिकी राष्ट्रपति से लेकर वहां के राज्यों के गवर्नर तक इस कल्चर को बनाए रखने की वकालत करते रहे हैं। दूसरी वजह गन बनाने वाली कंपनियां, यानी गन लॉबी।

नेशनल राइफल एसोसिएशन यानी एनआरआई अमेरिका में सबसे ताकतवर गन लॉबी है, जो वहां संसद सदस्यों को प्रभावित करने के लिए जमकर पैसा खर्च करती है। ये ताकतवर लॉबी गन कल्चर को खत्म करने के लिए प्रस्तावित दूसरे संविधान संशोधन का विरोध करती रही है।

आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बोले-

छत्तीसगढ़ की जनता की किस्मत बदलेगा झाड़ू

कांग्रेस-बीजेपी को केजरीवाल का महल पसंद है तो आकर रहें

जगदलपुर, 16 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में बस्तर दौरे पर रहे आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष कोमल हुपेंडी ने कहा कि आने वाले विधानसभा चुनाव में हम प्रदेश की सारी 90 विधानसभा सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारेंगे और जीतेंगे भी। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में आम आदमी पार्टी आ चुकी है, झाड़ू छाप छत्तीसगढ़ की जनता की किस्मत बदलेगा।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आलीशान बंगला और उसपर चल रही सियासत वाले सवाल पर कहा कि, अरविंद केजरीवाल का शीशमहल यदि भाजपा और कांग्रेस के नेताओं को पसंद है, तो वे यहां आकर रह सकते हैं। केजरीवाल सामान्य व्यक्ति हैं। वे कहीं भी रह लेंगे।

दरअसल, कुछ ही महीनों के बाद छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव होने हैं। चुनाव से पहले

राजनीतिक पार्टियों के नेता लगातार बस्तर का दौरा कर रहे हैं। अब आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष कोमल हुपेंडी भी बस्तर पहुंचे हैं। अलग-अलग विधानसभा में जाकर संगठन को मजबूत करने का काम कर रहे हैं।

जगदलपुर में उन्होंने प्रेस वार्ता ली। इस दौरान उन्होंने कहा कि, CG की जनता ने 15 साल की BJP की सरकार भी देखी है और करीब पौने 5 साल की अब कांग्रेस की मौजूदा सरकार भी। इन दोनों पार्टियों ने सिर्फ छत्तीसगढ़ की जनता को लूटने का काम किया है। स्थानीय मुद्दों, बोरोजगरों को रोजगार देने इस तरह के मामले पर कभी बात नहीं करते।

कोमल हुपेंडी ने कहा कि, कांग्रेस ने चुनाव से पहले वादा किया था कि सरकार बनते ही संविदा कर्मचारियों को रेगुलर किया जाएगा। लेकिन, अब सरकार बने पौने 5 साल हो गए हैं। संविदा कर्मी हक की लड़ाई के लिए सड़क पर हैं, और सरकार के मंत्री-नेता मौज कर रहे हैं।

उनका कहना है कि, जनता ने कांग्रेस पर भरोसा जताया था, लेकिन उन्होंने भरोसा तोड़ दिया। अब जनता आम आदमी पार्टी पर भरोसा करेगी और सरकार बनाएगी। हमारी सरकार बनते ही हर काम जनता के हित में होंगे।

200 लोगों ने लिया कांग्रेस में प्रवेश

आम आदमी पार्टी के अध्यक्ष कोमल हुपेंडी ने कहा कि, चित्रकोट विधानसभा के 200 लोगों ने पार्टी ज्वाइन की है। अब धीरे-धीरे लोग आम आदमी पार्टी को और उनके कामों को समझ रहे हैं। गांव-गांव तक आम आदमी पार्टी पहुंच चुकी है। अब इस साल होने वाले चुनाव में सारे 90 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेंगे और जीतेंगे भी।

सर्पदंश के आंकड़े डराने लगे: झारखंड के 17 जिलों में एक माह में 753 लोगों को सांप ने डंसा, 45 की मौत

रांची, 16 जुलाई (एक्सक्लूसिव डेस्क)। झारखंड में मानसून आते ही सर्पदंश के आंकड़े डराने लगे हैं। पिछले एक महीने में राज्य के 17 जिलों में 753 लोगों को सांप ने डंसा। इनमें से 45 लोगों की मौत हो गई। सर्पदंश की सबसे ज्यादा घटना हजारीबाग जिले में हुई। यहां 180 लोगों को सांप ने डंसा, जिनमें से तीन की जान चली गई। वहीं गिरिडीह में 135 लोगों को सांप ने काटा और नौ लोगों की मौत हुई।

पहला-अधिकतर जिलों में पर्याप्त एंटी वेनम इंजेक्शन उपलब्ध नहीं हैं। दूसरा-अंधविश्वास के कारण लोग ओझा-गुणी के चक्कर में फंस जाते हैं। वे झाड़-फूंक कराने लगते हैं। जिससे मौत हो जाती है। सर्पदंश की घटनाएं कितनी तेजी से बढ़ रही हैं, इसका अंदाजा इसी से लगा सकते हैं कि राज्य के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल रिम्स में 15 दिन में ही सर्पदंश के 73 मामले आ चुके हैं। उधर, स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अरुण सिंह ने कहा कि राज्य में पर्याप्त एंटी वेनम है। जहां स्टॉक कम है, वे मांगें। हम उपलब्ध कराएंगे।

निर्देश : सीएम ने कहा था-सीएचसी में पर्याप्त एंटी वेनम उपलब्ध कराएं

हाल ही में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने नामकुम के आईपीएच सभागार में 206 एंबुलेंस का उद्घाटन किया था। इस दौरान उन्होंने धनबाद और देवघर के सिविल सर्जन से बातचीत की थी। उन्होंने देवघर के सिविल सर्जन से सर्पदंश की घटनाओं और जिले में एंटी वेनम के डोज की जानकारी मांगी थी। लेकिन वे नहीं बता सके। तब सीएम ने निर्देश दिया था कि सभी जिलों में सीएचसी स्तर पर पर्याप्त एंटी वेनम उपलब्ध कराएं।

हकीकत: रांची के किसी सीएचसी में एंटी वेनम के 5 तो कहीं 10 डोज

सीएम के निर्देश के करीब एक सप्ताह बाद जिले में एंटी वेनम के स्टॉक की पड़ताल की। पता चला कि सभी सीएचसी में एंटी वेनम की डोज तो उपलब्ध है। लेकिन संख्या इतनी कम है कि एक भी मरीज का पूरा उपचार नहीं हो सकता। रांची सदर अस्पताल में एंटी वेनम की सिर्फ 130 डोज है तो डोरंडा सीएचसी में सिर्फ 5 डोज। मांडर सीएचसी में 10, रातू में 30, बेड़ो में 50, तमाड़ में 55 और बुढ़मू सीएचसी में 80 डोज हैं।

जरूरत : एक मरीज को 10 से 20 डोज लगानी पड़ सकती है

रिम्स के मेडिसिन विभाग के यूनिट इंचार्ज डॉ. संजय सिंह ने कहा-रिम्स में रोजाना औसतन सर्पदंश के तीन-चार मरीज आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक मरीज को कम से कम 10 और ज्यादा से ज्यादा 20 एंटी वेनम डोज की जरूरत होती है। यह इस पर निर्भर है कि किस सांप ने काटा है। चूंकि ऐसी घटनाएं गांवों में ज्यादा होती है। वे सीएचसी पहुंचते हैं। अगर सीएचसी में एंटी वेनम उपलब्ध न हो तो उन्हें बिना देर किए हायर सेंटर रेफर करना चाहिए।

राज्य में सांप की 25 प्रजाति ...इनमें 3 ही जहरीले

झारखंड में 25 प्रजाति के सांप मिलते हैं। इनमें से केवल तीन ही जहरीले हैं। जहरीले सांपों में गेहूंवन (कोबरा), करैत और सियरचंदा (रसेल वाइपर) हैं। धामन, डोंड, होरहोरा, सांखड़, कुकरी, बोआ, टिंकलेट, हरा नाग, कैट स्नेक, तेलिया सांप, अजगर, पट्टीदार रेसर, लाल धामन आदि सांप विषहीन होते हैं।

सांप काटे तो ओझा के पास नहीं, अस्पताल जाइए

सर्पदंश के 70% मामले गैर जहरीले सांपों के होते हैं। इनके डंसने पर मौत नहीं होती। लोगों को सांपों की जानकारी नहीं होती इसलिए वे ओझा-गुनी के पास पहुंच जाते हैं। लोग समझते हैं कि झाड़फूंक से जान बच गई। ऐसे में लोगों का विश्वास ओझा-गुनी पर बढ़ जाता है और वह पीड़ित परिवार से पैसे ऐंठ लेता है। सांपों के बारे में अज्ञानता और अंधविश्वास के कारण ठगों का धंधा चमक रहा है। इसलिए सांप कांटे तो ओझा-गुणी के चक्कर में न पड़ें। सीधे अस्पताल जाएं।

छत्तीसगढ़ कांग्रेस संगठन में हो सकता है बदलाव

रायपुर, 16 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ कांग्रेस संगठन में बदलाव हो सकता है। इस बात के संकेत नए प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने दिए हैं। बैज ने कहा है कि मेरी व्यक्तिगत कोई टीम नहीं है। कांग्रेस की टीम है, मोहन मरकाम ने अच्छी टीम बनाई है। थोड़ी बहुत आंशिक संशोधन(सुधार) करने की बात रहेगी तो उसे करेंगे। आलाकमान को विश्वास में लेकर, सीएम साहब को विश्वास में लेते हुए और तमाम हमारे वरिष्ठ नेताओं को भरोसे में लेकर काम करेंगे। उधर, जब मीडिया कर्मियों ने पूछा कि आपके पास समय कम है, इस पर बैज ने कहा-जितना समय है, काम करने वाले के लिए, इतना भी काफी है। मेरे पास 60 दिन है और हमें 90 विधानसभा क्षेत्रों में पहुंचना है। संगठन को हम लोगों को रिचार्ज करना है, कार्यकर्ताओं को बूस्ट करना है। उन्होंने कहा-हमारा संगठन जैसे ही सरकार बनी, पिछले 5 सालों में अपना काम करता रहा है। बूथ लेवल से लेकर प्रदेश स्तर तक हमारा कांग्रेस संगठन मुस्तैद है। कार्यकर्ता तैयार हैं, सिर्फ उनको इशारा करने की आवश्यकता है। हम मैदान-ए-जंग के लिए तैयार हैं। कांग्रेस के नए प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज रविवार की छुट्टी के दिन ही प्रदेश कार्यालय पहुंचे। इस दौरान बैज ने कहा कि आज कार्यालय में कर्मचारी रेस्ट के मूड में रहते हैं, लेकिन मैंने निवेदन किया कि हम कुछ बैठक लेंगे। मीडिया विभाग के अलावा आज हम महिला कांग्रेस, एनएसयूआई एनएसयूआई और प्रदेश के अलग-अलग पदाधिकारियों की बैठक ले रहे हैं। उनके दल किस तरह से चल रहे हैं, उसे कैसे गति देनी है, इस पर बातचीत की जाएगी। चुनाव में चेहरा कौन होगा पूछे जाने पर बैज ने कहा- हमारे पास मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का चेहरा है, कांग्रेस में सभी स्टार चेहरे हैं, लेकिन भारतीय जनता पार्टी के 15 साल सरकार में रहने के बाद भी उनके पास चेहरा नहीं है। वो दिया लेकर खोज रहे हैं, मगर चेहरा नहीं मिल रहा है। इसलिए मैं कह रहा हूं लोकप्रिय प्रधानमंत्री हैं, हम तो कह रहे हैं कि प्रधानमंत्री के चेहरे भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़ में चुनाव लड़े, क्योंकि हमारी सरकार ने बेहतर काम किया है।

पूर्व में जापान से पश्चिम में यूएस तक गर्मी का रेड अलर्ट, 40 से ज्यादा तापमान में झुलस रहे देश

रोम, 16 जुलाई (एजेंसियां)। जलवायु परिवर्तन की बढ़ती रफ्तार के चलते पूरी दुनिया पर ग्लोबल वॉर्मिंग का असर और तीखा होता जा रहा है। पश्चिमी देशों में इसकी वजह से गर्मी के लगातार नए रिकॉर्ड बन रहे हैं। खासकर अमेरिका में तो मौसम विभाग ने तापमान बढ़ने का डरावना अनुमान जारी किया। इतना ही नहीं इस गर्मी का असर यूरोप और जापान में भी लोगों को बुरी तरह झुलसा रहा है।

अमेरिकी महाद्वीप

अमेरिका में इस वक्त कैलिफोर्निया से लेकर टेक्सास भीषण गर्मी अपना असर दिखा रही है। पिछले 16 दिनों से जबरदस्त गर्मी पड़ रही है। चौंकाने वाली बात यह है कि मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में और भयानक गर्मी का अलर्ट जारी किया है। पूरे दक्षिण-पश्चिम में लू के खतरनाक स्तर पर पहुंचने की चेतावनी जारी की गई है। इस गर्मी से करीब एक-तिहाई अमेरिकी यानी 11 करोड़ लोग प्रभावित हैं। दुनिया के सबसे गर्म स्थानों में से एक कैलिफोर्निया की डेथ वैली में तापमान 54 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का अनुमान है। यहां तापमान दिन में 48 डिग्री के आंकड़े को छू चुका है। वहीं, लास वेगास और नवादा जैसी जगहों पर कुछ दिनों में तापमान 47 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। उधर अमेरिका के उत्तर में स्थित कनाडा में सरकार का कहना है कि औसत से अधिक तापमान के चलते जंगलों में आग लग रही है, जिसने अमेरिका के कुछ हिस्सों को धुएं से ढक दिया है। इस आग से अब तक करीब 2.5 करोड़ एकड़ भूमि जल चुकी है। वहीं, गर्मी बढ़ने के साथ अभी और नुकसान होने की आशंका है।

एशिया-अफ्रीका में क्या हालात?

भारत के पूर्व में स्थित जापान में रविवार से सोमवार के बीच तापमान के 38-39 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का अनुमान है। मौसम विभाग का कहना है कि इस गर्मी में पिछले सारे रिकॉड्र्स टूट सकते हैं। वहीं, भारत में इसके उलट मानसून ने खतरनाक रूप अख्तियार किया है। यहां गर्मी के बाद अब भारी बारिश और खराब मौसम से तकरीबन 90 लोग जान गंवा चुके हैं। राजधानी दिल्ली में ही यमुना नदीं के खतरे के निशान के ऊपर बहने की वजह से बाढ़ की स्थिति है। इसके अलावा उत्तरी अफ्रीका के मोरक्को में भी गर्मी से नए रिकॉर्ड बन रहे हैं। यहां शनिवार-रविवार के बीच ही कई प्रांतों में तापमान 47 डिग्री सेल्सियस के पार हो गया। यह चौंकाने वाली बात इसलिए भी है, क्योंकि मोरक्को में इतना तापमान अधिकतर अगस्त में दर्ज किया जाता था। हालांकि, एक महीने पहले ही इन हालात ने वैज्ञानिकों के बीच चिंता पैदा कर दी है। इस अफ्रीकी देश में आने वाले दिनों में होने वाली पानी की किल्लत अब जुलाई में भी देखने को मिल सकती है। पहले से ही पानी की कमी का सामना कर रहे जॉर्डन में गर्मी के बीच बड़ी मुसीबत तब खड़ी हो गई, जब उसके अजलून के जंगलों में आग लग गई। इसके चलते जॉर्डन सरकार को बहुमूल्य 214 टन पानी को इस आग को बुझाने में लगाना पड़ा। इसके अलावा इराक, जहां इतनी गर्मी आम है, वहं भी टिगरिस नदी सूखने की वजह से पानी की भारी किल्लत पैदा हो गई है। 50 डिग्री सेल्सियस तापमान के बीच इराक में स्थितियां और बिगड़ने की आशंका है।

यूरोप में क्या है स्थिति?

अमेरिका की तरह ही पूरे यूरोप महाद्वीप पर भी स्थिति काफी खराब है। इटली में आने वाले हफ्ते तापमान के नए ऐतिहासिक रिकॉर्ड बनाने का अनुमान है। यहां स्वास्थ्य मंत्रालय ने रोम, बोलोग्ना और फ्लोरेंस समेत 16 शहरों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने लोगों से गर्मी की अब तक की सबसे कड़ी गर्मी के लिए तैयार रहने के लिए कहा है। बताया गया है कि सोमवार तक रोम में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है और मंगलवार तक इसके 43 डिग्री तक जाने का अनुमान है। इससे पहले रोम में अधिकतम तापमान अगस्त 2007 में 40.5 डिग्री सेल्सियस तक गया था। इतना ही नहीं यूरोप के सिसिली और सार्दिनिया के द्वीप में तापमान 48 डिग्री सेल्सियस के आंकड़े को छू सकता है। यह यूरोप में गर्मी का सबसे ऊंचा रिकॉर्ड हो सकता है। इतना ही नहीं ग्रीस के पर्यटन केंद्रों में से एक एथेंस एक्रोपोलिस को रविवार को ही भीषण गर्मी की वजह से लगातार तीसरे दिन बंद रखा गया। दूसरी तरफ फ्रांस में भीषण गर्मी और इसकी वजह से पड़ रहे सूखे ने कृषि क्षेत्र के लिए समस्या पैदा कर दी है। फ्रांस के कृषि मंत्री मार्क फेसन्यू को तैयारियों में कमी के लिए लोगों के विरोध का भी सामना करना पड़ रहा है। फ्रांस में इस साल जून देश के इतिहास का दूसरा सबसे गर्म जून रहा। मौसम विभाग का कहना है कि फ्रांस में मंगलवार से तापमान फिर बढ़ेगा और पिछले सारे रिकॉड्र्स टूटने की आशंका है। यूरोप के एक और बड़े देश स्पेन में भी गर्मी का प्रकोप जारी है। यहां मौसम विभाग ने सोमवार से बुधवार तक लू का अनुमान लगाया है। इससे तापमान लगातार 40 डिग्री सेल्सियस के ऊपर बना रहेगा। कैनेरी द्वीर और दक्षिणी अंदालुसिया में स्थिति और ज्यादा गंभीर होने की आशंका है।

किम जोंग उन की सनक देख बौखलाया अमेरिका

जापान और दक्षिण कोरिया संग मिलकर किया युद्ध अभ्यास

सियोल, 16 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर कोरिया के बढ़ते परमाणु और मिसाइल खतरों का मुकाबला करने के लिए अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान ने रविवार को एक संयुक्त नौसैनिक मिसाइल रक्षा अभ्यास किया। सियोल की नौसेना ने इस बात की जानकारी दी। गौरतलब है कि उत्तर कोरिया ने बीते बुधवार को हवासोंग-18 अंतरमहाद्वीपीय मिसाइल का परीक्षण कर अमेरिका, जापान, दक्षिण कोरिया समेत पश्चिमी देशों को डराने की कोशिश की थी। सियोल की नौसेना ने कहा कि रविवार की त्रिपक्षीय ड्रिल दक्षिण कोरिया और जापान के बीच अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में आयोजित की गई, जिसमें तीनों देशों के एजिस रडार सिस्टम से लैस विध्वंसक जहाज एक साथ आए। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार रविवार को हुए अभ्यास के दौरान तीन एजिस-सुसज्जित विध्वंसक - दक्षिण के आरओकेएस युलगोक यी आई, अमेरिका के यूएसएस जॉन फिन और जापान मैरीटाइम सेल्फ-डिफेंस फोर्स के जेएस माया शामिल थे।

अभ्यास इन चीजों पर रहा केंद्रित

रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर कोरिया द्वारा बैलिस्टिक मिसाइल प्रक्षेपण के बाद यह अभ्यास कंप्यूटर-सिम्युलेटेड बैलिस्टिक मिसाइल लक्ष्य का पता लगाने, उसे ट्रैक करने पर केंद्रित था। इस अभ्यास के बाद दक्षिण कोरियाई नौसेना के एक अधिकारी ने कहा कि हम अपनी सेना की मजबूत प्रतिक्रिया प्रणाली और त्रिपक्षीय सहयोग के साथ उत्तर कोरिया के परमाणु और मिसाइल खतरों का प्रभावी ढंग से जवाब देंगे।

परीक्षण के बाद तानाशाह ने कहा

गौरतलब है कि बुधवार को सफल मिसाइल परीक्षण के बाद तानाशाह किम जोंग उन ने कहा कि हवासोंग-18 मिसाइल ने देश को शक्तिशाली रणनीतिक हमला करने का साधन दे दिया है। साथ ही परमाणु ताकत को भी बढ़त मिली

अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान ने की निंदा

इससे पहले अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान ने उत्तर कोरिया के मिसाइल परीक्षण की निंदा की। एक साझा वक्तव्य में कहा गया है कि उत्तर कोरिया अपनी गैरकानूनी तथा भड़काऊ गतिविधियों को तुरंत बंद कर दे। बता दें कि अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन, जापान के विदेश मंत्री योशिमासा हयाशी तथा दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्री पार्क जिन ने इंडोनेशिया के जकार्ता में मुलाकात की।

यूएसः अलास्का में 7.4 तीव्रता का भूकंप, तटीय इलाकों में सुनामी की चेतावनी

वाशिंगटन, 16 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका के अलास्का में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए हैं। भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 7.4 मापी गई है। अभी जानमाल के नुकसान की खबर सामने नहीं आई है। भूकंप के झटके के बाद तटीय इलाकों में सुनामी की चेतावनी जारी की गई है। संयुक्त राज्य भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार रविवार दोपहर अलास्का में 7.4 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप के झटके के बाद तटीय इलाकों में सुनामी की चेतावनी जारी की गई है। यूएसजीएस ने कहा कि भूकंप 9.3 किमी (5.78 मील) की गहराई पर था।

बेलारूस पहुंची प्रिगोझिन की आर्मी वैगनर ग्रुप, यूक्रेन और पोलैंड ने जारी की चेतावनी

मॉस्को, 16 जुलाई (एजेंसियां)। रूस की प्राइवेट आर्मी वैगनर ग्रुप के लड़ाके रूस से बेलारूस में प्रवेश कर चुके हैं। यूक्रेन और पोलैंड के अधिकारियों ने दिन कहा कि भाड़े के लड़ाके मिंस्क के सशस्त्र बलों को सैन्य प्रशिक्षण दे रहे हैं। यूक्रेन बॉर्डर एजेंसी के प्रवक्ता एंड्रीय देमशको ने कहा कि वैगनर बेलारूस में है। रूस से निकला ग्रुप पहुंच चुका है। इस बाबत उन्होंने टेलीग्राम मैसेज ऐप के जरिए अपना स्टेटमेंट दिया। रॉयटर्स के दिए गए एक बयान में कहा गया है कि वैगनर ग्रुप के कुछ लड़ाके मंगलवार से ही बेलारूस में हैं। इस बाबत बेलारूस के रक्षा मंत्रालय द्वारा शुक्रवार को एक वीडियो भी जारी किया गया। इस वीडियो में दिखाया गया कि पास के ही एक कस्बे ओसीपोविची में वैगनर के लड़ाके बेलारूस सेना के लड़ाकों को पास ही के मिलिट्री रेंज में निर्देश दे रहे थे। बता दें कि जून महीने में रूस में सैन्य विद्रोह हुआ था जिसके बाद हुई डील में वैगनर ग्रुप को बेलारूस में जाने की इजाजत दी गई थी। इसके बाद ही सैन्य विद्रोह समाप्त हुआ था। बता दें कि इस दौरान रूसी प्राइवेट आर्मी के प्रमुख येवगेनी प्रिगोझिन के नेतृत्व में वैगनर ग्रुप ने मॉस्कों की तरफ कूच किया था। वैगनर प्रमुख येवगेनी प्रिगोझिन 24 जून के बाद रोस्तोव ऑन डॉन शहर में काफी लंबे समय से दिखाई नहीं दिए हैं। पोलैंड के विशेष सेवाओं के उप मंत्री समन्वयक स्टैनिस्लाव जरीन ने कहा कि वारसॉ के पास भी बेलारूस में वैगनर सेनानियों की उपस्थिति की पुष्टि है। जरीन ट्वीट कर कहा कि वैगनर ग्रुप के कुछ सौ लड़ाके वहां मौजूद हैं। पोलैंड ने इस महीने कहा कि वह किसी भी संभावित खतरे से निपटने के लिए बेलारूस के साथ अपनी सीमा को मजबूत कर रहा है।

पाकिस्तानी पुलिस ने अहमदी समुदाय के मस्जिद की मीनार को किया ध्वस्त

टीएलपी की ओर से दी गई थी चेतावनी

इस्लामाबाद, 16 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में एक कट्टरपंथी इस्लामी पार्टी द्वारा हमले की धमकी के बाद पुलिस ने अल्पसंख्यक अहमदी समुदाय की एक मस्जिद की मीनारों को ध्वस्त कर दिया। अधिकारियों ने शनिवार को इस बात की जानकारी दी है। तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) ने शुक्रवार को पुलिस को चेतावनी दी कि या तो वह लाहौर से लगभग 225 किलोमीटर दूर पंजाब के जेहलम जिले के काला गुजरान में अहमदियों के पूजा स्थल की मीनारों को ध्वस्त कर दे या वह उनपर हमला कर देगी। पंजाब सरकार के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

खुद ध्वस्त करने की चेतावनी

अधिकारी ने कहा, पुलिस ने इलाके के अहमदी नेताओं को बुलाया और उनसे अपने पूजा स्थल की मीनारों को ध्वस्त करने के लिए कहा। साथ ही कहा कि अगर पुलिस ने ऐसा नहीं किया तो वे खुद ही उस जगह को ध्वस्त कर देंगे। उन्होंने बताया कि रात पुलिस की एक टीम ने अहमदी के पूजा स्थल पर छापा मारा और उसे ध्वस्त कर दिया।

अहमदी पूजा स्थलों को नष्ट करने का अभियान

जमात-ए-अहमदिया पाकिस्तान पंजाब के अधिकारी अमीर महमूद ने बताया कि टीएलपी नेता असीम अशफाक रिजवी द्वारा जेहलम में अहमदी पूजा स्थलों के खिलाफ अभियान शुरू किया गया था।

मुहर्रम तक नष्ट करने को कहा

महमूद ने कहा कि रिजवी ने विभिन्न सार्वजनिक बैठकों में धमकी दी थी कि अगर पुलिस ने 10वीं मुहर्रम (जुलाई के अंत) तक जेहलम में अहमदी स्थानों को नष्ट नहीं किया, तो वे उन पर हमला करेंगे। रिजवी ने धमकी दी थी कि कट्टरपंथी इस्लामवादी अहमदी पूजा स्थलों की ओर मार्च करेंगे और उन्हें नष्ट कर देंगे। महमूद ने कहा, अहमदियों की रक्षा करने के बजाय, पुलिस ने नफरत फैलाने वालों और चरमपंथी तत्वों को खुश करने के लिए अहमदियों के पूजा स्थल की मीनारों को गिरा दिया। यह स्थिति दुर्भाग्यपूर्ण है और अहमदी समुदाय के अधिकारों का स्पष्ट उल्लंघन है। मेहमूद ने कहा कि पाकिस्तान के मुख्य न्यायाधीश तसद्दुक हुसैन जिलानी की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने 2014 में अल्पसंख्यकों के पूजा स्थलों की सुरक्षा के लिए एक विशेष पुलिस बल के गठन का आदेश दिया था।

इस पाकिस्तानी ने पीएम शहबाज शरीफ के लैपटॉप स्कीम का उड़ाया मजाक, कही ये बात

इस्लामाबाद, 16 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने पीएम राष्ट्रीय लैपटॉप योजना की शुरुआत की। इस मुद्दे पर बात करने के लिए पाकिस्तानी यूट्यूबर शोएब चौधरी ने अवाम के बीच जाकर उनकी राय जाननी चाही। इस पर पाकिस्तानी शख्स ने पीएम शहबाज शरीफ के लैपटॉप स्कीम का मजाक उड़ा दिया। उसने कहा कि लैपटॉप ऐसे लोगों को देना चाहिए जो आईटी जैसे काम करे। पाकिस्तानी शख्स ने कहा कि सरकार हर किसी को लैपटॉप बांट दे रही है। वैसे लोगों को भी लैपटॉप दे दिया जा रहा है, जो पढ़ाई लिखाई न कर के सिर्फ मूवी और ड्रामे ही देखेगे। यहां की सरकार टेक्नोलॉजी पर काम नहीं कर रही है, सिर्फ लैपटॉप दे रही है। लैपटॉप तभी काम आएगा, जब टेक्नोलॉजी होगी। पाकिस्तानी शख्स ने लैपटॉप स्कीम के हवाले से सरकार को सलाह देते हुए कहा कि लैपटॉप देने से पहले स्टूडेंट को इसे जुड़े कोर्स करवाए। अन्यथा लोग बस यूं ही लैपटॉप का इस्तेमाल फिल्में, ड्रामे और नेटफिलक्स देखने के लिए इस्तेमाल करते रहेंगे।

ताइवान ने जैव सुरक्षा केंद्र विकसित करने का किया एलान, क्या चीन के नए हथियारों की लगी भनक?

ताइपे, 16 जुलाई (एजेंसियां)। ताइवान ने जैविक युद्ध के खिलाफ अपनी रक्षा को मजबूत करने के लिए जैव सुरक्षा अनुसंधान और विकास केंद्रों के निर्माण की अपनी योजना की घोषणा की। हालांकि, इस बात पर जोर दिया गया है कि इस परियोजना में जैविक हथियार विकसित नहीं किए जाएंगे। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि यह योजनाबद्ध निर्माण हाल के वर्षों में अत्यधिक संक्रामक रोगजनकों की वृद्धि की वजह से की जा रही है। गौरतलब है कि कोरोनावायरस महामारी के पूरी दुनिया में फैलने के बाद चीन की ओर से जैव हथियारों के बनाए जाने के कई दावे हुए थे। इस बीच ताइवान का इस तरह जैविक हथियारों से सुरक्षा के लिए केंद्र बनाना अपने आप में एक चौंकाने वाला घटनाक्रम है। खासकर ऐसे समय, जब चीन पर पारंपरिक युद्ध से इतर गैर-पारंपरिक युद्ध के लिए नए-नए तरह के हथियार बनाने के आरोप लग रहे हैं, जो कि दुश्मनों को युद्ध के मैदान पर चौंकाते हुए पूरी तरह नेस्तनाबूत कर दें।

'जैव हथियार बनाने की योजना नहीं'

साथ ही ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने उन रिपोर्टों का खंडन किया कि ताइपे को अमेरिका ने हथियारयुक्त जैविक एजेंट विकसित करने के लिए कहा है। मंत्रालय ने बताया कि जिन केंद्रों की योजना बनाई गई है और जो मंत्रालय के चिकित्सा मामलों के ब्यूरो द्वारा बनाई जाएगी, वे द्वीप राष्ट्र में महामारी को रोकने की क्षमता को मजबूत करेंगी। रक्षा मंत्रालय के चिकित्सा मामलों के ब्यूरो के प्रवक्ता यांग चुंग-ची ने कहा, परमाणु और जैविक युद्ध से निपटने के लिए सेना रक्षा और सुरक्षा पर जोर दे रही है। राष्ट्रीय रक्षा चिकित्सा केंद्र द्वारा पी4 लैब के निर्माण का उद्देश्य मुख्य रूप से बीमारियों और महामारी के रोगजनकों का पता लगाना है ताकि जवाबी उपाय का पता लगाया जा सके। प्रवक्ता ने कहा, बैक्टीरियोलॉजिकल (जैविक) और विषैले हथियारों के विकास, उत्पादन और भंडारण पर प्रतिबंध और उनके विनाश को लेकर समझौता पर ताइवान द्वारा हस्ताक्षर किए गए हैं, जो जैविक और विषैले हथियारों के उत्पादन, अधिग्रहण, विकास और प्रतिधारण पर प्रतिबंध लगाता है।

ताइवान की राष्ट्रपति बोलीं- चीन से लगातार कर रहे खतरों का सामना

उन्होंने कहा, हम कभी भी सैन्य उपयोग के लिए जैविक और जहरीले एजेंटों का विकास, निर्माण, भंडारण और अधिग्रहण नहीं करेंगे। ताइवान की राष्ट्रपति त्साई इंग-वेन ने भी रिपोर्ट को मनगढ़ंत और दुष्प्रचार बताते हुए कहा कि जैव हथियारों के विकास पर चर्चा के लिए कोई बैठक आयोजित नहीं की गई।

एक-दो नहीं इस शख्स ने कीं 105 शादियां, 14 देशों के 27 राज्यों का था दामाद

रोम, 16 जुलाई (एजेंसियां)। इस समय शादी में धोखा और प्यार में वफादारी खबरें खूब सुर्खियों में हैं। सीमा हैदर, ज्योति मौर्या के बाद जम्मू-कश्मीर से एक अनोखी कहानी सामने आई है, जहां पर एक महिला ने 27 युवकों से शादी की और कुछ समय उनके साथ रहने के बाद रफूचक्कर हो गई। इस खबर पर चुटकी लेते हुए सूबे के पूर्व सीएम उमर अब्दुल्ला ने भी कहा कि यह कहानी किसी नेटफ्लिक्स सीरीज से कम नहीं है। हालांकि यह ना तो पहला मामला है और ना ही आखिरी, क्योंकि दुनिया में इससे पहले भी धोखे से कई शादियां करने के अजीब मामले सामने आए हैं। लेकिन आज हम आपको एक ऐसा मामला बताने जा रहे हैं, जो गिनीज वर्ल्ड बुक में भी दर्ज हो चुका है। दरअसल ये शख्स 14 देशों के 27 राज्यों का दामाद था और इसने 105 से ज्यादा शादियां की थी। यहीं नहीं इस शख्स के सभी पत्नियों से बच्चे थे और कोई भी महिला एक-दूसरे के बारे में कुछ नहीं जानती थी।

पहली ही मुलाकात में किया लड़की को प्रपोज

1981 में अमेरिका के इंडियाना में एक बाजार में एक लड़की काम करती थी। वह मैनेजर के पद पर कार्यरत थी और अपने परिवार का ख्याल रखती। इसी बाजार में उसे जियोवन्नी विगलियोटो नाम का एक शख्स मिलता है। वह लड़की से किसी सामान की दुकान के बारे में पूछता है और वह उसकी मदद कर देती है। यही दोनों की पहली मुलाकात थी और लड़की उससे काफी प्रभावित हो रही थी। बातों ही बातों में दोनों एक-दूसरे के काम के बारे में बताते है। युवक बताता है कि वह नजदीक ही एक बड़ी कंपनी का एड्रेस बताता है और वहां पर काम करता है। दोनों बाजार में साथ घूम रहे थे और दोस्त बन जाते हैं। तभी वह शख्स उस लड़की के सामने शादी का प्रस्ताव

रखता है। लड़की हैरान थी कि कैसे पहली ही मुलाकात में कोई किसी से शादी की बात कर सकता है, लेकिन तभी विगलियोटो बताता है कि वह पहली बार उससे नहीं मिल रहा है और इस बाजार में आता-जाता रहता है। इससे पहले भी उसने लड़की को यहां पर देखा है और इसीलिए उससे दोस्ती की, अब वह अपनी इस मोहब्बत को शादी में बदलना चाहता है। हालांकि लड़की ने उससे कुछ समय मांगा, लेकिन दोनों की मुलाकात जारी रही और फिर प्यार पनपने लगा। समय बीतने के साथ दोनों ने शादी कर ली और शहर में एक किराए का मकान लेकर रहने लगे। एक दिन लड़की सुबह उठती है और देखती है कि विगलियोटो घर में नहीं है। तभी वह दूसरे कमरे में जाकर देखती है कि सारा सामान बिखरा पड़ा है। वह तुरंत पुलिस के पास जाती है और कहती है कि उसके घर में लूट हुई है और उसका पति भी गायब है। पुलिस उसके पति को ढूंढ कर निकल दे। पुलिस ने तुरंत एक्शन लिया, जिसके बाद उसे विगलियोटो की एक लोकेशन मिली और उसे बरामद कर लेती है। 28 दिसंबर 1981 का यह दिन था और पुलिस उससे घर में हुई घटना के बारे में पूछताछ करती है, लेकिन तभी विगलियोटो ऐसा जवाब देता है कि सभी हैरान रह गए। उसने कहा कि उसका किसी ने अपहरण नहीं किया बल्कि वह तो अपनी मर्जी से देश छोड़कर जा रहा था। अब पुलिस के सामने सवाल यह था कि वह ऐसा क्यों कर रहा था, उसकी बीवी भी यह सुनकर हैरान रह गई। पुलिस ने उससे उसकी पहचान दिखाने के लिए कागजात मांगे तो उसके पास दिखाने को कुछ नहीं था। पुलिस को उसपर सस्पेंस बढ़ा और उससे सचती से पूछताछ करने लगी। तभी गलियोटो ने पुलिस को अपना असली नाम बताया निकोलई पेरूस्कोव बताया और कहा कि वह इटली के सिसली का रहने वाला है। उसने बताया कि वह यहां पर आया और उसको इस लड़की से प्यार हुआ, जिसके बाद दोनों ने शादी कर ली।

पुलिस जांच में हुए चौंकाने वाले खुलासे

पुलिस इटली में जब उस शख्स के बारे में जांच करती है तो चौंकाने वाला खुलासा उसके सामने आया। पुलिस को पता चलता है कि इस शख्स के खिलाफ इटली में 10 से ज्यादा शादियां करने को लेकर मुकदमे दर्ज है। इसके साथ ही इसकी कितनी अन्य शादियां हो चुकी है, इसके बारे में जानकारी नहीं है। अब पुलिस स्टेशन में उसके लिए खड़ी होकर रोने वाली लड़की भी हैरान थी। उसको लग रहा था कि वह 11वीं लड़की है, लेकिन मामला अभी और भी पेचिदा होने वाला था। वह पुलिस को अपने अलग-अलग नाम बताने लगा था, जिनका कोई रिकॉर्ड नहीं था। अब पुलिस उसकी फोटो को लेकर अमेरिका में कई जगहों पर भेजी। लंबे समय तक चली जांच के बाद पुलिस को पता चला कि इस शख्स ने कई नामों से कई देशों में शादियां कर रखी हैं। पुलिस के पास अब तक शादी का नंबर 40 से ऊपर पहुंच चुका था और देशों का नंबर भी 15 से ऊपर पहुंच गया था। कई लड़कियां सामने आई और उन्होंने बताया कि हां इस शख्स ने उनसे शादी की है।

ऐसा क्यों कर रहा था ये शख्स

पुलिस अभी भी यह पता नहीं लगा पा रही थी कि इस शख्स ने ऐसा क्यों किया। इस बारे में करीब 3 साल तक जांच चली और पुलिस को 14 देशों के 27 राज्यों में ऐसे-ऐसे रिकॉर्ड मिले जिसमें इस शख्स ने कई अलग-अलग लड़कियों से शादी की हुई थी। जब यह जानकारी पुलिस के हाथ लगी तो उसने सख्ती से पूछताछ की तो उसने बताया कि वह अमेरिका के फ्लोरिडा का रहने वाला है। 3 अप्रैल 1936 को उसका जन्म हुआ और उसका असली नाम फ्रैड जीप है, इसके साथ ही उसने 105 शादियां की है।

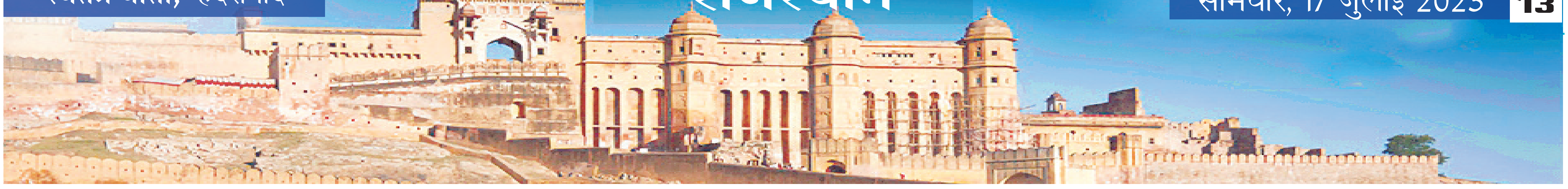

जेपी नड्डा बोले- यूपीए का मतलब... उत्पीड़न, पक्षपात और अत्याचार

कहा- जयपुर ब्लास्ट में वसुंधरा सरकार ने फास्ट ट्रैक कोर्ट चलाई, गहलोत ने उन्हें छोड़ने का काम किया

जयपुर, 16 जुलाई (एजेंसियां)। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा आज प्रदेश भाजपा के 'नहीं सहेगा राजस्थान' आंदोलन को लॉन्च किया। इस दौरान जेपी नड्डा ने कहा- यूपीए का मतलब है, उत्पीड़न, पक्षपात और अत्याचार। नड्डा ने कहा- गहलोत सरकार ने पक्षपात करने का काम किया है। जयपुर बम ब्लास्ट मामले में वसुंधरा सरकार ने फास्ट ट्रैक कोर्ट चलाई। गहलोत सरकार ने आतंकवादियों को छोड़ने का काम किया। जेपी नड्डा ने कहा- गहलोत सरकार ने पाकिस्तान से आए शरणार्थियों के घरों पर बुलडोजर चलाने का काम किया। वहीं, बांग्लादेश से आए रोहगियों को बसाने का काम किया है। उनके वोटर आईडी और आधार कार्ड बनाने का काम गहलोत सरकार ने किया है। राम मंदिर बनाने का हम सबका सपना था। वो पूरा हो रहा है। केदारनाथ, उज्जैन का जीर्णोद्धार हुआ हैं। हम पुष्कर तीर्थ का भी जीर्णोद्धार करवा रहे हैं। इसे लेकर केंद्र सरकार ने 40 करोड़ रुपए दिए हैं।

पूनिया ने कहा- माधुरी दीक्षित के गाने की तरह राहुल गांधी ने कर्जमाफी पर गिनती बोली

इस दौरान उप नेता प्रतिपक्ष सतीश पूनिया ने संबोधित करते हुए कहा- जैसे माधुरी दीक्षित 1,2,3,4......5,6 गाना गाती है। उसी तरह से राहुल गांधी ने कर्जा माफी के लिए 1 से 10 तक गिनती बोली। किसान का कर्जा माफ नहीं हुआ। वसुंधरा राजे ने कहा- इस सरकार ने साढ़े 4 साल में भ्रष्टाचार में डूबकर सरकार चलाई है। चारों ओर लूट मची हुई है। कल तो गहलोत सरकार ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। इनके पूर्व राज्यमंत्री 18.40 लाख रुपए की घूस लेते हुए पकड़े गए। प्रदेश में धर्म परिवर्तन हो रहे हैं। हमारी भामाशाह योजना को बंद करके उन्होंने चिरंजीवी योजना शुरू की। अन्नपूर्णा रसोई को बदलकर इंदिरा योजना कर दिया। खाने की क्वालिटी हमारे मुकाबले खराब कर दी है। वसुंधरा राजे ने कहा- पेपरलीक की सुनकर तो मुझे रोना आता है। 19 पेपरलीक हो गए। 40 लाख युवाओं का भविष्य खराब हो गया। बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा- मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को जब भी दिल्ली बुलाया जाता हैं। तब वे अगूंठा दिखा देते हैं। पहले हाथ का अगूंठा दिखाया था। अब पैर का अगूंठा दिखा दिया।

'नहीं सहेगा राजस्थान' आंदोलन से संबधित ऑडियो, वीडियो और पोस्टर का विमोचन भी किया कया। लॉन्चिंग के साथ ही अगले 15 दिन प्रदेश में भाजपा आक्रामक तरीके से गहलोत सरकार के खिलाफ आंदोलन करेगी। नड्डा जयपुर के बीलवा में चंदन वन वाटिका में आंदोलन की लॉन्चिंग के बाद जनसभा को भी संबोधित करेंगे। यह आंदोलन जयपुर से शुरू होकर संभाग और प्रत्येक विधानसभा स्तर तक किया जाएगा। इसकी अलग से एक वेबसाइट भी जारी की गई है। वेबसाइट पर प्रदेश स्तर से लेकर विधानसभा स्तर तक आंदोलन से जुड़ी तमाम जानकारियां मिलेंगी। यह आंदोलन प्रदेशभर में आगामी 1 अगस्त तक चलेगा। एक अगस्त को जयपुर में महा आंदोलन होगा।

आंदोलन के दौरान बीजेपी 15 दिन तक विधानसभा, चौपाल, ढाणी और वार्ड स्तर तक धरना-प्रदर्शन और सभाएं आयोजित करेगी। गहलोत सरकार की नाकामयाबी पर 'फेल कार्ड' का गांव-गांव और ढाणी के हर घर तक वितरण किया जाएगा।

आंदोलन के तहत प्रत्येक विधानसभा में एफआईआर कैंप लगाए जाएंगे। वहीं प्रत्येक विधानसभा स्तर पर कांग्रेस सरकार के खिलाफ चार्जशीट तैयार की जाएगी। इन सभी कार्यक्रमों का दायित्व युवा मोर्चा, महिला मोर्चा, किसान मोर्चा, एससी मोर्चा, एसटी मोर्चा, ओबीसी मोर्चा और अल्पसंख्यक मोर्चा को सौंपा गया है।

'नेता अपने बेटों को टिकट दिलाने को मरे जा रहे'

रंधावा बोले- बेटे नाकाबिल हैं तो टिकट नहीं; कांग्रेस को बर्बाद नहीं होने देंगे

जयपुर, 16 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने जीतने की क्षमता वाले उम्मीदवारों की जगह अपने बेटे-बेटियों को टिकट की पैरवी करने वाले नेताओं पर निशाना साधा है। रंधावा ने कहा- पार्टी के कार्यकर्ता को आगे बढ़ाने की भावना कहां से लेकर आओगे। आप तो मरे जाते हैं कि मेरे बेटे को टिकट नहीं दिया तो जहर खा लूंगा। जो दूसरा वर्कर है उसका टाइम कब आएगा? रंधावा कांग्रेस मुख्यालय जयपुर में प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में बोल रहे थे।

रंधावा ने कहा- अगर किसी लीडर का बेटा कैपेबल है तो आ जाए और अगर कैपेबल नहीं है तो हम कांग्रेस को बर्बाद नहीं होने देंगे। आज कोई जिला अध्यक्ष है, उपाध्यक्ष है तो आप भी एमएलए बन सकते हैं। जब आप अपनी कैपेबिलिटी दिखाओगे तो आप भी बन सकते हो। मेरे पिताजी पंजाब कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष थे, लेकिन जब मुझे टिकट दिया तो वे चुनाव नहीं लड़े। उन्होंने साफ कहा था कि बेटे को टिकट दे दिया तो मैं चुनाव नहीं लड़ सकता, फिर दूसरे वर्कर को मौका कैसे मिलेगा? उस भावना की जरूरत है।

मुझे सीएम नहीं बनाया तो क्या कांग्रेस छोड़ देता?

रंधावा ने कहा- कांग्रेस हर वर्कर को सम्मान देती है। मुझे डिप्टी सीएम बनाया, मैं सीएम नहीं बना तो क्या कांग्रेस छोड़ दूं। दूसरा सीएम बना तो मैंने जमकर उसकी मदद की, उसका सहयोग किया। मैं चला जाता कि मेरे को नहीं बनाया तो मैं काम नहीं करूंगा, ऐसा थोड़ी होता है। कांग्रेस ने हमें क्या नहीं दिया?

विधायकों की तरफ ही देखते रहे तो कांग्रेस जिंदा नहीं रहेगी

रंधावा ने कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा से कहा- डोटासराजी, हमें आदत डालनी पड़ेगी, अगर यहां बैठे संगठन के लोगों का सम्मान होगा तभी कांग्रेस जिंदा रहेगी। अगर हम एमएलए की तरफ देखते रहे तो कांग्रेस जिंदा नहीं रहेगी। एक बार हार गए तो दूसरी बार किसी और को टिकट मिलेगा। ये तो हमारे पास ही रहेंगे। ये तो हमारे योद्धा हैं। संगठन में बहुत लोग हैं। इनमें से केवल पांच फीसदी ने ही आकर कहा होगा कि हमें मंत्री विधायक या चेयरमैन बना दो। संगठन के 95 फीसदी नेता पार्टी के लिए ही काम करना चाहते हैं। मेरे मन में ऐसे लोगों के प्रति इतना सम्मान है कि जब मौका आएगा तो मैं इन्हें जरूर कुछ न कुछ पद दिलाकर सम्मान दिलाऊंगा।

आज के नेता गाड़ी से नहीं उतरते, माइंडसेट चेंज करें, लोगों से मिलें

रंधावा ने कहा- डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट को एक बात कहना चाहता हूं आप किसी के नहीं हो, आप कांग्रेस के हो, यह कसम खाकर जाइए। आप भेदभाव नहीं रखेंगे, आपके लिए सब बराबर हैं। माइंडसेट थोड़ा चेंज करना पड़ेगा। पुराने नेताओं को लोग क्यों याद करते हैं, क्योंकि वे हर आदमी से मिलते थे। अब तो लीडर गाड़ी से भी नहीं उतरते, कहते हैं गर्मी है। लोगों के बीच जाकर उनसे मिलना होगा, उनसे लगातार संपर्क रखना होगा। जो नेता लोगों से नहीं मिलता, वह कामयाब नहीं हो सकता।

सबको पड़ोस में भगत सिंह चाहिए, खुद के घर में नहीं

रंधावा ने कहा- पंजाब में सब कहते हैं भगत सिंह पैदा होना चाहिए, लेकिन मेरे घर में नहीं पड़ोस वाले घर में पैदा होना चाहिए। जब तक यह नहीं कहेंगे कि मेरे घर में भगत सिंह आएगा, तब तक पार्टी मजबूत नहीं होगी। वह ऐसे कर रहा है, वह यह कर रहा है, इससे काम नहीं चलेगा। एक दूसरे पर आरोप लगाने से काम नहीं चलता है, काम करना पड़ता है।

सरकार नहीं बनी तो कोई नहीं पूछेगा

रंधावा ने कहा- कांग्रेस जिंदा है तभी आप जिंदा हैं। सरकार बनेगी तभी आपको कोई पूछेगा। सरकार नहीं बनेगी तो कोई नहीं पूछेगा। जो विपक्षी पार्टी के किसी नेता के साथ मिल कर चलते हैं उनका भी ध्यान रखिए। जो कांग्रेस की बात नहीं करता, जो डरता है वह चाहे चला जाए। कांग्रेस में वही रहेगा, जो कांग्रेस की सेवा करेगा। कोई अगर कांग्रेस के खिलाफ बात कर रहा है, उसको निकालना हो तो निकाल दीजिए।

गहलोत बोले- कांग्रेस में धैर्य रखने पर पद मिलते हैं

भाजपा पर तंज- उनके पास वॉशिंग मशीन, वहां एंट्री होते ही नेता पाक साफ हो जाते हैं

जयपुर, 16 जुलाई (एजेंसियां)। सीएम अशोक गहलोत ने कहा है कि हमारी योजनाओं के कारण लोग कहने लगे हैं कि कांग्रेस सरकार आ सकती है। सरकार आ सकती है और सरकार आ रही है।

इसमें बहुत फर्क होता है। इसके लिए मेहनत करनी पड़ेगी। योजनाओं से पब्लिक पर्सेप्शन बदला है, लेकिन सरकार बनाने के लिए बहुत-सी चीजें करनी होती हैं।

उसमें कई फैक्टर काम करते हैं। मुझे पता है, हम कहां कमजोर हैं। कहां ठीक हैं। गहलोत प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक को सीएम हाउस से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे।

गहलोत ने कहा- कांग्रेस पदाधिकारी अगर फील्ड में मेहनत करेंगे तो पब्लिक पर्सेप्शन बदलेगा। अब तक जो लोग कह रहे हैं कि सरकार आ सकती है। आप फील्ड में सरकार की स्कीम्स का माहौल बना दोगे तो एक महीने में ही लोग कहने लगेंगे- कांग्रेस सरकार आ रही है। पहली बार माहौल बना है। आप लोग मेहनत करोगे तो ही हम कामयाब होंगे।

चुनाव जीतने के लिए कई चीजें करनी पड़ती हैं

गहलोत ने कहा- प्रदेश में जो माहौल बना है, वह मेरे अकेले की वजह से नहीं बना है। केवल बजट पेश करना ही सब कुछ नहीं होता। बजट पेश करना और बजट इंप्लीमेंट करना अलग-अलग बात होती है।

मैंने अधिकांश घोषणाओं को इंप्लीमेंट करना शुरू कर दिया है। इन सब बातों के बावजूद हमें चुनाव जीतने के लिए कई बातें करनी पड़ती हैं। इनमें व्यवहार भी है, मेहनत और जनसंपर्क सहित कई बातें शामिल हैं।

सीएम गहलोत ने महाराष्ट्र में एनसीपी विधायकों के बीजेपी सरकार में शामिल होने के मामले में तंज कसा। गहलोत ने कहा- प्रधानमंत्री ने भोपाल में कहा कि एनसीपी ने 70 हजार करोड़ का घोटाला कर दिया।

तीन दिन बाद उसी एनसीपी से विधायक तोड़ लिए और मंत्री बना दिया। भाजपा के पास वॉशिंग मशीन लगी हुई है। जैसे ही दूसरी पार्टी के नेता इनकी पार्टी में शामिल होते हैं, वे पाक साफ हो जाते हैं।

तीन दिन पहले जिस एनसीपी पर आरोप लगा रहे थे, उन्हें मंत्री बना दिया। महाराष्ट्र में जिन लोगों ने शपथ ली, उन सब पर ईडी के चार्जेज थे।

अजीत पवार पर तो 1000 करोड़ का चार्ज था। बीजेपी सरकार में शामिल होते ही सब पाक साफ हो गए। इनका जिस तरह का बर्ताव है, पता नहीं देश किस दिशा में जाएगा।

पहले सब सिफारिश करवाते हैं, बाद में पांच पदाधिकारी नहीं मिलते

गहलोत ने कहा- पहले पदाधिकारी बनने के लिए लोग सिफारिश करवाते हैं कि हमें कार्यकारिणी में पद मिलना चाहिए। पदाधिकारी बनने के बाद हालत यह हो जाती है कि प्रदेश अध्यक्ष को पांच लोग भी काम करने वाले नहीं मिलते हैं। अध्यक्ष ढूंढता रह जाता है। यह क्या तरीका होता है? जब कोई पदाधिकारी बना है तो वह खुद प्रदेश अध्यक्ष को आकर कहे कि मैं क्या काम कर सकता हूं। पद मिलने के बाद ज्यादातर पदाधिकारी इनएक्टिव हो जाते हैं।

गहलोत ने कहा- सोनिया गांधी ने एक बार कहा था कि सब को धैर्य रखना चाहिए। हर कोई विधायक और सांसद नहीं बन सकता। धैर्य रखने वालों को कभी न कभी पद मिलता है।

कई उदाहरण सामने हैं, कई ऐसे लोग विधायक, सांसद बने जो सोच भी नहीं सकते थे। इस समय जो पदाधिकारी बने हैं उन पर जिम्मेदारी ज्यादा है।

भ्रष्टाचार: कमीशन नहीं मिलने की वजह से रद्द किया टेबलेट टेंडर

जाहिदा ने कहा- झूठे हैं आरोप

जयपुर

राजस्थान की शिक्षा राज्यमंत्री की जाहिदा खान की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही है। पीसीसी के बाहर लगे भ्रष्टाचार के पोस्टर के बाद बीजेपी ने जाहिदा के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। बीजेपी के प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच ने कहा कि जाहिदा खान शिक्षा विभाग में करोड़ों रुपए का घोटाला कर रही है। वह बिना कमीशन खोरी के कोई काम ना तो करती है, ना ही होने देती है। जिसकी वजह से राजस्थान की शिक्षण व्यवस्था बद से बदतर स्थिति में पहुंच चुकी है।

बीजेपी मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मुकेश दाधीच ने कहा कि राजस्थान में 110 करोड की लागत से 9 हजार 401 स्कूलों में स्मार्ट क्लासेज बनाने का काम सरकार ने बजट घोषणा (2021-22) में किया था। यह काम इसी सत्र 2021-22 में ही पूरा होना था।

इसके लिए सरकार ने स्मार्ट क्लासेज बनाने का टेंडर तीन कंपनियों को दिया था। तीनों कंपनियों ने काम शुरू भी कर दिया। लेकिन कमीशन नहीं मिलने के चलते मंत्री जाहिदा ने इंटेस कंपनी के लोगों को वर्क ऑर्डर निरस्त करने की धमकी देना शुरू कर दिया। सरकारी नियमों के तहत वर्कऑर्डर होने के बाद पीडीआई रोका जाना संभव नहीं है। लेकिन बावजूद इसके मंत्री जाहिदा खान ने 5 जून 2023 को नोटशीट पर पीडीआई रोकने के आदेश जारी कर दिये। जिससे स्मार्ट क्लासेज में पढ़ने का सपना देख रहे लाखों छात्रों का भविष्य कमीशन के खेल में चौपट हो गया। दाधीच ने कहा कि अवैध वसूली के लिए मंत्री जाहिदा खान ने आसिफ और ताहिर नाम के दो बाहरी आदमियों को जिम्मेदारी दे राखी है। जो सरकारी अधिकारी और कर्मचारियों को डरा धमकाकर गलत काम करने के लिए मजबूर कर रहे है। यह दोनों वसूली खोर मंत्री जाहिदा के साथ शिक्षा विभाग के हर महत्वपूर्ण बैठक में भी शामिल होते है। जिसको लेकर पिछले दिनों कुछ अधिकारियों ने शिकायत भी दर्ज कराई थी। लेकिन शिक्षा मंत्री जाहिदा और उसके अवैध वसूली करने वाले आदमियों की जगह मुख्यमंत्री ने शिक्षा विभाग से आईएएस मोहनलाल यादव और श्रुति भारद्वाज को ही हटवा दिया।

धीरेंद्र शास्त्री के बयान को प्रदीप मिश्रा ने बताया गलत

कहा- कुछ बोलने से पहले अपने ऊपर लागू करके देखें

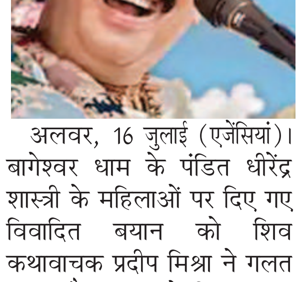

अलवर, 16 जुलाई (एजेंसियां)। बागेश्वर धाम के पंडित धीरेंद्र शास्त्री के महिलाओं पर दिए गए विवादित बयान को शिव कथावाचक प्रदीप मिश्रा ने गलत बताया है। अलवर के विजय नगर ग्राउंड पर प्रदीप मिश्रा शिव महापुराण कथा वाचन कर रहे हैं। कथा का आज 5वां दिन है।

रविवार को सुबह 10 बजे मीडिया से बात करते हुए शिव कथावाचक प्रदीप मिश्रा ने धीरेंद्र शास्त्री को लेकर कहा- यह श्रेष्ठता नहीं है। आपका चेहरा आपकी पहचान नहीं है। आप कुछ भी बोलना चाहते हैं तो उसका अनुवादन (ट्रांसलेशन) करें। उसे अपने ऊपर लेकर देखना चाहिए कि यह कहना सही है या नहीं। किसी नारी, स्त्री व सौभाग्वती महिला के लिए ये शब्द अच्छे हैं क्या। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में बागेश्वर धाम के पंडित धीरेंद्र शास्त्री के बयान को गलत बताया। हाल ही में नोएडा में हुई कथा में धीरेंद्र शास्त्री ने कहा था- जिस स्त्री की शादी हुई हो उसकी दो पहचान होती हैं। मांग का सिंदूर और गले का मंगलसूत्र। मांग में सिंदूर न हो और गले में मंगलसूत्र न हो तो हम लोग समझते हैं कि प्लॉट अभी खाली है। मांग में सिंदूर और गले में मंगलसूत्र हो तो हम लोग दूर से ही समझ जाते हैं कि प्लॉट की रजिस्ट्री हो चुकी है।

फेसबुक, ट्वीटर समेत तमाम सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर ट्रोल भी हो रहे हैं। फेसबुक पर धीरेंद्र शास्त्री के फॉलोअर्स की संख्या 5 मिलियन से ज्यादा है। ट्विटर पर उनके 1.63 लाख फॉलोअर्स हैं।

बीजेपी से मेरी उधारी बाकी, 25-27 लाख वोट मांगता हूं

बेनीवाल बोले- आजादी के बाद पहला मौका कैबिनेट में हमारा मंत्री नहीं

बाड़मेर, 16 जुलाई (एजेंसियां)। आरएलपी सुप्रीमों एवं नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने बायतु एक प्रोग्राम में शामिल होने के लिए पहुंचे। वहां पर बेनीवाल ने सभा को संबोधित करते कहा कि केंद्र सरकार में आजादी के बाद यह पहला मौका है जब केंद्र कैबिनेट में समाज का एक भी मंत्री नहीं है। पीएम मोदी पर तंज कसते हुए कहा कि पीएम मोदी ने जयकारें लगाने के अलावा कुछ भी काम नहीं किया।

मोदी जी से किसान नाराज है सेना को ठेके पर दे दिया। पेट्रोल-डीजल 100 रुपए पार चला गया। कितनी शहादत हो गई, चीन और पाकिस्तान आंख दिखा रहा है। केवल सोशल मीडिया व अखबारों में छपने से राज वापस नहीं आएगा। वहीं बेनीवाल ने ओमप्रकाश एनकाउंटर मामले पर पुलिस पर सवाल खड़े किए है।

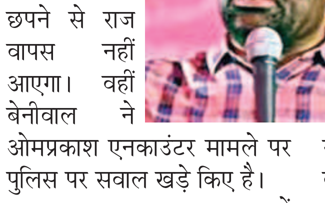

दरअसल, आम चुनाव 2019 में राजस्थान में बीजेपी और आरएलपी के बीच गठबंधन हुआ था। एक सीट आरएलपी को दी थी और 24 सीटें बीजेपी ने लड़ी थी। किसान आंदोलन को लेकर आरएलपी ने गठबंधन वापस ले लिया था। बायतु में उम्मेदाराम बेनीवाल के जन्मदिन पर आशीर्वाद समारोह में आयोजित सभा को संबोधित करते हुए सांसद हनुमान बेनीवाल ने कहा कि मंत्रियों को सलाह देते हुए कहा कि मंत्री बनने का मौका बार-बार नहीं आता है। मौका मिलने पर जो व्यक्ति काम नहीं करता है। जनता उससे जवाब भी मांगती है। यह सही है कि हमारे लोगों को जानबूझकर दिल्ली में भी कमजोर किया जाता है। यह पहला मंत्री मंडल है जिसमें हमारे समाज का कैबिनेट में मंत्री नहीं है। साल 1952 से लेकर आज तक 75 साल में यह पहला मंत्री मंडल है।

पीएम मोदी पर तंज कसते हुए कहा कि मोदी जी नागौर के खरनाल (नागौर) का प्रोग्राम बना रहे है। मोदी को तेजाजी का नाम तो याद आया। मैंने लोकसभा में तेजाजी के जयकारें लगाए तो मोदीजी को करनाल याद आ गया। मोदी जी को राजस्थान के सारे लोक देवता याद दिलाए है तो वह नागौर के सांसद ने दिलाए है। प्रधानमंत्री गली-गली घूम रहे है। मोदी ने बीते कुछ माह में राजस्थान में 8-9 प्रोग्राम कर लिए।

डोटासरा बोले- हमारे कुछ लोग बीजेपी से दोस्ती निभाते हैं

कहा- भाजपा नेता के कहने से अफसर चेंज हो जाते हैं, कांग्रेस विधायक के कहने से नहीं होते

जयपुर, 16 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने इशारों में कुछ मंत्रियों पर बीजेपी से दोस्ती निभाने का तंज कसकर सियासी चर्चाएं छेड़ दी हैं। डोटासरा ने कहा- हमारे कुछ लोग आरएसएस-बीजेपी से दोस्ती निभाते हैं, मैं मानता हूं। मुझे पता है बीजेपी के किसी नेता के कहने से अफसर चेंज हो जाते हैं। कांग्रेस एमएलए और कार्यकर्ता के कहने पर नहीं होते। ये दिक्कतें आती हैं। जब फील्ड में जाते हैं तो ये बातें हमें सुनने को भी मिलती है। मैं कहना चाहता हूं कि हम संगठन के लोग हैं। हम सब ने मिलकर सरकार बनाई है। डोटासरा ने कहा- कुछ लोग ऐसे हैं, जो बीजेपी और आरएसएस को ठोक कर जवाब देते हैं। जब मेरा गला नहीं काट सकते तो तुम्हारा क्या बिगाड़ लेंगे। आरएसएस और बीजेपी गड़बड़ कर रही है तो बोलो। यह समय दोस्ती निभाने का नहीं है। दोबारा सरकार आती है तो संगठन के कारण से आएगी। जो संगठन को महत्व देगा उसका उज्जवल भविष्य होगा।

डोटासरा ने कहा- हम प्रदेश पदाधिकारियों से यह उम्मीद करते हैं कि जब भी प्रदेश कांग्रेस कमेटी यह कहे कि आपको फील्ड में जाना है तो आपको जाना ही पड़ेगा। जो नहीं जाएगा उसके बारे में यह माना जाएगा कि वह काम करने का इच्छुक नहीं है। मुझे जो मिला है, वह स्पष्टवादिता से मिला है। अगर कोई कभी नुकसान होगा तो मैं भुगतने को तैयार हूं, लेकिन काम करना पड़ेगा। मुझे भी यह कहा गया था। राहुल गांधी ने पूछा था कि कौन सबसे बेहतर जिलाध्यक्ष है तो उस समय के प्रभारी अविनाश पांडे और काजी निजामुद्दीन ने मेरा नाम बताया, मैं उसी दिन मंत्री बन गया था।

रेप और हत्या करने वाले नाबालिग को उम्रकैद

कोर्ट ने कहा- युवक भले ही नाबालिग हो, उसका कृत्य गंभीर

जयपुर, 16 जुलाई (एजेंसियां)। जयपुर में रेप और हत्या के माले में एक नाबालिग को उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। नाबालिग ने करीब एक साल पहले 9 साल की बच्ची से रेप के बाद उसकी हत्या कर दी थी। घटना आमेर थाना क्षेत्र की थी। 4 जून 2022 को पीड़िता के पिता ने मामला दर्ज करवाया था। इस पर जयपुर महानगर सेकेंड की पोस्को कोर्ट-2 ने फैसला सुनाया। मामले में स्पेशल पब्लिक प्रोसिक्यूटर महावीर किश्नावत ने बताया- पुलिस ने मामले की जांच करते हुए नाबालिग को पकड़ा था। नाबालिग के खिलाफ जुवेनाइल बोर्ड में चार्जशीट पेश की। ट्रायल के दौरान बोर्ड ने पाया कि नाबालिग व्यस्क की तरह व्यवहार कर रहा है। उसमें व्यस्क की तरह ही क्षमताएं है। ऐसे में बोर्ड ने 23 अगस्त 2022 को मामले को पोक्सो कोर्ट में रैफर कर दिया। घटना के समय नाबालिग 16 साल 6 माह 16 दिन का था। इसके बाद मामले का ट्रायल पोक्सो कोर्ट में चला। पोक्सो कोर्ट के जज राजवीर सिंह ने सजा सुनाते हुए कहा- अभियुक्त भले ही नाबालिग हो। उसका कृत्य गंभीर हैं। ऐसे में उसे उम्रकैद की सजा सुनाई जाती हैं। कोर्ट ने जेल अधीक्षक को निर्देश दिए कि जब तक अभियुक्त 21 वर्ष का नहीं हो जाए।

श्री राजेश्वर भगवान की पुण्यतिथि पर जागरण आयोजित

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। संत श्री राजारामजी कलबी समाज ट्रस्ट हैदराबाद-सिकंदराबाद तेलंगाना के तत्वावधान में फीलखाना दालमंडी स्थित श्रृंगऋषि भवन में दो दिवसीय गुरुदेव श्री राजेश्वर भगवान के 80वें पुण्यतिथि पर जागरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। अध्यक्ष शंकरलाल सोलंकी व सचिव अशोक चौधरी ने संयुक्तरुप से बताया कि 15 जुलाई गुरुवर श्री राजेश्वर भगवान के पंडाल को विशेष फूलों से सजाकर, रात्रि 9.15 बजे तस्वीर पर माल्यापर्ण, ज्योत प्रज्वलितकर महाआरती के पश्चात् जागरण का आयोजन किया गया। इसमे जबरारामजी बोका कलबी वागावास ने भजनों के पुष्प अर्पित किये। अवसर पर पधारे अतिथियों व कार्यक्रम के लाभार्थी तस्वीर स्थापना मांगीलाल सोंड, पुष्पहार मुलाराम, भलाराम कुकल, तिलक भगाराम, मुकेश पीलास, बाल भोग धनाराम बग, हवन-यज्ञ मुकेशकुमार धवली, अखण्ड ज्योत जगताराम मालवी, आरती पुनमाराम गैया, बहुमान सांवलाराम सींह, कमाराम कुकल, जागरण शंकरलाल सोलंकी, जगदीशकुमार मालवी, बैनर राजाराम बग, पुष्पहार बहुमान अशोक भुरिया, विरमाराम काग, जाजम मोतीराम करड़, भोजन-प्रसादी बाबुलाल कुकल, सांवलराम पौंण का समाज के पदाधिकारियों व समाज बन्धुओं द्वारा स्वागत किया गया। 16 मार्च प्रात: वेला में पुजा-अर्चनाकर समाज बन्धुओं ने गुरुवर श्री राजेश्वर भगवान के पुण्यतिथि कार्यक्रम पर श्रद्धा के पुष्प व श्रीफल भेंटकर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। सम्बोधन भाषण में अध्यक्ष शंकरलाल सोलंकी ने गुरुवर के पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम मे पधारे समाज बन्धुओं व भक्तों द्वारा दिये गये तन-मन-धन से सहयोग के लिए तहदिल से आभार प्रकट किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन मे समाज के अध्यक्ष शंकरलाल सोलंकी, सचिव अशोक चौधरी, कोषाध्यक्ष नवाराम, कमेटी मेम्बर प्रतापाराम, सवाराम, करनाराम, जुठाराम, ठाकरीराम, गोदाराम, सवाराम, जोइताराम, लीलाराम, भुभुताराम, भलाराम, शंकरलाल, बाबूलाल, भमराराम, भैराराम, हंसाराम, जवाराम, खेदाराम, नरसाराम, वचनाराम, उकाराम, समाज ट्रस्ट के सभी पदाधिकारियों, सदस्यों व समाज बन्धुओं का विशेष सहयोग रहा। सचिव अशोक चौधरी के मंच संचालन व धन्यवाद ज्ञापन से कार्यक्रम का समापन्न हुआ।

अग्रवाल समाज गच्ची बावली शाखा एवं महिला शाखा ने की सभा

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज गच्ची बावली शाखा एवं अग्रवाल समाज गच्ची बावली महिला शाखा की एक पदाधिकारियों की सभा एडवोकेट सुरेश अग्रवाल के घर आयोजित की गई। पूर्व अध्यक्ष केपी अग्रवाल ने सुरेश अग्रवाल वर्तमान शाखा अध्यक्ष को कार्यभार सौंपा और भविष्य में और अधिक उत्साह पूर्वक कार्य करने के लिए प्रेरित किया। महिला शाखा की पूर्व अध्यक्ष गीता अग्रवाल ने कमलेश अग्रवाल वर्तमान महिला शाखा अध्यक्ष को कार्यभार सौंपा, वहीं कोषाध्यक्ष अमित अग्रवाल को अकाउंट के बारे में जानकारी दी गई और महिला बिंग की कोषाध्यक्ष निष्ठा अग्रवाल को अकाउंट के बारे में बताया गया। सभा में तय किया गया कि इस माह किसी मंदिर में दर्शन किए जाएं और अगस्त में सावन की सैर के लिए सभी सदस्यों को लेकर सावन की सैर का आनंद उठाया जाए। इसमें सुरेश अग्रवाल, केपी अग्रवाल ,रजत अग्रवाल अमित अग्रवाल, वीरेश अग्रवाल, कमलेश अग्रवाल, गीता अग्रवाल, निष्ठा अग्रवाल, मीतू अग्रवाल आदि सम्मिलित थे।

तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम द्वारा स्वास्थ्य विज्ञान कार्यशाला का आयोजन

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेरापंथ भवन सिकंदराबाद में तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम के आयोजकत्व में साध्वी श्री डॉ मंगल प्रज्ञा जी के सान्निध्य में स्वास्थ्य विज्ञान कार्यशाला का आयोजन हुआ। इस अवसर पर साध्वी श्री जी ने स्वस्थ जीवन शैली पर विज्ञान और अध्यात्म से संबंधित प्रवचन में कहा कि भगवान महावीर का दर्शन मात्र दर्शन नहीं आचरणात्मक दर्शन है। आचार्य महाप्रज्ञ जी ने भगवान महावीर के स्वास्थ्य शास्त्र के शीर्षक में लिखें ग्रंथ में अनेक सूत्रों का प्रतिपादन किया है। हमारी प्राचीन भारतीय संस्कृति की जीवन शैली श्रम आधारित और स्वस्थ थी। भोजन जीवन चलाने के लिए होता है पर आज ऐसा लगता है व्यक्ति स्वाद के लिए ज्यादा खाते हैं। जीने के लिए नहीं, खाने के लिए जीते हैं। साध्वी श्री जी ने कहा यदि जैन लोग जैन नियमों एवं जैन जीवन शैली से चले तो रोग आने का कोई रास्ता ही नहीं है। स्वस्थता के लिए विश्व प्रसिद्ध प्रेक्षा प्रणेता आचार्य महाप्रज्ञ जी युग को विरासत के रूप में लाखों ऐसे सूत्र देकर गए हैं जिनको जी कर हम स्वस्थ रह सकते हैं। दीर्घश्वास प्रेक्षा, अनुलोम विलोम और उज्जाई प्राणायाम का प्रयोग हार्ट को स्वस्थ रखते हैं।

तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम हैदराबाद के अध्यक्ष पंकज संचेती ने मुख्य वक्ता डॉ राजीव मैनन डॉ विजयानंद एवं डॉ. उषाश्री का परिचय प्रस्तुत किया। तेरापंथ सभा, टीपीएफ, महिला मंडल एवं युवक परिषद द्वारा मुख्य वक्ता एवं उनकी टीम का सम्मान किया गया। तेरापंथ सभा अध्यक्ष बाबूलाल बैद ने टीपीएफ को इस सुनियोजित कार्यशाला हेतु साधुवाद दिया एवं जयपुर से सेवार्थ समागत साध्वी श्री डॉ मंगल प्रज्ञा जी के संसार पक्षीय अग्रज करण सिंह सेठिया का सम्मान किया।

जन सेवा संघ कुलसुमपुरा क्षेत्रीय समिति ने की बैठक

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जन सेवा संघ कुलसुमपुरा क्षेत्र में संघ के महासचिव सुधीर जायसवाल के मार्गदर्शन में एवं कुलसुमपुरा क्षेत्रीय अध्यक्ष शंभु शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न क्षेत्रीय मुद्दों पर विचार विमर्श किया गया। बैठक के दौरान क्षेत्र में किये गए कार्यों की समीक्षा की गई और क्षेत्र में हो रही समस्याओं की जानकारी ली गई। इस बैठक में सभी सदस्यों से आग्रह किया गया कि सदस्यता अभियान का आयोजन कर नए सदस्यों को जोड़े साथ ही पुराने सदस्यों का सदस्यता नवीनीकरण करें।

इस अवसर पर जन सेना संघ के अध्यक्ष एलएम चौधरी, उपाध्यक्ष सत्य प्रकाश सिंह, महासचिव सुधीर जायसवाल, कोषाध्यक्ष एके मिश्रा, क्षेत्रीय अध्यक्ष शंभु शर्मा, उदय शर्मा, महेश दास, नवीन शर्मा, नंद लाल यादव, मनीश शर्मा, रूपेश शर्मा, राजू शर्मा, रबिंदर शर्मा, नवल शर्मा, सुधीर शर्मा, जगन्नाथ शर्मा, गोविंद सह, दिनेश शर्मा, राम शर्मा, विलाषी साह, अजय सिंह, राम यश शर्मा, भोला पासवान, संतोष शर्मा, सुबोध शर्मा, सचीन शर्मा आदि उपस्थित हुए।

जीवन में गुरु का स्थान सर्वश्रेष्ठ : साध्वी दर्शिता भारती

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। परम पूजनीय श्री आशुतोष महाराज जी की असीम कृपा से दिव्य ज्योति जागृति संस्थान द्वारा आर्य वैश्य अभ्युदय संगम, सिकंदराबाद में गुरु पूर्णिमा कार्यक्रम का शुभारम्भ सामूहिक साधना व प्रार्थना के साथ किया गया। इस अवसर पर गुरुदेव श्री आशुतोष महाराज जी की शिष्या, साध्वी सुश्री दर्शिता भारती ने कहा कि गुरु पूजा अत्यंत विशेष पर्व है, क्योंकि जीवन में गुरु का स्थान सर्वश्रेष्ठ है। उन्होंने कहा कि गुरु और शिष्य का रिश्ता सबसे गहरा तथा धार्मिक ग्रंथों में वर्णित है। जिस प्रकार वृक्ष की जड़ धरती में होती है तथा उसकी जड़ें जब तक मिट्टी से जुड़ी रहती है तब तक ही वह वृक्ष हरा भरा रहता है, इसी प्रकार गुरु के साथ जुड़कर ही इंसान को मोक्ष की प्राप्ति संभव है। गुरु के बिना शिष्य का जीवन नीरस है। जैसे जल के बिना मछली का जीवन निराधार है, वैसे ही इंसान का जीवन गुरु के बिना संपूर्ण नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि भले ही आध्यात्मिक विद्या प्राप्त करने की बात हो या फिर नैतिक जीवन के ज्ञान की, गुरु के बिना यह संभव नहीं है।

साध्वी रितु भारती जी ने जीवन में गुरु के महत्व को अपरिहार्य बताया। साथ ही दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा धर्म प्रचार तथा मानवता की सेवा के लिए किए जा रहे कार्यों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शिक्षा से लेकर राष्ट्र निर्माण के लिए दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा कई प्रकल्प निरंतर रूप से चलाए जा रहे हैं। कार्यक्रम का संचालन साध्वी निशंका भारती जी ने किया। अन्य शिष्यों द्वारा गुरु महिमा पर सुंदर भजनों का गायन किया गया। कार्यक्रम में संस्थान के पर्यावरण संरक्षण प्रकल्प के अंतर्गत 500 औषधीय पौधों का वितरण भी किया गया। कार्यक्रम में लगभग 500 लोगों ने भाग लिया।

श्रीमदभागवत कथा व भव्य कलश शोभा यात्रा आज

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। गुरु कृपा सेवा समिति, मारवाड़ी युवा मंच मेडचल द्वारा श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन आज सोमवार 17 जुलाई से 24 जुलाई तक मेडचल किस्टापुर रोड स्थित श्रीनिवासा कल्याणा मण्डपम में किया जाएगा। 17 जुलाई को शाम 5 बजे से भव्य शोभा कलश यात्रा निकली जाएगी जो केएलआर शिवालयम से कार्यक्रम स्थल तक जाएगी। पूज्य गुरुवार संत श्री राजाराम जी महाराज के सान्निध्य में पूज्य संत श्री कृपारामजी महाराज द्वारा कथा वाचन किया जाएगा। कार्यक्रम 17 जुलाई से 24 जुलाई हर रोज़ शाम 7 बजे से रात्रि 11:30 बजे तक चलेगा। शनिवार 22 जुलाई को जागरण का आयोजन भी रखा गया है, जिसमें गौभक्त एवं राजस्थान के सुप्रसिद्ध भजन गायक श्री ओम जी मुंडेल द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी। रविवार 23 जुलाई को कथा का समापन रहेगा एवं सोमवार दिनांक 24 जुलाई को भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा जिस में भजन कलाकार प्रकाश दास द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी।

कार्यक्रम में प्रधारे सभी भक्तों के लिए हर रोज़ शाम 6 बजे से भोजन प्रसादी की व्यवस्त कार्यक्रम स्थल पर रहेगी। कार्यक्रम के चलते युवा मंच मेडचल द्वारा दो दिवस्य रक्त दान सिवार का आयोजा भी रखा गया है रक्तदान शिविर 22 व 24 जुलाई को रखा गया है यह शिविर शाम 6 बजे से रहेगा।

मारवाड़ी युव मंच मेडचल के सभी सदस्यों द्वारा आग्रह किया गया है कि इस भागवत कथा में ज़्यादा से ज़्यादा सांख्य में पधार कर भागवत कथा का लाभ लेवे।

न्यू बोइनपल्ली स्थित नल्ला पोचम्मा मंदिर में बोनालू के अवसर पर आयेजित विशेष कार्यक्रम में बतौर अतिथि भाग लेते हुए केंटोनमेंट बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष जपन्ना प्रताप, प्रेम मुदिराज, अजीत कल्याझ, नरसिम्हा, मुकेश व अन्य।

कोठी बस स्टैंड के समीप माता के मंदिर में दर्शन प्रसाद एवं माता के आशीर्वाद प्राप्त करते हुए भाजपा नेता गोविंद राठी, मनोज जायसवाल, ज्ञानेश्वर, राजू एवं अन्य।

गौलीगुडा महांकाली मंदिर में मंत्री तलसानी का भव्य स्वागत

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव और गृह मंत्री महमूद अली ने गौलीगुडा महांकाली अम्मावरी मंदिर में आयोजित बोनालू समारोह में भाग लिया। इस मौके पर मंत्रियों ने मां महांकाली की विशेष पूजा-अर्चना की। मंदिर समिति के अध्यक्ष बेगमबाजार के पार्षद जी. शंकर यादव के निर्देशन में मंदिर में भक्तों को बिना किसी असुविधा के सभी व्यवस्थाएं की गईं। इस मौके पर मंदिर समिति के अध्यक्ष शंकर यादव ने मंत्रियों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में पार्षद राकेश जायसवाल, पूर्व विधायक प्रेमसिंह राठौड़, निर्वाचन क्षेत्र प्रभारी नंदकिशोर व्यास, मंदिर समिति के उपाध्यक्ष गोशामहल बीआरएस नेता एम. आनंद कुमार गौड़, गड्डम श्रीनिवास यादव, ममता संतोष गुप्ता, आला पुरूषोत्तम, रामचंदर राजू और अन्य ने भाग लिया।

अक्कन्ना मदन्ना महांकाली मंदिर, हरिबौली में बोनालू उत्सव शुरू

मंत्री व नेताओं ने की पूजा-अर्चना

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। ऐतिहासिक श्री अक्कन्ना मदन्ना महांकाली मंदिर, हरिबौली का 75वां वज्रोत्सव बोनालू समारोह के तहत प्रातः काल मे अभिषेकम, विशेष अलंकार, नैवेद्य समर्पण और मंदिर समिति के प्रतिनिधियों एस.पी.क्रांति कुमार, एम.विनोद द्वारा की गई आरती के बाद शुरू हुआ। राज्य सरकार की ओर से मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव और एन.इंद्रकरण रेड्डी ने पटु वस्त्रले जाकर श्री अक्कन्ना मदन्ना महंकाली माता को भेंट किया। विधायक दानम नागेंदर, मेयर जी.विजयलक्ष्मी रेड्डी, उपप्रधान सहित कई सार्वजनिक प्रतिनिधि, परिषद के अध्यक्ष बंडा प्रकाश मुदिराज, पूर्व सांसद वी.हनुमंत राव, सर्वे सत्यनारायण, पूर्व मंत्री मर्री शशिधर रेड्डी, सी.कृष्णा यादव, सांसद के. लक्ष्मण, टीटीडीपी अध्यक्ष कासनी ज्ञानेश्वर और कई जन प्रतिनिधियों और अधिकारियों ने महानकाली के दर्शन किये। सोमवार शाम को श्री अक्कन्ना मदन्ना महानकाली मंदिरम हरिबोवली से नयापुल, हैदराबाद तक अच्छी तरह से सजाए गए हाथी रूपवती पर माथा घटन जुलूस सजाया जाएगा। इस बोनालू जातरा जुलूस का उद्घाटन कल शाम 4 बजे हैदराबाद के पुलिस आयुक्त और तेलंगाना सरकार के सलाहकार के.वी.रमना चारी द्वारा किया जाएगा।

बस्ती निद्रा कार्यक्रम के तहत जनसमस्याएं सुनी गईं

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य खनिज विकास निगम के अध्यक्ष मन्ने कृष्णक ने लगभग 400 स्थानीय लोगों के साथ छावनी द्वितीय वार्ड में रसूलपुरा के श्रीलंका बस्ती में 17वें बस्ती निद्रा कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया है। कार्यक्रम के तहत चेयरमैन कृष्णक ने स्थानीय लोगों से बातचीत की और उनकी समस्याएं जानीं। स्थानीय लोगों का कहना है कि मुख्य रूप से बस्ती में सिकंदराबाद छावनी परिषद की लापरवाही के कारण जल निकासी की समस्या और सड़कों की कमी से लोगों को परेशानी हो रही है। कार्यक्रम में लगभग 400 स्थानीय लोगों ने भाग लिया और छावनी परिषद द्वारा 35000 वोटों को अनैतिक रूप से काटे जाने पर चर्चा की। कृषांक ने सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को पत्र लिखा गया है। कार्यक्रम में शामिल हुए सभी लोगों ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को पत्र लिखकर मांग की कि उनका वोट देने का अधिकार बहाल किया जाए। कृष्णक ने जनता को सूचित किया कि मंत्री केटीआर ने भारत सरकार से छावनी में नागरिक भूमि राज्य को सौंपने के लिए कहा है और राज्य सरकार स्थानीय लोगों का समर्थन करेगी। कार्यक्रम में नसीर, वहाब, सज्जाद, ताज, नईम, फहीम, यूनुस, समीर, मिनहाज, असलम, मोनी, रघु, साई व अन्य ने भाग लिया।

फीलखाना ऋषि श्रृंग भवन के जीर्णोंद्धार के लिए की गई पूजा-अर्चना

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। ऋषि श्रृंग भवन फीलखाना के जीर्णोद्धार के अगले चरण में भवन के मुख्यद्वार का सौंदर्यीकरण एवं सम्पूर्ण एलिवेसन का कार्य का शुभारंभ किया गया। सिखवाल प्रगति समाज के संस्थापक सदस्य स्व. हरिकिशन व्यास के पुत्र राजेश, आनंद एवं सुनील व्यास ने गजानन कृष्ण महाराज के सान्निध्य में ऋषि श्रृंग भवन को अत्यनत ही सुंदर एवं मनमोहक रूप देकर समाज को समर्पित करने हेतु पूजा की तथा कार्य का शुभारम्भ किया। तत्पश्चात सिखवाल प्रगति समाज द्वारा उपाध्यक्ष रामदेव नगला ने राजेश व्यास, महासचिव घनश्यामलाल उपाध्याय ने आनद व्यास एवं कोषाध्यक्ष मोतीलाल तिवारी ने सुनील व्यास को सम्मानित किया।

कार्यक्रम में नन्दकिशोर व्यास बिलाल, रामदेव व्यास, विनोद जैन, दामोदरलाल ओझा, सुरेश तिवारी, रामकिशोर नागला, माणकचंद तिवारी, विष्णुगोपाल तिवारी, सुरेश कुमार उपाध्याय (जैतारण), जगदीश तिवारी, कमल किशोर नागला, गज्जू उपाध्याय, अशोक पंडित, नरेश पांडिया, हरिकिशन ओझा, रामप्रकाश नागला, महेश तिवारी, चन्द्रभान व्यास, मेक ओझा, कन्हैयालाल ओझा, चम्पालाल ओझा, पवन उपाध्याय, सुरेश कुमार व्यास जानम रामदेव व्यास (बलुन्दा), विजय कुमार उपाध्याय, संदीप जायलवाल, मनोहर नागलाएवं काफी संख्या में अन्य समाज बंधू उपस्थित थे।

ड्यूटी में अनियमितता बरतने वाले डाक्टरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें : स्वास्थ्य मंत्री

जगतियाल, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। स्वास्थ्य मंत्री टी. हरीश राव ने कलेक्टर और अस्पताल अधीक्षक को उन डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया जो सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक ड्यूटी पर नहीं हैं। वह चाहते हैं कि अधिकारी उन डॉक्टरों को चेतावनी देकर कार्रवाई शुरू करें जो अनौपचारिक छुट्टी पर हैं। मरीजों को गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार ने राज्य के सरकारी अस्पतालों में सभी चिकित्सा सुविधाएं विकसित की हैं और नवीनतम चिकित्सा उपकरणों की व्यवस्था की है। ऐसे में डॉक्टरों को अस्पतालों में रहकर ही लोगों का इलाज करना पड़ता है।

अगर आपातकालीन समय में अस्पताल में डॉक्टर उपलब्ध नहीं रहेंगे तो मरीजों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा। ऐसी स्थिति से बचने के लिए डॉक्टरों को समन्वय के साथ काम करना चाहिए। उन्होंने कलेक्टर एवं अधीक्षक को अस्पताल स्टाफ की उपस्थिति बायोमेट्रिक अटेंडेंस सिस्टम से दर्ज करने के भी निर्देश दिये। स्वास्थ्य मंत्री ने शनिवार को यहां मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य केंद्र के औचक दौरे के दौरान ये टिप्पणियां कीं।

अग्रसेन बायोडाटा कमेटी की साप्ताहिक बैठक आयोजित

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रसेन बायोडाटा कमेटी की साप्ताहिक बैठक सिकंदराबाद स्थित चेयरमैन दुर्गा प्रसादजी के कार्यालय में संपन्न हुई। विवाह संबंधित विभिन्न विषयों पर विचार विमर्श किया गया। और अपने समाज में आज के जमाने में वैवाहिक संबंध बहुत कठिन से हो रहे हैं तो इस विषय पर गंभीर चर्चा की गई और इसमें सुधार करने का प्रयास किया जाएगा। सभा में उपस्थित अभिभावकों से उनकी राय जानी गई और सभी ने अग्रसेन बायोडाटा कमेटी के कार्य करने की प्रणाली पर संतुष्टि जताई। अवसर पर दुर्गा प्रसाद बंसल, श्रीमती संतोष देवी बंसल, पंकज कुमार संगी, उमाशंकर गोयंका, अजय तुलसियान, संगीता गोयल, कैलाश अग्रवाल, बजरंग लाल अग्रवाल, राधेश्याम अग्रवाल, हरिप्रसाद अग्रवाल, अनिल, महेश, पुरुषोत्तम, संतोष, अशोक आदि उपस्थित थे।

बृजभूषण के खिलाफ धरना देने वाली रेसलर को ब्रॉन्ज

रैंकिंग सीरीज में संगीता फोगाट ने जीता, कहा- ये मेडल संघर्षशील महिलाओं को समर्पित

पानीपत, 16 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ मोर्चा खोलने वाली महिला पहलवानों में शामिल संगीता फोगाट ने भारत का नाम एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। संगीता ने हंगरी के बुडापेस्ट में पॉलीक इमरे और वर्गा जानोस मेमोरियल रैंकिंग सीरिज कुश्ती चैंपियनशिप में हंगरी की विक्टोरिया बोरसोस को हराकर 59 किग्रा में ब्रॉन्ज मेडल जीता।

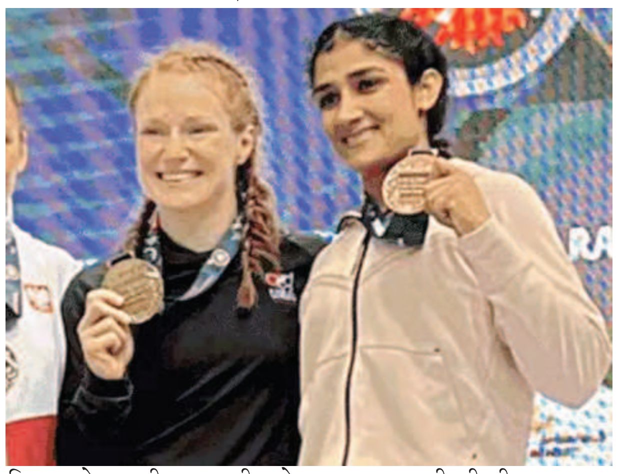

संगीता ने तीसरे-चौथे स्थान के मैच में अपने हंगेरियन प्रतिद्वंद्वी को निर्णय द्वारा जीत (वीपीओ1) में 6-2 से हराया। संगीता ने टेकडाउन मूव के साथ बढ़त बना ली। हालांकि हंगरी की पहलवान ने स्कोर 2-2 से बराबर कर लिया, लेकिन भारतीय पहलवान ने उग्र हमला किया। संगीता ओलिंपिक ब्रॉन्ज मेडल विजेता बजरंग पुनिया की पत्नी और राष्ट्रमंडल खेलों की गोल्ड मेडल विजेता गीता फोगाट की बहन है।

कॉमनवेल्थ में ब्रॉन्ज जीत चुकी हैं संगीता

फोगाट परिवार की संगीता ने 2013 की जूनियर एशियन चैम्पियनशिप में पहली बार सिल्वर मेडल जीता था। टीम ने 2017 के नेशनल रेसलिंग चैम्पियनशिप में गोल्ड जीता, लेकिन उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि 2018 में आई। जब उन्होंने कॉमनवेल्थ गेम्स में ब्रॉन्ज मेडल जीता।

रोमांचक मुकाबले में जीता मेडल

संयुक्त राज्य अमेरिका की जेनिफर पेज रोजर्स से करारी हार के साथ अपने अभियान की शुरुआत करने के बाद रेपेचेज राउंड के माध्यम से सेमीफाइनल में पहुंची थीं। उन्होंने तीसरे दौर में एक अन्य अमेरिकी पहलवान ब्रेंडा ओलिविया रेयना को तकनीकी श्रेष्ठता (वीएसयू1) से जीत हासिल कर, 12-2 से हराकर वापसी की थी।

संगीता ने शुरू से ही आक्रामक रुख अपनाया। तेज चाल से 4-2 की बढ़त बना ली और तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर मुकाबला जीत लिया। तीसरे राउंड में जीत से संगीता को सेमीफाइनल में जगह तो मिल गई, लेकिन वह फाइनल में आगे नहीं बढ़ सकीं। संगीता अपना सेमीफाइनल मुकाबला पोलैंड की मैग्डेलेना उर्सज़ुला ग्लोडर के खिलाफ 4-6 अंकों से हार गईं, लेकिन तीसरे-चौथे स्थान के मैच में फिर से वापसी करते हुए ब्रॉन्ज मेडल जीता।

मेडल संघर्षशील महिलाओं को किया समर्पित

ब्रॉन्ज मेडल जीतने के बाद संगीता ने अपने ऑफिशियल ट्विटर हैंडल पर लिखा, 'आप सभी के बधाई के संदेश मुझ तक पहुंच रहे हैं, इस पल पर बहुत भावुक हूं। आप सभी का बहुत बहुत शुक्रिया। यह मेडल सिर्फ मेरा नहीं है, आप सभी का मेडल है। मैं इस मेडल को दुनिया की उन सभी संघर्षशील महिलाओं को समर्पित करती हूं, जो महिलाओं के विरुद्ध हुए अपराधों के खिलाफ संघर्षरत हैं। जय हिन्द।

विनेश फोगाट ने नाम वापस लिया था

इससे पहले विनेश फोगाट ने मुकाबले से ऐन पहले अपना नाम वापस ले लिया था। विनेश फीवर और फूड पॉइजनिंग का हवाला देते हुए रैंकिंग सीरीज से हट गईं। यह टूर्नामेंट में एशियाड के ट्रायल्स से पहले उन खिलाड़ियों की फिटनेस का आकलन करने के लिए बेहतरीन मंच है जिन्होंने धरना प्रदर्शन के दौरान अपना कीमती समय गंवाया और ट्रेनिंग व मुकाबले से दूर रहे।

बजरंग पूनिया, विनेश फोगाट, संगीता फोगाट, साक्षी मालिक जैसे भारत के शीर्ष पहलवान कुछ दिन पहले देश की राजधानी दिल्ली में प्रदर्शन पर बैठे हुए थे।

लॉन्गजम्पर श्रीशंकर ने 2024 ओलिंपिक के लिए क्वालिफाई किया

एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप के चौथे दिन भारत को 5 मेडल

थाईलैंड, 6 जुलाई (एजेंसियां)। लॉन्गजम्पर मुरली श्रीशंकर ने 2024 के ओलिंपिक गेम्स के लिए क्वालिफाई कर लिया है। उन्होंने थाईलैंड में चल रही 25वीं एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2023 के चौथे दिन सिल्वर मेडल जीतकर ओलिंपिक कोटा हासिल किया। शुक्रवार को भारतीय एथलीट्स ने 5 मेडल जीते। जिनमें 1 गोल्ड, 3 सिल्वर और 1 ब्रॉन्ज मेडल शामिल हैं।

8.37 मीटर जम्प कर सिल्वर मेडल जीता

वहीं मेंस के लॉन्ग जंप में मुरली श्री शंकर ने 8.37 मीटर के साथ सिल्वर मेडल जीतने में सफल रहे। इसके साथ ही पेरिस ओलिंपिक के लिए भी क्वालिफाई कर लिए। इवेंट में चायना ताइपे के लिन यु टांग ने 8.40 मीटर के साथ गोल्ड और चीन के झांग मिनकुन ने 8.08 मीटर के साथ ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया।

भारतीय मिक्स्ड टीम 400 मीटर रिले में जीता गोल्ड

भारतीय मिक्स्ड टीम 400 मीटर रिले में 3.14.70 सेकेंड का समय लेकर पहले स्थान पर रही। टीम में पुरुषों में राजेश रमेश, अमोज जैकब और विमेंस में एश्वार्या मिश्रा और शुभा वेंकेटशन शामिल थीं। वहीं श्रीलंका की टीम ने 3.15.41 सेकेंड का समय के साथ दूसरे और जापान की टीम 3.15.71 सेकेंड के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

भारतीय एथलीट्स को चौथे दिन सिल्वर मेडल मिले

चौथे दिन भारतीय एथलीटों ने 3 सिल्वर मेडल जीते। विमेंस की हेप्टाथलॉन में 5840 पॉइंट के साथ स्वप्ना बर्मन ने सिल्वर मेडल जीतने में सफल रहीं। इस इवेंट में उज्बेकिस्तान की एकातेरिना वोरोनिना 6098 पॉइंट के साथ गोल्ड और जापान की युकी यामासाकी ने 5696 पॉइंट के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता।

हाईजम्प मेंस भी सिल्वर

मेंस के हाई जम्प में सर्वेश कुमार ने 2.26 मीटर के दूसरे स्थान पर रहे। साउथ कोरिया के वु सांगयोक 2.28 मीटर के साथ पहले और थाईलैंड के तावन केडोम ने 2.26 मीटर के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

पुरुषों के 400 मीटर हर्डल में संतोष कुमार ने ब्रॉन्ज मेडल जीता

पुरुषों के 400 मीटर हर्डल रेस में संतोष कुमार ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। इस इवेंट में कतर के बसीम मोहम्मद ने गोल्ड और जापान के याशाकु ने सिल्वर मेडल जीता।

भारत ने अब तक 6 गोल्ड सहित 14 मेडल जीते

भारत अब तक 6 गोल्ड मेडल सहित 14 मेडल जीतकर टेबल टैली में तीसरे स्थान पर कायम है। चौथे दिन 400 मीटर मिक्स्ड टीम ने गोल्ड जीता। इसके अलावा भारत के लिए तजिंदरपाल सिंह तूर, पारुल चौधरी, ज्योति याराजी ने1500 मीटर, अजय कुमार सरोज और अब्दुल्ला अबुबकर ने गोल्ड जीता है।

वहीं चौथे दिन स्वप्ना बर्मन, मुरली श्री शंकर, सर्वेश कुमार ने सिल्वर जीते। इसके अलावा शैली सिंह ने भी सिल्वर मेडल जीता है। जबकि 400 मीटर दौड़ में ऐश्वर्या मिश्रा, तेजस्विन शंकर ने डेकथलॉन और अभिषेक पाल ने 10 हजार मीटर दौड़ और सतोंष कुमार ने 400 मीटर हर्डल में ब्रॉन्ज मेडल जीता।

सैफ कप जीतने के बावजूद एशियन गेम्स में भाग नहीं ले पाएगी भारतीय टीम, कप्तान निराश

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। सैफ चैंपियनशिप में जीत के बावजूद भारतीय टीम एशियन गेम्स में भाग नहीं ले पाएगी। अभी भी भारतीय टीम की रैंकिंग बेहद खराब है और एशियन गेम्स में भाग लेने के लिए टीम इंडिया को अपनी रैंकिंग में सुधार करना होगा।

भारतीय फुटबॉल टीम लगातार दूसरी बार एशियाई खेलों में भाग नहीं ले पाएगी। एशियाई खेलों में फुटबॉल जगत की शीर्ष आठ टीमें भाग लेती हैं और टीम इंडिया इसमें शामिल नहीं है। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने पहले योजना बनाई थी कि राष्ट्रीय सीनियर टीम के मुख्य कोच इगोर स्टिमैक थाईलैंड में किंग्स कप (7 सितंबर) के बाद चीन के हांगझू में 23 सितंबर से आठ अक्तूबर तक होने वाले एशियाई खेलों में अंडर-23 टीम ले जाएंगे।

2002 से, एशियाई खेलों में भाग लेनी वाली सभी फुटबॉल टीमों में खिलाड़ियों की उम्र 23 साल तक हो सकती है। हर टीम में सिर्फ तीन खिलाड़ी इससे ज्यादा उम्र के हो सकते हैं। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) और सभी राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) को भेजे गए पत्र में खेल मंत्रालय ने कहा है, "टीम स्पर्धाओं के लिए केवल उन्हीं खेलों को शामिल किया जाएगा, जिन्होंने एशिया के भाग लेने वाले देशों के बीच आठवीं रैंकिंग हासिल की है।" एशियाई खेलों में भाग लेने के लिए अंतिम एक वर्ष के प्रदर्शन पर विचार किया जाना चाहिए।"

रैंकिंग में भारत एशिया में टॉप-8 के आसपास भी नहीं है। यह वर्तमान में एशियाई फुटबॉल परिसंघ के तहत देशों में 18वें स्थान पर है। एआईएफएफ ने कहा कि वह खेल मंत्रालय से फैसले पर पुनर्विचार करने की अपील करेगा।

एआईएफएफ महासचिव शाजी प्रभाकरन ने बताया, ₹यह सरकार का निर्णय है। इसलिए, हमें इसका पालन करना होगा। हालांकि, जहां तक फुटबॉल का सवाल है, हम सरकार से फैसले पर पुनर्विचार करने की अपील करेंगे। इस साल भारतीय टीम का प्रदर्शन बेहद उत्साहजनक रहा है। अगर उन्हें एशियाई खेलों में खेलने का मौका मिलता है तो यह फुटबॉल के लिए बहुत बड़ा प्रोत्साहन होगा, खासकर अंडर-23 लड़कों के लिए।₹ आईओए ने 2018 एशियाई खेलों के लिए भारतीय फुटबॉल टीम को इसी आधार पर मंजूरी देने से इनकार कर दिया था कि वह एशिया में शीर्ष-8 में स्थान पर नहीं थी।

आईओए और एनएसएफ को भेजे गए खेल मंत्रालय के निर्देशों में एक प्रावधान है, जो कल्याण चौबे की अध्यक्षता वाले एआईएफएफ को आशा की किरण दे सकता है। ₹जहां, विशिष्ट खेल विषयों के विशेषज्ञों और भारतीय खेल प्राधिकरण की राय में, उचित कारणों के साथ उपरोक्त मानदंडों में छूट में व्यक्तियों और टीमों की भागीदारी की सिफारिश की जाती है, उचित निर्णय के लिए मंत्रालय में इस पर विचार किया जाएगा।

लक्ष्य सेन यूएस ओपन के सेमीफाइनल में हारे

वर्ल्ड नंबर 7 चीन के फेंग ने 21-17, 22-24, 21-17 से हराया; टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती खत्म

काउंसिल ब्लफ्स, 16 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के स्टार शटलर लक्ष्य सेन को यूएस ओपन सुपर-300 बैडमिंटन चैम्पियनशिप में मेंस सिंगल्स के सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा। इसी के साथ US ओपन 2023 में भारतीय चुनौती खत्म हो गई।

शनिवार सुबह को खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में ऑल इंग्लैंड चैम्पियन और वर्ल्ड नंबर 7 चीन के ली शी फेंग ने दुनिया के 12 नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य को 21-17, 22-24, 21-17 से हराया।

लक्ष्य ने इससे पहले फेंग को हराकर कनाडा ओपन में खिताब जीता था। यूएस ओपन फाइनल में फेंग का सामना थाईलैंड के उभरते सितारे कुन्लावुत वितिसार्न से होगा। कांटे की टक्कर में चीन के फेंग के खिलाफ लक्ष्य का फाइनल बेहद रोमांचक रहा। फेंग ने लगातार अटैक करना जारी रखा और सेमीफाइनल 21-17, 22-24, 21-17 के अंतर से जीत लिया।

लक्ष्य का करियर

21 साल के लक्ष्य यूथ बैडमिंटन की बॉय्ज सिंगल्स कैटेगरी में एक गोल्ड, एक सिल्वर और 2 ब्रॉन्ज जीत चुके हैं। सीनियर कैटेगरी में खेलना शुरू करने के बाद 2019 में उन्होंने डच ओपन का खिताब जीता। 2019 में ही लक्ष्य ने सारलॉरलक्स ओपन चैंपियनशिप भी जीता।

2022 से लक्ष्य का गोल्डन ईयर शुरू हुआ। यहां उन्होंने इंडिया ओपन जीता और भारत के लिए टीम चैम्पियनशिप में थॉमस कप और कॉमनवेल्थ गेम्स का गोल्ड मेडल अपने नाम किया। 2022 में ही लक्ष्य जर्मन ओपन और ऑल इंग्लैंड ओपन में रनर-अप रहे और 2023 में कनाडा ओपन जीतकर अपना चौथा मेंस सिंगल्स टाइटल जीता।

2023 में लक्ष्य का तीसरा सेमीफाइनल

इस साल लक्ष्य का यह तीसरा सेमीफाइनल मुकाबला था। उनका यह इस साल का 12वां बीडब्ल्यूएफ कॉम्पिटिशन था।

कनाडा ओपन का खिताब इस साल लक्ष्य का पहला ही खिताब था। इससे पहले लक्ष्य सिर्फ थाईलैंड ओपन के सेमीफाइनल में ही पहुंच सके थे, बाकी चैम्पियनशिप में उन्हें फर्स्ट, सेकेंड या थर्ड राउंड में ही हारकर बाहर होना पड़ा था। वह इस साल इंडोनेशिया ओपन के राउंड ऑफ 16 में किदांबी श्रीकांत से हारे। सिंगापुर ओपन के फर्स्ट राउंड में चीनी ताइपे के चोऊ टिएन चेन से हारे और थाईलैंड ओपन के सेमीफाइनल में उन्हें थाईलैंड के ही कुन्लावुत वितिसार्न ने हराया।

इसी साल लक्ष्य को मलेशिया मास्टर्स के सेकेंड राउंड, स्विस ओपन के फर्स्ट राउंड, ऑल इंग्लैंड चैम्पियनशिप के सेकेंड राउंड, जर्मन ओपन के फर्स्ट राउंड, इंडोनेशिया मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल, इंडिया ओपन के सेकेंड राउंड और मलेशिया ओपन के फर्स्ट राउंड में भी हार का सामना करना पड़ा।

'मुझे किसी ने फोन तक नहीं किया..'

ऑक्शन में नहीं खरीदने पर आरसीबी से नाराज हो गए थे चहल

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल ने रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) द्वारा उन्हें रिटेन नहीं किए जाने पर अपनी निराशा के बारे में खुलकर बात की है। नई दिल्लीः भारत के लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल ने रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) द्वारा उन्हें रिटेन नहीं किए जाने पर अपनी निराशा के बारे में खुलकर बात की है। 2022 आईपीएल की मेगा नीलामी में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने उन्हें नहीं खरीदा था जिसके बाद इस निर्णय को लेकर हर कोई हैरान था। इसे लेकर चहल ने एक इंटरव्यू में स्वीकार किया कि उन्हें बहुत बुरा लगा कि फ्रेंचाइजी ने उन्हें 8 साल के अंतराल के बाद जाने दिया, लेकिन उन्हें सबसे बुरी बात यह लगी कि आरसीबी ने फैसले के बारे में बताने के लिए उन्हें फोन तक नहीं किया।

रणवीर अल्लाहबादिया के साथ एक इंटरव्यू में चहल ने खुलासा किया कि आरसीबी द्वारा उन्हें ऑक्शन में ना खरीदे जाने के बाद वे खफा थे और किसी से बात भी नहीं कर रहे थे। उन्होंने कहा कि "मुझे निश्चित रूप से बहुत बुरा लगा। 2014 में मेरी यात्रा शुरू हुई। पहले मैच से, विराट कोहली ने मुझ पर भरोसा दिखाया। लेकिन, यह (फैसले पर) बुरा लग रहा है क्योंकि मैं 8 साल से फ्रेंचाइजी के लिए खेल रहा था। मैं लोगों को यह कहते हुए देखा कि 'यूज़ी ने बहुत सारे पैसे मांगे होंगे' और ऐसी ही चीजें। मैंने कुछ भी नहीं मांगा। मुझे पता है कि मैं कितना योग्य हूं। सबसे बुरी बात यह है कि आरसीबी की तरफ से एक भी फोन नहीं आया, उन्होंने मुझे कुछ नहीं बताया।' चहल ने खुलासा किया कि आरसीबी ने नीलामी में उनके लिए हर संभव कोशिश करने का वादा किया था लेकिन फ्रेंचाइजी ने उनके लिए एक भी बोली नहीं लगाई। दिल्ली कैपिटल्स, मुंबई इंडियंस और राजस्थान रॉयल्स के बीच लड़ाई के बाद, संजू सैमसन की अगुवाई वाली टीम ने उन्हें 6.50 करोड़ रुपये में खरीदा।

चहल ने इंटरव्यू में कहा कि "मैंने आरसीबी के लिए लगभग 140 मैच खेले, लेकिन मुझे उनसे कोई उचित संचार नहीं मिला। उन्होंने मुझसे वादा किया कि वे मेरे लिए हर संभव कोशिश करेंगे।

रोहित बोले- यशस्वी टैलेंटेड, प्लान से जरा भी नहीं भटके

बैटिंग के दौरान कप्तान ने कहा- मेहनत से यहां पहुंचे हो, अब एंजॉय करो

डोमिनिका, 16 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने कहा, 'यशस्वी टैलेंटेड खिलाड़ी हैं। वह प्लान से जरा भी नहीं भटके और रन बनाए। उनके साथ बैटिंग करते हुए यही कह रहा था कि मेहनत से यहां तक पहुंचे हो, अब अच्छे से एंजॉय करो।'

यशस्वी ने वेस्टइंडीज के खिलाफ डेब्यू टेस्ट में ही 171 रन की पारी खेली। टीम इंडिया ने मुकाबला जीता और यशस्वी को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। मैच के बाद रोहित शर्मा ने टीम इंडिया और यशस्वी को लेकर अहम बातें कही।

'यशस्वी टैलेंटेड खिलाड़ी हैं। वह 2-3 सालों से लगातार परफॉर्म कर रहे थे। हमें पता था, वह अच्छा करेंगे और बड़े स्टेज के लिए भी तैयार हैं। यशस्वी ने बहुत धैर्य से बैटिंग की, उन्होंने टेम्परामेंट दिखाया और प्लान को प्रॉपर्ली एग्जीक्यूट किया। पिच स्लो थी, लेकिन यशस्वी ने गेम में इम्प्रूवमेंट करते हुए बैटिंग की और सेंचुरी लगाई।'

बैटिंग करते हुए क्या बताया

'पिच पर बैटिंग करते हुए उसे लगातार बता रहा था कि तुम यहीं के लिए (इंटरनेशनल क्रिकेट) बने हो। खुद में विश्वास बहुत जरूरी है, क्योंकि पहले टेस्ट में बहुत सवाल दिमाग में घूमते हैं कि मैं यहां टिकूंगा या नहीं। साथ में बैटिंग करते हुए मेरा यही काम था कि उसे कहता रहूं, तुम बहुत मेहनत से यहां तक पहुंचे हो। अब अपने गेम को एंजॉय करो। रिजल्ट की चिंता मत करो, बस अपना नेचुरल गेम खेलो, रिजल्ट भी अच्छे ही मिलेंगे।'

रोहित शर्मा वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट में डेब्यूटांट यशस्वी के साथ ओपनिंग करने उतरे। दोनों ने सेंचुरी लगाई और 229 रन की पार्टनरशिप की। दोनों ने वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत के लिए सबसे बड़ी ओपनिंग साझेदारी का रिकॉर्ड भी तोड़ा। यह रिकॉर्ड संजय बांगर और वीरेंद्र सहवाग (201 रन) ने 2002 में बनाया था। ईशान के डेब्यू पर पहले रन पर

'मैं बस कह रहा था कि हमारे पास डिक्लेयर करने से पहले एक या 2 ही ओवर बाकी हैं। मैं चाह रहा था कि ईशान पहला रन बना ले। वो 15-20 गेंदें खेलने के बाद भी खाता नहीं खोल सके थे। मैं बस यही कह रहा था कि डेब्यू पर वो जल्दी पहला रन ले तो हम पारी डिक्लेयर कर दें।'

साउथ जोन ने जीता दलीप ट्रॉफी का खिताब

वेस्ट जोन को 75 रन से हराया; विद्वत कवेरप्पा प्लेयर ऑफ द सीरीज

बेंगलुरु, 16 जुलाई (एजेंसियां)। दलीप ट्रॉफी 2023 के फाइनल मुकाबले में साउथ जोन ने वेस्ट जोन को हरा दिया है। बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबला रविवार को मैच के पांचवें दिन साउथ जोन ने वेस्ट जोन को 75 रन से हराकर ट्रॉफी अपने नाम की।

मैच पांचवें दिन वेस्ट जोन ने 182/5 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। आखिरी दिन वेस्ट जोन को जीत के लिए 116 रन की जरूरत थी लेकिन टीम ने 47 रनों पर ही अपने पांच विकेट गंवा दिए।

चौथे दिन साउथ जोन 230 रन पर ऑलआउट हो गया और वेस्ट जोन को 298 रन का टारगेट दिया। चौथे दिन स्टंप्स तक वेस्ट जोन ने दूसरी पारी की शुरुआत की और 5 विकेट के नुकसान पर 182 रन बना लिए। अब आखिरी दिन वेस्ट जोन को जीत के लिए 116 रन की जरूरत थी।

तीसरे दिन शुक्रवार को खराब रोशनी की वजह से खेल को पहले रोकना पड़ा। तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक साउथ जोन ने दोनों पारियों के आधार पर 248 रन की बढ़त बना चुकी है। दूसरी पारी में साउथ जोन ने 7 विकेट के नुकसान पर 181 रन बनाए। पूरी खबर पढ़ने के लिए यहां क्लिक करें...

दूसरे दिन गुरुवार को पहली पारी में वेस्ट जोन ने स्टंप्स तक 7 विकेट के नुकसान पर 129 रन बना लिए हैं। टीम साउथ जोन से 84 रनों से पीछे है। इससे पहले साउथ जोन की टीम ने पहली पारी में 213 रन पर सिमट गई थी। बुधवार को पहले दिन के खेल समाप्त होने तक साउथ जोन ने 182 रन बनाए थे। वहीं गुरुवार को 182 रनों से आगे खेलते हुए 213 रन बनाए। पूरी खबर पढ़ने के लिए यहां क्लिक करें...

पहले दिन का खेल खत्म होने तक साउथ जोन का स्कोर 182/7 रहा। वेस्ट जोन ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी साउथ जोन की टीम के लिए पहले दिन हनुमा विहारी ने सबसे ज्यादा 63 रन की पारी खेली।

इंटर मियामी और मेसी का आधिकारिक करार

शुक्रवार तक टीम से जुड़ेंगे, 2025 तक इस क्लब से खेलेंगे

खेल डेस्क, 16 जुलाई (एजेंसियां)। मेसी शुक्रवार तक अपने नए क्लब इंटर मियामी से जुड़ जाएंगे। वह 2025 तक इसी क्लब के लिए खेलते दिखेंगे। मेसी और इंटर मियामी के बीच बातचीत काफी पहले हो चुकी थी। अब उन्होंने आधिकारिक तौर पर करार कर लिया है।

अर्जेंटीना के फुटबॉल स्टार लियोनेल मेसी ने आधिकारिक तौर पर इंटर मियामी के साथ करार कर लिया है। वह 2025 तक इसी क्लब के लिए खेलेंगे। मेजर लीग सॉकर टीम ने शनिवार को यह जानकारी दी। 36 वर्षीय मेसी ने पिछले साल कतर में अर्जेंटीना को विश्व कप खिताब दिलाया था और मौजूदा समय के सबसे महान फुटबॉल खिलाड़ी माने जाते हैं। इंटर मियामी की टीम रविवार को एक समारोह में उन्हें अपने साथ जोड़ेगी। शुक्रवार तक वह मैदान में इस टीम के साथ जुड़ जाएंगे। मेसी ने एक बयान में कहा, मैं इंटर मियामी और संयुक्त राज्य अमेरिका में अपने करियर का अगला पड़ाव शुरू करने के लिए बहुत उत्साहित हूं।

कृषि क्षेत्र में जल संरक्षण पर अधिक ध्यान देने की जरूरत : शेखावत

केंद्रीय मंत्री ने स्टार्टअप्स से जल क्षेत्र में संभावनाएं तलाशने को कहा

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग के मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने रविवार को माधापुर में टी-हब में निवेशक सम्मेलन और संस्थापक दिवस पर जेआईटीओ इनक्यूबेशन एंड इनोवेशन फाउंडेशन के दो सम्मेलनों को संबोधित करते हुए कहा कि जल क्षेत्र में बहुत सारे अवसर हैं और स्टार्टअप तलाश सकते हैं।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आम धारणा के विपरीत, भारत में कृषि क्षेत्र घरेलू और औद्योगिक क्षेत्रों की तुलना में अधिक पानी की खपत करता है। यह देश में 771,000 बिलियन लीटर वार्षिक मीठे पानी की निकासी का लगभग 90% हिस्सा है। कृषि क्षेत्र में प्रति व्यक्ति पानी की खपत 4,913 से 5,800 किलोलीटर प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष है। उन्होंने कहा कि यह अन्य देशों की तुलना में कहीं अधिक है।

हमारा पानी सबसे कम उत्पादक माना जाता है। भारत कृषि में उपयोग होने वाले पानी के संरक्षण पर कोई पैसा खर्च नहीं करता है। आश्चर्यजनक रूप से, जल संरक्षण उद्योग और उपयोगिता क्षेत्रों में होता है, जिनमें से दोनों देश के 5% से कम पानी की खपत करते हैं। कृषि क्षेत्र में जल संरक्षण पर अधिक ध्यान नहीं दिया जाता। यहीं पर हमें निजी क्षेत्र की मदद की जरूरत है। यहीं पर हमें स्टार्टअप्स की जरूरत है।

हमें सटीक कृषि में मदद के लिए स्टार्टअप की आवश्यकता है। जलशक्ति मंत्री ने कहा, हमें कृषि क्षेत्र को पानी बचाने में मदद करने के लिए उनके हस्तक्षेप की आवश्यकता है।

मंत्रालय सीवेज जल के पुन: उपयोग के लिए एक व्यवसाय मॉडल विकसित करने के लिए स्टार्टअप की तलाश कर रहा था। कृषि, बागवानी और भूजल पुनर्भरण में पुनर्चक्रित अपशिष्ट जल के महत्व पर जोर देते हुए केंद्रीय जल शक्ति मंत्री ने कहा कि स्टार्टअप इस क्षेत्र में भी बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा कि मंत्रालय ने भारत में लगभग 2000 एनएबीएल मान्यता प्राप्त जल परीक्षण प्रयोगशालाएं स्थापित की हैं। एनएबीएल परीक्षण और अंशांकन प्रयोगशालाओं के लिए राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड है। हमारा लक्ष्य हर जिले में एक परीक्षण सुविधा स्थापित करना है। पानी की गुणवत्ता का परीक्षण कठोरता, पीएच, तांबा, लोहा, फॉस्फेट, क्लोरीन, अमोनिया, क्रोमियम और अन्य जैसे 12 मापदंडों पर किया जाएगा। केंद्र जल क्षेत्र में 240 बिलियन डॉलर से अधिक का निवेश करने के लिए प्रतिबद्ध है और दुनिया में सबसे बड़े बांध पुनर्वास कार्यक्रम के साथ-साथ भूजल स्तर, नदी कायाकल्प, नदी कनेक्टिविटी और ऐसी कई दुनिया की सबसे बड़ी परियोजनाओं को बहाल करने के प्रयासों को लागू कर रहा है, गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि जल संरक्षण, उसका संचयन, उसका तर्कसंगत उपयोग करना और जल का पुनर्चक्रण करना यह संदेश पूरे देश में फैलाया जाना चाहिए।

हर्षोल्लास के बीच लाल दरवाजा बोनालू उत्सव शुरू

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पुराने शहर का प्रसिद्ध लाल दरवाजा बोनालू रविवार को भव्य पैमाने पर मनाया गया। सुबह से ही हजारों श्रद्धालु देवी के दर्शन के लिए मंदिरों में उमड़ पड़े। इस अवसर को चिह्नित करने के लिए महिला भक्तों ने देवी को बोनम चढ़ाया। इस बीच, अधिकारियों ने श्रद्धालुओं को असुविधा से बचाने के लिए व्यापक इंतजाम किये हैं। मंदिर समिति ने बारिश की स्थिति में भक्तों की सुरक्षा के लिए अस्थायी शेड की व्यवस्था की है। दूसरी ओर, शहर के बड़े हिस्से में लोगों ने त्योहार को हर्षोल्लास और धार्मिक उत्साह के साथ मनाया। शहर के कई हिस्सों में त्योहार के लिए सभी मंदिरों को सजाया गया था और महिलाएं अपने-अपने क्षेत्रों में कतार में खड़ी होकर देवी को बोनम चढ़ाती देखी गईं। दूसरी ओर, पुलिस ने मंदिरों में देवी-देवताओं के परेशानी मुक्त दर्शन के लिए आवश्यक व्यवस्था की।

पुराने शहर चारमीनार स्थित भाग्यलक्ष्मी माता मंदिर में बानालू के अवसर पर पूजा-अर्चना करने पहुंचे धर्मस्व मंत्री इंद्रकरण रेड्डी। इस अवसर पर मंदिर की ट्रस्टी सुश्री शशिकला ने मंत्री का भव्य स्वागत किया।

राजभवन के परिसर में राज्यपाल ने नल्ला पोचम्मा को बोनम चढ़ाया

बोनालू उत्सव के लिए निमंत्रण नहीं मिलने पर बीआरएस सरकार पर कटाक्ष किया

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल डॉ. तमिलिसाई सुंदरराजन ने बोनालू उत्सव समारोह के लिए निमंत्रण नहीं देने के लिए एक बार फिर बीआरएस सरकार पर कटाक्ष किया। तमिलिसाई सौंदर्यराजन ने रविवार को यहां राजभवन के परिसर में स्थित देवी नल्ला पोचम्मा को बोनम चढ़ाया। इस अवसर पर बोलते हुए, राज्यपाल ने बोनालू उत्सव समारोह के लिए सरकार से कोई निमंत्रण नहीं मिलने पर नाराजगी व्यक्त की और कहा कि यह उनके लिए कोई नई बात नहीं है और पिछले कुछ समय से ऐसा हो रहा है। उन्होंने कहा कि चाहे मुझे सरकार से निमंत्रण मिले या नहीं, मैं बहुत खुश हूं क्योंकि तेलंगाना के लोग मेरे परिवार के सदस्य हैं। इस बीच राजभवन ने बोनालू उत्सव बड़े पैमाने पर मनाया गया। डॉ. तमिलिसाई सौंदर्यराजन अपने सिर पर पारंपरिक बोनम लेकर राजभवन परिवार के सदस्यों के साथ अपने आधिकारिक आवास से राजभवन परिसर में स्थित मंदिर तक एक जुलूस में आईं। राज्यपाल ने राजभवन मंदिर में इष्टदेव नल्ला पोचम्मा को बोनम चढ़ाया और पूजा की।

राजभवन में उत्सव जैसा माहौल था, जबकि विशाल राजभवन परिसर में तेलंगाना बोनालू लोकगीतों की गूंज सुनाई दे रही थी। राज्यपाल ने कहा कि मैंने देवी से हमारे राष्ट्र की समृद्धि और विकास के लिए प्रार्थना की और तेलंगाना और सभी लोगों की भलाई। उन्होंने इस अवसर पर सभी कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों को बधाई दी। राज्यपाल के सचिव के. सुरेंद्र मोहन और अन्य वरिष्ठ अधिकारी राजभवन में बोनालू राज्य उत्सव समारोह में राज्यपाल के साथ शामिल हुए।

कुक्कटपल्ली में माता को बोनम चढाने के लिए ले जाती हुईं अभिनेत्री तथा भाजपा नेता विजयशांति।

अगले चार दिनों में राज्य में भारी बारिश की संभावना

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। दो तेलुगु भाषी राज्यों में मध्यम बारिश हो रही है। हैदराबाद मौसम विज्ञान केंद्र ने अगले चार दिनों में तेलंगाना में हल्की से भारी बारिश की चेतावनी दी है। इस संबंध में संबंधित जिलों को येलो अलर्ट जारी किया गया है।

मौसम विभाग के अधिकारियों के अनुसार, रविवार से आदिलाबाद, कुमरामभीम आसिफाबाद, मनचेरियल, निर्मल, निज़ामाबाद, जगतियाल, राजन्ना सिरसिला, जयशंकर भूपालपल्ली, मुलुगु, भद्राद्री कोत्तागुडेम, विकाराबाद, संगारेड्डी, मेडक और कामारेड्डी जिलों में बिजली गिरने के साथ आंधी आने की संभावना है। सोमवार से मंगलवार सुबह तक आदिलाबाद, निज़ामाबाद, भूपालपल्ली, मुलुगु, कोठागुडेम, विकाराबाद, संगारेड्डी और कामारेड्डी जिलों में भारी बारिश होने की संभावना है। राज्य के कुछ अन्य इलाकों में आंधी और बिजली गिरने की संभावना है।

इस बीच, मंगलवार से गुरुवार तक निज़ामाबाद, राजन्ना सिरसिला, करीमनगर, पेद्दापल्ली, जयशंकर भूपालपल्ली, संगारेड्डी, रंगारेड्डी, हैदराबाद, मेडचल, मल्काजगिरी, महबूबनगर, वनपर्ती और नारायणपेट जिलों में भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है। इस संबंध में संबंधित जिलों को येलो अलर्ट जारी किया गया है. अधिकारियों ने बताया कि रविवार को मंचेरियल जिले के कोटापल्ली में सबसे अधिक बारिश दर्ज की गई।

किशन को 'ग्लोबल इनक्रेडिबल आईएनसी लीडरशिप अवार्ड' मिला

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय पर्यटन, संस्कृति और उत्तर पूर्वी राज्यों के विकास मंत्री जी. किशन रेड्डी को प्रतिष्ठित 'ग्लोबल इनक्रेडिबल आईएनसी लीडरशिप अवार्ड' से सम्मानित किया गया है। केंद्रीय मंत्री को यह पुरस्कार 'यूएस इंडिया एसएमई काउंसिल' द्वारा प्रदान किया गया, जो भारत और अमेरिका के बीच व्यापार और लोगों से लोगों के आदान-प्रदान कार्यक्रम आयोजित करता है। भारत की समृद्ध संस्कृति को बढ़ावा देने और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए किशन रेड्डी के प्रयासों के लिए अमेरिका के मैरीलैंड राज्य के कई गणमान्य व्यक्तियों द्वारा शनिवार रात केंद्रीय मंत्री को यह पुरस्कार प्रदान किया गया। पुरस्कार प्राप्त करने पर, किशन रेड्डी ने ट्विटर पर प्रतिक्रिया दी और कहा कि वह 'यूएस इंडिया एसएमई काउंसिल' से लीडरशिप अवार्ड प्राप्त करके खुश हैं। उन्होंने कहा कि यह पुरस्कार उन्हें देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत के समृद्ध इतिहास और संस्कृति को संरक्षित करने और पर्यटन को बढ़ावा देने के उनके मंत्रालय के प्रयासों के लिए दिया गया है।

अभिनेता मनोज कुमार रिमांड पर

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बिना किसी लाइसेंस के एयर गन से गोली चलाने के आपराधिक आरोप का सामना कर रहे अभिनेता मनोज कुमार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस ने आईपीसी और आर्म्स एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

अभिनेता को उनकी स्वास्थ्य स्थिति के बारे में नैदानिक परीक्षण करने के लिए अस्पताल ले जाया गया और पुलिस द्वारा अलवाल में एक मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया। मजिस्ट्रेट ने उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया. मनोज कुमार ने शमीरपेट में सेलिब्रेशन क्लब स्थित अपने आवास पर सिद्धार्थ दास पर अपनी एयर गन से गोलियां चला दीं। पीड़िता इलाके से भाग गई और शमीरपेट पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

सिद्धार्थ दास साल 2019 में अपनी पत्नी स्मिता दास से अलग हो गए। अलग हुए जोड़े का एक बेटा और एक बेटी है। स्मिता पिछले कुछ समय से सेलिब्रेशन क्लब के विला नंबर 21 में मनोज की लिव-इन पार्टनर के रूप में रह रही है। सिद्धांत दास अपने बच्चों से मिलने के लिए विला में आए थे। हालाँकि, उसने आरोपी मनोज कुमार के साथ लड़ाई की।

बिजली कटौती के खिलाफ कांग्रेस ने दिया सब स्टेशन के सामने धरना

सिरपुर कागजनगर, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पेंचिकलपेट्टा मंडल केंद्र में किसानों को 24 घंटे मुफ्त बिजली देने का दावा करने वाली टीआरएस सरकार की आलोचना करते हुए टीपीसीसी अध्यक्ष रेवंत रेड्डी का पुतला फूंका गया था, इस प्रक्रिया पर उन्होंने ने कहा कि यह विडंबना है कि सत्तारूढ़ दल विपक्ष के खिलाफ धरना दे रहा है। 3 किसानों को दिन में कम से कम 3 घंटे 3 फेज बिजली नहीं दी जाती, अगर 10 मिनट के लिए बिजली चली जाए तो सोचिए उस किसान को कितनी परेशानी होगी। सिरपुर निर्वाचन क्षेत्र के कांग्रेस पार्टी प्रभारी रवि श्रीनिवास ने जिला किसान सेल अक्षद्यु के साथ मिलकर बिना किसी समय सीमा के आधी रात को बिजली देने के लिए राज्य सरकार की आलोचना की और यह भी आलोचना की कि टीआरएस सरकार अधिकारियों के साथ 24 घंटे बिजली घोटाले में शामिल है और कम से कम मांग की किसानों को 10 घंटे गुणवत्तापूर्ण बिजली, कस्तूरी सत्यनारायण और मंडल नेता, ब्लॉक कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए।

संदिग्ध लुटेरों ने वृद्ध महिला की हत्या कर दी

जगतियाल, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। इब्राहिमपटनम मंडल के गोदुर में शनिवार शाम को 55 वर्षीय महिला मेट्टू नरसु संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाई गई। परिजनों को संदेह है कि उसकी हत्या लुटेरों ने की है.

पुलिस के अनुसार, नरसू गांव के बाहरी इलाके में सब-स्टेशन के पास अपने कृषि क्षेत्र में काम करने गया था। जब वह रात में घर नहीं लौटी तो परिवार के सदस्यों ने तलाश की और उसे अपने खेत के पास खून से लथपथ पाया। वह सिर पर गंभीर चोट के कारण मृत पाई गई। चूँकि सोने के गहने गायब थे, उसके परिवार के सदस्यों को संदेह था कि उसे लुटेरों ने मार डाला होगा। घटना की जानकारी होने पर मेटपल्ली डीएसपी रवींद्र रेड्डी, सीआई लक्ष्मीनारायण और इब्राहिमपटनम एसआई उमासागर ने घटनास्थल का दौरा किया और घटना की जानकारी ली।

पीवीएनआर फ्लाईओवर पर एक कार के दूसरे से टकराने से चार घायल

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार तड़के राजेंद्रनगर में पीवी नरसिम्हा राव फ्लाईओवर पर चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जब आरामगढ़ से मेहदीपट्टनम आ रही एक कार टायर फटने के बाद सड़क के डिवाइडर पर दूसरी कार से टकरा गई।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को निजी अस्पताल पहुंचाया। इसके साथ ही फ्लाईओवर पर यातायात ठप हो गया। हालांकि, राजेंद्रनगर पुलिस ने जाम खुलवाया और जांच की।

शिक्षक की हत्या, चार गिरफ्तार

विजयनगरम, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जिले में एक शिक्षक की हत्या के मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया। जिला पुलिस अधीक्षक दीपिका ने शनिवार को यहां मीडियाकर्मियों को यह जानकारी देते हुए कहा कि मुख्य आरोपी वेंकट नायुडू और उसके लोगों गणपति, मोहन और रामास्वामी को हिरासत में ले लिया गया है। उन्होंने कहा कि उन्होंने शिक्षक एगिरेड्डी कृष्णा की हत्या कर दी क्योंकि वह कथित तौर पर उनके राजनीतिक विकास में बाधाएं पैदा कर रहे थे। वेंकट नायुडू का परिवार जिले के टेरलाम मंडल के वुड्डावोलू गांव में सरकारी भवनों के निर्माण में शामिल था और उन्होंने परियोजनाओं में निवेश करने के लिए दो करोड़ रुपये उधार लिए थे। हालांकि, उन्हें लगा कि शिक्षक कृष्णा बिलों का भुगतान रोक रहा था और इसलिए उसे मार डाला, उसने खुलासा किया।

मुख्य आरोपी वेंकट नायडू और शिक्षक कृष्णा के बीच प्रतिद्वंद्विता है जिसके कारण हत्या हुई। वे दोनों अतीत में प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक दलों में थे, लेकिन अब सत्तारूढ़ दल में चले गए हैं।

दीपिका ने यह भी कहा कि आरोपियों ने रेकी कर उनकी हत्या कर दी। शनिवार की सुबह जब कृष्णा अपने दोपहिया वाहन पर स्कूल जा रहा था, तो उन्होंने एक बड़ी कार में उसका पीछा किया और उसे टक्कर मार दी। बाद में, उन्होंने उसे लोहे की छड़ों से पीटा और उसकी हत्या कर दी, उसने खुलासा किया। जब कृष्णा के परिवार वालों ने वेंकट नायडू के घर पर धावा बोल दिया तो गांव में तनाव फैल गया. पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी के परिवार के सदस्यों को पिछले दरवाजे से ले गई। एसपी ने बताया कि गांव में स्थिति नियंत्रण में है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.